

DUE DATE SLIP**GOVT. COLLEGE, LIBRARY**

KOTA (Raj)

Students can retain library books only for two weeks at the most

BORROWER'S No	DUE DATE	SIGNATURE

ॐ

अंकों में छिपा भविष्य

(A Treatise On Numerology)

U. G. U. BOOKS



लेखक :

कीरो [CHEIRO]

(विश्वविख्यात भविष्यवेत्ता)



रंजन पब्लिकेशन्स

16, बन्सारी रोड, दरियागढ़

नई दिल्ली-110002

प्रकाशक :

रजन पब्लिकेशन्स

16, बंगाली रोड, हरियाणज,

नई दिल्ली-110002

फोन : 3278835

● सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

संस्करण 1996



मूल्य 40 00

मुद्रक स्पीडोग्राफिक्स दिल्ली



पुस्तक पढ़ने से पहले...

अत्यन्त प्राचीन काल से ही मानव के मन में नियतिके गूढ़ रहस्यों को भेदकर अज्ञात भविष्य को जान लेने की साधना रही है। उसकी इसी साधना ने ज्योतिष-विद्या को जन्म दिया। उसने ग्रहों की बातों का सूक्ष्म अध्ययन कर भौतिक तथा मानव-जीवन में घटित होने वाली घटनाओं पर उनके प्रभाव को जानने का प्रयास किया, हाथ और पांव की रेखाओं से व्यक्ति के भविष्य को पढ़ने का उद्यम किया, राशुनों और स्वप्नों को अर्थ दिए। इसी क्रम में उसने अनुभव किया कि ग्रहों के साथ-साथ एक भी हमारे जीवन की घटनाओं को प्रभावित करते हैं।

अकों के रहस्य और शक्ति को जानने का प्रयास हजारों वर्षों से होना रहा है, यद्यपि उसका क्रमबद्ध इतिहास अधिक पुराना नहीं। हमारे प्राचीन मनीषियों को शक्ति का पता था। तब-सत्रों में उन्होंने उसका चमत्कारी उपयोग किया है, किन्तु वेद की बात है कि अपनी विद्या के अपने साथ ही से गए। तंत्रों के अंक-चक्र तो अब भी मिल जायें किन्तु उनके कल में क्या रहस्यता रही है, यह बताना सम्भव नहीं है।

अंक-विज्ञान को विज्ञान का रूप देने और उसे सर्वजन सुलभ बनाने का श्रेय पश्चिमी विद्वानों को ही है। विरचविख्यात ज्योतिषी कीरो इनमें एक है। सन्-भय चार हजार वर्ष पूर्व बेबीलोनिया और बाबिलिया में, और भारत, मिस्र, यूनान आदि में भी, प्रचलित अंक-विज्ञान का गहन अध्ययन कर उन्होंने प्रति-पादित किया है कि अकों, ग्रहों और राशियों में एक गूढ़ सम्बन्ध है। सप्ताह के सात दिन भी इससे अप्रभावित नहीं हैं, इस सम्बन्ध की ओर किसी अज्ञात शक्ति के हाथों में है और विश्व की तथा मानव जीवन की घटनाओं में इसकी रहस्य-पूर्ण तथा महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। अंक-विज्ञान के विकास में कीरो की शोध का अग्रिम स्थान है।

अस्तु पुस्तक 'कीरो' का ऐसा ही एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इसमें उन्होंने बेबीलोनियन तथा बाबिलियन अंक-विज्ञान के आधार पर जन्म-तिथि के अनुसार व्यक्ति के चरित्र, स्वभाव, समस्त सम्भावनाओं, स्वास्थ्य तथा महत्वपूर्ण घटनाओं

को निरूपित किया है। ज्योतिष में रचि रखने वाले पाठकों के लिए यह पुस्तक निस्संदेह अत्यन्त उपयोगी है। उन्हें इस विषय का विशद ज्ञान होना भी आवश्यक नहीं है। अपने बारे में जानकारी का साथ उठाकर वे अपने ध्येय की प्राप्ति कर सकते हैं और उन्नति के उच्चतम शिखर तक पहुँचने में सफल हो सकते हैं।

इसमें सायन सूर्य के संचार के अनुसार ग्रेगोरियन कैलेंडर वर्ष के बारह मासों को भ्रूज की बारह राशियों में विभाजित किया गया है। मेषा जनवरी-मकर, फरवरी-कुम्भ, मार्च-मीन, अप्रैल-मेघ, मई-वृष, जून-मिथुन, जुलाई-वृश्चिक, अगस्त-सिंह, सितम्बर-कन्या, अक्टूबर-तुला, नवम्बर-वृश्चिक तथा दिसम्बर-धनु।

एक दिसवत्स बात यह है कि सायन सूर्य मास की पहली तारीख को नहीं, बल्कि 21 तारीख को मेषा उसके आस-पास एक राशि से दूसरी राशि में संचार करता है। प्रारम्भ के सात दिन राशि-सन्धि के होते हैं जिसमें पूर्ववर्ती और नई, दोनों राशियाँ प्रभावी रहती हैं, पूर्ववर्ती राशि का प्रभाव उत्तरोत्तर घटता जाता है, नई राशि का बढ़ता जाता है। नई राशि 28 तारीख के आस-पास पूर्ण प्रभाव में आ पाती है। और अगले मास की 20 तारीख तक पूर्ण प्रभावी रहती है। उल्लेखनीय है कि शक (सौर) सम्बत् का मासप्रारम्भ भी ग्रेगोरियन मास की 22 तारीख को मेषा उसके आसपास होता है।

विभिन्न राशियों के स्वामी वे ही ग्रह हैं जो परम्परागत ज्योतिष में हैं। मेषा—सूर्य, वृश्चिक, मंगल-मेघ तथा वृश्चिक, वृष-मिथुन तथा कन्या, गुरु-धनु तथा मीन, शुक-वृष तथा तुला और शनि-मकर तथा कुम्भ। 'कीरो' ने यूरेनस और नेपचून को भी अपनी गणना में सम्मिलित किया है। इन्हें धृक् से किसी राशि का स्वामित्व प्रदान न कर यूरेनस को सूर्य के साथ और नेपचून को चन्द्र के साथ संयुक्त किया गया है। ऐसा सम्भवतः उनके गुणों के कारण है। इन तीनों ग्रहों में तीनों भूल अर्कों का विभाजन इस प्रकार किया गया है—सूर्य 1, वृश्चिक 2, मंगल 9, वृष 5, गुरु 3, शुक 6, शनि 8, यूरेनस 4 तथा नेपचून 7।

परम्परागत ज्योतिष और 'कीरो' द्वारा प्रतिपादित अर्ध-ज्योतिष में कुछ मौलिक अन्तर भी है। परम्परागत ज्योतिष में विषम राशियों (मेष, मिथुन, सिंह, तुला, धनु, तथा कुम्भ) को ओज (Positive) और सम राशियों (वृष, वृश्चिक, कन्या, मकर, मीन) को सौम्य (Negative) माना गया है। 'कीरो' दुहरे स्वामित्व वाले ग्रहों की पहली राशि को ओज और दूसरी को सौम्य मानते हैं। अतः उनके अनुसार मेष, वृष, मिथुन, धनु, मकर, ओज राशिवा है तथा कन्या, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन सौम्य। इसके अतिरिक्त सिंह ओज राशि

है जबकि वर्ष सौम्य । राशि के अनुसार उसका स्वामी भी शीघ्र या सौम्य होता है ।

पुस्तक की भूमिका में 'बीरो' ने कहा है 'ज्योतिषियों ने सुदूर अतीत से आज तक मानव जाति को अपने अनुभव से जो ज्ञान दिया है, उसके आधार पर मैंने इन पृष्ठों में हर मास का बुनियादी वर्ष समझाया है । साथ ही आल्फ्रड अक-विज्ञान के अनुसार यह भी बताया है कि प्रत्येक तिथि पर ग्रहों का क्या प्रभाव पड़ता है । अपने दीर्घ अनुभव से मैंने इनकी पुष्टि की है ।'

जन्म-तिथि के अनुसार घास्यफल जानने के लिए पाठक को पहले उस मास का आम फल देखना चाहिए जिसमें उक्त तिथि पड़ती है । इसके पर्याप्त मूलों के अनुसार उक्त तिथि का फल देखना चाहिए । उदाहरण के लिए यदि जन्म तिथि 14 मई है तो पहले मई मास की आम प्रवृत्तियों को पढ़ना चाहिए और फिर $14 \div 1 + 4 = 5$ मूलों वाले व्यक्तियों की प्रवृत्तियों को ।

एक स्वामाधिक ग्रन्थ यह पैदा होता है कि नई तिथि की गणना किस समय से की जाए । पारंपारिक कैलेंडर के अनुसार वह राशि 12 बजे से आरम्भ हो जाती है । भारतीय ज्योतिष में सूर्योदय से नई तिथि की गणना की जाती है । कुछ भारतीय अर्थशास्त्रियों का विचार है कि नए तिथि अंक की गणना सूर्योदय के बाद से की जानी चाहिए, अर्थात् यदि किसी व्यक्ति का जन्म सूर्योदय से पहले हुआ है तो उसकी जन्मतिथि पहले दिन वाली गिनी जानी चाहिए । 'बीरो' ने इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहा है, लेकिन समझा जा सकता है कि वह पश्चिमी कैलेंडर के अनुसार ही तिथि मानते होंगे ।

इस सम्बन्ध में हमारा विनम्र सुझाव है कि राशि 12 बजे से सूर्योदय तक का समय तिथि-संधि का समय माना जाए जैसे 'बीरो' ने सात दिन का समय 'राशि-संधि' का समय माना है । कुछ मामलों में हमारा अनुभव है कि इस तिथि-संधि बात में जन्मे व्यक्तियों पर दोनों तिथियों का मिला-जुला प्रभाव रहता है, पूर्ववर्ती तिथि का प्रभाव उत्तरोत्तर कम होता जाता है और नई तिथि का उत्तरोत्तर बढ़ता जाता है ।

अब विधान में मूलों की बात की गयी है । ये मूलों हैं—'एक' से 'नौ' तक के अंक । किसी भी सख्या को उसके मूलों में बँटा जा सकता है । इसके लिए इकाई, दहाई, सैकड़ा, हजार आदि के सभी अंकों को जोड़ना होता है । यदि जोड़ 'नौ' से अधिक हो तो इकाई, दहाई आदि के अंकों को पुनः जोड़ना होगा । यह कम-ज्यादा तक जारी रहेगा जब तक हम एक मूलों पर न पहुँच जाएं । उदाहरण

के लिए 78 का मूलंक है $7+8=15=1+5=6$ । 4567 का मूलंक है $4+5+6+7=22=2+2=4$ । •

मूल पुस्तक का कुछ संक्षेप किया गया है किन्तु इस बात का पूरा ध्यान रखा गया है कि पाठक किसी महत्वपूर्ण जानकारी से वंचित न रहें । मूल पुस्तक में मुद्रण की भूल धूँ के कारण यत्र-तत्र जो अशुद्धियाँ रह गई थीं, उन्हें भी दूर करने का प्रयास किया गया है । इस अनुपम पुस्तक को व्यवस्थित एवं सुन्दर रूप में प्रस्तुत करने का श्रेय श्री शरदेन्दु (अवकाशप्राप्त सहायक सम्पादक, 'दैनिक हिन्दुस्तान' नई दिल्ली) को जाता है । उनके परिश्रम एवं पूर्ण सहयोग के हम आभारी हैं । हमें आशा ही नहीं, विश्वास भी है कि पाठकों को हमारा यह प्रयास अवश्य पसन्द आएगा ।

—प्रकाशक

ज्योतिष-साहित्य

सरस एवं व्यावहारिक शैली में

आयु निर्णय	भा० टी०	आचार्य भुवन्ध द्वैपत विरचित
नष्ट जातकम्	"	" " "
प्रसव चिन्तामणि	"	" " "
भाव मजरी	"	" " "
ज्योतिष शब्दकोश	"	" " "
अष्टक वर्ग महानिबन्ध	"	" " "
प्रश्न मार्ग	भा० टी	3 खण्डों में
दैवप्रवत्सभा	"	डा० सुकरेव चतुर्वेदी
दाम्पत्य सुख	आचार्य इराह मिहिर (ज्योतिष के सरोखे से)	" " "
भूक प्रश्न विचार		" " "
भुवन दीपक		" " "
रत्न प्रदीप		डा० गौरीशंकर कपूर
अक्षों में छिपा भविष्य	(शीरो)	" " "
हस्तरेखाएँ बोलती हैं	(कीरो)	" " "
भाव दीपिका	करनीय ज्योतिष	" " "
हस्त परीक्षा	अरु अमस्कार	" " "
स्वप्न और शकुन	ज्योतिष सीखिए	" " "
उत्तर कालामृत	(शिवि कान्तिदास)	
भाचार्य रत्नाकर	(रामानुजाचार्य)	
प्रश्न दर्पण	वर्षफल विचार	अहिमायें और ज्योतिष
दशाफल रहस्य	चन्द्रकलानाडी	अगन्नाथ असीम
ज्योतिष और रोग	धुने हुए ज्योतिष योग	" "
कर्मित सूत्र	रत्न परिषय	" "
पाश्चात्य ज्योतिष	गोचर विचार	" "
व्यवसाय का चुनाव	अनिष्ट ग्रह (कारण और निवारण)	" "
जन्मपत्री स्वयं बनाइए	(डा० सुरेण चन्द्र मिश्र)	
महामृत्युञ्जय	(साधना एवं सिद्धि)	डा० चन्द्रदेव त्रिपाठी
मंत्र शक्ति	तन्त्र शक्ति	" "
यन्त्र शक्ति	(दो भागों में)	" "
माहेश्वर तन्त्र	चन्द्रयामल तन्त्र	" "
व्यापार रत्न	तेजी मदी सबधी	हरदेव सर्मा त्रिवेदी

पाठकों के लिए निम्न तालिका निरवय हो उपयोगी रहेगी

कव	संश्लेषी काव सौर काव	राशि	स्वाती दृक	द्रुम रंग	भाग्य-रत्न
1	चतुर्थी	गोच	धकर (यस विकोण)	द्वि (ओज) 8	भासा भोती, भासा हीरा, गहरा नीलम
2	पञ्चमी	भाष	हुग्ध (बायु विकोण)	अनि (सौम्य) 8	"
3	षष्ठी	परत्पुन	मीन (अस विकोण)	गुरु (सौम्य) 3	गङ्गा (अमुनिया) या अमैचिस्ट
4	सप्तमी	पंच	मेघ (अग्नि विकोण)	मयस (ओज) 9	सात (भाजिक) सामदा, पितौनिया (रक्तमणि) या इनडस्टोन
5	अष्टमी	वैशाख	वृष (यस विकोण)	शुक्र (ओज) 6	फीरोज, नीलम
6	नवमी	ज्येष्ठ	मिथुन (बायु विकोण)	शुभ (ओज) :	होरा, चमकीले नम (हरित मणि या संगमाम)
7	दशमी	आषाढ़	कर्क (यस विकोण)	शर 2	हरा जेड भोती, चद्रकाल मणि

8 अगस्त	श्रावण	सिद्ध (अग्नि त्रिकोण)	धूर्व	1	गुनहूण, पीला, नारंगी, भूरा	हीरा, पुष्कराब्ज
9 सितम्बर	भाद्र	कन्या (बल त्रिकोण)	शुष (सौम्य)	5	हलके, धमकीले रंग	हीरा, धनवीले रंग
10 अक्तूबर	आश्विन	तुला (वायु त्रिकोण)	शुक्र (सौम्य)	6	नीला (गहरे से हलके तक)	फीरोजा, नीलम
11 नवम्बर	कार्तिक	वृश्चिक (जल त्रिकोण)	मघस (सौम्य)	9	लाल (गहरे से हलके तक)	लाल, लामडा, रत्नमणि
12 दिसम्बर	अग्रहायण	मृग (अग्नि त्रिकोण)	गुरु (बोझ)	3	बैंगनी, जामुनी, फालसई (फालती)	चटैसा (जमुनिया) या अमैयिट
13. °	—	—	मूरेल	4	सिसेटी, वेस्टल (हलके) इसेक्टिक (शोथ)	नीलम
14 °	—	—	नेप्चून	7	कबूतरी, वेस्टल (हलके) इसेक्टिक (शोथ)	लहसुनिया

°मूरेलस धूर्व के साथ और नेप्चून चंद्र के साथ संपृक्त हैं ।

एक दृष्टि में

बीरो के अनुसार हमारे पृथ्वी के सौर मण्डल में चक्कर लगा रहे ग्रहों की संख्या नौ है।

सूर्य, तादा और चन्द्र पृथ्वी का उपग्रह होने हुए भी ज्योतिषियों ने उन्हें ग्रहों में सम्मिलित किया है।

ज्योतिष की सम्पूर्ण दण्डना पृथ्वी को स्थिर केन्द्र मानकर की जाती है, अतः पृथ्वी को वे ग्रहों में सम्मिलित नहीं करते।

हमारे पूर्वजों की नगी अग्न से दिखाई दे सकने वाले केवल साठ ग्रहों का ज्ञान था। ये हैं सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध, शुक्र, शुक तथा शनि।

बाद में नए वैज्ञानिक उपकरणों की सहायता से वैज्ञानिकों ने तीन और ग्रह खोज निकाले हैं—यूरेनस, नेपचून, प्लूटो। बीरो के नवग्रहों में यूरेनस तथा नेपचून सम्मिलित हैं, प्लूटो नहीं। हमारे देय में नवग्रहों में यूरेनस तथा नेपचून के स्थान पर दो छायाग्रह राहु तथा केतु सम्मिलित किए जाते रहे हैं। नवग्रह पूजन में इन दोनों ग्रहों की भी पूजा होती है।

मूलांक या एबल अक्षों की संख्या भी नौ ही है। एक से नौ तक। इससे बड़ी किसी भी राशि को उसके अक्षों को जोड़ कर मूलांक में बदला जा सकता है। इस प्रकार 10 का मूलांक 1 हुआ, 11 का 2।

बीरो के अनुसार सभी ज्योतिषियों को एक मूलांक में डाला जा सकता है। इसी प्रकार हर ग्रह एक अक्ष-विशेष के प्रभाव में है। सूर्य के लिए 1, चन्द्र के लिए 2, मंगल के लिए 9, बुध के लिए 5, शुक्र के लिए 3, शुक के लिए 6, शनि के लिए 8, यूरेनस के लिए 4 और नेपचून के लिए 7 मूलांक निर्धारित किए गए हैं।

हर सौर भास एक ग्रह के प्रभाव में है। सूर्य और चन्द्र एक-एक भास की तथा मंगल, बुध, शुक्र, शुक और शनि दो-दो भासों की प्रभावित करते

हैं । यूरेनस तथा नेपचून किसी मास को प्रभावित नहीं करते, किन्तु यूरेनस को सूर्य के और नेपचून को चन्द्र के साथ सम्बन्धित किया गया है ।

ये ग्रह और ये शक्त हमारी धरती के सम्पूर्ण जीवन को नियन्त्रित करते हैं, मानव का हृजारों वर्षों से ऐसा विश्वास रहा है । इसी विश्वास ने ज्योतिष विद्या को जन्म दिया । समुद्रिक शास्त्र तथा अरु शास्त्र भी उसी के अंग हैं । कोरो जैसे ज्योतिषियों ने अपनी दीर्घकालीन शोधों से इस विद्या विज्ञान का रूप देने का प्रयास किया है ।

व्यक्ति की प्रकृति, स्वभाव, कर्म, व्यवहार, स्वास्थ्य आदि पर उसकी जन्म-तिथि के मूलोंक का और जिस मास में वह पैदा हुआ है उसे नियन्त्रित करने वाले ग्रह के अरु का प्रभाव पड़ता है । इनकी स्थितियों में अन्तर का कारण होता है ।

जिस मास की जिस तिथि को जन्म लेने पर व्यक्ति की प्रकृति, स्वभाव, कर्म, व्यवहार, स्वास्थ्य, भविष्य, पारिवारिक जीवन आदि की क्या सम्भावनाएं हो सकती हैं, यही इस पुस्तक का विषय है ।

विश्वव्याप्त मविष्य वशता कीरो (CHEIRO)
द्वारा लिखित हिन्दी में सर्वप्रथम प्रकाशित पुस्तक

हस्त रेखाएं

बोलती हैं

जो हा, यह सत्य है कि आपकी रेखाएँ बोल रही हैं
आवश्यकता है उनकी भाषा को समझने की

पढ़िए ! पढ़न और मनन के पश्चात् आपको अपने ओट सम्पर्क में
आने वाले व्यक्तियों के चरित्र, स्वभाव आदि के सम्बन्ध में आश्चर्यजनक
जानकारी प्राप्त होगी । विषय को स्पष्ट करने के लिए प्रसिद्ध व्यक्तियों
के हाथ व स्वयं कीरो का हाथ भी इसमें सम्मिलित है ।

भूत भविष्यी पुस्तक में केवल अनुवाद ही नहीं किया गया है, अपितु
विद्वान् अनुवादक ने स्पष्ट-स्पष्ट पर भारतीय सामुद्रिक शास्त्र के मर्मों
को प्रस्तुत कर पुस्तक की उपयोगिता को और बढ़ाया है ।

हस्तरेखा विज्ञान पर यह स्पष्ट व पूर्ण पुस्तक मानी जाती है । इतनी
सरसता से समझाना यह इसकी विशेषता है । उसीप्रकार एवं सत्य के साथ आप
कुछ समय लगाइयें । आप पाएंगे कि आपने ज्ञान का अपूर्व खजाना पाया ।

आकार बड़ा, पृष्ठ 216, बिज 50, मुद्राश्रित कवर ।

मूल्य 40 रुपये, डाक व्यय अलग

रत्न प्रदीप

—डा० गौरीशंकर कपूर

(Advanced study of Gems)

रत्नों में दैवी शक्ति होती है। उनकी बरकत से मनुष्य को सदा सुख-समृद्धि व शान्ति मिलती रही है। उनकी रेडियो तरंगें (Radio activity) शरीर की सारी रचना को अपने स्पर्श से प्रभावित करती है, यह बात विज्ञान सम्मत है। इस ग्रन्थ में रत्नों व उपरत्नों का विस्तृत विवेचन है। उनको बनावट, ढलाव, कटाव आदि के बारे में जानकारी देकर जहाँ रत्न विक्रेताओं के लिए यह सदा पास रखने योग्य है वहीं पर आपको भी वास्तविक रत्न खरीदने में अवश्य सहायक होगा। रत्नों के विषय में आधुनिक जानकारी से भरपूर ग्रन्थ में चौरासी रत्नों के विषय में सम्पूर्ण जानकारी है। मुख्य नौ रत्नों पर अलग-अलग अध्यायों में विस्तृत वर्णन किया गया है। रत्नों की शुद्धता तथा उन पर ग्रहों के स्वामित्व व प्रभाव का निरूपण, उनकी अद्भुत शक्ति का परिचय देने वाली घटनाओं से भरपूर ग्रन्थ में आप अपने लिए पायेंगे—

- (i) जाच परख क सम्पूर्ण तथ्य व प्रकार।
- (ii) सभी प्रसिद्ध रत्नों का विस्तृत वर्णन।
- (iii) रत्नों की चमत्कारिक विशेषताएँ।
- (iv) राशि, ग्रह व रत्न का परस्पर दैर्ज्ञानिक सम्बन्ध।
- (v) अपने लिए लाभकारी रत्न आप स्वयं चुन सकते हैं।
- (vi) कीमती रत्नों का विकल्प (Substitute)।
- (vii) सस्ते किन्तु चमत्कारिक नगों का विवेचन।
- (viii) विचित्र किन्तु सत्य जानकारी, जैसे—फीरोजा कण्ठ आने पर रगहीन हो जाता है। पितोदिया में सूर्य ग्रहण का प्रतिबिम्ब साफ दिखता है। रत्नों में दैवीशक्ति और बरकत। साथ ही रत्नों के विषय में अनेक देशी-विदेशी व्यक्तियों के सत्य अनुभव।
- (ix) रत्नों से योग शान्ति।

व्यवसायियों व रत्न प्रेमियों के लिए समान रूप से उपयोगी।

मूल्य 40 रुपये

मन्त्र शक्ति

—डा० चंद्रदेव त्रिपाठी

मन्त्रों की अद्भुत शक्ति का रहस्य एवं मानव जीवन में उनकी उपयोगिता निर्विवाद है। प्रस्तुत रचना में दैनिक उपयोग में आने वाले विभिन्न मन्त्र एवं उनकी साधना विधि सरल एवं व्यावहारिक रूप में दी गई है।

नवीन संशोधित संस्करण

मूल्य 20 रुपये

सामुद्रिक शास्त्र की प्राचीन भारतीय परम्परा का सर्वांग विवेचन

हस्त संजीवन (हिंदी व्याख्या व मूल पाठ सहित)

हिंदी व्याख्या व सम्पादन—डॉ० सुरेशचन्द्र मिश्र

लगभग 300 वर्ष पुराना यह ग्रंथ हस्तसामुद्रिक पर भारतीय पद्धति से लिखे गए ग्रंथों में अनुपम व प्रामाणिक है। मूल ग्रन्थकार मेघविजय गणि महाराज ने जो एक जैन साधु थे, अपनी तप पूत्र प्रतिभा से निष्पन्न ज्ञान को सामुद्रिक शास्त्र के साथ अनूठे ढंग से समायोजित किया है।

पंचांगुलिदेवी की साधना व मूल अमोघ मन्त्र, जिसकी साधना बड़े-बड़े हस्त-रेखाविद् भी किया करते थे। 500 श्लोकों (अनुष्टुप्मान) में रचा गया एक ऐसा सद्ग्रंथ है जिसे अनेक विद्वानों ने प्रमाण रूप में उद्धृत किया है।

सरल व्याख्या पद्धति व विषय का सुंदर विवेचन भारत के गूढ़ तरंगों की आपके समक्ष प्रकाशित कर देगा।

इसमें आप अनेक अद्भुत विषयों का विवेचन पाएंगे।

- 1 हाथ का स्पर्श करने मात्र से ही जीवन के उच्चतम प्रश्नों का समाधान।
- 2 हाथ देखकर ही जन्म कुण्डली आदि बनाकर सूक्ष्म परामर्श।
- 3 शरीर के सभी अंगों का प्रामाणिक फल विवेक।
- 4 हाथ देखकर ही भूक प्रश्न का निर्णय।
- 5 हाथ देखने से ही भूमण्डल के फल का ज्ञान (मेदिनीय ज्योतिष)
- 6 सामुद्रिक के प्रसीत चिह्नों का फल।
- 7 स्त्री व बालक के हाथ देखने की पद्धति।
- 8 हथेली पर अनेक चक्रों का व्यास करने प्रामाणिक फल।

हस्त सामुद्रिक पर एक ऐसा आप ग्रंथ जिसमें आपकी अनेक अनुत्तरित शकाओं का समाधान मिलेगा। ज्योतिष के होरा, राहुन, मृदू, प्रश्न आदि अंगों का सामुद्रिक के साथ अनोखा तालमेल देय कर आप धिल उठेंगे।

“विद्वानों से इस ग्रन्थ की गरिमा छिपी नहीं है।”

“सरल व प्रामाणिक हिंदी व्याख्या व उत्तम प्राप्ति।”

मूल्य 40 रुपये

ज्योतिष सोपान

—डॉ० गीरीशहर बयूर

स्वयं ज मन्त्रों बदान व अन्य ज्योतिष सम्बन्धी मध्यम ज्ञान के लिए सरल ढंग में लिखी गई अनूठी पुस्तक।

मूल्य 10 रुपये

विषय-सूची

1 जनपरी	17—30
स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिति, विवाह सबंध, सामेदायी आदि । मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की विधियों में जन्मे व्यक्ति ।	
2 घरपरी	31—46
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह सबंध, सामेदायी आदि । मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की विधियों में जन्मे व्यक्ति ।	
3 माघं	47—61
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह सबंध, सामेदायी आदि । मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की विधियों में जन्मे व्यक्ति ।	
4 अग्रंत	62—76
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह सबंध, सामेदायी आदि । मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की विधियों में जन्मे व्यक्ति ।	
5. घई	77—91
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह सबंध, सामेदायी, आदि । मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की विधियों में जन्मे व्यक्ति ।	
6 जून	92—105
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह सबंध, सामेदायी आदि मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की विधियों में जन्मे व्यक्ति ।	

7. असाई 106—119
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह संबंध, सामेदारी आदि ।
मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की तिथियों में
जन्मे व्यक्ति
8. अगस्त 120—134
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह संबंध, सामेदारी आदि ।
मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की तिथियों में
जन्मे व्यक्ति ।
9. सितम्बर 135—150
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह संबंध, सामेदारी आदि ।
मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की तिथियों में
जन्मे व्यक्ति ।
10. अक्टूबर 151—160
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह संबंध, सामेदारी आदि ।
मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की तिथियों में
जन्मे व्यक्ति ।
11. नवम्बर 161—182
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह संबंध, सामेदारी आदि ।
मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की तिथियों में
जन्मे व्यक्ति ।
12. दिसम्बर 183—197
स्वास्थ्य, आर्थिक दशा, विवाह संबंध, सामेदारी आदि ।
मूलांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 की तिथियों में
जन्मे व्यक्ति ।
- अंक 13 का आतक
परिचिष्ट 198—201
बीरो की सदस्यवाजियां

जनवरी

यह मास मकर राशि में है। यह राशि 21 दिसम्बर के अक्ष-मास प्रारम्भ होती है। नान दिन तक धनु के साथ राशि-मधि चलती है और इस राशि का पूरा प्रभाव 28 दिसम्बर से प्रारम्भ होकर 21 जनवरी तक रहता है। फिर मकर और कुम्भ का सान दिन का मधि-काल शुरू हो जाता है।

मकर मल-त्रिकोण की तीसरी राशि है। इसका स्वामी शनि (ओज) है। इसे शनि की राशि भी कहते हैं।

यदि आप इस मास में जन्मे हैं तो आपके चरित्र और स्वभाव में निम्न बुनियादी विशेषताएँ होगी

प्रकृति में महत्वाकांक्षी, उग्र, जीवट और लगन वाले। सक्षम-सिद्धि के लिए अपार प्रयासों की क्षमता। आपका प्रतीक-ग्रह शनि सावधानी और विवेक का मूल रूप है। गम्भीर चिन्तन और फल के बारे में पूर्ण विश्वास के बिना कोई महत्त्वपूर्ण कदम नहीं उठाएंगे। शनि में दाव लगाने का तत्व नहीं है। आप शकालु, बाल की छाल निगलने वाले, कुछ-कुछ सदेही हैं, नये सिद्धान्तों की देर से अपनाने वाले, लेकिन उदार-मन, तर्कसम्मत बात को स्वीकारने वाले। दृढ़ मानसिक शक्ति, स्वभाव से दार्शनिक और वैज्ञानिक, गम्भीर चिन्तक और तर्कशील। धार्मिक विश्वासों में या तो एकदम कट्टर या इसके एकदम विपरीत अनास्थावादी। सबसे अधिक बुद्धिपूजक। असाधारण बुद्धि या प्रतिभा वाले मित्रों के सभी दोष क्षमा करने की तत्पर।

व्यक्तियों तथा वस्तुओं के बारे में तटस्थ राय बनाने वाले, लेकिन अपनी योजनाओं में शीघ्र हतोत्साह होने की प्रवृत्ति और पहली असफलता या निराशा पर ही टूटने वाले। प्रेम, कर्तव्य और सामाजिक अर्पणशस्त्र के बारे में आपने विचार सदा अनोखे रहेंगे जिससे आपको प्रायः झक्की और सनकी समझा जाएगा। अभिमानी और स्वतन्त्र विचारों के होने के कारण आपको हर काम में अगुआ होना चाहिए या फिर आपकी दिलचस्पी खत्म हो जाएगी। आप किसी प्रकार के अकुश को नापसंद करते हैं और हर उद्यम का विरोध करते हैं। यह अजीब विरोधाभास है कि परम्परा और सत्ता के लिए आपको मन में गम्भीर सम्मान है। जीवन आपके लिए बहुत गम्भीर किन्तु समस्याओं में भरा है, और घोरतम निराशा के दौर में आप सबसे अधिक चमकेंगे।

लगानार काम और परिश्रम आपके लिए एक तरह से सनक बन जाती है, लेकिन उत्तेजना या जल्दबाजी के बजाय लक्ष्य को सामने रख धीरे-धीरे और चुपचाप काम करते रहने से आपको कहीं अधिक लाभ होगा। निजी प्रयासों और व्यक्तित्व के

चक्र पर जन्मकाल की परिस्थितियों से ऊपर उठने की सम्भावना। चरित्र मूलता ओजस्वी विन्तु निराशावाद की गहरी प्रवृत्ति के कारण मन में प्रसन्नता पैदा करने की आवश्यकता।

आमतौर में आपकी बाकी बहुत समझा जाएगा। आसानी से लोगों में मिलेंगे- जुलेंगे नहीं। घनिष्ठ मित्र कम होंगे। मन में बहुत अवेनेपन का अनुभव करेंगे।

विवाह में प्रायः भदा अत्येकप्रिय हितों या 'छुपे सम्मनों' का पक्ष लेने से आप अनेक दुश्मन पैदा कर लेंगे।

आपके लिए सबसे अच्छा कोई सार्वजनिक जीवन अपनाना रहेगा जैसे नगर-पालिका राजनीति, सरकारी नौकरी या जिम्मेदारी और विध्वंस के पद।

स्वास्थ्य

गति के प्रभाव से सुगठित बाया और अच्छी बाय-क्षमता। साथ ही निराशा की गहरी प्रवृत्ति। रोगों न गई तो पित्त के प्रकोप, पित्ताशय में गड़बड़ी, आमाशय में घाव, पाचन अंगों में खराबों और आंतों में रखावट की सम्भावना। स्वस्थ बने रहने के लिए आगावाद और प्रसन्नता का सातवरण पैदा कीजिए। शीत में सावधानी न बरतने पर दमा, स्वास रोग जैसे बीमारियों की आशंका। निचले स्थानों की अपेक्षा ऊँचे और शुष्क जलवायु वाले स्थान अधिक अनुकूल।

भाजन पर ध्यान दीजिए और समुचित व्यायाम में रक्त-संचार ठीक रखिए। नम और ठंडी हवाओं से बचिए। आपके लिए बार-बार हवा बदलना अत्यंत आवश्यक है विन्तु एकान स्थलों पर कभी मत जाइए।

देशान में, सम्भव हुआ तो किसी पर्वत की तलहटी में कुछ ऊँचाई पर या किसी पहाड़ी स्थल पर, घर बनवाने की आपकी बलवती इच्छा रहेगी। निचले और नम स्थानों में कभी मत रहिए क्योंकि आपमें कठिना, पेटों में दर्द तथा सूजन पाल लेने की निरिचित प्रवृत्ति है। दुर्घटनाएँ भी एडिपों, पावों और टांगों में ही अधिक होंगी।

आर्थिक स्थिति

गति का व्यापक प्रभाव आर्थिक स्थिति के लिए अच्छा संकेत नहीं है। इससे आर्थिक उन्नति में, कम-से-कम प्रारम्भिक वर्षों में, विफल्य, बाधाएँ और अशुभ पैदा होंगे।

उद्यम, लगन, सावधानी और प्रितव्ययिता में धन लाभ का योग है। दरअसल, माध्य की बजाय निजी प्रयासों में सम्पत्ति प्राप्त होने की सम्भावना अधिक है। धू या गृह-सम्पत्ति में धन संचयन, कारखाने खटे करना, विशेषकर कीयता, शोषण या लोहे की वस्तुओं, परिवहन या कृषि की मशीनों के क्षेत्र में, कृषि उद्योगों का विकास और अन्य ठोस उद्यम लाभ के रहेंगे।

जपाना ही जमा बापम पाने में भारी कठिनाई सामने आणगी। जमान के बिना, बिम्बे का पैसा उधार मन दीजिए, नहीं जो उपाय दूबला निश्चित है।

विवाह सबध, सामेदारी आदि

आपकी अपनी राशि मकर (21 दिसम्बर से 20 जनवरी), त्रिकोण की अन्य दो राशिया, वृष (21 अप्रैल से 20 मई) तथा कन्या (21 अगस्त से 20 दिसम्बर), इन राशियों के अंत में सात दिन के संधि-काल और मकर से सातवीं राशि कर्क (21 जून से 20-27 जुलाई) की अवधि में जन्मे व्यक्तियों के साथ आपके सबसे अधिक मधुर सबध रहेगे।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

मूर्ख, घुरेनम और शनि (ओज) आपके कारक ग्रह हैं। मूर्ख और घुरेनम आपको अपना एक अलग व्यक्तित्व प्रदान करेंगे। विचारों में बहुत स्वतंत्र, मौलिक और भावनाओं से रचनात्मक। बहुत असाधारण परिस्थितियों को छोड़, सफलता बाद के वर्षों तक निलम्बित रहने की सम्भावना है, लेकिन मिलेगी जरूर। 28 दिसम्बर को भी इसी वर्ग में सम्मिलित कीजिए।

हृदय से बहुत चिंतनशील और गम्भीर। अपने हर काम में अत्यंत मुचाह, सतुलित और व्यावहारिक, दूसरे व्यक्तियों के विचारों से आसानी से न बहकने वाले।

सभी योजनाओं के पीछे 'निश्चित ध्येय' रहेगा, कठिनाइयों से कभी हतोत्साह नहीं होंगे। बहुत उदार स्वभाव के होने पर भी बात छोड़ जाने के प्रयास को पसंद नहीं करेंगे, अपनी उदारताओं पर अपने दम से अमल करेंगे।

आप निश्चय ही महत्वाकांक्षी होंगे और अपने साधियों तथा परिवार के दूसरे सदस्यों में ऊंचा उठने की सम्भावना है। आपके मार्ग में अनेक बाधना आएंगी लेकिन धैर्य और दृढ़ता से सभी कठिनाइयों को पार कर लेंगे।

आर्थिक दशा

वित्तीय मामलों में बजूस और सावधान, अपना धन अच्छी भाव का आवासन देने वाले व्यापार या उद्योगों में लगाएंगे। हर अवसर और हर स्थिति का अधिक-से-अधिक लाभ उठाने का प्रयास करेंगे।

दूसरे लोगों पर आपका गहरा आकर्षक प्रभाव होगा, विशेषकर जल-जीवन में। माघ ही, अनेक घोटालों और बदनामी का सामना करना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य

आपने भारी जीवनी-शक्ति होगी बशर्ते आप किसी गंशापनी के चक्कर में न पड़े। कभी-कभी तेज सर्दी-जुबान और गठिया की प्रवृत्ति रहेगी। इसमें बचने के लिए जितना सम्भव हो, आपको ऊंचे, शुष्क जलवायु वाले स्थान पर रहना चाहिए।

आपके सबसे महत्वपूर्ण ग्रह हैं 'एक' (मूर्य) और 'चार' (घुरेनम)। हर महत्वपूर्ण काम इन्हीं मूलांक वाली तिथियों पर करने का प्रयास कीजिए, जंग माग के

1, 4, 10, 13, 19, 22, 28 तथा 31 तिथियां।

प्रभाव बढ़ती और भाग्य चमकाने के लिए सूर्य और मूरेता के रंग का कोई वस्त्र अवश्य पहनिए। ये रंग हैं—सूर्य—गुनहग, पीला, नारंगी और भूरा। मूरेता—नीले, सिलेटी या हल्के (पेस्टल) रंग। आपके भाग्य रत्न हैं—हीरा, नीलग और अम्वर (कहूवा)।

जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्षं हावे 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73, और 4, 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67, 76।

‘एक’ या ‘चार’ मूलोंक वाली तिथियो, जैसे 1, 4, 10, 13, 19, 22, 28 तथा ‘1’ को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप बहरा सगाय महसूस करेंगे।

2, 11, 20, 29 (मूलोंक 2) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

जनि (ओज) के अतिरिक्त आपके चारक ग्रह हैं चन्द्र और नेप्चून। चन्द्र और नेप्चून आपके स्वभाव को अधिष उदात्त, कल्पनाशील और पूर्वाभासी बताते हैं। इच्छानुसार काम न होने पर हताश होने लगते हैं और दूसरों के विरोध या उर्दूध कारंवाई पर अपने में सिमित जाते हैं। अति संवेदनशील और बहुत जल्दी अपमान महसूस करने की प्रवृत्ति।

व्यापार के लौक वाले उपायों के यजाम कल्पना-शक्ति से सफलता की सम्भावना अधिष है। आप ऊँचे-ऊँचे पदों के सपने देखेंगे। अपन काम में आत्ममिश्रता पैदा करने से सपने पूरे हो सकते हैं। अति संवेदनशील होने से अग्न ऐमे प्रोत्साहन की कामना करते हैं जो आपकी योग्यताओं से अधिषतम लाभ दिला सके। परिस्थितियाँ से बच जाने पर आप बेचैन और दुखी हो उठेंगे। आपका अपन गान्न पूरे करना की छूट चाहिए।

आर्थिक दशा

आपको धन का मोह नहीं होगा, उसे केवल ‘तदयपूर्ण का साधन’ समझेंगे। आपमें यह अजीब भावना रहनी कि आपको धन की कोई आवश्यकता नहीं, दिमाग से जो चाहें पा सकते हैं। वास्तविक में अधिष धनी समझे जाएंगे। मिनी के मांगों पर इनकार करने से आपके संवेदनशील स्वभाव को घाट पड़ूँगी। अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने के प्रयास में अपना गान्न धन भी खुटा सकते हैं। इसका वाकजुद धन के मामले में आपमें सावधान रहने की स्वाभाविक प्रवृत्ति है।

स्वास्थ्य

अत्यधिष मासिक पन्थिम में आप टूट सकते हैं। ऐसी स्थिति में धावे-ने विप्राय में हो आप पुन स्वस्थ हो जाएंगे। सम्भव है, आपने मन में यह धैठ जाए कि

विशेष प्रकार के भोजन से भारी लाभ हो सकता है। गठिया से सावधान रहिए और सम्भव हो तो शुष्क जलवायु में रहिए। कभी-कभी आँखों की परेशानी हो सकती है। रीढ़ में कमजोरी भी।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक हैं 'दो' (चन्द्र) और 'मातृ' (नेप्चून)। अपने सभी महत्वपूर्ण काम इन्हीं मूलांकी वाली तिथियों पर कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकी वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांकी वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप विशेष लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए आप चंद्र तथा नेप्चून के रंगों का कोई-न-कोई वस्त्र हमेशा धारण किए रहें। ये रंग हैं चन्द्र—सफेद, क्रीम और हलका हरा। नेप्चून—हलके से गहरे तक बबूतरी। भाग्य रत्न है जेड (हरितमणि या मयसाम), मोती, चन्द्रकांत मणि, सहस्रमुद्रिया।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

शनि (शुक्र) के अतिरिक्त आपका कारक ग्रह है गुरु। गुरु का गहरा प्रभाव आपको अपनी योजनाओं और इच्छाओं में कुछ देवगण प्रदान करेगा।

आपके सभी कामों के मूल में महत्वाकांक्षा रहेंगी। निजी प्रयामों और सफलता के मकल से उन्नति करेंगे। भारी ईर्ष्या और विरोध का सामना करना पड़ेगा। कोई वृत्ति चुनें, आपके अनेक दुश्मन बन जाएंगे।

छाटे-बड़े, सभी प्रकार के जन-जीवन में आप सकल रहेंगे, दूसरों पर नियंत्रण और जिम्मेदारी वाले अधिकार के पदों पर भी।

विवाह में अधिक सुख नहीं मिलेगा, जब तक जीवन-साथी आपको अपने से अधिक बुद्धिमान न समझे।

आप विचारों से रचनात्मक, बड़ी-बड़ी योजनाएँ बनाने में सक्षम होंगे। आपको अपने निजी विचारों पर अमल का प्रयास करना चाहिए और दूसरों पर बहुत अधिक भरोसा नहीं करना चाहिए।

21 या 30 तारीख को पैदा होने पर आप जिम्मेदारी के ऊँचे पदों पर अधिक आसानी से पहुँचेंगे। आपमें दूसरों की सहायता करने या 'दलित वर्गों' को ऊँचा उठाने की बलवती भावना होगी। व्यक्ति से अधिक आप समाज का भला करना चाहेंगे। पलत व्यक्तिगत शत्रुओं की घृणा और दुर्भावना के शिकार होंगे और कभी-कभी उनसे जीवन को खतरा भी हो सकता है।

आप अपने काम में पूरा दम लगा देंगे और अनेक बार पूरी तरह टूट लेने का जोखिम भी उठाएँ।

आर्थिक दशा

अपनी योजनाओं या महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए आप विपुल धन-

राशि खर्च करने का प्रयास करेंगे । इसने काफी जोखिम भी उठाएंगे क्योंकि जरा-सी मूल-चूक से भी शत्रुओं को आपसी टांग खींचने का अवसर मिल जाएगा । आम तौर से सफलता की आशा कर सकने हैं, बशर्ते बहुत अधिक निजी लाभ के प्रलोभन में न पड़ें ।

स्वास्थ्य

ज्ञानदार बनने पर भी लगातार मानसिक तनाव और अति परिश्रम से आप अपने स्वास्थ्य को आघात पहुंचा सकते हैं । सावधानी बरतिए और शक्ति को सुरक्षित रखिए अन्यथा एकाघात या दिल का दौरा पड़ सकता है । यदि ओमन आनु न भोग पाए तो आपका अपना ही अधिक दोष होगा ।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक हैं 'तीन' (गुरु) और 'आठ' (शनि) । इन्हीं मूलांक वाली तिथियों को अपनी योजनाओं पर अमल का प्रयास कीजिए । सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांक वाले होंगे । इन्हीं मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे, लेकिन 'आठ' मूलांक वाले व्यक्ति आपके लिए 'तीन' मूलांक वाले व्यक्तियों जैसे भाग्यशाली नहीं रहेंगे ।

30 जनवरी को जन्मे व्यक्ति शनि (सौम्य) की कुम्भ राशि के अधीन आएगा । उनके अंक यही रहेंगे, लेकिन शनि (सौम्य) के प्रभाव के कारण उन पर बहुत कम होंगे और जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करेंगे ।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए गुरु के रंगों का कोई वस्त्र अथवा धारण किए रहिए । ये रंग हैं—जामुनी, बैंगनी या फालगुनी (कान्जी) । आपके भाग्य रत्न हैं—कटंता (अमैलिट्ट या जामुनिया), बैंगनी या जामुनी रंग के नंग, काला मोती, काला हीरा ।

4, 13, 22, 31 (मूलांक 4) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक यह हैं—गुरुत, मूय और शनि । गुरुत शनि के आम प्रभाव को और बढ़ाएगा ।

विचारों में मानसिक, स्वभाव में अति स्वतंत्र, दूसरे लोगों या जिनके साथ रहना है, उनकी योजनाओं या विचारों में तानमेत न रखने वाले । परन्तु या वैवाहिक सम्बन्धों में कठिनाई । आपके नामों का बहुत गहन ममता जाएगा और आप जीवन में अकेलापन महसूस करेंगे । विचारों में परम्परा विरोधी, अपनी अपनी निजी मार्ग बनाना होगा । महत्वाकांक्षा का भारी विरोध का सामना करना होगा । परिवारनाश पूरी करने में अधिकतम धन से काम लेने की आवश्यकता है ।

दिन में अगर बहुत गम्भीर होंगे । गम्भीरता सिद्धान्त का ज्ञान कभी-कभी बढ़ाना यह करेंगे कि आप जीवों के उत्तार चढ़ाव का उपहास कर रहे हैं और भाग्य पर हम रहे हैं । दरअसल, अज्ञान में आप भाग्यवादी हैं । जीवन के समुद्र पर अज्ञान या

बुरा, जैसा भी हो, अभिनय-धर कर रहे हैं।

आपके सभी कार्यों के पीछे दूसरों पर अधिकार जमाने की भावना होगी, कलम में मिले, वाणी से या तलवार से, इसमें कोई अंतर नहीं पड़ता। एक प्रकार से ये निधिया नेताओं के लिए अच्छी हैं, लेकिन इनसे असाधारण कार्यों, विचार की मौलिकता और सतक की गहरी प्रवृत्ति मिलती है।

भार्यिक दशा

इसमें भी जन्माभाय घटने की सम्भावना है। पैसा आएगा लेकिन पानी की तरह हाथ में निरुन जाएगा। अच्छा हो या बुरा, धन से अधिक नाम टिकेगा। आपका यात्र किया जाएगा तब आपकी मज्जार की उद्देश्य होगी। यदि आपने भविष्य के लिए पैसा दवा खन में पूरी मावधानी नहीं बरती तो बुझाये में आपको दशा बहुत सम्मोह हो सकती है।

स्वास्थ्य

रोगों की अपेक्षा दुष्टता जनिन परेजानिया की सम्भावना अधिक है। प्रमुखन टागें और पाव प्रभावित होंगे। किन्तु आपमें असाधारण जीवनी-शक्ति होगी। हिंसा या दुष्टता के अलावा किमी अन्य उपाय से आपको मारना कठिन है। इन दोनों से ही पाला पटने की सम्भावना है।

आपके मज्जे महत्वपूर्ण अर हैं 'चार' (यूरेनस), 'एक' (मून) और 'अठ' (शनि)। 'चार' और 'एक' मज्जे भाग्यशाली रहेंगे। 'अठ' से भी बार-बार पाला पड़ेगा, लेकिन यदि टागें सकें तो मैं आपको 'अठ' काम में लेने का परामर्श नहीं दूंगा। अपनी योजनाएं 'चार' या 'एक' मूलका वाली निधियों को पूरी करने का प्रयत्न कीजिए।

जीवन के मज्जे घटनापूर्ण वर्ष हैं 10, 13, 19, 22, 28, 31, 37, 40, 46, 49, 55, 58, 64, 67। वर्ष 8, 17, 26 आदि भी महत्वपूर्ण रहेंगे किन्तु इतने भाग्यशाली नहीं होंगे।

'चार' और 'एक' मूलका वाली निधियों का जन्म व्यक्तिप्रा के प्रति आपका महत्त्व नगाव रहेगा। 'अठ' मूलका की निधिया को जन्म लाग भी आपके जीवन में आएंगे किन्तु भौतिक दृष्टि में आपके लिए इतने भाग्यशाली नहीं रहे।

प्रभाव बढ़ाने या भाग्य कमजोर करने के लिए पीने, मुनहर, नोने, मिलेटी या पेस्टल (अर्क) रंग के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न है हीरा, पुष्पाङ्ग, नीलम, काना मोती।

5, 14, 23 (मूलक 5) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कागज धन बुद्ध और जनि हैं। आपके लिए बुद्ध अग्रिम लागों को कम

कर देगा या उनका महत्व घटा देगा ।

आप बहुत हारपनमौला होंगे । मुख्य कठिनाई प्रतिभा और महत्वाकांक्षा के अनुकूल काम करने की है । जीविका में अनेक बार परिवर्तन करेंगे । देर तक एक काम से चिपके रहना कठिन है ।

व्यक्ति और विद्या, दोनों के अनुकूल अपने को ढाल लेने की आपमें भारी क्षमता होगी । आप गतिशीलता से प्रेम करेंगे । यात्रा कर दुनिया का बहुत बड़ा भाग देखेंगे । आपकी मार्ग में आश्चर्यजनक और अप्रत्याशित अवसर मिलेंगे ।

आपका मस्तिष्क पैना, शोधपरक और आलोचनात्मक होगा, लेकिन पहली बार सम्पर्क में आने वालों को कुछ संदेह की नजर न देखेंगे । लोग दया और महानुभूति से ही आपको प्रभावित कर सकते हैं ।

आप नीतिबुगल होंगे, दूसरों के मन के भेद निराल लेंगे और व्यावहारिक उद्देश्य में उनका उपयोग करेंगे ।

साहित्य में रुचि रखने वाले और पढ़ाकू होंगे । विज्ञान, समाज और नयी खोजा में भी आपकी दिलचस्पी हा सकती है । आप पारलौकिक विद्याओं की ओर भी आकर्षित हों सकते हैं किन्तु अपने देखने के लिए आपका दिमाग अति व्यावहारिक है । लोग कहेंगे, आपके तरण कक्षा पर एक परिपक्व दिमाग है ।

कभी-कभी निराशा की भावनाओं में पड़ सकते हैं । लिए आपकी आशावाद पैदा करना चाहिए ।

आर्थिक दशा

रपड़े-चूने के मामले में आप सावधान और बचूस होंगे । नर्तन से आप भय खाएंगे । पैसा लगाने के बारे में आपको सुदूर व्यावहारिक विचार होंगे । लेकिन अनि-मावधानी में अनेक सुअवसर छी देंगे ।

स्वास्थ्य

आपकी मुख्य चिन्ता आराम की ओर तनाव दूर करने की होनी चाहिए । हर घान को गहराई में लेंगे और आशा-निराशा के भावा में दीक्षित रहेंगे । कभी निराशा के दोरे पड़ सकते हैं जिसका कुप्रभाव पाचन अंगों पर पड़ेगा । रक्त में अम्लता से जोड़ों, हड्डियों, विशेषकर घुटनों में दर्द हो सकता है । मुगटिन भाया के कारण आपमें किसी भी रोग का प्रतिरोध करने की भारी क्षमता होगी ।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंग 'पाच' है, किन्तु 'चर' और 'आह' को छाह अन्य सभी अंग भी समान रूप से सौभाग्यशाली रहेंगे । अपनी सज्जता 'पाच' मूलक वाली निधिया का पूरी करने का प्रयास कीजिए ।

आपके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्ष होंगे 5, 14, 21, 32, 41, 50, 59, 68, 77 । इनके अतिरिक्त 8, 17, 26, 35, 44, 53, 62 और 71 भी ।

5, 14, और 23 तारीख को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आर गहन लगाव महसूस करेंगे। 8, 17, 26 तारीख को जन्मे लोग भी आपके जीवन में आए बिना आपके लिए इतने सौभाग्यशाली नहीं रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाव्य चमकाने के लिए जहां तक हो सके, इनके रंगों का उपयोग करें।

आपके भाग्य रत्न हैं हीरा और सभी चमकीले नंग।

6, 15, 24 (मूलांक 6) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह हैं गुरु और शनि। शुक्र का प्रभाव आपके लिए मकर राशि के लक्षणों को अधिक अनुकूल बनाएगा।

प्रेम और विवाह को आपके जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। विपरीत विपरीत व्यक्ति का प्रभाव आपके जीवन और वृत्ति के लिए अति घटनापूर्ण रहेगा। उस प्रभाव में खो न जाए, इसके लिए आपको दृढ़ इच्छाशक्ति और व्यक्तिगत विकास का प्रयास करना चाहिए। शिन्धु आमतौर से आपको अपने आकर्षक व्यक्तित्व में काफी लाभ होगा।

आम जनता के सम्पर्क में जान वाले व्यक्तियों या ग्रंथों जैसे—मर्गल कला, नाट्य, रंगमंच और समाचार्य लोगों में आपका सदन अधिक सफल निर्देश।

प्रारम्भिक वर्षों में घरलू परिस्थितियाँ या सम्बन्धियों के दबाव से या पीर के किसी भीतर अंग के राग से, आप पिछड़ सकते हैं। जेम्स जन्म में सभी बातों को पार कर लेंगे। जो भी वृत्ति अपनाएंगे उसी में सफल होंगे।

15 या 24 जनवरी को जन्मे व्यक्ति 6 जनवरी का जन्मे व्यक्तियों में अधिक भाग्यशाली रहेंगे। प्रारम्भिक वर्षों में समान कठिनाइयाँ हो सकती हैं, किन्तु फिर पहली धैर्यी व लोग अधिक आनंदी से उन पर काबू पाएंगे और जिस काम में पूरा करने का सक्षम करेंगे, उसी में धन और प्रतिष्ठाक माएंगे।

आर्थिक दशा

6 जनवरी को जन्मे लोगों में अनेक अवसर मिलने पर भी पैसा जमाने की ओर सज्ज नहीं होगा। लेकिन 15 या 24 जनवरी को जन्मे लोग धीरे-धीरे लगातार अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने जाएंगे। वे भविष्य के लिए अच्छा पैसा जमा कर लेंगे और उनके धनी बनने की पूरी सम्भावना है।

स्वास्थ्य

आप जीवन-भर आसन में अच्छे स्वास्थ्य की आशा कर सकते हैं। आपको आनंद, मोटरकार आदि में चला रहेगा। अपना और अपनी सम्पत्ति का अच्छा बीमा करा लेना चाहिए।

आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण शक्ति 'छ' है। महत्वपूर्ण काम 'छ' मूलक वाली तिथियों को ही करने का प्रयास कीजिए। 'चार' या 'आठ' मूलक वाली तिथियों पर बहुत सावधानी से काम करने की जरूरत है।

आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'छ' मूलक वाले ही होंगे। इसी मूलक वाली तिथियों को जमे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा भगाव महसूस करेंगे। 'चार' और 'आठ' मूलक वाली तिथियों को जमे व्यक्ति भी आपके जीवन में लाएंगे, लेकिन अपना भार और कठिनाइया आपके बंधों पर डाल देंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए शुक्र के राशियों को धारण किए रहिए जो हमरे-से-हमके नीले से गहरे-से-गहरे नीले तक हैं। आपके भाग्य तल है। फीरोजा और सभी नीले नग।

7, 16, 25 (मूलक 7) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह हैं नेचून, जड और शनि। यह योग इन राशियों के सप्तमों में और वृद्धि करेगा।

कौई क्षति अपनाए, आप में तीव्र भक्तिभाव और धर्म के प्रति आस्था रहेगी लेकिन आपका धार्मिक झुकाव किसी अमान्य या गैर परम्परागत रूप के प्रति होगा।

रुमानी, आदर्शवादी, अत्यन्त कल्पनाशील, अपन निजी विचारों की दुनिया में रहने वाले। यात्रा के लिए, विशेषकर सागर-यात्रा के लिए तीव्र इच्छा। व्यावहारिक या व्यावसायिक दुनिया आपके आदर्शवाद के लिए बहुत कुछ बखेड़ा ही होगी। यदि ऐसा करने की स्थिति में हुए तो आप बहुत यात्राएं करेंगे और जीवन-काल में अनेक बार अपना निवास-स्थान बदलेंगे। जन्म-स्थान से दूर दुनिया के किसी दूसरे भाग में, जहां आपका वास्तव अपने देश में भिन्न दूसरे देशों के नागरिकों से पड़े, बसकर आप अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे।

परिस्थितियां या भाग्य आपको दूसरों के ऊपर अधिकार या जिम्मेदारी के पदों पर पहुँचा देंगे। साथ ही जीवन एकदम 'फूलों की सेज' नहीं होगा, विशेषकर घरेलू मामलों में या सम्बन्धितों द्वारा पैदा किए गए दुखों और निराशाओं के बारे में।

आर्थिक दशा

पद में आपका योग और बाकी सावधानता मिलेगी, लेकिन आपके हाथों से जो पैसा खर्च होगा उसमें अधिक प्रमत्तता नहीं मिलेगी। दुनिया की नजरों में आपका विशाल मुठमप होगा, किन्तु आपका गहरी परेशानियों में डूबना होगा।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों में बीमारी बोलमाल रहने की सम्भावना है। आप अजीब बीमा-

गियों के शिकार हो सकते हैं जिनका साधारण साधनो से निदान कठिन होगा। गले, फेफड़ों और दिल पर विशेष ध्यान दीजिए।

आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण ढक हैं 'सात' और 'दो'। अपने महत्वपूर्ण काम इन्हीं मूलाको वाली तिथियाँ को करने का प्रयास कीजिए। 'चार' या 'आठ' मूलाको वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों की ओर से पैदा होने वाली कठिनाइयों या अप्रिय प्रमगा में यथानुभव सावधान रहिए।

आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'सात' और 'दो' मूलाको वाले ही रहेंगे। इन्हीं मूलाको वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति त्राप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए सिलेटी और हरे रंग के वस्त्रों को धारण किए रहिए।

आपके भाग्य रत्न हैं हरित मणि (जिह), चन्द्रकात मणि और मोती।

8, 17, 26 (मूलाक 8) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

इन तिथियों को जन्मे व्यक्ति 'दुहरे शनि' के प्रभाव में आते हैं। उनके कंधों पर आम तौर में सारे जहाँ का दर्द या भारी जिम्मेदारी थोप दी जाती है। शनि का शक्तिशाली प्रभाव राशि के आम प्रभाव को दुगुना कर देता है।

जापको भारी कठिनाइयों और विगद्य का सामना करना पड़ेगा। दूसरे से कोई महापना मिलेगी भी तो बहुत थोड़ी। सफलता के लिए स्वयं पर ही निर्भर रहना होगा। लेकिन अपना काम पूरा करने के लिए आपमें भारी धैर्य, लगन और सकल्प रहेगा। आपमें प्रबल महत्वाकांक्षा होगी। कैंसा भी विरोध आपको आपके ध्येय या योजना के मार्ग से विचलित नहीं कर पाएगा।

कभी-कभी आपका निराशा के गम्भीर दार से गुजरना होगा। पारिवारिक वन्दन या प्रियजनों की मृत्यु से परेशानियों और दुखों का सामना करना पड़ सकता है। विवाह जिनकी देर से हो, आपके लिए उनका ही शुभ होगा।

जुआ, सट्टा या 'शोध्र अमीर बनिए' वाले नुस्खों में आपका भाग्य चमकने वाला नहीं है। आप धीमे, श्रमसाध्य साधनो से, कठोर दिमागी परिश्रम में पैसा जमा करेंगे। कुछ मात्रता में भूमि के विकास, खानों की खुदाई, कोयला, सीमा जैसे खनिजों के दोहन, ककरोट के काम में या बड़ो-बड़ो इमारतों के निर्माण में भारी जिम्मेदारी के पदों का सम्मानते हुए आप लाभ कमा सकते हैं।

आपका स्वभाव प्रवृत्ति गम्भीर होगा। आप गहन चिन्तक होंगे। दूसरों के लिए योजनाएँ प्रस्तुत करने में कुशल और वाद-विवाद में उत्तम होंगे। शत यह है कि विपक्षी दलों में आपकी विरोधी पर प्रहार या अपनी सफाई के लिए उत्तेजित कर सकें।

आप निश्चय ही महत्वाकांक्षी होंगे, झूठी शान या मत्ता के प्रेम में नहीं बन्कि

ठोस भावनात्मक उद्देश्य से, विशेषकर जब आप समझते हों कि उनसे आप दूसरों की सहायता कर सकेंगे।

अपने से छोटे व्यक्तियों के साथ आपका अजीब मानसिक और नैतिक लगाव होगा, जिससे आपकी खुली आलोचना होगी और अदरखाने विरोध। हालांकि आप दूसरों की दोषा की जोर से आखिरी बन्द नहीं करेंगे, फिर भी उनके गलत कामों को सही दृष्टान्त के लिए कोई बहाना खोज लेंगे या उनकी जिम्मेदारी अपने बंधा पर आट लेंगे।

आपका हज़ जगह अपना एक अलग व्यक्तित्व होगा। कभी-कभी आप निराशा की गहरी भावना से ग्रस्त हो जाएंगे, विशेषकर वृत्ति के ऐसे बिन्दु पर मनुष्य पर जहाँ आप दूसरा का अधिक भला न कर सकें।

आप न तो अपना मन छानेंगे और न अपन दिल का दूद दूसरों को बताएंगे। आपकी आवाज़ म चमक होगी जबकि पाव अघवार में भटक रहे होंगे।

आर्थिक दशा

अनेक अवसर मिलने पर भी इसकी सम्भावना नहीं है कि आप बुढ़ापे के लिए अधिा वचन कर पायेंगे। आपकी दशा 'पर उपदेश वृक्षस दृष्टेर' जैसी होगी। आपके मित्रों का यह देशक ज्ञानवर्ष होगा कि तुम्हें मे अपना धन दूसरा का देकर या पुत्रहीनीधी वगैरह कर आपने मरीशे आट नी है।

स्वास्थ्य

आवन्मिक और अद्रव्याणि बीमारिया सम्भव हैं। अदहनी अग्रा में स्वावट में आपरगन की जलन हा सकती है। इसके अलावा स्वास्थ्य सम्ये समय तक अच्छा रहेगा। भोजन पर अमन में अधिक ध्यान देने की जरूरत है। नम और निचले स्थलों पर देर न रहने में बचि।

गिन में या दुष्टनाश में पैर में चाट, गड़ियों में लकड़ या मोठ तथा मोठ में चाट लगने की सम्भावना है।

आपके दिन नवमे महत्वपूर्ण एक 'चार' और 'आठ' हैं। इन मूलकों पानी निदिया आपके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। इन्हीं निदियों को जमे व्यक्तियों का प्रति आप दृष्टा लगाव महत्त्व करेंगे, जिन आम तोर पर ये व्यक्ति अपना बाप आपके बंधा पर टाल देंगे।

आपके नवमे घटनापूर्ण वर्ष भी 'चार' और 'आठ' मूलकों वाले ही रह्य। अपना प्रभाव बशान और भाग्य चमकाने के लिए निम्न रणों को धारण कीजिए। गह्रा जामुनी, बाला दा नीवा बाना, नीवा, स्पिटे। आपके भाग्य रत्न है बाना मानी, बाना होरा, नीचम।

9, 18 27 (मूलांक 9) जनवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण यह है भाग्य और शक्ति । मरत आपके जीवन को बहुत घटना-पूर्ण अस्थिर और कुछ भाग्यवादी बनाएगा । आपके सभी मामला में ऐसी परिस्थितियाँ का हाथ रहेगा जिन पर आपका नियन्त्रण बहुत कम या बिल्कुल नहीं होगा ।

आ भी काम हाथ में लेगे उसमें आगे बढ़ने का रास्ता बना लें लेकिन भाग्य के परमानन्द उत्तर-चढ़ाव आ सकते हैं । कभी ऐसा लगेगा जैसे हर बात आपके अनुकूल जा रही है फिर ऐसा समय आएगा जिसमें सब कुछ उलट जाएगा । यदि सम्मान परिवार में जन्म नहीं लिया है तो प्रारम्भिक जीवन बहुत कठोर और कठिन होने की सम्भावना है । लक्षण तैनों से पैनीम वष तक के लिए ऐसे मकेन हैं कि अपनी प्रकृति और इच्छा के विरुद्ध आपको बहुत-से अप्रिय काम करने होंगे ।

आप अति महत्वाकांक्षी होंगे और तब तक संतोष नहीं मिलेगा जब तक अपने सहयोगियों से अलग और ऊँचा कोई प्रमुख पद प्राप्त न कर लें । आप में काफी साहस और आत्मविश्वास रहेगा जो जीवन-मार्ग में आपको बल प्रदान करेगा ।

आपमें औसत व्यक्ति से अधिक काम और सगठन की क्षमता होगी, किन्तु उचित यह रहेगा कि काम के लिए व्यापक धैर्य मिले । किसी प्रकार का प्रशासन या सरकारी काम अथवा उद्योग-उद्यम में जिम्मेदारी का ऊँचा पद आपकी प्रकृति के अनुकूल रहेगा ।

दुस्साहम और जिगना के प्रति प्रेम के कारण आपको तरह-तरह के सकटों का सामना करना पड़ेगा । अनेक दुर्घटनाओं की भी सम्भावना है और अमामान्य परिस्थितियों में जीवन को जोखिम में डालेंगे ।

परिणामी और ग्रहणीय हानि से आप किसी भी व्यक्तित्व का बड़ा लेंगे लेकिन स्वभाव में दाव लगाने की अनुभावना होने से प्रायः ऐसे जोखिम उठ लेंगे जो आप पर भारी पड़ जाएंगे ।

विवाह में आपको सामाजिक लाभ होने की आशा है किन्तु आगे चलकर इन सम्बन्ध में कुछ विचित्र अनुभव हो सकते हैं ।

आप शीघ्र क्रोध करने वाले, हठी और जिद्दी होंगे । अनजाने में अनेक सबल शत्रु बना लेंगे । बुढ़ापे में जलसाजी और झूठे मित्रों के कारण बदनामी उठा सकते हैं । अश्रुत्याग्नि शत्रु के घड़ियों से भी भारी हानि उठा सकते हैं ।

आर्थिक दशा

15 या 27 जनवरी का जन्म होने पर 35 से 60 वर्ष की आयु तक आपके हाथ में बड़ी रकम रहेगी या खर्च होगा । उनके बाद पद और सम्पत्ति धनाए रखने के लिए भारी दुःखिता और माझानों से काम लेने की जरूरत है ।

स्वास्थ्य

प्रारम्भ से ही आपको सुगठित बापा का वरदान मिलेगा । बुढ़ापे तक ऐसा हो

रहने की सम्भावना है। उसके बाद आपका दिल जवाब देने लगेगा। विश्राम से कुछ समय के लिए दुर्भाग्य को टाल सकते हैं लेकिन सख्त बिना चेतावनी के आर्वात्मिक मृत्यु के हैं।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक नौ है। 9, 18 या 27 तारीख को अपनी योजनाएं या महत्वपूर्ण काम पूरे करने का प्रयास कीजिए। अंक 'आठ' और 'चार' तथा इन मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्ति भी आपके जीवन और वृत्ति में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे लेकिन वे सामान्य से अधिक दुर्भाग्य साएंगे। निजी तौर पर 'चार' और 'आठ' अंको से यथासम्भव बचिए।

आपके लिए सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी नौ मूलांक वाले ही होंगे। 'तीन' 'छ' और 'नौ' मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आपका गहरा लगाव रहेगा।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए भगल के गुलाबी या लाल रंगों का उपयोग करें। आपके भाग्य रत्न हैं लाल, लामरा (गार्नेट), पित्तैनिया या रक्तमणि (रूड स्टोन)।

अध्याय 2

फरवरी

फरवरी मास कुम्भ राशि के प्रभाव में है। इसे शनि (मौम्य) की राशि भी कहते हैं। यह लगभग 21 जनवरी से प्रारम्भ होती है। सात दिन तक पूर्व राशि के साथ इसका सधि-काल रहता है। 28 जनवरी से 19 फरवरी तक ही यह अपना पूर्ण प्रभाव दिखाती है। फिर नयी राशि मीन के साथ सधि-काल शुरू हो जाने से उत्तरोत्तर यह अपना प्रभाव खोती जाती है। सधि-काल में जन्मे व्यक्तियों में दोनों राशियों के गुण मिलते हैं।

आप अति सवेदनशील हैं, बाग्याणों से शीघ्र तित्तमिला उठने की प्रवृत्ति है। बहुत से लोगों के सम्पर्क में आएंगे फिर भी अकेलापन महसूस करेंगे। प्यार का प्रदर्शन नहीं करेंगे लेकिन जिन्हें प्यार करेंगे उनके प्रति पूरी तरह समर्पित होंगे। मित्र के लिए या अपने किसी उद्देश्य के लिए अंतिम क्षण तक सघर्ष करते रहेंगे।

सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों की पूर्वाभास या अंतःप्रेरणा से प्रायः सही-सही पहचान सेंगे लेकिन चोट न पहुंचाने की भावना से अपनी राय को मन में ही छिपाकर रखेंगे। इससे मन का भाव कभी-कभी सीमा से अधिक बढ जाएगा और उसे सहन न कर पाने के कारण आप उसे उगल देंगे तो मन में बुरी तरह पछताएंगे। क्षति-भूति के लिए आप किसी सीमा तक जा सकते हैं।

आपके मन में आम जन का नत्ता करने की उत्कट भावना रहेगी। दूसरों का कष्ट दूर करने में सामान्य से अधिक उदार होंगे। औसत से अधिक दान करेंगे।

आप बहुत तार्किक बुद्धि वाले हैं। चाहेंगे कि मनभेदों को तर्कों द्वारा शांतिपूर्वक सुलझा लिया जाए। आप में बहुत बढ़िया व्यापार-बुद्धि भी होगी और दूसरों को उत्तम सलाह देंगे। लेकिन जिम्मेदारी के पदों पर रहते हुए आम तौर से दूसरों को ही अधिक लाभ पहुंचाएंगे।

अपने उत्तम गुणों को प्रकट करने के लिए आपको कण्व्य की पुकार या परिस्थितियों की दरकार है। पुकार होने पर आप स्वयं को अवसर के अनुकूल ढाल लेंगे। अपनी छिपी शक्तियों और योग्यताओं का प्रदर्शन कर सभी को आश्चर्य में डाल देंगे। सवेदनशीलता पर काबू पा सकें और आत्मविश्वास पैदा कर सकें तो ऐसा कोई पद नहीं जिसे आप न पा सकें।

सबसे अधिक सफलता आपको किसी ऐसे बड़े कार्यक्षेत्र में मिलगी जिसमें दूसरों की भलाई करने का अवसर हो। जिन्हें 'बोध' हो जाता है वे मानव कल्याण का कोई बड़ा काम या उद्यम करके दुनिया में अपना नाम छोड़ जाते हैं।

ऐसे जन आंदोलनों में जिनमें बड़ी समस्या में लोग शामिल हों, आपकी गहरी दिनचर्या होगी। राष्ट्रीय हित के महत्वपूर्ण समारोहों में आप भाग लेने नज़र आएंगे। अपनी दुनिया में रहते हुए भी भीड़ और भीड़ वाले स्थानों जैसे आम-सभाएं थिएटर, मनोरंजन-स्थल आदि में आपका सबाब होगा। एक विचित्र बात यह है कि स्वयं भारी मानसिक तनाव की स्थिति में रहने पर भी आप शीघ्र उत्तेजना या जायश में आन वाना अथवा मानसिक रोगिया पर प्रबल प्रभाव डाल सकेंगे। आप स्वयं का प्रायः ऐसे लोगों के बीच में पाएंगे।

यदि आप धनी परिवार में जन्म है तो अपने सर्वोत्तम गुणों का विकास कर पाने की सम्भावना नहीं के बराबर है। वस, धारा के साथ बहते जायेंगे। चत होने तक परिवर्तन के लिए बहुत देर हो चुकी होगी।

अस्य वग की अपेक्षा शायद आपको अपने साथियों के अनुभव में सावधानी और आश्चर्यवत्ता अधिक है। जातिविश्वास की सभी के कारण सम्पर्क में आने वाले व्यक्तिगत से आप बहुत आगंतु से प्रभावित हो सकते हैं।

स्वास्थ्य

नसा, आमाशय, जिगर और पित्ताशय की बीमारियों से आपके ग्रस्त होने की सम्भावना है। डाक्टरों के लिए भी उनका निदान और उपचार करना कठिन होगा। आप विनाशकारी भीम-हकीमी दवाएं परोसते नज़र आएंगे। मित्रों के लिए भी आपके पास कोई-न-कोई नई गोली या बलबल्लू दवा मिल जाएगी। बुझाप में आप रक्त-संचार में गड़बड़ी और रक्तप्रवाह, निर और पीठ में दर्द, दिल की धड़कन में तेज़ी और कमजोरी, मतान और मुट्ठी की कमजोरी, पांवों में अजीब दुधटनाओं, एडियो में मांस, या हड्डी टूटने जैसी परेशानियाँ के शिकार हो सकते हैं।

आर्थिक दशा

जान और मूल्य के प्रभाव से भाग्य में बड़े बड़े और आकस्मिक उतार चढ़ाव आने की सम्भावना है। अनिश्चयात्मक या खतरनाक वग के मामलों में बहुत सावधानी की ज़रूरत है। न्यायो, बीमा कम्पनियाँ, बैंक, रेलवे कम्पनियाँ, बिजली मस्यानो, उद्भयन और नवीनवीद्योज परियोजनाओं से अच्छा लाभ हो सकता है। पूरी बुद्धिमत्ता में काम नहीं करेंगे तो आप बहुत कुछ अनिश्चित रही आएंगी, सभी बहुत कम, सभी बहुत अधिक। एक बार एकदम अप्रत्याशित गृह से और बड़े विचित्र ढंग से भारी धन-लाभ हो सकता है।

बियाह, सम्बन्ध, मासदारी आदि

आपकी निजी, पारिवारिक भी तासरी राशि कुम्भ (21 जनवरी से 19 फरवरी) वायु मिश्रण का जय हो राशिवा, मिथुन (21 मई से 20 जून) तथा तुला (21 गिनम्बर से 20 अक्टूबर), इन राशिवा के अन्त में सात दिन के सधि-काल और

अपनी राशि में सानवी सिंह (तुलसी के जनम अग्रिम के जनम) में जन्मे व्यक्तियों के साथ आने के सबसे मनुष्य सम्बन्ध है।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

सूर्य, यूरेनस और शनि आपके वारक छह हैं। प्रायः पूरा फरवरी मास शनि (सौम्य) के प्रभाव में है, अतः जननी की इन्हीं तिथियों में जन्मे व्यक्तियों की तुलना में जिन पर-शनि (जात्र) का प्रभाव है, आप पर भाग्य का दबाव कम रहेगा। आप अपनी यात्रनामा और महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति में अधिक स्वतन्त्र होंगे।

प्रारम्भिक वर्ष घटनापूर्ण और हलचल भरे रहेंगे। परिवार में अप्रत्याशित परिवर्तन होंगे। परिजनों द्वारा आपके लिए मौखिक गर्द योजनाओं के पूरी होने की सम्भावना नहीं है, सम्भावना यह है कि आप कम आय में ही अपना निजी रास्ता खोजने के लिए दुनिया में निकल पड़ेंगे।

आप सर्वोन्मुखी प्रतिभा के धनी और मौलिक विचारा से पूर्ण होंगे। आपमें भागी महत्वाकांक्षा, दृढ़ दृष्टिशक्ति और सकल हास। सकलता की सीढ़ियों पर चढ़ने के लिए आप अनवरत माग अपना सकते हैं।

आपमें ईर्ष्या करने वाले लोगों के मन में जालसाजी और गुप्त व्यवहार के भाव पैदा होंगे। जीवन के प्रारम्भिक भाग में आप अपनी वृत्ति में कई बार परिवर्तन करेंगे।

दूसरे लोगों के साथ आप लौभाग्र्यशाली नहीं रहेंगे। साक्षेद्रारो या सहयोगियों के साथ व्यवहार में अधिकतम सावधानी बरतिए। अपनी योजनाओं पर अकेले भ्रमल बेहतर होगा। क्योंकि दूसरे लोग आपकी धोखा दे सकते या लूट सकते हैं।

आपको हमेशा बड़े-बड़े नष्ट सामने रखने चाहिए और अपने से ऊँचे पद वालों के सम्पर्क में आने का प्रयास करना चाहिए।

आर्थिक दशा

जुए और मटेबाजी से बचिए। कभी-कभी शीघ्र धन कमाने के प्रयास में आप भीमा का अतिक्रमण करने लगेंगे।

डाक्टर, वकील, अभिनेता, नलाकार आदि का व्यवसाय करने वालों के लिए फरवरी का मास धन-संचय की दृष्टि से अधिक अच्छा हो रहा है। इससे विपरीत साहू-कार या धड़े उद्योग के मुखिया जैसे ठोस व्यवसाय में लगे व्यक्तियों के लिए यह अच्छा योग है। इसका कारण शायद यह है कि इस राशि में जन्मे व्यक्ति अपने बचाव दूसरों को के लिए बेहतर काम कर सकते हैं।

28 फरवरी का जन्म नेते पर कुम्भ राशि का प्रभाव खत्म हो चुकेगा और मीन राशि का प्रभाव आरम्भ हो जाएगा। जन अकुश कम हो जाएंगे और आप जो भी वृत्ति अपनाएंगे, इसी में पर्याप्त सफलता की आशा कर सकते हैं।

स्वास्थ्य

1, 10, 19 फरवरी को जन्म लेने पर आपमें प्रचुर मानसिक शक्ति होती किन्तु 28 फरवरी को जन्मे व्यक्ति के समान शारीरिक शक्ति नहीं होगी। पाचन क्रिया बहुत जल्द गड़बड़ाने लगेगी। हस्तका खाइए लेकिन बार-बार खाइए। ओसत आदमी से अधिक सोइए। लेकिन आपकी काया का गठन ऐसा होगा कि बीमार होने पर बहुत शीघ्र स्वस्थ हो जाएंगे।

आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण अक्षर 'एक' (सूर्य) और 'चार' (चूरेनस) हैं। अपने सभी महत्वपूर्ण काम इन्हीं मूलाक्षरों वाली तिथियों को करने का प्रयत्न कीजिए। आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलाक्षरों वाले होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चम्काने के लिए सूर्य और चूरेनस के रशों के वस्त्र धारण कीजिए। वे इस प्रकार हैं—सूर्य—सुनहरा, पीला, नारंगी भूरा। चूरेनस—नीला, सिलेटी।

आपके भाग्य रत्न हैं—होरा, नीलम, अम्बर और पुष्कराज।

19 या 28 फरवरी

यदि आप 19 या 28 फरवरी को जन्मे हैं तो आगामी राशि मीन के सधि-काल में आत है। इसका स्वामी गुरु (सोम्य) है। या 10 फरवरी की अपेक्षा इन तिथियाँ को जन्म लेना अधिक लाभकारी है। इनके कारण यह सूर्य, चूरेनस तथा गुरु हैं और महत्वपूर्ण अक्षर हैं 'एक' 'चार' तथा 'तीन'। अपने सामान्यबर्तक रशों में बैंगनी, जामुनी, फालतई और रत्नों में बटैला का भी शामिल कर लीजिए।

सबसे अधिक बदलाव स्वास्थ्य में आएगा। 19 या 28 फरवरी को जन्म लेने पर आपमें आश्चर्यजनक जीवनी शक्ति होगी, हानिकारक अत्यधिक परिश्रम से आप अपने को घटा भी सकते हैं। हर प्रातः आप सूर्य की भाँति नयी शक्ति लेकर जायेंगे। लेकिन आपमें जिगर की बीमारियों, रक्तदोष तथा शीघ्र सर्दी-जुकाम पकड़ने की प्रवृत्ति रहेगी। फेफड़ों में पानी भरने और कमजोरी का भी खतरा प्राप्त रहेगा।

'एक', 'चार', या 'तीन' मूलाक्षरों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

2, 11, 20, 29 (मूलरू 2) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण यह है चन्द्रमा और नेप्च्युन। राशि की सोम्य राशि में जन्मे होने से आप पर राशि का अधिक अनुकूल प्रभाव रहेगा और अपनी यादनाओं तथा महत्वा-कांक्षाओं को पूरी करने में अधिक सक्षम होंगे।

आप हम्मीनी तथा आदर्शवादी होंगे। अनेक अगमार्थ प्रेम प्रसंग होंगे। प्रजन महत्वाकांक्षी होंगे। पदोन्नति के अनेक अवसर भी मिलेंगे।

प्रारम्भिक पारिवारिक जीवन और वातावरण बहुत मोहकपूर्ण रहने की

सम्भावना नहीं है। हो सकता है, अपने पावों पर खड़े होने के लिए घर से निकलकर चल दें। लेकिन आपको अपनी अति संवेदनशीलता पर काबू पाना होगा और आत्म-बिगनाम पैदा करना होगा।

जीवन और वृत्ति में अनेक बदलाव आएंगे। आपमें जन्म-स्थान से दूर दूसरे देशों की यात्रा करने और उन्हें देखने की बलवती इच्छा होगी।

आपमें बहुमुखी प्रतिभा है लेकिन प्रवृत्ति कल्पनाशील गुणों के बरदान को विवर्धित करने की रहेगी। नयी खोजों में, विशेषकर जिनसे मानव जाति को व्यापक लाभ पहुंचना हो, आप अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे। कला, साहित्य, संगीत या नाटक से अपने को अभिव्यक्त करने की प्रबल भावना होगी। आप इनमें सफल भी होंगे।

आर्थिक दशा

अपनी योग्यता से ही जीवन के अन्तिम वर्षों में धनी होने की सम्भावना है, लेकिन धन या सम्पत्ति विरासत में भी मिल सकती है। आपको अनेक महत्वपूर्ण उपहार और सम्मान प्राप्त होने की सम्भावना है।

यदि 2, 11 या 20 फरवरी को जन्मे हैं तो प्रारम्भिक वर्षों में धन के मामले में अनेक कठिनाइयाँ और बाधाएँ आ सकती हैं, बशर्ते आप धनी परिवार में ही न पैदा हुए हों। लेकिन अन्त में निजी मानसिक प्रतिभा से सफलता मिलती निश्चित है, विशेषकर खोजों के क्षेत्र में या कला जगत में। यदि आप अपने अधिकार वाले पूँजी निवेश सम्बन्धी किसी बड़े पद पर पहुँच जाते हैं तो सब कुछ ठीक रहेगा, किन्तु यदि किसी व्यवसाय में हैं तो खतरा है कि पैसा आपके हाथों में नहीं रुकेगा और दुश्मनों के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं कर पाएँगे। 'सोप' के वर्ष में 29 फरवरी को जन्म होने पर आन भौन राशि के प्रभाव में आएंगे। प्रारम्भिक वर्षों में कम बाधाएँ आएंगी तथा अधिक साम्यशाली रहेंगे।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के बारे में आपको अधिक चिन्तायत नहीं होगी। आपके शरीर का अच्छा गठन होगा और आप 'सादा जीवन' बिताने के लिए कुछ नियम बना लेंगे, जिनमें सम्बन्धी आयु भोगेंगे।

आपके लिए सौभाग्यवर्द्धक रंग और रत्न वे ही हैं, जो जनवरी में इन्हीं तिथियों को जन्म लेने वालों के लिए हैं, लेकिन अरु 'आठ' के प्रभाव से डरने की जरूरत नहीं है। हाँ, 'आठ' के साथ इस अंक से यथासम्भव सावधान रहने और बचने का प्रयत्न अवश्य करना चाहिए।

20 तथा 29 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो' 'सान' और 'तीन' रहेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलानुवां बने रहेंगे। 'दो' और 'सात' मूलानुवां वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

3, 12, 21 (मूलक 3) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह हैं गुरु और शनि । 3 तथा 12 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों में जनवरी की इन्ही तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के समान गुण होंगे किन्तु अब आपकी राशि का स्वामी शनि (सौम्य) है, इसलिए गुरु के गुणों को अपना प्रभाव दिवाने के लिए अधिक अनुकूल परिस्थितियाँ रहेंगी । संशेष में ये गुण हैं दृढ़ दृष्टिवाञ्छा, सफल, सगठन-प्रतिभा, विशेषकर सार्वजनिक मामलों, सरकारी विभागों या राजनीति में । कुम्भ राशि में पैदा हुए जातकों के लिए सौम्य शनि का धीरे-गम्भीरकारी प्रभाव सर्वोत्तम है । इसका सबसे अच्छा उदाहरण अब्राहम लिन्कन के चरित्र में देख सकते हैं, जो 12 फरवरी को पैदा हुए थे ।

यदि आप 21 फरवरी को पैदा हुए हैं, जो आगामी राशि मीन की संधि में है, तो उसके स्वामी गुरु (सौम्य) का सुप्रभाव महसूस करेंगे । आप पूर्व तिथियों को पैदा हुए लोगों की तुलना में अधिक भौतिक सुख भोगेंगे । आप अपनी महत्वाकांक्षाओं को खुला छोड़ देंगे उनसे पूर्ति की पूरी सम्भावना है । जिम्मेदारी और दूसरों पर अधिकार दिलाने वाला कोई भी काम आपके लिए निश्चित रूप से लाभकारी होगा ।

महत्वाकांक्षा जगा सके तो कोई व्यक्ति ऐसी नहीं जिसमें सपन न हो । गुरु सौम्य होने से आपकी महत्वाकांक्षा भौतिक से अधिक मानसिक होगी । दम्पति मतलब है, हालांकि आप अधिकार के पदों के लिए उपयुक्त हैं फिर भी 'नैतिक सम्पर्क' से बचेंगे । उस हासल में आप बड़े उद्यमों का संचालन कर रहे होंगे किन्तु सार्वजनिक मान्यता आपको न मिलकर दूसरों को मिलेगी । पर आप मन से कोई दृष्टिवाञ्छा अपनाएँ । 21 फरवरी को जन्मे व्यक्ति सफलता की पूरी आशा कर सकते हैं ।

आर्थिक दशा

आप कोई काम करें, सामान्य से अधिक सफलता और फल-लाभ की आशा कर सकते हैं । 12 या 21 को जन्मे व्यक्ति अधिक भाग्यशाली होंगे । कभी-कभी बुद्धिमत्ता के बावजूद आपको धन हानि का सामना करना पड़ सकता है ।

स्वास्थ्य

आपका अधिक परिश्रम में स्वास्थ्यिक चकान और बीमारियाँ पाय का दृढ़ जिनमें म मूत्रन, रक्त शिराश्रा और धमनियाँ का कष्ट पड़ना और उच्च रक्तचाप जैसे रोगों का खतरा हो सकता है । जहाँ तक ही मर्के और म्कायविश तन्माय तम रहे, मादा भाव्यर करने और जी भरकर माले ।

आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण अंक है 'तीन' और 'आठ' । आप पर अंक 'चार' का भी प्रभाव पड़ता है आपके सबसे घटियांक वय 'तीन' के मूलांक प्राप्त होगा । इसी मूल यात्री तिथियाँ, जन्म व्यक्तियों के प्रति अपना गहरा प्रभाव होगा और ऐसे

व्यक्तियों का आपके जीवन तथा वृत्ति पर सद्प्रभाव होना चाहिए।

आपके लिए सौभाग्यवर्द्धक रंग हैं बैंगनी, जामुनी, हलका फालसई। गन्ध रत्न हैं कटेल (अर्माइस्ट) और जामुनी रंग के नग।

4, 13, 22 (मूलांक 4) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

जापने कारक ग्रह हैं यूरेनस, मूर्य, शनि (मौम्य)। आपके गुण और विशेषताएँ वे ही हैं जो जनवरी को इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों की हैं, अन्तर यही है कि अब आप शनि (ओज) के बजाय शनि (मौम्य) के प्रभाव में हैं, इसलिए आप पर दम ग्रह का बाधक प्रभाव कम है और अधिक उपनृद्धियाँ मिलनी चाहिए।

माय ही मेरी चेतावनी है कि 'चार' और 'आठ' अंकों के प्रयोग से यथामम्भव बचने रहे और इन मूलांका वाली तिथियाँ के लिए कोई योजना न बनाए और न महत्वपूर्ण सम्पर्क करें, आपके लिए सर्वोत्तम तिथियाँ मूर्य के मूलांक 'एक' वाली रहेंगी।

आप अपने विचारों में मौनिक और व्यवहार में लौकिक से हटकर चलने वाले हैं। आपका सदा नये विचारों को आरंभ करता रहेगा। नये दर्शन या नये धर्म, नये तरीक़े और विचार तथा कार्य की स्वतन्त्रता आपको बहुत अधिक आकर्षित करेगी। आपके साथी-मगो आपको अजीब, विचित्र तथा अपनी विस्मय का एक बहूँ कहेंगे हैं। इसीलिए आप सामान्य सम्पर्क से आने वाले व्यक्तियों के विचारों से आसानी से मेल नहीं खाएंगे।

शनि (मौम्य) का प्रभाव इन प्रवृत्तियों को बढ़ाता है, जो सौम्य हानि के बाधजुद आपकी प्रवृत्ति के वैचारिक पक्ष की अधिक प्रभावित करता है। आप शनि के तमस-वर्धित भाग्यवादी प्रभाव से काफी हद तक बच जाएंगे। लेकिन खिन्नता और दार्शनिकता का पुट आपमें रहेगा। आपके यूरेनस की विशेषताओं के साथ मिलकर वह आपकी संवेदनशीलता को बढ़ाएगा और आप प्रायः लोगों से मिलने से बचेंगे।

विशेषकर जनवरी में और 22 फरवरी तक इन तिथियों को जन्मे बच्चों के माय, और दरअसल 'चार' तथा 'आठ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे बच्चों के माय, चारों मूलवृत्त और महानुभूति में पेश आना चाहिए। कठोर व्यवहार उनके मानसिक विकास के लिए एकदम हानिकारक रहेगा। वे इतने संवेदनशील होते हैं कि हर बात को गहराई में महसूस करते हैं। छिपाने और प्रकट न करने की प्रवृत्ति के कारण वे अपनी बात को ठीक में समझा नहीं पाते और उन्हें गलत समझ लिया जाता है। यहाँ तक कि मैंने उन पर अनगणित आरोप तक लगते देखे हैं। मैं ऐसे बहुत-से व्यक्तियों को जानता हूँ जिन पर अदालत में झूठे आरोप लगे हैं और उन्हें सामान्य अधिकारों से भी वंचित किया गया है।

22 फरवरी को जन्मे व्यक्ति अधिक भाग्यशाली होते हैं क्योंकि उन पर गुरु के स्वामित्व वाली मीन राशि का प्रभाव पड़ने लगता है।

4, 13 तथा 22 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए केवल सूर्य का मूलांक 'एक' ही सामकार्य है। 'चार' और 'आठ' मूलांको वाली तिथियों को रद्द हुए व्यक्तियों से मेरा प्रबल आग्रह है कि वे ऐसे नाम रखें जिनमें 1, 2 तथा 6 अंको का शक्तिशाली योग हो।

4 और 13 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए सौभाग्यवर्द्धक रत्न और रण वे ही हैं जो जनवरी में इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के लिए हैं।

22 फरवरी

अब हम 22 फरवरी पर विचार करेंगे। मीन राशि की संधि में होने से यह गुरु (सौम्य) का अधिकार-क्षेत्र में अधिक है। शनि का प्रभाव समाप्त हो रहा है। किन्तु इस राशि में गुरु भौतिक को अपेक्षा वैचारिक पक्ष में अधिक सम्बन्धित है। फलस्वरूप इस तिथि को जन्मे व्यक्तियों में हम अक 'चार' के यूरेनस से जुड़े हुए गुरु के उदात्त मानसिक गुणों का विश्वास पाते हैं।

यूरेनस विचारों की स्वतन्त्रता, परम्परा से विरोध, राजतन्त्र या सरकार के प्रचलित रूप से विद्रोह आदि पर अमल के लिए उन्मुख है। भाष्य ही गुरु का प्रभाव विद्रोही को विजयी बनाना है। वह अपनी सड़ाई में नये विचारों का उपयोग करता है और यूरेनस के भौतिक गुणों का साथ उठाना है। यह युद्ध की हिंसा से घृणा कर सकता है किन्तु प्रसन्न-पीडा के बिना, नया जन्म सम्भव नहीं है। सड़ाई समाप्त होने पर वह शत्रु से उदारता से पेश आता है। गुरु के गुण के कारण उनका व्यवहार अन्यथा हो ही नहीं सकता। यूरेनस ने 'नये को'—एक नयी स्थिति को जन्म दिया है किन्तु यूरेनस शून्य तथा गुरु के योग से जो भी होगा, उनका भीगोच्य अतामान्य और लोभ में हटकर होगा।

22 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों को आपस और स अपने विचारों या याचनाओं में काफी विरोध का सामना करना पड़ेगा। वे अपनी ही दुनिया में रहने हैं। इसलिए उनको बहुत गलत समझा जा सकता है। वे प्रदर्शन नहीं करते और शत्रु में अपन को अभिषेक करने के लिए तैयार नहीं होते। यक्षा स अग्रिम वे सगठन नहीं हैं। वे परम्पराओं की या दूसरों की राय की चिन्ता नहीं करते। जीवन को वे एक दार्शनिक कण में देखते हैं।

अमरीका के प्रथम राष्ट्रपति जार्ज वॉशिंगटन, जो 22 फरवरी को जन्मे थे, इस योग के उत्प्रेरणीय उदाहरण हैं।

आर्थिक दशा

पैसा आपकी उतना औचित्य नहीं करेगा जितना एक मोनो आदमी को करता है। आप अगाधरूप उन्नयों से उसे बचाएंगे भी। कुछ अधिक बुद्धिमत्ता और सतर्कता परतकर आप कुछ सीमा तक अपनी रक्षा कर सकते हैं किन्तु आपका मध्य धार्मिक

और 'अन्दी अमीर बनिए' नुस्खा से सावधान रहना होगा।

स्वास्थ्य

स्वाम्य आपके मामले में सदा 'शरीर पर मन' का सवाल रहेगा। जब तक आप मन से प्रसन्न हैं और अपने काम दितचस्पी से करते हैं, आप स्वस्थ रहेगे और रोग आपके घाम नहीं फटके। लेकिन यदि निराशा के विचार पाल लेंगे तो आप कभी मानने की म्बन्ध महसूस नहीं करेंगे और स्नायविक गड़बड़ी या पाचन क्रिया की ऐसी परेशानी में फन जाएंगे जिसका उपचार बहुत कठिन होगा।

जीवन के नयने घटनाओं में बंधें हों 'एक' और 'चार'। एक, चार और आठ मूलाशो वाली विधियों को उनके व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

5, 14, 23 (मूलांक 5) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

जापका कारक यह है 'नि' (मौन्य) के साथ बुध। यह योग शुभ है क्योंकि हमने बुध के गुण 'नि' की विवेकपूर्ण तथा धर्मशील प्रकृति में प्रभावित होते हैं। मानसिक विकास के लिए यह उत्तम है।

23 फरवरी गुरु के स्वामित्व वाली मीन राशि की संधि में है। यदि इस दिन पैदा हुए हैं तो आपका स्वभाव बृहत् दबंग और स्वतन्त्र होगा। दुनिया आपके काम की पसन्द करती है या नहीं, इसकी आप बिना विचार नहीं करेंगे।

ये सभी विधिमा मन को बहुत दोषदर्शी बनाती हैं। ये मानव स्वभाव की गहरी पैठ और सोचों पर अजीब ढंग का प्रबल प्रभाव प्रदान करती हैं। ऐसे लोगों में अद्भुत 'नजर' होती है। उनके जन्म में आने वाले लोगों को वे आसानी से शान कर सकते हैं और उन्हें लक्ष्मण बान सुनने को बाध्य कर देते हैं। बावटरी में निदान भी अद्भुत शक्ति होती है। वे बड़े पडाकू होते हैं। जो कुछ पढ़ने या सुनने हैं, शीघ्र याद कर लेते हैं और फिर अवसर आने पर लोगों के सामने के लिए उन्हे काम में लेते हैं। वे विज्ञान और प्रमाणों से प्रेम करते हैं। निदानों के प्रति सदेही होत हैं। फिर भी मन से उनमें देशों के प्रति श्रद्धा होती है। वे सम्पत्ति या पद के पीछे नहीं भागते, लेकिन साथ ही अत्यन्त महत्वाकांक्षी होते हैं और चाहते हैं कि उनके काम को मान्यता मिले।

आमनुष्ट होने पर भी वे शोलाहन की गहरी वृद्ध करने हैं। प्रायः प्रशंसा या कृपा के कुछ शब्दों के बदले कुछ भी कर सकते हैं। अट-आकाशा पूरी न होने पर वे उदास हो जाते हैं।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में ऐसे व्यक्ति दूसरे लोगों को उत्तम सलाह दे सकते हैं लेकिन स्वयं उन पर शायद ही चलते हों। वे दिमाग लगाकर अन्तर धन कमा लेते हैं लेकिन बहुत कम उस रोक पाने या बुझाने के लिए बचाने हैं। मेरी सलाह है कि आप

मृष्टवाला घघ्रा मन रोजिए और अपना पैसा लेने छद्मा ने लगाए बिना पर आकरा निदम्रण हो। सोच आरसे ले वो आगानी में लेंगे नेमिन दहने न बम-ने-बम दें।

स्वास्थ्य

आम तौर से आप स्वस्थ और जोशोले होंगे लेकिन कभी-कभी जिन्हा जिन्ही, तुरी और पिनामय की शिकस्त हो जायगी। धनी परिवारों में जन्मे कुछ लोग मारब, मादक द्रव्य और गानोशौदन की जिन्दगी से अपना स्वास्थ्य बिगाड़ सकते हैं। ऐसे लोगों को उनकी उद्देश्यहीनता, चबनता और अत्यन्त बिड़ाबडेपन में पहचाना जा सकता है।

आपके लिए सबसे अच्छा अब 'पाब' है। इसी मूलक के वर्ष आपके जीवन में सदन घटनापूर्ण रहेंगे। इसी मूलक वाली विधियों का जन्मे व्यक्तियों के प्रश्न और गहरा लगाव महसूस करेंगे।

सभी हलके रग, बिनेपहर मरेंद का चमरीले और होरे तथा मरेंद बमरीले नग आपके लिए सौभाग्यपूर्ण रहेंगे।

6, 15, 24 (मूलक 6) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

6 और 15 फरवरी का जन्मे व्यक्तियों के लिए बारब पह है गुक आ गनि (मौम्य)। 24 फरवरी को जन्मे व्यक्ति मौन रागि की सधि म आन है और शुक्र तथा गुरु के प्रभाव में होते हैं। 6 और 15 वाला के लिए शुक्र के गुण पर गनि की छाया रहती है। इन व्यक्तियों के लिए प्यार ही सब कुछ है, फिर भी 'अभंग' हन हैं, मुस्यत मन के आवेग और 'एक हो दिशा में सावने' के गुण के कारण। अग्रविश्राम या अति समर्पण-भावना से वे अपने प्रेम-पात्रों को सर्वस्व निछावर कर देने हैं भले ही वे निरुम्मे निकले। सयोग से यदि कोई उनकी समर्पण-भावना को मगाहने वाला मिल जाए तो भी उह भारी अटकनों का सामना करना पड़ता है। कुछ भी हो, प्रेम में उह मनबाहा सनोष त्ही मिलता। शायद वे अपने से निम्न साक्षात्कि रता जाने के साथ अपना बुद्धि में पिछड़े व्यक्ति के साथ विवाह करत है।

फरवरी की इन तिथिया की जन्मे व्यक्तियों में मुने प्रेम और आनन्दता के कुछ अत्यन्त आश्चर्यजनक उदाहरण मिले हैं, लेकिन सभी मामलों में उनके जीवन में प्रेम की भावना ही बलवती रही।

आम तौर से फरवरी में 6 मूलक वाली सभी विधियों को जन्मे व्यक्तियों में स्वाभाविक रतामक भावना होती है। जनता के आन लाने वाली जिन्ही बलि म वे पन और नाम बना सबन है। उह जनता का प्यारमिलता है और जनता का उनका।

बना में उहे बिन्ना पैसा मिलता है, इसकी व बिन्ना नहा करने। अतः उन्मे हर काम की बडे पैमान पर करने का शुरुवा रहता है और पनस्वरुप अत्यन्त पगारी व्यक्ति उनकी ओर आकर्षित होते।

आप हर प्रकार के सामाजिक जीवन की ओर आकर्षित होंगे। जहा जाएंगे, आसानी से मित्र बना लेंगे। छोटे और अधीनस्थ लोग आपकी पूजा करेंगे, ऊंचे पद वाले और धनी व्यक्ति आपकी ओर आकर्षित होंगे।

आप हमसानी और बौलुक कथाओं को पसंद करेंगे। विपरीत लिंगियों पर आपका काफी प्रभाव रहेगा। फिर भी 'वक्तव्य की पुष्टि' के लिए आप सुखों का त्याग करने को तैयार हो जाएंगे। स्वयं को अदशवादी स्वप्न देखने वाला नायक समझते रहेंगे। फिर भी आप सफल होंगे, हमसे रजमान मन्देह नही है। कभी-कभी यह मोचकर कि आप कुछ भी कर सकते हैं। असम्भव काम करने का जाग्रित उठाएंगे।

जब तक अत्यधिक दृढ़ दृष्टि शक्ति न हो, आपमें भागविलास और अपव्यय में प्रेम की स्वाभाविक प्रवृत्ति रहेगी। कर्मस्वल्प आप शृणुप्रस्त भी हो सकते हैं। गतिन आपका यह याग इतना अच्छा है कि अपनी महज उदारता में जय किसी सबट में फस जाएगा ता लाग आरबी मद्राप्रता के लिए भाग जाएगा।

आर्थिक दशा

व्ययन गीतने ही आप लक्षण को जगन पा म चवन हुए महमूस करेंगे। आर्थिक मामलों में आप जगन मूत्रनापूण काम कर सकते हैं और हवाई याजनाभा में फस सकते हैं, फिर भी जगन पावो पर छोड़े ही जायेंगे। सावजनिक उद्यमों जयवा जगना के सहयोग वान कामा स आपका लाभ हो सकता है। कम्पनी छोड़ कर और अपनी याजनाभा के लिए बड़ी सक्षमा म समथक जुटाकर अच्छी सफलता मिल सकती है। तैबिन हमगा सीमाओं का अनिवार्य करने और कभी-कभी भारी आर्थिक हानि उठाने का स्वभाव रहेगा।

स्वास्थ्य

शरीर स्वस्थ रहेगा और बीमारी की चिन्ता कम होगी। हवा-पानी बदलने से सर्दी जुकाम होने का खतरा है। निमोनिया, श्वास नली और फेफड़ों की कमजारी और स्नायविक तनाव की भी सम्भावना है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 'छ' है। इसी मूलांक वाली तिथियों को जमे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महमूस करेंगे। आपके जीवन के सबसे घटनापूण वर्ष भी इसी मूलांक वाले होंगे।

आपके लिए सबसे भाग्यवर्द्धक रंग है—हनुके से गहरे नर नीला। 24 फरवरी को पैदा होने पर बैंगनी, फाल्सई या जामुनी रंग का भी प्रयोग कर सकते हैं।

7, 16, 25 (मूलांक 7) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके वाक्य ग्रह हैं नेपचून (7), चन्द्र (2), यूरेनस (4) और शनि (8)। जो लोग 7 या 16 फरवरी को पैदा हुए हैं, उनका स्वभाव 25 फरवरी को पैदा हुए लोगों से बहुत भिन्न होगा क्योंकि बाद के लोग गुरु (सौम्य) की मीन राशि में पैदा

हानि से उनके जीवन में शानि का बाधक प्रभाव कम हो जाएगा। 7 या 16 परवरी को पैदा होने पर आपका स्वभाव विचित्रता लिए हुए अत्यन्त संवेदनशील होगा। आपके लिए नही रमान या वृत्ति खोज पाया अत्यन्त कठिन है और सारा जीवन उन्ही की खोज में निकल सकता है। लेकिन यदि किसी लक्ष्य के प्रति आकर्षित हुए तो पूरे साहस और दृढ़ता से उनसे चिपके रहेंगे।

बनावटपूर्ण और दूरतरे लोभों के स्वभाव का आप पर भारी धमर पड़ेगा इसलिए निवाम-स्थान और सम्पर्क में आने वाले व्यक्तिता के बारे में अधिक-से-अधिक सावधानी बनानी चाहिए।

आपमें कल्पना, आदरवाद और स्वभावोपन का अनाश्रय गुण हो सकता है। परमाणु आत्मविश्वास में होने की प्रवृत्ति रहेगी शिन्तन निर्मा बाहरी पुकार पर ही आप जनता की नजर में आ सकेंगे। यदि पुकार आई तो आप सर्वप्रथम तात्त्विक के लिए बाईं की स्थिति या कठिनाई सेल सकते हैं।

किसी कला में ध्यान लगाएंगे न। एक ही ढंग पर चलन रहेंगे। निजो साधन की स्वभाव धर्म से अधिक आकर्षित होंगे। गुप्त विद्याओं की ज्योतिष की खोज में भी लग सकते हैं।

मानसिक विचित्रता के प्रति आपकी अनामक्य सहानुभूति रहेगी। उनके और उनके समाज के लिए काम करने वाली संस्थाओं को धन भी द सरल है।

दूसरे लोगों के बारे में सहज पूछना होगा किन्तु अपनी समझदारी और नापसंदगी का आप मायद ही बाईं तकमगन कारण बना सकें। इसी प्रकार कस्तुओं का भी आप प्रयोग करेंगे लेकिन सामान्य अध्ययन में नहीं।

25 परवरी को जन्म द्यवित अपने जीवन में काफी मरत रहे। दिन किसी काम में लगे होंगे, आर्थिक लाभ की बिना किए बिना पूरे मन से करेंगे।

परवरी में पैदा 'मात्र और बाले' सभी व्यक्ति मौलिक, अध्ययनशील और मार्गदर्शक या कला में प्रायः बल प्रदान करने वाले होते हैं। धर्म के बारे में उनके विचित्र विचार धन जान है और किसी परम्परा का पालन नहीं कर सकते। वे अध्यात्मिक तो नहीं हैं वरन् कदाचित् उनके रहस्य और जनता पर प्रभाव का मानन है किन्तु किसी प्रकार के कटुधर्म को पसन्द नहीं करते।

आर्थिक दशा

ये लोग नीतिगत लाभ की बिना नहीं करते। घर के मामले में मायद ही भाग्यशाली है और मनुष्यता में प्रायः ज्ञानि उद्योग है। उनके उदार स्वभाव और पराधीन भावना के कारण कदाचित् उनके हाथ में लोभ खच हो जाता है। मरत परामर्श है कि मरकाली बोट जमी चोखा पर कम आय में मनुष्य ट, मनुष्य और सभी प्रकार के गुण में खच।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के बारे में इन व्यक्तियों के अनुभव बहुत विचित्र रहते हैं। बचपन में बामतौर से बहुत नाजुक होते हैं। डाक्टरों के लिए पहेली ही रहते हैं और उनके परीक्षणों के जिकार बनते हैं। वे स्वयं तरह-तरह की 'बमबारी' औषधियों पर पैसा बर्बाद करते हैं। वे प्रायः पेट की किसी रहस्यपूर्ण बीमारी से ग्रस्त रहते हैं। उनका भोजन भी विचित्र होता है। किसी ऐसे व्यक्ति के साथ रहने में, जिससे वे चिढ़ते हों, बीमार पड़ जाते हैं।

इन लोगों को, जहां तक हो सके, मादक पदार्थों और दवाओं से बचना चाहिए। विशेषज्ञों की अपेक्षा डेर-सा सावधानी, निद्रा और नादा भोजन उन्हें शीघ्र स्वस्थ करेंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'सात' और 'दो' हैं। अपने सभी महत्वपूर्ण काम इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों पर करने का प्रयास कीजिए। 'चार' व 'आठ' मूलांकों वाली तिथियां से अत्यंत सावधान रहिए। जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'सात' और 'दो' मूलांकों वाले ही होंगे। इन्हीं मूलांकों और साथ ही 'एक' व 'चार' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप विशेष लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए भाग्यवशंक रंग हैं सभी कलकों में हरा, नील, सफ़ेद और कबूतरी।

25 फरवरी को जन्मे लोग फाल्सर्द, बैंगनी तथा जामुनी रंगों का भी प्रयोग कर सकते हैं। इन लोगों को परम्परागत कामों में से कोई विशेष प्रकार का काम खोजने का पूरा प्रयास करना चाहिए। अपने विचारों की दुनिया में खोए रहने के कारण उन्हें भौतिकतावादियों से या पैसों की भगवान समझने वाले लोगों से धोखा या दुर्व्यवहार मिलने की अपेक्षा है।

8, 17, 26 (मूलांक 8) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह हैं शनि (सौम्य) और पूरेनत। 26 फरवरी का जन्म लेने पर इन दोनों के साथ मीन राशि के स्वामी गुरु का भी प्रभाव पड़ने लगता है।

आपका अपना व्यक्तित्व होगा। साधिका में आपका जीवन सबसे अलग होगा। जो भी वृत्ति अपनाए, आप यहाँ दार्शनिक विचारों वाले होंगे। प्रयास न करने पर भी जीवन में अनेक विचित्र परिस्थितियाँ और अवसर आएँगे। भाग्य की विचित्र धारा बहाकर त्रिम्बेश्वरी के पदों पर ले जाएगी।

26 फरवरी को जन्म लेने पर गुरु के प्रभाव से अधिक भौतिक सफलता की आशा है, जो अंक 'आठ' के प्रभाव के अधीन जन्मे सभी व्यक्तियों की कभी-न-कभी छिने शत्रुता के हमले की और बदनामी तथा तीव्र अपमानना का गिकार बनने की सम्भावना रहती है। -

सम्पन्नता में न जन्मे हो तो प्राग्मिक जैदा कठार तथा कठिन रूपा और

उससे भविष्य की सफलता का सबेरा मिलेगा। प्रेम-प्रसंगों और घरेलू जीवन में आपको गम्भीर चिन्ताओं और दुःख का सामना करना पड़ सकता है। इष्ट-मित्रों का विछोह, उनकी बीमारी या मृत्यु का दुर्भाग्य आगे आ सकता है। विवाह का असाधारण अनुभव होगा और बच्चे हुए तो वे शोक या गम्भीर चिन्ता का कारण बनेंगे।

आपको भौतिक से अधिक मानसिक सदोष मिलेगा। आप पैसा बना सकते हैं, घनी धन संचयते हैं अपना किसी शक्तिशाली पद पर भी पहुँच सकते हैं, लेकिन बहुत बड़ी कीमत अदा करनी होगी।

आर्थिक दशा

यदि पक्का इरादा कर लें तो पैसा अवश्य बना सकते हैं, विशेषकर 26 फरवरी को जन्मे व्यक्ति। लेकिन विपरीत परिस्थितियों की कार्रवाइयों अपना मुकदमेबाजी या घोखाघड़ी से उने सदा देने की भी सम्भावना है।

स्वास्थ्य

शरीर में जैम हैं, उसकी अपेक्षा ऊपर से अधिक स्वस्थ दिखाई देंगे। बीमारी की पूर्व चेतावनी बहुत कम मिलती है या बिल्कुल नहीं मिल पाती। अकस्मात् दिल के दौरों से या दिमाग में घुन का घबरा जमने में चपत देते हैं।

आम तौर से अब 'आठ' के लोगों की अपनी विशेषता होती है वे बाह्य जिस मौसम में पैदा हुए हों। सारी सफलता मिलती है या सारी विफलता। इस पार या उस पार, यदि तब पहुँचने की प्रवृत्ति। वे या तो जीवन-मर पर अच्छी-बुरी कोई बड़ी भूमिका अदा करते हैं या आजाद होने में असमर्थ पिछड़े का पछी बनकर रह जाते हैं। हर हाल में उनमें असाधारण जीवन व्यतीत करने की आशा की जाती है। भाग्य-वश हो या उनकी अपनी प्रवृत्ति के कारण, धन्यपूर्ति के लिए उन्हें पूर्ण शक्ति जुटाने का प्रयत्न करना चाहिए।

जीवन में या जीविका में कोई असामान्य काम करने के लिए सारी पाँड़ियाँ आपको सदा याद करेंगी, अपना घरेलू जीवन या आगवाह का वातावरण अने ही अत्यंत सुखद न हो, जहाँ कहीं होंगे, आपका अपना एक 'व्यक्तित्व' होगा।

आप किसी काम में पैसा बना सकते हैं, लेकिन सम्भावना यह है कि लंग या परिस्थितियाँ उसे आपका टँग लेंगी। बुझाये के लिए बचत करके रखाएँ। मट्टेबाजी के बक्कर में मत पड़िए। ऐसी परिस्थितियाँ पैदा हों, जिनमें है जिन पर आपका कोई चपत नहीं होगा और आपको आर्थिक दशा टाढाडोम हो जाएगी।

आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण अब है 'चार' और 'आठ'। 26 फरवरी का जन्मे लोगों के लिए 'तीन' का अब भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा और अधिक भाग्य-चक्र रहेगा। जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलकों वाले ही होंगे। इन्हीं मूलकों वाली निधियों को जन्म व्यक्तित्व के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपने लिए सबसे भाग्यवर्द्धक रंग हैं—गहरे नीले और लाल को छोड़ अन्य गहरे रंग। भाग्यवर्द्धक रत्न हैं नीलम, काता मोती और काता हीरा।

9 18, 27 (मूलांक 9) फरवरी को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक यह हैं मंगल और जनि (सौम्य)। 27 फरवरी को जन्म होने पर मंगल (सौम्य) के साथ जो लोग 19 फरवरी की संधि के जितने पास जन्मे होंगे उनका व्यक्तित्व उतना ही प्रखर होगा। फलस्वरूप 9 फरवरी का जन्मे व्यक्तियों की अपेक्षा 18 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों में अधिक जाशा की जा सकती है।

27 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए मंगल और गुरु ग्रह का योग शुभ है। सौम्य गुरु मानसिक गुणों को उत्साह तथा मट्वाकाभा प्रदान करता है और मंगल हर काम में अनपेक्ष शक्ति देता है। ये लोग प्रथम यश प्राप्त करते हैं। 18 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों में भी व्यक्तित्व का बहुत कुछ ऐसा ही गुण होता है।

फरवरी में नौ मूलांक की तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों में वैसी ही मानसिक विशेषताएँ होंगी जैसी जनवरी में इन्हीं तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के लिए बताई गई हैं। केवल उनकी प्रवृत्तियाँ अधिक मानसिक होंगी। वे अपने 'भाग्य के मालिक' दिखाई देंगे और भाग्य के उतार-चढ़ाव के दतने शिकार नहीं होंगे।

आप विचार और काम को स्पष्ट स्वतंत्रता प्रदर्शित करेंगे। अपने ध्येय के लिए या अपने विचार में सजाए हुए व्यक्ति के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय देंगे। हर काम पर अपने स्पष्ट व्यक्तित्व की छाप छोड़ेंगे।

आपमें अच्छी तर्कशक्ति होगी, वाद-विवाद में प्रभावी और दबंग होंगे, तर्कों के दोनों पक्षों का समझने की योग्यता होगी तथा विपक्षी की कमजोरी का तत्काल ज्ञान उठा सकेंगे।

बहुत मुहफ्ते और भावुक भाषण के लिए आपकी जाताचना हो सकती है लेकिन आप अपनी बात मनवाकर ही छोड़ेंगे। व्यक्तित्व के आकर्षण से लोगो को अपने पक्ष में कर लेंगे।

मन से मानवतावादी होंगे, सदा दूसरों की त्रास पट्टुचाने में समर्थ लगाने या समाज-मुद्धार के काम में भाग लेने के लिए तैयार रहेंगे। आपकी प्रवृत्ति आपके लिए अनेक दुश्मन भी पैदा कर देगी और आपका काफी विरोध उठ खड़ा होगा।

आप अच्छे संगठनकर्ता होंगे, अपने अधीनस्थों के प्रति बहुत उदार होंगे और उनकी हितों का ध्यान रखेंगे। सेना की खिलाने-पिलाने की व्यवस्था में उद्योग के विकास तक, अनेक क्षेत्रों में आपका मान्यता मिलेगी। आपके हर काम में जनता की आग्रह्यता प्रधान रहेगी।

आर्थिक दशा

कुछ परिस्थितियों में आप अधिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। धन के उपयोग

का अपना ढा दूसरो को आश्चर्य में डाल देगा। बहुत सम्भव है कि गिनी रंग-परम्परागत ढा से अपने जीवन-काल में ही उससे छुटकारा पा सें, उसे किसी दृष्ट को मौप दें या असाधारण परोपकार के काम में लगा दें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के बारे में आपको अधिक भय नहीं करना चाहिए। उसके बारे में बन-बे-बन मोचेंगे, मायद डभीलिय आम बीमारियों से बच भी जाएंगे। किंतु आपको फेफड़ों और दिल का ध्यान रखना चाहिए।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अब 'नौ' है। अपने प्रयास नौ मूलक बातों निपिदा को ही बीजिए। सबन घटनापूर्ण बप इसी मूलक काते रह्ये। आठ' या नौ मूलक बातों निपिदा को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप आरुपित होंगे या उनमें प्रभावित होंगे। 27 फरवरी का जन्मे व्यक्ति तीन और नौ' मूलको बातों निपिदा का जन्म व्यक्तियों के प्रति आरुपित होंगे।

आपके लिए सबन अनुकूल रंग है लाल। भावबद्धक रत्न हैं लाल, लाल, लाल और सभी लाल नग। 27 फरवरी का पैदा होने पर आप फलसई, बैंगनी और जामुनी रंगों का भी उपयोग कर सकन हैं। रत्न में आप बटनर या नीलमणि (अमैपिन्ट) भी पहन सकने हैं।

अध्याय 3

मार्च

19 फरवरी से मीन राशि शुरू होती है, सात दिन तक पूर्व राशि के साथ उनकी संधि रहती है, अर्थात् उसका पूरा प्रभाव 26 फरवरी से 21 मार्च तक रहता है। इसके बाद मीन राशि मेष के साथ उसकी मान दिन की संधि शुरू हो जाती है।

इन अवधि में 19 फरवरी से 28 मार्च तक जन्मे व्यक्तियों में सहज बुद्धि और जनार्दन हास्य है। वे विशेषकर ऐतिहासिक ज्ञान की और यात्रा तथा भूमि के उन्मीलन, अन्वेषण आदि विषयों की गीत आत्मसात् कर लेते हैं। साधारणतः जिनने दिखाई देने हैं, विचारों में उमर नहीं अधिक महत्वाकांक्षी होते हैं, लेकिन किसी विषय पर बोलने या लिखने से पहले उनके धार में पूरी जानकारी प्राप्त कर लेना चाहते हैं।

यदि उन्हें यह एहसास हो जाए कि उन पर विश्वास किया जा रहा है या उनकी सम्मान दिया जा रहा है तो मित्र या अपने श्रेष्ठ के प्रति वे भारी निष्ठा का परिचय देने हैं। सभी जिम्मेदारों के पदों पर वे आम तौर से सफल रहते हैं, साथ ही अपने को आगे धकलाने की प्रवृत्ति नहीं दिखाते और अपनी राय प्रकट करने से पहले प्रामाण्यपूर्ण करते हैं कि कोई उनकी राय पढ़े।

वे कानून और व्यवस्था का भारी सम्मान करते हैं तथा अपने धर्म की परम्पराओं का पालन करते हैं।

सबसे दृढ़ और सबसे दुर्बल चरित्र इसी राशि में मिलते हैं। कुछ भावनाओं में बहकर भोग-विनाश का मार्ग अपना लेते हैं। बाल्यकाल के क्षम हो जाते हैं या बूढ़े मित्रों के चक्कर में फँस जाते हैं। कुछ मादक पदार्थों या शराब के आदी हो जाते हैं। लेकिन यदि उन्हें जीवन का कोई रास्ता मिल जाए तो जीवन के अनुरूप अपने को ढाल लेते हैं। कभी तो वे अपने स्वभाव में आश्चर्यपूर्ण परिवर्तन से मित्रों को आश्चर्य में डाल देते हैं। एक क्षण में ही वे अपनी दुर्बलता या आत्म-रति को उत्तर फेंक आत्म-सन्तुष्टि की किसी सीमा तक उठ सकते हैं। इस अवधि में जन्म सभी व्यक्ति द्विभारती होते हैं। मन्त्र यह है कि वे कौन-सा मार्ग अपनाते हैं।

वे प्रामाण्य-सागर-यात्रा के बहुत शौकीन होते हैं। यदि परिस्थितियाँ सागर-यात्रा न कर पाएँ तो अपना घर सागर-तट पर या किसी बोल अमरा नदी के किनारे बनाते हैं।

मान-दुर्गा, विदेशों से व्यवसाय, यात्रा निर्माण या समुद्री व्यापार में वे अच्छी सफलता प्राप्त करते हैं।

प्रायः सभी के स्वभाव में आध्यात्मिकता और व्यावहारिकता का पुट रहता है। लोग उन्हें अधविश्वासी समझते हैं। सभी गुप्त विद्याओं के प्रति वे एक या दूसरे रूप में आकर्षित होते हैं। अज्ञान, दागानिक या रहस्यमय की खोज करना उन्हें पसन्द है। प्रकृति में उदार होते हुए भी उनके मन में गरीबी का अज्ञात भय समाया रहता है, इसलिए अपनी उदारता को तब तक हाथी नहीं होने देते जब तक किसी प्रियपात्र का प्रभाव में न हों। फिर तो वे अपना सर्वस्व तब निछावर कर सकते हैं।

उनकी दृष्टि में रुपये-पैसे का कोई मूल्य नहीं है। उनके लिए वह मात्र लक्ष्य-पूनि के साधन से अधिक कुछ नहीं है।

स्वास्थ्य

इस राशि में जन्मे व्यक्तियों के स्वास्थ्य का सबसे अधिक खतरा शारीरिक न होकर मानसिक होता है। अत्यधिक चिन्ता में जन्मी निराशा का कुप्रभाव पाचन अंगों पर पड़ता है, स्वाभाविक गड़बड़ा की प्रवृत्ति बनती है और अनेक सोंगों को पक्षाघात भी हो सकता है। फेफड़े भी कमजोर हो सकते हैं। उन्हें दायरोग की सम्भावना अधिक रहती है। शरीर से, विशेषकर हाथ-पैरों से, शीघ्र पसीना निकलने लगता है। आंगों में बृद्धि या फोड़ा इस राशि की विशेष बीमारी है।

आर्थिक दशा

महत्वाकांक्षा जाग जाग पर ये व्यक्ति जीवन में काफी सफलता प्राप्त करते हैं लेकिन गुरु (सौम्य) के प्रभाव से महत्वाकांक्षा भौतिक से अधिक मानसिक होती है। वे भविष्य के बड़े-बड़े सपने देखते हैं लेकिन प्रायः सपना या प्रयासों का अभाव होता है। अतः धन की दृष्टि में इस हम सफल राशि कह सकते हैं और जब तक ये व्यक्ति अपनी महत्वाकांक्षा को अंतिम सीमा तक पूरन के लिए अपन सो तैयार नहीं करते, उनके भ्रातृ में अनेक उतार-चढ़ाव को धारा रहता है। स्वाभाविक प्रवृत्ति—सपना के अभाव—पर बावु पा लेने पर फिर ऐसा कोई पद नहीं जिसे वे प्राप्त कर सकें। समय समय पर उन्हें महान् अवसर मिलते रहते हैं।

ये व्यक्ति धन के मामले में कुछ सापरवाह होते हैं और उनमें बुरे दिनों के लिए पैसा खचाने की प्रवृत्ति नहीं होती। बुढ़ापे में प्रायः अपने साधना का बर्बाद करते और गरीब होने या पद छोड़ने दम्ये गए हैं। भाग्य में यदि किसी 'मुनिशि' को पैदा हो गए तो सब कुछ ठीक रहगा और पद या रुपये-पैसे के धारे में उनके सपने पूरे हो सकेंगे।

विवाह, सम्बन्ध, सामेदारो आदि

19 फरवरी से 20 मार्च तक जन्मे व्यक्तियों के सबसे अधिक भयुर सम्बन्ध अपनी तिथि तिथि मोन (19 फरवरी से 20 मार्च) के (21 जून से 30 जुलाई) या बुधवार (21 अप्रैल से 20 नवम्बर) और उनसे सात दिन पीछे के सप्तिहास में



जन्मे व्यक्तियों के साथ रहेंगे। अपनी से सान्निध्य (कन्या) के दोस्तान् जन्मे व्यक्तियों के प्रति भी वे आकर्षित हो सकते हैं।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आपने कारक ग्रह हैं सूर्य और मरुत। ये आपका जीवन को घटनापूर्ण बनाएंगे और आपको काफी प्रकाश में लाएंगे। उनका प्रभाव आपको मनोविज्ञानी और अतद् दृष्टि वाला बनाएगा।

आपका जीवन प्रबल सम्भावनाओं से समुक्त होगा। जो काम करेंगे उसमें परिश्रमी तथा मौलिक होंगे, लेकिन अधीरता और जिद्दीपन की प्रवृत्ति रहेगी। जहां तब सम्भव हो अपने में धीरज पैदा कीजिए और अपनी योजनाओं पर सोचने में अधिक समय लगाइए।

आपमें अत्यधिक आशावादी होने की प्रवृत्ति है। बिलम्ब होने या कठिनाइयां आने पर आप निराश हो उठेंगे। धीरे-धीरे आप अवश्य ही अधिकार और आत्मविश्वास की भावना पैदा कर लेंगे। यह भावना जीवन के प्रारम्भिक वर्षों में लापता हो सकती है। इस भावना का पैदा होना आपके लिए शुभ रहेगा।

घर वालों के प्रति गहरा प्यार होने पर भी प्रायः उनके साथ आपके मतभेद रहेंगे और उनकी कार्रवाइयों से आपको हानि उठानी पड़ सकती है।

सब मिलाकर आप एक बहुत घटनापूर्ण भविष्य की आशा कर सकते हैं। आप कभी नहीं, कोई वृत्ति अपनाए, सफलता और प्रसूयता प्राप्त करेंगे।

28 मार्च अगली राशि मेष (स्वामी मंगल-ओज) की पहली 'एक-मूलांक' तिथि है। सूर्य इस समय अपनी उच्च राशि में होता है। अतः सफलता की आशा और भी अधिक रहेगी।

आर्थिक दशा

रपये-पैसे के मामले में आप मायमाली रहेंगे। आपको सफलता के असाधारण अवसर मिलेंगे, विशेषकर व्यापार में जिम्मेदार पद और बड़े उद्यमों का प्रमुख पद सम्भालते हुए। आपमें काफी दूर-दृष्टि होगी। अपनी निजी प्रेरणा से काम करना चाहिए।

आपको सबसे अधिक कठिनाई दूसरे का पिछलगू जाने में आएगी। जब तक अनुशा रहेंगे, सब कुछ ठीक चलता रहेगा लेकिन आपका स्वभाव इतना दबंग होगा कि दूसरे के अधीन काम करना कठिन होगा। आम तौर से आप अच्छा पैसा कमाएंगे लेकिन जिस वृत्ति को भी अपनाए, उसमें अनेक परिवर्तनों के लिए तैयार रहिए।

स्वास्थ्य

कामा मुगलित होगी और भारी जीवनी-शक्ति होगी, लेकिन स्वभाविक प्रवृत्ति उसका दुरुपयोग करने और शक्ति का व्यर्थ्य करने में रहेगी। सूर्य ग्रह की मानसिक

राशि में होने से अपनी महत्वादाशाएँ पूरी करने में आप दिमाग से अत्यधिक काम लेंगे। आप आत्मावादी वर्ग के हैं और अधिक समय आपको देना नहीं रखा जा सकता। कभी-कभी बहुत अधिक चलने वाले व्यक्तियों की तरह आपकी भी ऊर्जा पूरी तरह चुक जाएगी।

आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण अब 1, 4 और 3 हैं। इन्हीं मूल्यों वाली विधियों पर अपनी योजनाएँ पूरी करने का प्रयास कीजिए। इन्हीं मूल्यों के बर्ण आपके जीवन में सबसे घटनापूर्ण रहेंगे। 'एक' और चार मूल्यों वाली विधियों पर ज़रूरी व्यक्तियों के प्रति आप विशेष तनाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए अपन घटा के रा के कुछ वस्त्र पहनिए। ये हैं—सूर्य, सुनहरा, पीला, कांस्य धूरा। दूरैम नीला, गहरा नीला, सिलेटी। गुरु, बेंगेली फालसई जामुनी। आपके भाग्य-रत्न हैं—होरा पुखराब, अम्बर, नीलम और सुनहरे पीले तथा नीले रंग के मंग।

2, 11, 20, 29 (मूल्यक 2) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण घट है ख़द तौर नेचुन। ये ग्रह आपकी वापसागील और कलात्मक प्रवृत्तियों को बढ़ाएंगे। अपनी प्रतिभा से अधिकतम लाभ उठाने के लिए आपको अपनी दृष्ट्याशक्ति और सतत्व का विकास करना चाहिए। एक निश्चित लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर अत्यंत सभी बातों को छोड़ देना चाहिए। ऐसा कर सके तो सफलता अवश्य मिलेगी, विशेषकर कला की आराधना में।

आपका स्वभाव अपने वातावरण के प्रति विशेष संवेदनशील है। उन माहार्द-पूर्ण परिस्थितियों के लिए प्रयास करना चाहिए। अपना छोटा-सा शांतिपूर्ण घर आपके लिए बेहतर होगा, ऐसा महल नहीं जहाँ के निवासी ही आपको तनाव में डाल रहे अथवा हुतालाह करते रहे।

प्राकृतिक सुंदरता, रंगों के प्रभाव और संगीत की लय के आप गहन प्रेमी होंगे। मन में चंचलता, रङ्गी, विशेषकर हमानों का व्यापक रंग की। आपका सभी कलाओं में प्रवीण होना चाहिए, जैसे चित्रकला, संगीत, नर्तन या नाटक, लेखन आदि। आपको अतर्दृष्टि और प्रवर्धन का वरदान है। आपके सपने भी सत्यप्राप्त होंगे।

शायद अपनी ही भौतिक प्रवृत्ति के कारण प्रारम्भिक वर्षों में धन कमाने में आपको कठिनाई या मामला पड़ना पड़ेगा।

— 29 मार्च को रा मय की अगली राशि के जन्म है, जिनके पर अपना जीवन और भी घटनापूर्ण रहता।

आधिक दशा

आपकी स्थिति कुछ कुछ अनिश्चित रहती। अवस्थान् उन जगहों की सम्भावना रहती। लेकिन मोक्ष समझकर सावधानी और बुद्धिमत्ता से काम लिए बिना गमक हो उसे हाथ में रख पाए। आपके विचार बहुत दबे-रोड़े होंगे जिनको अमल में

ताना आपकी शक्ति से बाहर होगा। आप जो पूजी जमाएंगे उससे आपको सुरक्षा या मानसिक शांति नहीं मिल पाएगी।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के मामले में आप अपने सभी परिचितों के लिए घबेली रहेंगे। आपको हर बीमारी मानसिक होगी। प्रसन्न और सन्तुष्ट हूँ तो भले-बुरे रहेंगे। दुखी बानावरण में बीमार हो जाएंगे और दुनिया की कोई दवा आपको ठीक नहीं कर पड़ेगी।

आपकी मुख्य प्रवृत्ति सुपोषण, रक्त की दुर्बलता, ठीक से रक्त-संचार न होने और गीद, कमर तथा गुदों की कमजोरी की है। सब कुछ इस बात पर निर्भर है कि आपका मन बुझा हुआ है अथवा स्रिता हुआ।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो' (चन्द्र), 'सात' (नेप्चून) और 'तीन' (गुरु) हैं। आपको अपनी योजनाएँ या कार्यक्रम इन्हीं मूलान्तों वाली तिथियों को पूरा करने या प्रदान करना चाहिए। 29 मार्च को पैदा होने पर 'नौ' का अंक 'तीन' का स्थान ले लेगा।

आपके सबसे घटनावर्जित रंग 'दो' और 'सात' मूलान्तों वाले ही होंगे। इन्हीं मूलान्तों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गह्र सगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने या भाव्य समकाने के लिए आपको चन्द्र, नेप्चून और गुरु के रंगों का कोई वपदा अवश्य पहनना चाहिए। ये रंग हैं—चन्द्र सफ़ेद, नीम और हल्का हरा। नेप्चून क्वूनरी रंग, गुरु बैंगनी, फालतई तथा जामुनी। 29 मार्च को पैदा होने पर गुरु के रंगों का स्थान मंगल के रंग (लाल और गुलाबी) ले लेंगे।

आपके भाग्य रत्न हैं हरा जेड, मोनी, चन्द्रकान मणि, उपल, कटँला। 29 मार्च को जन्मे व्यक्तियों के लिए कटँला के बेजय लाल, लाला और लाल मंग।

3, 12, 21, 30 (मूलान्त 3) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आप 'दुहरे गुरु' के प्रभाव में हैं जो बहुत शक्तिशाली योग है। यह आपको वर्षों न चुम्ने वाली भासितिक ऊर्जा और भारी महन्वाकासा प्रदान करेगा। लक्ष्य निम्न होने तक आप एक पल को भी चैन से नहीं बैठेंगे।

आप दूसरों पर नियन्त्रण करने में सफल होंगे। जो भी वृत्ति अपनाएंग उसी में सञ्चना के पूरे लक्षण आपमें होंगे।

साझेदारों और सहयोगियों के सम्बन्ध में आप भाव्यशाली रहेंगे, बशर्ते आप समस्या के सर्वाधिकारी प्रमुख हों। समान रूप से न्यायवादि और आदर्शवादी होंगे। दानशीलता और मानवता के महान विचारों से ओतप्रोत होंगे।

स्कूल, कॉलेज, अस्पताल जैसी बड़ी-बड़ी समस्याओं में आपकी दिलचस्पी हो जाएगी। यदि धनवान हूँ तो उनके लिए दान में बड़ी रकम छोड़ जाएंगे।

घर्म या सम्प्रदाय का विचार किए बिना सदा बीमारों की महायन्त्रा के लिए तैयार रहेंगे। आप चाहे जिस सम्प्रदाय के हो, सम्मान पाने की आशा कर सकते हैं।

बड़ी-बड़ी कम्पनियों, विशेषकर उद्योग, खान भूनि-विकास परिवहन और जहाजरानी में भी लगी कम्पनियों के सम्पर्क से आपका भाग्य चमकता।

यदि आप 30 मार्च को पैदा हुए हैं, जो मेष राशि में गुरु के प्रभाव में है, तो यह आपकी सफलता के लिए और भी शुभ रहेगा।

इन तिथियों को पैदा होने पर आप में वस्तुओं तथा व्यक्तियों के प्रति स्वाभाविक अनुराग होगा। अपने सभी सेन-देन में उत्ती के अनुसार काम करने का प्रयत्न करना चाहिए। आप अतिथि-सत्कारण होंगे लेकिन दिखावा पसन्द नहीं करेंगे। आप पशुओं तथा मैदानी सेतों के शौकीन होंगे और स्वतन्त्र स्वभाव वाले बनेंगे।

आर्थिक दशा

आपमें धन कमाने की आकांक्षा होगी लेकिन अपने नाम और प्रतिष्ठा के बारे में बहुत सावधान रहेंगे। आपको छोट-छोटों से लाभ होगा। धनी बनने की पूरी सम्भावना है। आप अपने सभी कामों में उत्साही भावना का परिचय देंगे और जो भी वृत्ति अपनाएंगे, उसी में प्रमुखता तथा ऊँचा पद प्राप्त करेंगे।

स्वास्थ्य

यह प्रथम जीवन के प्रति आपके अपने दृष्टिकोण पर निर्भर है। जब तक सक्रिय रहेंगे, स्वस्थ और ठीक-ठाक रहेंगे। किसी कारण से यदि निष्क्रिय होना पड़ा तो विलासप्रिय हो जाएंगे, मोटापा बढ़ने की प्रवृत्ति बन जाएगी और जीवन की डोर आपके हाथ से छिन्नक जाएगी।

अधिकतर दमग स्वभाव का होने के कारण और दूसरे का दृष्टिकोण न समझ पाने के कारण घरेलू या विवाहित जीवन में अधिक सफल होने की सम्भावना नहीं है।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन' है। अपनी सभी योजनाएँ और कार्यक्रम इसी भूलाक वाली तिथियों को पूरे करने का प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'तीन' भूलाक वाले होंगे। 'तीन', 'छ' और 'नौ' भूलाक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आपका विशेष लगाव रहेगा।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए बैंगनी, फालतई या जामुनी रंग का कोई वस्त्र पहनें। 30 मार्च को पैदा होने पर मयल का लाल रंग गुलाबी रंग भी इसके साथ जोड़ लें।

आपके भाग्य रत्न है बटेला या बैंगनी व जामुनी नय। 30 मार्च वाले लाल, लालसा और लाल नय भी पहन सकते हैं।

4, 13, 22, 31 (मूलांक 4) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक यह हैं यूरैस, गुरु और सूर्य। यूरैस का प्रभाव आपको

गैर परम्परावादी या सनकी बनाएगा।

जीवन के प्रारम्भ में काफी दुःख और विपदाएं आ सकती हैं। सम्बन्धियों, परिवारों और समुदायवालों के साथ दिक्कतें पैदा आएंगी। लोग देने के बजाय लेने ही और आपको अपनी योजनाएं पूरी करने के लिए अपने पर ही निर्भर रहना होगा।

आप अपने विचारों में मौलिक और बहुत कुछ गैर परम्परावादी होंगे। काम में बहुत स्वतन्त्र और आलोचना को न्योतनेवाले। सभी गुप्त विचारों और मनोविज्ञानी खोजों के प्रति आप द्विचित्र दृष्टि से आकर्षित होंगे। आपके असामान्य अनुभव भी रहेंगे। अन्यथा आप अपने तक सीमित रहना चाहेंगे।

आपकी कला, साहित्य और संगीत में, अथवा पुरातत्व की वस्तुएं, चित्र आदि खरीदने में 'आत्मामिच्छा' का प्रयास करना चाहिए।

आपमें दूर दृष्टि, सपन और पूर्वाभास रहेंगे। व्यक्तियों और वस्तुओं के बारे में गहन अन्वेषण होगा। हफ्ते-पैसे के सेन-देन में पूरी बुद्धिमत्ता का परिचय देंगे। सट्टेबाजी से बचिए।

मित्र भी असाधारण होंगे। आप बहुत कम व्यक्तियों को पसन्द करेंगे और आपकी इच्छा अधिक-से-अधिक अपने तक सीमित रहने की होगी।

असाधारण घटनाओं और मनोविज्ञानी खोजों के लिए आपमें बलवती, किन्तु गुप्त प्रवृत्ति रहेगी। लेकिन ऐसा स्वयं करने के बजाय आप दूसरों से कराएंगे। सन्वेदनशील, आत्मलीन स्वभाव के कारण अपने निजी अनुभवों को दुनिया से छिपा जाएंगे।

3। मार्च को (मंगल-और की मेष राशि में) पैदा होने पर आप अपने उपायों से अधिक दबंग होंगे लेकिन अधिक विरोध भी पैदा करेंगे।

आर्थिक दशा

आपकी तीव्र बुद्धि और दूसरों पर अविश्वास आर्थिक मामलों में आपकी रक्षा करेंगे। धन या सम्पत्ति अर्जित करने के बजाय विरासत में पाने की सम्भावना अधिक है। ऐसा होने पर उसे बढ़ाने के बजाय आप सावधानी से उसकी रक्षा का प्रयास करेंगे। कला, साहित्य, संगीत अथवा अन्वेषण या वैज्ञानिक खोज में आप बहुत सफल हो सकते हैं।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के मामले में आप अपने डॉक्टर स्वयं बन जाएंगे। भोजन और वयस के बारे में विचित्र विचार पात लेंगे। आपको 'खब्बी' समझे जाने का खतरा है। घर में मनमुटाव और रोष भी पैदा हो सकता है क्योंकि आप अपने विचार अन्य व्यक्तियों पर लादने का प्रयास करेंगे।

आप अपने को बहुत सबल या हट्टा-बट्टा महसूस नहीं करेंगे। ऐसा आयु के

साथ आपमें निराशावादी प्रवृत्ति बढ़ने और आलोचना को बहुत गम्भीरता से लेने के कारण है।

आपके मन्त्रमे महत्त्वपूर्ण अंक 4, 1 और 3 हैं। अपने सभी महत्त्वपूर्ण काम इन्हीं मूलाको वाली तिथियों को करने का प्रयास करें। 31 मार्च को पैदा हुए लोगो के लिए 'नौ' 'तीन' का स्थान ले लेगा। इन तिथिया को विविध घटनाएँ घटन की भी सम्भावना है।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' तथा 'चार' मूलाक वाले ही रहेंगे। इन्हीं मूलाको वाली तिथियों को पैदा हुए लोगो के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 31 मार्च को पैदा हुए लोग 'नौ' मूलाक वाली तिथियों को पैदा हुए लोगो के प्रति भी। वे 'चार' तथा 'आठ' मूलाक वाली तिथिया को पैदा हुए लोगो को अपनी ओर आकर्षित करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य धमकाने के लिए अपने सबसे महत्त्वपूर्ण ग्रहों यूरेनस (गहरा नीला, मिलेट्री), यूरे (गुनहरा, पीला भूरा, नारंगी) शुक्र (बैंगनी, फाल्गुनी, जामुनी) के रंगों के कपड़े पहनिए।

आपके भाग्य-रत्न है नीलम, सभी गहरे नीले नग, हीरा, पुतराज, अम्बर और बटैला।

5, 14, 23 (मूलांक 5) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आपका कारण यह बुद्धि है। गुरु के लाभकारी प्रभाव के साथ मिलकर बुद्धि का प्रभाव इस मास की बुरी प्रवृत्तियों को कम करेगा।

आपको या तो भारी सफलता मिलेगी या भारी विफलता। यह इस पर निर्भर है कि आप अपने चरित्र की दृढ़ता का विकास करते हैं या कमजोर पक्ष का हावी हो जाने देते हैं। दुष्ट पक्ष का विकास होने पर आपको असाधारण बुद्धि का वरदान प्राप्त होगा, अपनी दृष्टि के कामों के लिए अपने को डाल सकेंगे, आय स्रोत से वस्तुओं की बहुमुष्ठी समझ होगी, बहुत निष्कपट खोजपरक, हाज़िर जवाब और कठिनाइयों से भी सामं उठा लेने वाले होंगे।

आर्थिक मामलों में सट्टेबाज़ी के प्रति आपको अच्छे विचार होंगे। दाव लगाना आपको बहुत प्रिय होगा और हमेशा जीयिम उठान के लिए तैयार रहेंगे। लेकिन दयानिस्तता आपके हाथ में नहीं रहेगा और जीवन में अनेक आर्थिक उनाल-चढ़ाव आएंगे।

यदि चरित्र में कमजोर पक्ष को हावी होने दिया तो किसी बात पर देर तक नहीं टिके रहेंगे। हर काम में टांग अड़ाएंगे लेकिन विशेषता किसी में प्राप्त नहीं करेंगे। अवसर, पैसे और पद सभी को दाव पर रखकर गया देंगे। आपमें हर प्रकार की आत्मरति की प्रवृत्ति होगी और प्रारम्भ में किसी बुद्धि को बढ़ाई कर लेंगे।

यदि बेहतर पक्ष का विकास करें तो आपमें व्यक्तियों और वस्तुओं को परखने

का गहरा अनुमान और ज्ञान का विशाल भंडार अक्षित करने का क्षमता होगी। आपका मन कुछ-कुछ चंचल रहेगा। उस पर नियन्त्रण नहीं किया और एकाग्रता पैदा नहीं की तो आपके लिए हानिकारक होगा।

इन निधियों को जन्मे लौंग प्रायः अपने आवास बदलते रहते हैं। वे देर तक एक जगह से बचना या एक घर में रहना पसंद नहीं करते। वे हमेशा बदलाव या यात्रा के लिए तैयार रहते हैं और उनके लिए कोई-न-कोई बहाना खोज लेते हैं। उनका ज्ञान सर्वनोमुखी होता है और आम चर्चाओं में किसी भी विषय पर अच्छी प्रकार से बोल सकते हैं। उनमें परमार्थ आर्थिक योग्यता होती है। आर्थिक क्षेत्र में मफल भी होते हैं, बशर्ते वे अपनी लम्बी-चौड़ी योजनाओं की काबू से बाहर न निकलने दें।

आर्थिक दशा

ज्ञानदार प्रतिभाओं का धनी होते हुए भी ये लोग मरते समय तक शापद ही रगड़-पैने वाले रहे। पैसा उन्हें कमाने लगता है और बुढ़ापे के लिए वे बहुत कम बचाकर रखते हैं। अनेक विरवविन्यास साहूकारों की योजनाएँ उनके मरने से पहले ही तीन-तीरह हो गईं।

स्वास्थ्य

आप स्वास्थ्यिक दुबलता से पीड़ित रहेंगे और विरोध में चिड़चिड़ा उठेंगे। आपको इसे काबू करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा आपकी वैचारिक योजनाओं के पूरी होने में बाधा पड़ेगी। आपकी प्रतिभा इतनी सबनोमुखी होगी कि आपको उनका वास्तविक स्वरूप पहचानने में बहुत कठिनाई होगी। इसका आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ेगा। यदि स्वास्थ्यों को पूरे काबू में नहीं रखा तो मन से टूट सकते हैं।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'पाच' और 'तीन' हैं। आपको इन्हीं भूलाकों वाली निधियों पर अपनी योजनाएँ पूरी करने का प्रयास करना चाहिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पाच' भूलाक वाले रहेगें। इसी भूलाक वाली निधियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप विशेष लगाव महसूस करेंगे।

आपको सभी रंग चल जाएंगे लेकिन बैंगनी या फालतई फन्क लिए हलके रंग अधिक अनुकूल रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा और सभी चमकीले नग।

6, 15, 24 (भूलाक 6) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक ग्रह शुक्र और गुरु हैं। इस याग का शुभ प्रभाव आपको मार्च के अंशुम लक्षणों से बचा जा सकेगा। इतने शुभ ग्रहयाग में भी यदि आप सफल नहीं हो पाते तो आपका ही दोष है।

आप सभी क्षेत्रों में सौन्दर्य की ओर आकर्षित होंगे। संगीत, चित्रकला, कविता, साहित्य, मूर्तिकला अन्य ललित कलाओं और नाटक में आप प्रेमी होंगे। किसी एक

कला में नाम भी कमा सकते हैं।

आप सामाजिक सुखों और सुन्दर वातावरण से भी प्रेम करेंगे। अनेक रोमांस और प्रेम प्रसंग रहेंगे। प्रेम के प्रति आपकी रुचि बदलती रहेगी। एक से अधिक विवाह होंगे और विवाहित जीवन में कुछ बनेंसे अनुभव होने की पूरी सम्भावना है। एक विवाह से आप भारी कठिनाई में पड़ सकते हैं और सम्बन्धीगण आपसे शत्रु बन सकते हैं।

आप भावुक, पीड़ितों के प्रति सवेदनशील, दयालु, दानशील और उदार, आदर्शवादी, सामाजिक, मित्रों के सत्कार के प्रेमी तथा अच्छे मेजवान होंगे, किन्तु अपव्यय की प्रवृत्ति प्रबल रहेगी। आप अनेक लोगों को अपना मित्र बना लेंगे जो आपकी प्रति परम भक्तिभाव रखेंगे।

आप ऐसे घड़ों में पैसा कमा सकते हैं जिसका सम्बन्ध मौज-मम्मी से हो, जैन होटल रेस्तरा, मनोरंजन के साधन, मोटो का आयोजन, पुरातत्व या कला-वस्तुओं की बिक्री आदि। आपको अक्षमण्यता आत्मरति तथा अपव्यय से बचना चाहिए और बुझाये के लिए पैसा बचाकर रखना चाहिए।

आपका दशा

आम तौर से आप रुपये-पैसे के मामले में भाग्यशाली होंगे। रुपया-पैसा, उपहार और कीमती रत्न अग्रत्यागिन ढंग से आएंगे। जब तक आप बुझाये के लिए पैसा बचाकर अलग रखने का इरादा न करें, खर्चने स्वभाव के कारण बुझाया गरीबी में बदले का धतरा है।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों में आपका शरीर बहुत स्वस्थ रहेगा, लेकिन फिर भोग-विभोग का जीवन बिताने से उसके बर्बाद होने का धतरा है। बुझाये में दिल की किसी बीमारी और उच्च रक्तचाप का शिकार होने की सम्भावना है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'छ' और 'नौ' हैं। अपनी योजनाएँ इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को पूरी करने का प्रयास कीजिए। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष छ मूलक वाले ही होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य कमकाल के लिए शुभ (सभी प्रकार के नीते) और शुभ (बैंगनी, फालगुनी, जायन्ती) के रंग के वस्त्र पहनिए। इन्हीं रंगों के रत्न और नग धारण कीजिए।

7, 16, 25 (मूलक 7) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक ग्रह हैं नेचून, बृहस्पति तथा शुक्र। नेचून तथा चन्द्र का प्रभाव

आपके राशिगत गुणों में और वृद्धि करेगा और अत्यन्त अप्रत्याशित घटनाओं का कारण बनेगा ।

आप उच्च आदर्शों और भारी महत्वाकांक्षा वाले होंगे लेकिन स्वतंत्र गैर पर-परायण जीवन बिताने की ओर झुकाव रहेगा । उदारमना होंगे किन्तु धर्म के बारे में विविध विचार होंगे और आपका अपना देखने का ढंग होगा । प्रकृति के रहस्यों को खोजने की स्पष्ट प्रवृत्ति रहेगी । जो भी काम करेंगे, उसमें बड़े-बड़े सपने और असाधारण प्रेरणा रहने की सम्भावना है ।

इसे सांसारिक योग नहीं कह सकते । इसलिए रुपये-पैसे के मामले में बहुत सतर्क रहिए, हालांकि कुछ परिस्थितियों में व्यावसायिक मामलों में अन्तर्ज्ञान से आप बहुत धनी बन सकते हैं ।

आपका स्वभाव विरोधी में पूर्ण होगा । एक ही समय में सबल और दुर्बल दोनों होंगे । दूसरे लोग आपके आदर्शवाद का कुरदकर आप पर हावी हो सकते हैं, लेकिन आप उनकी बातों में नहीं आएँगे । ऐसे अवसर पर आप अपने निजी हित के विरुद्ध भी अल्पल हठ से स्वल्प का परिचय देंगे ।

आप कला-प्रेमी और कम्पासनीय होंगे । विप्रकृता, लेखन, संगीत, नाटक और उच्च कलाओं में मगनता विलसने चाहिए । आपमें सुप्रेरणा के गुण हैं किन्तु उनका सबसे अच्छा विकास शान् एकाग्र म कर सकते हैं, जहाँ दूसरे लोग अपने प्रभाव से आपको परेशान न करें ।

विवाह शुभ रहने में बहुत संशय है वरतों वह बड़ी आयु में और आपके सिद्धान्तों से सहानुभूति रखने वाले व्यक्ति के साथ न हो ।

आप उदार तथा दानशील होंगे और जनसेवा में लगी संस्थाओं की सहायता करना चाहेंगे । चाहे परिस्थितियाँ आपकी कला-प्रतिभा को विरमित न होने दें, फिर भी पैसा पाम में होने पर आप कलाकारों की छुट्टी से सहायता करेंगे, उनकी कला-कृतियों को खरीद लेंगे, या कला दीर्घाओं को उपहार देंगे ।

आर्थिक दशा

अपने निजी मानसिक प्रयत्नों में आप आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे । किसी भी काम में पैसा कमा लेंगे । कभी-कभी अनि उदार हो सकते हैं या अपने विचारों में दूसरों को आर्थिक लाभ कमाने दे सकते हैं । धन-समृद्ध आपके जीवन का एवमात्र लक्ष्य नहीं होगा ।

आप जहाजाँ द्वारा एक देश से दूसरे देश को माल भेजने और जन्म-स्थान से दूर स्थानों में पैसा कमाने में सफल हो सकते हैं लेकिन अपने स्वभाव के प्रेरणा-पक्ष का विकास बीजिए और अपने अन्तर्ज्ञान पर चलिए ।

स्वास्थ्य

आप जैस दिवाई देते हैं, अंदर से बस शक्तिशाली नहीं होंगे । आप उच्च

मानसिक तनाव में रहेंगे और कभी-कभी गहरी चकान के दौरों में गुजरेंगे। आप परिवर्तन की दृष्टि करेंगे, सागर और व्यापक जलराशि से प्रेम करेंगे। थगन या घोमारी में समुद्री यात्रा से सदा आपके साथ रहनेगा।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'मात', 'दो' और 'तीन' हैं। इन्हीं मूलका वाली त्रितियों को अपने सभी महत्वपूर्ण काम कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दा' और 'मान' मूलको बाने रहेंगे। इन्हीं मूलको वाली त्रितिया में जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 'एक' और 'चार' मूलको वाली त्रितिया का जन्मे व्यक्तियों के प्रति भी।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए नेप्चून (बबूतरी, विशेषकर शोख मिनेटी, चन्द्र (सभी हर, सफेद व गोम) और गुरु (बंगनी, पाकमई, जामुनी) के रंग के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न है—हरा जेड, चन्द्रकान मणि, मोती, बटैला और जामुनी नग।

8, 17, 26 (मूलक 8) मार्च को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक ग्रह शनि और गुरु हैं। शनि का प्रभाव आपके स्वभाव की गम्भीरता को बढ़ाएगा। यह ग्रहण प्रारम्भिक वर्षों में जीवन का बहुत बड़ोर और कठिन बनाएगा। किन्तु 33वें या 35वें वर्ष से पर्याप्त सुधार की पूरी भागा है।

इन लोगों का प्रायः गतन सम्पत्ता जाता है और उनकी काफी बढनामी होने की भी सम्भावना रही है। एनी बातें योजनाएँ और महत्वाकांक्षाएँ पूरी करने के लिए धनाभाव से, नाने-रिश्तों से या दूसरों के सम्पर्क से हो सकती हैं।

आपको इन प्रच्छन्न दुष्टा तथा निराशाओं का सामना करने के लिए स्वयं को तैयार रखना चाहिए। इच्छाशक्ति के विकास, सक्त्प और महत्वाकांक्षाओं पर बढिग रहकर अब में आप सभी कठिनाइयों में पार पा सकते हैं।

आपके कर्णों पर भारी जिम्मेदारियाँ डाली जा सकती हैं। आपको सफलता या पद प्राप्त करने में योग्यता के अभाव में कठिनाई नहीं होगी, बल्कि ऐसी परिस्थितियों के कारण होगी जो आपकी योग्यता और पुरस्कार छीनने के लिए उठ खड़ी होगी।

यदि विवाह जन्दी हुआ ना घरेलू बर्तनों के कारण या जीवन-साथी की बीमारी के कारण आपकी गतिविधियाँ पर अकुल लगने की सम्भावना है। विवाह आपके लिए बहुत मुश्किल अनुभव नहीं रहेगा बसने कि आप उसे दायनिक भाव में न लें।

इन त्रितियों को जन्मे व्यक्तियों में जमाधारण कर्तव्य भावना और घर तथा परिवार के प्रति गहरा प्रेम पाया जाता है। विशेषकर जनता के लिए उनके उच्च आदर्श होते हैं और वे प्रायः मानव जाति के कल्याण की बड़ी-बड़ी योजनाओं में सम्मिलित होते हैं। वे कोई वृत्ति अपनाएँ, अपनी आंतरिक भावनाओं को छिपा रखने के लिए

मर्यादा और गम्भीरता का वातावरण बनाए रहते हैं। वे आम तौर से प्रतिष्ठा और जिम्मेदारी वाले ऊँचे पदों पर पहुँचते हैं तथा सम्मान और यश प्राप्त करते हैं।

आयिक दशा

उक्त ग्रहयोग में जन्मे व्यक्ति शायद ही कभी धन को निजी दृष्टिकोण से देखने हों। वे अपने ध्येय की प्राप्ति के लिए पैसा चाहते हैं और प्रायः प्राप्त कर भी लेते हैं। आपको अपने निजी खर्च के मामले में जल्दबाजी और सट्टेबाजी के जोखिम से बचना चाहिए। हालाँकि दूसरे क्या करें, उस बारे में आपको अच्छा अन्तर्ज्ञान रहेगा तथापि स्वयं अपनी ही सलाह पर नहीं चलेंगे। आप ऐसे लोगों के प्रभाव में आ सकते हैं जो आपके बजाय अपने लाभ की बात अधिक सोचें।

जीवन में भाग्य के कारण आकस्मिक विपदाएँ आने की सम्भावना है और ऐसी परिस्थितियों के लिए 'सुरक्षित कोष' रखने का प्रयास करना चाहिए।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के सभी मामलों में मानसिक दशा का भारी प्रभाव पड़ेगा। चिन्ता बीमारी के विरुद्ध आपकी लड़ने की शक्ति को सोड़ देगी। आपको उदासी तथा निराशा के दौर पड़ेंगे। आप देर तक परेशान करने वाले जुकाम, सर्दी और दुबल रक्त-मंचार के शिकार हो सकते हैं, विशेषकर 7 या 16 मास की जन्म होने पर।

आपको शुष्क जलवायु में रहना चाहिए। अधिक से अधिक घर से बाहर रहे, यात्रा करें और सम्भव हो तो हवा बदलें, नहीं तो गटिया और बाथ के शिकार हो सकते हैं—विशेषकर पावा, एडिथी और घुटनों में।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंग 'चार', 'आठ' तथा 'तीन' हैं। ये अंक और इनके मूलकों वाली तिथियाँ आपके जीवन में बार-बार आएँगी और गम्भीर परिणामों के साथ सम्बद्ध होंगी। अपने निजी लाभ के लिए 'तीन' अंक का काम में लीजिए।

आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलकों वाले होंगे। इन अंकों या 'तीन' के मूलकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपका मन अधिकतर गहरे रंगों के कपड़े पहनने को होगा, लेकिन हमेशा बैंगनी, फाल्सई या जामुनी रंग का कोई वस्त्र अपने परिधान में अवश्य रखिए।

आपके भाग्य रत्न हैं काला मोती और काला हीरा। इसके साथ कटला या नीलम भी धारण लीजिए।

9, 18, 27 (मूलांक 9) मार्च की जन्मे व्यक्ति

आपके वारक ग्रह मंगल और गुरु हैं। मंगल के प्रभाव से आपमें अशुभ तत्त्वों में लड़ने की शक्ति आएगी। आपका शरीर भी लगड़ा होगा जिससे सम्भावित रोग के प्रतिरोध में सहायता मिलेगी। कभी अपने सोचने और काम करने में जल्द-

बाजी और आवेश से भी काम लेंगे। स्वभाव कुछ चबल होगा। अशांत रहेंगे, अपने धन्ये या वृत्ति में अनेक बार परिवर्तन करेंगे। उचित विचार किए बिना नयी योजनाओं की ओर दौड़ पड़ने की प्रवृत्ति रहेगी।

आपका अपने स्वभाव पर, विशेषकर छोटी-छोटी बातों पर, बाबू पाना सीखना चाहिए। अपने आसपास के लोगों और सहकर्मियों के साथ सहिष्णु बनने का प्रयत्न करना चाहिए।

आपका गुप्त शत्रुओं, घदनामों और बूढ़ी छवरी से काफी मुकसान उठाना रहेगा। यदि मुकदमेबाजी में फसना पड़ा तो आपसे साथ बठोर और अनुचित व्यवहार हो सकता है। आप उनके अधिकारी हो या न हो।

व्यापारिक यात्राओं में साझेदारों या सहकर्मियों से अत्यन्त सावधान रहना चाहिए। यदि कोई गड़बड़ हुई तो दोष आपके सिर मढ़ा जा सकता है।

आप रुपये-पैसे के मामले में अनि उदार होंगे, सट्टेबाजी की ओर भी दौड़ेंगे। आप बहुत महत्वाकांक्षी भी होंगे। अपना को स्वतंत्र बनाने की तीव्र इच्छा रहेगी, इस कारण पैसा जमा करने के लिए पूरा दम लगाएंगे और उसमें जोखिम भी उठाएंगे।

कठिनाइयाँ और दुर्भाग्या में एक सोचा तब आप भारी साहस का परिचय देंगे, किन्तु यदि हिम्मत में जवाब दे दिया तो उदास और चिड़चिड़े हो सकते हैं और कोई ऐसा काम कर सकते हैं जिससे बाद में पछताना पड़े।

आप उच्च पदस्थ व्यक्तियों को आसानी से निच बना लेंगे किन्तु अपने समकक्षों या अपने से नीचे के लोगों में अनेक बटु शत्रु पाल लेंगे।

प्रेम में अनेक कठिनाइयों और निराशाओं का सामना करना पड़ सकता है और बच्चों के साथ काफी परेशानी हो सकती है।

कभी-कभी जराब पीने या मादक द्रव्यों का सेवन करने की प्रवृत्ति हो सकती है, यह आपकी इच्छा और महत्वाकांक्षा पर निर्भर है। रुपये-पैसे को छुते हाथों खर्च करेंगे, अपव्यय भी कर सकते हैं।

व्यापार या उद्योग में लगे होने पर अधिकार के पद पर पहुँचेंगे किन्तु दुश्मन पाल लेने की प्रवृत्ति के कारण उसे अपने हाथों में रख नहीं पाएंगे। मरवारी नौकरी में होने पर काफी ऊँचे पदों और भारी जिम्मेदारियों का कोई पद सम्हालेंगे।

आपका व्यक्तिगत दृष्टि आकर्षक होगा। लेखक, कला, धर्मप्रचारक जैसी किसी भी मादजनित वृत्ति में या किसी बड़े आंदोलन के नेता के रूप में सफल होंगे। 18 और 27 मार्च की जन्म तिथियाँ विशेष शुभ हैं।

आधिक दशा

यदि आप धनी परिवार में पैदा नहीं हुए हों, आपके जीवन में रुपये-पैसे के मामले में अनेक उदार-व्यय आने की सम्भावना है। सट्टेबाजी या पूँजी विनियोग में आप भाग्यशाली नहीं रहेंगे, लेकिन अपने बजाय दूसरों की सदा अधिक लाभ पहुँचा

सकते हैं। यदि सम्भव हो तो बुढ़ापे के लिए एक वापिती खरीद रखें क्योंकि आपसे पैसा बचाने या उसे अपने लिए अलग रख लेने की अधिक इच्छा नहीं है।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों में आप सभी गम्भीर बीमारियाँ स वधे रहेंगे। लेकिन खानीम की आयु के बाद काया में काफी बदलाव आने की सम्भावना है। यदि इस अवधि में आप स्वास्थ्य का विशेषकर भोजन के बारे में, मादधानी में अध्ययन कर लें तो अपने शरीर को एक और अवधि झेलने के लिए तैयार कर लेंगे। गिमा नहीं किया तो अनेक गम्भीर रोगों के शिकार हो सकते हैं जैसे ज़िगर और गुर्दे की परेशानी, अतड़ियो में रुकावट, दिल की कमजोरी। शून्य चिकित्सक के चार्ज का भी काफी अनुभव करना पड़ सकता है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'नी' और 'तीन' हैं। इन्हीं मूलाको वाली निधियों का अपनी योजनाएँ पूरी करने का प्रयत्न कीजिए। 'चार' और 'आठ' मूलाको वाली निधियाँ अशुभ होंगी। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'नी' मूलाक वाले होंगे। 'नी' मूलाक वाली और कुछ सीमा तक 'तीन' तथा 'छ' मूलाको वाली निधियाँ को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रंग लाल और गुलाबी (मगन) तथा बैंगनी, फालसई और जामुनी (गुह) हैं। आपके भाग्य रत्न हैं लाल, तामड़ा, पिनीनिया और कटोना।

अध्याय 4

अप्रैल

अप्रैल मास मेघ राशि के प्रभाव में है। यह राशि 21 मार्च से प्रारम्भ होती है। सात दिन तक पूर्व राशि के साथ इसकी संधि चलती है। 27 मार्च के बाद 19 अप्रैल तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर अगले सात दिन तक आगामी राशि के साथ, 'संधि काल' चलन के कारण इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी आती जाती है। आगामी राशि शुक्र के स्वामित्व वाली वृष है।

21 मार्च से 19 अप्रैल तक जन्मे व्यक्तियों में दृढ़ इच्छाशक्ति, मन्त्र्य और अपना लक्ष्य पूरा करने का हठ पाया जाता है। वे अमज्जात मोड़ा होते हैं। उनमें बड़े-बड़े व्यावसायिक या जनबहुल साठनों के संचालन की भारी दायित्वता रहती है।

वे काम करने में अत्यन्त स्वच्छन्द होते हैं। सभी बातें उनकी अपनी मर्जी की हवा चाहिए। हस्तक्षेप जान पर वे प्रायः बाहर निपल आते हैं और दूसरों को काम सम्हालने दाने हैं।

जहाँ तक भौतिक सफलता या अधिकार की बात है, ऐसी बाँट ऊँचाई नहीं पड़ा तक व न पहुँच सकें। यह है, कि वे अपने आपे में रहें। किन्तु सफलता प्रायः उनके विनाश का कारण बन जाती है। प्रशंसा और चापलूसी से उनका तिरफिर जाता है। वे मोड़े नहीं देख सकत और ओक मामलों में हठ और जहवार से अपने पावों पर कुहाड़ी मार बैठत हैं।

उनमें भारी मानसिक ऊर्जा होती है। जिस बात में भी उनकी दिलचस्पी होती है उसी के बारे में उनके पास नयी-नयी और मौलिक योजनाएँ रहती हैं। वे अपने में श्रौत "हम हैं और केवल कठोर मचाई जीत तक में ही वे अपने अन्तर्गत किसी और के दृष्टिकोण में देख सकते हैं। उनमें मनकंठा का अभाव होता है, रूभाव में सबेगी तथा काम करने में जदवाज जाने है।

प्रायः हर जगह में वे जति तक जात हैं। बहुत छुने दित के और मुहकट जाने है और व्यनहार कुशदशा के अभाव में दुष्कृत पाव मन है। वे अत्यन्त महत्वाकांक्षी होते हैं। जीवन में प्रायः सफलता प्राप्त करने हैं—या तो सम्पत्ति अर्जित करने हैं या उत्तरदायित्व में पड़ा या पहुँचते हैं।

हीन भावना या अन्तर्गत प्रान्त काल के लिए कुछ भी कर सकत है। मार्ग के रूप में वे न्याय और असाधारण हीन हैं तथा प्रायः हितक मनुष्यों को प्राप्त करत हैं। उच्च भावना वाले जन्मे मार्गित हत हैं किन्तु साथ ही कठोर अनुशासन-

प्रिय भी होते हैं और दूसरों से कमकर काम लेते हैं। दोनों वर्गों में भविष्य में साकने की स्पष्ट इच्छा होती है और वह प्रायः सही पूर्वानुमान का वरदान मिला होता है। वे चाहते हैं कि घर में, व्यापार में और कार्यक्षेत्र में, सभी जगह उन्हें 'मुखिया' समझा जाए।

इन मामलों में जहाँ व्यक्ति प्रेम-सम्बन्धों में भारी पातला भोगते हैं। व महिलाओं के मन को भावद ही पड़ जाने हा और उनके साथ सम्बन्धों में प्रायः बड़ी गलतियाँ कर बैठते हैं। नर-नारी दोनों को सबसे अधिक प्रसन्नता काम करने और बाधाओं पर विजय पाने से मिलती है।

मंगल (शुक्र) की यह राशि सूर्य का उच्च भाव भी है। इससे मंगल ग्रह की आग लज्जा और निंदरता को व्यक्ति के स्वभाव और भाव्य में घनीभूत होने में सहारता मिलती है। युद्ध और कर्म का प्रतीक मंगल जपेन में जन्मे व्यक्तियों पर शक्तिशाली प्रभाव डालता है जो बड़ा कुत्तव को प्रसर बना देता है। वे सभी बाधाओं को चीरते हुए अपना सारा बनाते हैं अनेक खतरा का सामना करते हैं और अपने जीवन तथा वृत्ति में अनेक परिवर्तनों का अनुभव करते हैं।

उन लोगों का स्वभाव मूलतः ओजस्वी, दबंग और साहसी होता है और उनमें अनामान्य शक्ति होती है। वे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी समर्थ होते हैं। नफलना के लिए उन्हें अपने आवेश पर रोक लगानी चाहिए क्योंकि उनमें उचित-अनुचित का विचार किए बिना विवाद में कूद पड़ने की प्रवृत्ति प्रवृत्ति रहती है। वे प्रायः आवेश में निमग्न रहते हैं और तत्काल के लिए भविष्य की चिन्ता नहीं करते। वे दूरदर्शिता के अभाव में नहीं, बल्कि क्षणिक भावना में बह जाते हैं। साथ ही, यह विरोधाभास मान्य हो सकता है लेकिन वे अमर्याद नवा, माडनवता, व्यावहारिक, उद्यमी और महत्वाकांक्षी होते हैं, सदा प्रगति के माग पर दौड़ते हैं और नये विचार का समर्थन करने में सबसे आगे होते हैं।

वे स्वभावतः सभी प्रकार की परम्पराओं और अनुश्रुतियों से विद्रोह करने हैं। उनका धरेलु जीवन बहुत मुड़ी नहीं होना चाहिए कि उनका जीवन-मार्ग जोरों में उनकी योजनाओं और इच्छा पर चलने वाला न हो। किन्तु जहाँ तक भौतिक सफलता की बात है, ऐसी कोई कुराई नहीं जिसे लेने व्यक्ति अपने मर्याद प्रारम्भिक योग्यता और ज्ञानद्वारा माडन-शक्ति में प्राप्त न कर सके।

आर्थिक दशा

इन लोगों में सामान्यतः उन कर्मों की प्रवृत्ति दृष्टि में आती है जो न केवल मन में लम्बे-चौड़े उर्ध्व के भाव होते हैं। जहाँ तक दूसरों के प्रयत्नों की बात है वे बहुत व्यावहारिक हो सकते हैं लेकिन सभी महत्त्वपूर्ण मामलों में आवेश न मानने की प्रवृत्ति रहती है। इससे वे अपने बानी किसी भी उच्च आर्थिक याजन की ओर बलवत्ता डीठ सकते हैं। अपने अर्चना स्वभाव और लम्बे चौड़े विचारों के कारण वे अन्य

आक्स्मिक और भारी घनहानि तथा मांस्य में उतार-चढ़ाव के लिकार हो जाते हैं।

उनमें सम्पत्ति अजित करने का दृढ़ संकल्प होता है किन्तु भाग्य के वजह बुद्धिमानी से विनियोग, उद्योग तथा व्यापार में उन्हें अधिक लाभ हो सकता है। उनमें मुकदमेबाजी और विवादों में उलझने की प्रवृत्ति रहती है और ऐसे मामलों में मांस्य उनका साथ प्रायः नहीं देता।

स्वास्थ्य

मगल का प्रबल प्रभाव शानदार स्वास्थ्य और शक्ति देता है, हाताकि अत्यधिक कायगति छतरनाक भी हो सकती है। उनकी अधिकांश परेशानियाँ अतिश्रम से पैदा होती हैं। एकदम प्रतिकूल परिस्थितियों में और अनुपयुक्त समय पर ही अपने उद्यम से चिपके रहने की जिद बार-बार की निराशाओं के लिए जिम्मेदार होती है। पलस्वरूप बिड़बिड़ाहट और बेसद्वी से दिमाग की बमझोरी या स्नायविक धरान पैदा हो सकती है जिससे बाद में पेट या गैस की परेशानी हो सकती है।

बे बहुत सावधानी नहीं बरत सकते। उन्हें शान और सदा समय की सीमा में रहना चाहिए। कभी-कभी हठारन या सूजन की प्रवृत्ति हो सकती है। उन्हें नित्य खुली हवा में कसकर व्यायाम करना चाहिए और शराब या मादक द्रव्यों से बचना चाहिए।

शरीर के अन्य भागों की अपेक्षा सिर से सम्बन्धित अंगों में बीमारी की सम्भावना अधिक रहेगी, जैसे दाढ़, कान और भाग्य में दद, सिर में खून का दबाव, सिर-दर्द और मिरगी। इस मास में पैदा शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा हो जिसने दुर्घटना या मार-पीट में चोट, घाव या सिर पर चोट न खाई हो।

उनमें पेट, गुदों और जिगर की बीमारियों की अधिक प्रवृत्ति रहती है। वे वित्तशाय की परेशानी के भी लिकार हो सकते हैं और आमतौर से डाक्टर के चारू का काफी अनुभव रहता है।

विवाह, सम्बन्ध, साहोदारी आदि

उनके सबसे मधुर सम्बन्ध अपनी निजी राशि में (21 मार्च से 19 अप्रैल), सिंह (21 जुलाई से 20 अगस्त), धनु (21 नवम्बर से 20 दिसम्बर), के पीछे के सात दिन के सधि-काल और 21 सितम्बर से 21 नवम्बर तक पैदा हुए लोगों के साथ रहेंगे। 21 अक्तूबर से 21-23 नवम्बर तक मगल (सौम्य) का प्रभाव रहता है, अतः 21 मार्च में 19-27 अप्रैल तक (मगल-योग में) जन्मे लोगों का उनके प्रति काफी लगाव रहता है।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण यह सूर्य और मगल (शुक्र) हैं। यह एक प्रबल योग है जिससे आप अपनी योजनाएँ और महत्वाकांक्षाएँ सफलता से पूरी कर सकेंगे। आपके शक्ति-

शाली गुणों का परिचय वृत्ति के प्रारम्भिक काल में ही मिल जाएगा।

आप अपनी योजनाओं में अति रचनात्मक और मौलिक रहेंगे तथा लक्ष्य-प्राप्ति के लिए भारी निडरता और संकल्प से काम लेंगे। आप निश्चय ही महत्वाकांक्षी होंगे। अपने साथियों से ऊपर उठेंगे। परिवार में या सम्बन्धियों में आप सबसे अधिक प्रमुख रहेंगे।

आप साझेदारों के सहयोग के बजाय उनके बिना अधिक सफल होंगे। किसी भी प्रकार के अकुग को नापसंद करेंगे। अपना कानून आप होंगे और फलस्वरूप जीवन-संधर्ष में जीते हुए अनेक दुश्मन पाल लेंगे।

यदि मनमानी करने दी गई तो अत्यंत उदार होंगे किन्तु विरोध होने या आप से जरा भी लाभ उठाने का प्रयास होने पर सोढ़े जैसे बठोर हो जाएंगे। आप प्यार के भूखे रहेंगे लेकिन जब तक महत्वाकांक्षामें अनुकूल बैठने वाले व्यक्ति नहीं मिलेंगे, इसके लिए तरसते ही रहेंगे। बच्चों के साथ और घरेलू मामलों में आपका विवाद रहेगा।

आपमें घर से बाहर जीवन बिठाने और हर प्रकार के खेल-कूद के लिए बलवती इच्छा होगी। लेकिन बढ़क से जाने समय अत्यधिक सावधान रहने की जरूरत है। आग, विस्फोट, मोटरकार दुर्घटना तथा ऐसी ही बातों से काफ़ी खतरा रहेगा।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में मुख्यतः जल्दबाजी और अपने सामर्थ्य से बाहर के उच्च व्यय करने के कारण अनेक उधार-बढ़ाव आएंगे। आवश्यक प्रवृत्ति के कारण दूसरों पर, विशेषकर विपरीत लिंगों पर, आपका भारी प्रभाव रहेगा।

आप कम्पनी प्रोमोटर, उपदेष्टा, बक्सा, सपठनकर्ता के रूप में या किसी भी सार्वजनिक जीवन में सफल रहेंगे। आपमें सदा धन कमाने की योग्यता रहेगी लेकिन अनेक लोगों को अपना बहुत दुश्मन बना लेंगे।

स्वास्थ्य

आरम्भ बहुत जीवनी शक्ति और गुणवत्ति काया होगी, हालांकि कभी-कभी अधिक परिश्रम से आरंभ चोट पहुंचा सकते हैं। सबसे अधिक खतरा उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारी या जगड़े में रहेगा। सारा जीवन कीजिए और शरण्य तथा उत्तेजा पैदा करने वाले पदार्थों से बचिए।

आपने सबसे महत्वपूर्ण अक्षर 'ए' तथा 'नौ' हैं। अपनी योजनाएँ इन्हीं मूलकों वाली तिथियों पर पूरी कीजिए। आपने सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलकों वाले रहेंगे। 'नार' और 'अठ' के अक्षर भी आपके जीवन में बार-बार आएंगे लेकिन यदा तक हो नसे उन्हें टाटता ही बेहतर है। उन्हें बेतकली समझकर काम कीजिए।

'ए', 'नार', 'अठ' या 'नौ' मूलकों वाली तिथियों को अपने व्यक्तियों के प्रति आप रहस्यमय महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बहान और शान्त व्यक्तियों के लिए शून्य (मुनहरी, पीचा, नारली,

भूरा) और मंगल (गहरे लाल से गुलाबी तक) के रंग धारण कीजिए। आपके भाग्य रत्न हैं, पुत्रराज, अम्बर, हीरा, भाल, लामछा और अन्य वा।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) अप्रैल को जन्मे ध्यवित

आपके कारक ग्रह मंगल (ओज) के साथ चन्द्र और नेप्चून हैं। इनके प्रभाव से आपका चरित्र विरोधाभास से पूर्ण होगा। आपमें जबरदस्त व्यक्तित्व, इच्छाशक्ति और सकल्य होगा लेकिन सत्यताशील और रुमानी गुणों में दहने की प्रवृत्ति रहेगी। विचार मौलिक और परम्परा से अलग होंगे। रचनात्मक और शोधपूर्ण काम के लिए काफी सत्यताशक्ति होगी।

आप किसी एक ठरसे बंधे रहना पसंद नहीं करेंगे और अकुशा तथा परम्पराओं से विद्रोह करेंगे। यदि रुमानी भावनाओं पर काबू नहीं पाया तो घरेलू जीवन में काफी परेशानी अनुभव होने की सम्भावना है। परम्परागत जीवन नहीं अपनाया तो विवाह के सुखद रहने की आशा नहीं है।

आप हर काम बड़े उत्साह से करेंगे लेकिन अपनी राय को इतना आगे तक ले जाएंगे कि अंततः उससे भला होने वाला नहीं है। व्यवसाय में अनेक परिवर्तन करेंगे और किसी एक विशेष काम में बंधे नहीं रहेंगे। कोई पर मिल जाए, उससे मतुष्ट नहीं होंगे।

अधिकारी पदों पर आप दबंग, कुशल और आत्मनिर्भर होंगे। राजनीतिक जीवा या सैनिक संगठन में दिक्कतों से लेने पर आप एक प्रमुख नेता के रूप में उभरकर आगे आएंगे। ऐसे मामलों में आपके भाषण या लेख जोशीले रहेंगे। साथ ही बड़ी सख्या में लोगों को अपना अनुयायी बना लेंगे। व्यापार या उद्योग में आपका लक्ष्य प्रमुख बनने का रहेगा और अपने मौलिक विचारों के लिए जाने जाएंगे।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में आपकी बात का वजन और प्रभाव होगा। मापेदारों ने रोका नहीं अटकामा तो आप सफल भी होंगे। लेखन या कलाकार की योग्यताओं का विकास होने पर आपको काफी सफल मिलेगा। आप कुछ भी करें, आपका 'दबंग' व्यक्तित्व होगा।

स्वास्थ्य

आपका शरीर मटीला होगा। लेकिन उम्र और उमराह के दौर में उगने अत्यधिक काम लेने की प्रवृत्ति रहेगी। आप बुद्धि और रक्तरोध की बीमारियाँ, जैसे फोडे-कुमी के शिकार हो सकते हैं। अनेक बार जन्म-विकसित से चारू का अनुभव करना पड़ सकता है। अतडिमा की खतरा रहेगा। दात, भ्रूडे, नाक घात आदि की बीमारियों में मादधान रहिए। आप अनेक वा दृष्टताओं के शिकार होंगे, दुम्माओं से जीवा का खतरा रहेगा और हन्ना या उग्र भूधु हा न खतरा है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो', 'सात' और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलांको वाली तिथियों को अपनी योजनाएँ पूरी करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलांको वाले होंगे। 'दो' या 'सात' मूलांको वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आपका गहरा लगाव रहेगा।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए चंद्र (श्रीम, हरा और सफेद) नेप्चून (मिलेंटी) और मंगल (गहरे लाल से गुलाबी तक) के रंगों के कपड़े पहनिए। भाग्यरत्न है हरा जेड, चन्द्रकांत भण्डा, सहस्रनिपा, उपल, मोती, लाल, लामडा और सभी लाल रंग।

29 अप्रैल को जन्मे व्यक्तियों के लिए आगामी राशि वृष का प्रभाव शुरू हो जाएगा जिसका स्वामी शुक्र है। यह मंगल के गुणों को हल्का कर देगा। ऐसे व्यक्ति जटिल आश्चर्य और जोशोंले होंगे लेकिन विपरीत परिस्थितियों की पैदा की हुई उलझनें दूर जाने की सम्भावना है।

3 12, 21, 30 (मूलांक 3) अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह गुरु और मंगल (ओज) हैं। यह योग आपको सामान्य से अधिक महत्वाकांक्षी बनाएगा। आप सभी अधिकारी पदों पर सफल, अपने विचारों में बहुत स्पष्ट और कुछ-कुछ तन्नाशाह होंगे।

संगठन, व्यवस्था और नियंत्रण की आपमें अच्छी योग्यता होगी। कानून का पालन इमाफ और कठोरता से करेंगे, यहां तक कि दूसरों को उदाहरण पेश करने के लिए जरूरत होने पर अपने निजी सम्बन्धियों का बलिदान करने से भी नहीं चूकेंगे।

आप प्रबल शत्रु और इतने ही प्रबल मित्र बनाएंगे। स्वभाव असाधारण रूप से स्वतंत्र होगा और किसी बंधन या अकुश को पसंद नहीं करेंगे। घर में हर प्रकार से 'मुक्ति' बनकर रहता चाहेंगे, नहीं तो बाफ़ी परेशानी और झगडा होगा।

अनेक प्रकार से आप चमत्कारी जीवन बिगेंगे और ऐसी दुर्घटनाओं तथा खतरों से बच निकलेंगे जिनमें दूसरे लोग भारे जाएंगे।

आपको प्रगतिशील और जोशीला दोनो कहा जा सकता है किन्तु आपमें आत्म भलाई की उच्च भावना रहेगी। अपने समाज में सम्मान मिलेगा, उच्च पदस्थ व्यक्तियों में आपके प्रभावशाली मित्र होंगे, फिर भी निम्नले वर्गों के प्रति विशालहृदयता और उदारता का परिचय देंगे।

आपको जिम्मेदारी के पद मिलेंगे। सरकारी पद भी मिल सकते हैं। सेवा और नोमेना में जाने पर तेजी से उन्नति होगी और सम्मान मिलेंगे। सम्भारना दो पक्ष पर रहन की है, एक अपने विषय व्यवसाय में, दूसरा नगरपालिका या सरकार में।

अपने अनुचित निर्णय और तबके साथ न्याय करने की आंतरिक भावना के कारण आप एक उत्तम न्यायाधीश हो सकते हैं। आपमें साहस्य दिशा और गम्भीर अध्ययन के प्रति निश्चिन्त प्रेम होगा। परिस्थितियों में मुद्दा लीत आपने पास

मौलिक विचार होंगे ।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में आप भाग्यशाली रहेंगे । वाणी सम्पत्ति अर्जित करने की सम्भावना है । सट्टेबाजी, ठोस सस्याजों में पूँजी-विनियोग और उद्योग तथा व्यापार घड़े करने के बारे में सावधान रहेंगे ।

स्वास्थ्य

आपका शरीर सुगठित होगा । आप बाहरी जीवन और ह् प्रकार के खेलों को पसंद करेंगे, लेकिन जानवरों से दुर्घटना का कुछ खतरा रहेगा । कभी-कभी दावलों में उलटा-भीड़ा खा लेने से तीव्र अपच की शिकायत हो सकती है । अघेड नाच में शोटापा चढ़ने और दिल की बीमारी हो जाने की सम्भावना रहेगी ।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक्षर 'तीन', 'छ' और 'नौ' हैं । लेकिन अक्षर 'छ' महत्वपूर्ण होते हुए भी 'छ' अक्षर से सम्बंधित व्यक्तियों के साथ काफी परगानी पैदा कर सकता है । आपको सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलकों जाने होंगे । इन्हीं मूलकों वाली तिथियों की जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे ।

30 अप्रैल को जन्मे व्यक्ति अगली राशि वृष के प्रभाव में होंगे, जिसका स्वामी शनि है । वे अधिक दयालु, स्नेहशील और उदार होंगे ।

अपना प्रभाव बढ़ाने तथा भाग्य चमकाने के लिए शुरु (बैंगनी, फाजसई, जामुनी), शुक्र (नीले) तथा मंगल (लाल) के रंग के वस्त्र पहनिए ।

4, 13, 22 (मूलंक 4) अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

- आपके चारक ग्रह यूरेनस, मूर्य और मंगल है । यह एक शक्तिशाली, विस्तृत कुछ विविध योग है जिसमें आपको जीवन में अजीब विरोधाभास का सामना करना पड़ेगा ।

आप सफलता के दीपों और विफलता के दीपों से गुजरेंगे । प्रत्याशित के बजाय प्रायः अप्रत्याशित ही अधिन पड़ेगा । आप परिस्मृतियों के अधीन रहेंगे और भाग्य महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा ।

जब तक किसी ऐसे निर्णय पर न पहुँच जाए जिसमें जी-जान से जुट सकें, तब तक आप अपनी कृति और योजनाओं में अनेक परिवर्तन करेंगे तथा बेचैनी और अस्थिरता महसूस करने रहेंगे । मध्य मित्त बनान में नारी टटिनाइ होगी और जिह मित्त बनाएंगे वे विविध और अमान्य होंगे । आपके छिप दुश्मन होंगे और काफी विरोध का सामना करना पड़ेगा । जहाँ तक भौतिक जीवन की बात है, आपको कभी बेच नही मिलेगा ।

आपने विचार मौरिक और परम्परा में आग हाँसे । अपना निजी धर्म और ध्यान की तरफ करें । आप साजसज्जा होंगे, कर्मीय न भी आपको रति होगी,

किन्तु विशेषकर नये वन की बिजली की मशीनों, रेडियो, टेलीविजन आदि में।

आपके स्वभाव में कुछ ऐसी बात है कि सामेदारो के साथ आपने अनेक विवाद, टकराव और मुकदमेवाजी होंगी। आपको सलाह देना आमान नहीं होगा क्योंकि जीवन के प्रति आपकी एक खास दृष्टि है। तर्क में आप विरोधी विचार प्रकट करेंगे और आपने इतनी व्यवहार-बुद्धि नहीं होगी कि जिनसे आप सहमत नहीं हैं, उनके प्रति अपने गेप को छिपा सकें।

कभी-कभी रुखे और झुझट व्यवहार में लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचा सकते हैं, घने ही अपना बना आशय न हो। आम तौर से आपको गलत समझा जाएगा, लेकिन आप इसकी परवाह नहीं करेंगे कि कोई आपको चाहता है या नहीं।

आप अध्ययनशील होंगे, अच्छे साहित्य में आपकी गहरी रुचि होगी। अपने हर काम में आप तीव्र मानसिक शक्ति और जीवटपन का परिचय देंगे।

आर्थिक वंशा

आप दूसरों के साथ मिलकर आसानी से काम नहीं करेंगे किन्तु अपने निजी विचारों पर अमल में काफी सफल हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में इतने सतर्क रहेंगे कि आपकी छाति 'कजूर' के रूप में हो सकती है। - -

प्रविध्य के लिए आप कुछ अधिक ही चिन्तित रहेंगे, इसलिए बुझापे के लिए अच्छी रकम बचा लेने का प्रयास करेंगे। यदि व्यापार में लगें तो शीघ्र अवकाश लेने की सम्भावना है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के बारे में बहुत असामान्य रहेंगे। कभी जबरन काम करेंगे, कभी प्रयास करने को भी मन नहीं होगा। रहस्यमय बीमारियों के, जिनका निदान मुश्किल होगा, शिकार हो सकते हैं। ऐसे म प्राकृतिक जीवन और सादा भोजन से ही मुक्ति मिलेगी।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'चार', 'एक' और 'नौ' हैं। 'आठ' का अंक भी आपने जीवन में काफी आया। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलकों वाले होंगे। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए भूरेनम (खिलेटी और शोख), सूर्य (मुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) तथा मयल (गहरे लाल से गुलाबी तक) के रंगों के वस्त्र धारण कीजिए। लेकिन 22 अप्रैल को जन्मे होने पर लाल के बजाय नीले रंगों को काम में लीजिए।

आपने भाग्य रत्न नीलम और नीले नय, पुष्कराव, पीले हीरे और अम्बर हैं। 22 अप्रैल को जन्मे व्यक्तियों को यथासम्भव पीरोजा और नीलम धारण करना चाहिए।

5, 14, 23 (मूलांक 5) अग्रंत की जन्मे ध्येति

आपके कारक यह बुध और मंगल हैं। यह याग बहुत शुभ भी हो सकता है, बहुत अशुभ भी। यह इन पर निर्भर है कि आप अपनी इच्छाशक्ति और आम स्वभाव का किस प्रकार विकास कर सकते हैं।

आप बहुमुखी प्रतिभा वाले, चतुर और बुद्धिमान होंगे किन्तु विचारा की सही दिशा मिलनी चाहिए। उच्चाकाशाओं की नियंत्रण में रहने पर ऐसा कुछ नहीं जिन पर काबू न किया जा सके या जिसे पूरा न किया जा सके।

भाँचने, बोलने और काम करने में शीघ्रता की प्रवृत्ति रहेगी जबाब और दलीले देने में तेज रहेंगे, लेकिन तर्कशक्ति अच्छी होगी और ग्राम सभा विद्वानों के अनुभूत मन की ढाल रहेंगे। इस प्रकार के नये विचारों को पनप करेंगे और आप मूढ़ता परम्परा का पालन करने के विरुद्ध सक्रिय विद्रोह की प्रवृत्ति रहेगी।

पढ़ने और इतिहास के रहन अध्ययन में रुचि होगी। तथ्या और निदिशों की याद रखने की अद्भुत क्षमता होगी। वाणी या कथा के बरदान में दूसरों पर भारी प्रभाव डालेंगे।

इच्छाशक्ति का विकास कर लेने पर भारी जिम्मेदारियों वाले कितने उच्च पद को प्राप्त करेंगे। यदि स्वभाव के अशुभ पक्ष को हाथी हो जाते दिया तो बुरे साधिया, सामाजिक अपव्यय, मद्यपान, जुआ खेलने आदि की ओर आकर्षित होंगे और लम्पट जीवन व्यतीत करेंगे।

दूसरों से भारी प्यार और भ्रष्टा मित्रों किन्तु स्वयं अपनी भावनाओं में निरलेख होंगे और प्यार के बरकर से कुछ दूर हो रहे आएँगे। एक से अधिक विवाह होने और घरेलू जीवन में काफी परेशानों का सामना करने की सम्भावना है।

सत्कार्य जबाब दे देने और मूहकपन से लोग दुग्मन बन जाएँगे, लेकिन नव मिलाकर दूसरों पर आपका उल्लेखनीय प्रभाव रहेगा।

आर्थिक देश

आर्थिक मामलों में आप स्वयं अपन भाग्य निमाणा होंगे, लेकिन आपकी सफलता पहले आये आएगी। यदि आप उच्च धरातल वाले हैं तो अपने ध्येय के लिए अपेक्षित धन की कमी कमी नहीं रहेगी। लेकिन निम्न धरातल वाले मादक द्रवों, शराब तथा व्यसना में अपने अवसर बर्बाद करेंगे।

स्वास्थ्य

आपके अत्यधिक सक्रिय मस्तिष्क के कारण स्नायु-द्रव्यों की अत्यंत आवश्यकता रहेगी। जीवन में स्थिरता न आने का खतरा है। कभी-कभी चेंबर या आँखों में तनाव महसूस करेंगे जो इन बात की चेतावनी होगी कि आप अपनी मानसिक शक्ति का सीमा से अधिक व्यय कर रहे हैं। पाचन अंगों और आंतों में भी परबरी हान की



आशंका है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'राष्ट्र' (बी. ई. जे. ई. ई.) मूल्य 5.14 को बाली नियमों को अपनी योजनाएं पूरी करने का प्रयास कीजिए। सबसे महत्वपूर्ण वर्ष भी 'पाच' और 'नौ' मूल्यों को बाली ही होंगे। किसी भी मूल्य को 5, 14 या 23 तारीख को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव अनुभव करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए आपको जहाँ तक हो सके, हलके रंगों के कपड़े पहनने चाहिए जिनमें ताल-गुलाबी रंग भी कुछ अवकाश हो। आपके ध्यान रत्न होरे और लाल और सभी सफेद या चमकीले नग हैं।

6, 15, 24 (मूलांक 6) अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक यह शुक्र और मंगल हैं। यह एक शुभ योग है जो आपको मंगल की शक्ति और उत्साह के साथ शुक्र का मिलनसार और उदार स्वभाव प्रदान करता है। स्वभाव में आप स्नेहालु, प्रदर्शनकारी, सुहृदय और कामी होंगे तथा विपरीत लिंगियों की ओर आपका भारी आकर्षण रहेगा। आप समाज में लोकप्रिय होंगे, अहा जाएंगे मित्र बना लेंगे। बहुत उदारमनस होंगे, और दूसरों की सहायता को पुकार पग ढोके आएंगे।

आप धन को दोनों हाथों से खर्च करेंगे। पर और पड़ोस में उसका अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आपमें भोग-विलास की ओर आय से अधिक खर्च करने की प्रवृत्ति रहेगी। लेकिन अमर्याद मित्रों तथा धन के मामले में आप भावशाली रहेंगे। आपको अपनी उदारता पर नियंत्रण लगाने और गरीबों को न मालने के लिए सावधानी से काम लेना चाहिए।

छोटी आयु में ही विवाह की सम्भावना है। तर्क के बजाय भावना में अधिक बहेंगे। ऐसा विवाह आपके लिए सुखद नहीं रहेगा। बाद में दूसरा विवाह अधिक शुभ होगा।

आपका चित्रकारी, संगीत, भूखंडला, काव्य या साहित्य जैसी किसी कला में सफलता मिलनी चाहिए। आपको नाटक और आपेरा में रुचि होगी और ऐसे धन्यों में पग कमाता चाहिए।

आप यात्रा के अत्यंत शौकीन होंगे और दूसरे राष्ट्रों के रीति-रिवाजों तथा परम्पराओं में आपको गहरी दिनबस्ती होगी।

आर्थिक दशा

जीवन के प्रारम्भिक वर्षों में धन के मामले में बहुत भावशाली रहेंगे, लेकिन अग्रज्य और भविष्य के लिए जमा पूजी रखने के कारण अन्त समय आने से काफी पहले ही स्वयं की गरीबी की दशा में पाएंगे।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के मामले में आपका सुगठित शरीर होगा। बीमारी से शीघ्र स्वास्थ्य लाभ करेंगे। लेकिन गला, नाक और कान की कमजोरी तथा भ्रमकलिरददें और चेहरे की बीमारियों से पीड़ित होने की सम्भावना है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'छ', 'तीन' और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलांशों वाली तितियों को अपनी योजनाएँ पूरी करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'छ' और 'नौ' मूलांशों वाले रहेंगे। 'तीन', 'छ' और 'नौ' मूलांशों वाली तितियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए शुक (नौला) और मगत (लाल) के रंगों के कपड़े पहनिए।

7, 16, 25 (मूलांक 7) अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह नेप्चून, चन्द्र और मगत हैं। यह विभिन्न माण आपकी बहुत जटिल स्वभाव और बहुत असामान्य जीवन देगा।

आप रहस्यवादी और गुप्त सगठनों के प्रति तथा गुप्त विद्या और अतिभौतिक विषयों के अध्ययन के प्रति भी आकर्षित होंगे और उनकी छोज में जाना चाहेंगे। आपके मन में संगीत के लिए गहरा प्यार होगा और सम्भवतः किसी एक वाद्ययंत्र को बजाने में काफी कुशल भी होंगे।

धर्म और समाज के बारे में आपके मन में बहुत गहरी भावनाएँ और मौलिक विचार रहेंगे। आपकी न समझने वाले आपको 'पागल' या 'सतर्की' कह सकते हैं लेकिन विरोध के बावजूद आप प्रसन्नतापूर्वक अपने मार्ग पर चलते रहेंगे।

आपमें जन्म-स्थान से सुदूर देशों की यात्रा तथा दर्शन की प्रबल इच्छा रहेगी। आपका सबसे बड़ा दोष स्वभाव में अस्थिरता तथा अपने आकांक्षों को निरन्तर बदलते रहने की इच्छा है।

किसी कला में या आपकी शोधपरक कल्पनाशील योग्यताओं को अभिव्यक्ति देने वाले किसी काम में आप अत्यधिक सफल हो सकते हैं। अपने व्यापार में आप अनेक परिवर्तन करेंगे। नियमित जीवन आपकी प्रकृति के अनुकूल नहीं है। नेप्चून भावनाओं को तेज करता है, लेकिन व्यावहारिकता प्रदान नहीं करता। इसीलिए नियमित परम्परागत जीवन अपनाता आपके लिए कठिन होगा।

परोपकारी सत्ताओं में आपकी दितवसी हो सकती है और ऐसे किसी राष्ट्रीय या राजनीतिक काम से सम्बद्ध हो जाए तो अच्छी सफलता मिल सकती है।

सम्पर्क में आने वाले अनेक व्यक्तियों के प्रति आपको गहरी अरुचि हो सकती है। स्वभाव से इस पक्ष पर नियंत्रण का प्रयास करना चाहिए अन्यथा आपके बारे में काफी गलतफहमी हो सकती है।

विपरीत लिंगियों के बारे में सपनों तथा भ्रम की दुनिया में रहने की प्रवृत्ति होगी और अनेक निराशाओं का सामना करना होगा।

आर्थिक दशा

आपके लिए आर्थिक प्रश्न बहुत विचित्र रहेगा। धन के मामले में सदा काफी अनिश्चितता और उतार-चढ़ाव रहने की सम्भावना है। कभी-कभी अपने खोजी विचारों से भारी धनराशि प्राप्त कर सकते हैं। आपको सट्टेबाजी और जुए से बचना चाहिए।

स्वास्थ्य

आपकी शारीरिक दशा में तेजी में परिवर्तन हो सकते हैं। आप पर वातावरण का काफी प्रभाव पड़ेगा। आप सर्दी-जुकाम, नजला, बुखार, इन्फ्लुएन्जा और मलेरिया से अक्सर पीड़ित होते रहेंगे। जब कभी आप पर असामान्य भार पड़ेगा, आप बीमार पड़ जायेंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अब 'सात' और 'दो' हैं। इन्हीं मूलांशों वाली तिथियों को अपनी योजनाएँ या कार्यक्रम पूरे कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांशों वाले होंगे। इन्हीं मूलांशों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपके सबसे भाग्यवर्धक रंग नेप्चून (बबूतरी और शोख), चन्द्र (हरा, फ्रीम, मकैदा) और मंगल (लाल) के रंग हैं।

8, 17, 26 (मूलांक 8) अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

8 व 17 अप्रैल को जन्मे व्यक्तियों के कारक ग्रह शनि और मंगल हैं, लेकिन 26 अप्रैल गुरु की राशि वृष के प्रभाव में आ जाने से इस दिन जन्मे व्यक्तियों का भाग्य बहुत भिन्न होगा। शनि और मंगल का योग बहुत शुभ योग नहीं है, अतः 8 व 17 अप्रैल को पैदा होने पर आपको अपने सभी कामों में भारी सतर्कता और बुद्धि-मानि बरतनी होगी। जीवन के प्रथमांश में आशाओं की पूर्ति के भाग में भारी कठिनाइयाँ और बाधाएँ आएंगी। घर और परिवार के बंधन आपको रोके रखेंगे और आपको अनेक लोगों का भरण-पोषण करना पड़ सकता है।

आप बहुत महत्वाकांक्षी होंगे। परिस्थितियों में जूझने में झुल्लाहट पैदा होगी, लेकिन आपकी सबसे बड़ी सम्पत्ति आपकी दृढ़ता और सकल्प है।

व्यापार और विवाह के साझेदारों के साथ भाग्यशाली रहने की आशा नहीं है, विशेषकर प्रारम्भिक वर्षों में। आपको काफी विरोध और अप्रमन्नता का सामना करना पड़ सकता है। बड़ी आयु में साझेदारियाँ और विवाह अधिक शुभ रहेंगे।

नये उद्योग शुरू करने और बड़े पैमाने पर व्यापार फैलाने के लिए आपके पास अद्भुत विचार और योजनाएँ रहेंगी। आपको सबसे बड़ी कठिनाई दूसरे ऐसे

लोग पाने की होगी जो आपसे सहमन हो सकें। बड़े पैमाने पर काम करने का प्रयत्न कर सकते हैं। अध्यवसाय, इच्छाशक्ति और सकल्प से अन्त में आपको सफलता मिल सकती है।

आप अपने तक सीमित रहेंगे, लोगों का आशानो से विश्वास नहीं करेंगे, अज्ञानविद्या व प्रति बहुत-बहुत सदेहशील होंगे और सदा अपनी बात छिपाए रखने की प्रवृत्ति होगी। आप सप्रहशील होंगे, अलमारियो और टूटो में ऐसी वस्तुएं जमा करने रखेंगे जिनका कभी उपयोग नहीं करेंगे।

8 या 17 ग्रंथों को जाम लो आम तौर से नामी डाक्टर, शल्य-चिकित्सक, वैज्ञानिक, रसायनशास्त्री या हर प्रकार के संगठनकर्ता होते हैं।

26 ग्रंथों को जन्मे होने पर शुभ आपके स्वभाव को काफी नरम बना देगा। विरोध होने पर अपने विचारों के लिए अन्त तक सड़ेंगे लेकिन सड़ाई खत्म होने पर अत्यन्त क्षमाशील बन जाएंगे और जल्दबाजी में बड़े दण्ड शब्दों पर परचायाप करेंगे।

आपमें धैर्य का अभाव होगा और जरा में घड़बड़ने पर आप से बाहर हो जाएंगे। आपके अन्दर मुकदमों में फँसने की सम्भावना है। आम तौर से बकीला व काफी परेशानी और निराशा निनेंगे तथा अपनी सड़ाई खुद लेंगे।

अधेड़ आयु तक रुपये पैसे के मामले में भाग्यशाली रहने की सम्भावना नहीं है, लेकिन एक बार भाग्यशाल्य होने पर पिछली सब भरपाई हो जाएगी। भूमि के विषय, अथवा सम्पत्ति, मरान आदि से आपको अच्छा लाभ होगा। शुक्र में सम्बन्धित सभी वस्तुएं आपके लिए शुभ रहेंगी, जैम टुक का निर्माण, पत्र फूट की चिन्ता। आप संगीत, चित्रकला और माज-मरजा को आप बला के भी अत्यन्त शौकीन होंगे।

आपके मुख्य दोष विचारों तथा कार्यों का अप्राम्य, हर काम को बड़े पैमाने पर करने की इच्छा, बहुत अधिक जिद्दी होने की प्रवृत्ति, सब सुकना चाहिए या बन में बुद्धि बहुत है की सीख न जानना है। आपका जीवन विरोधाभासों में पूरा होगा।
आर्थिक दशा

आपका जटिल स्वभाव सदा आपके पक्ष में एक बड़ी सम्पत्ति होगी, लेकिन बहुत कम शक्ति आपको ऐसे मिलेगी, यदि मिलेगा, जिनके साथ मिलकर आप काम कर पाएंगे। दूसरों में सहायता पाने के बजाय आप अपने भाग्य के स्वयं निर्माता होंगे, लेकिन कोई कारण नहीं कि अन्त में आप सफल न हों और सम्पत्तिवान न बनें।

स्वास्थ्य

आपको कुछ बहुत विशिष्ट अनुभव हो सकते हैं, जैम बीमारों या मृत निदान या गन्त दवाओं की तजवीज। आपको सभी मादक द्रव्यों, शराब तथा तरापी दवाओं से बचना चाहिए। अपने भोजन की जांच कर अन्त का ठाह रखें, नहीं तो भोजन विष, फोडे-जुनी अदोष, पाटा, सब्जी की निकासते, बदहज्मों या रक्त विकार हो सकते हैं।

अनेक बार आपरेशन होने की भी सम्भावना है, विशेषकर जबड़े, दात और मिर की हड्डियों के। छोटी आयु में टोनिल का आपरेशन हो सकता है। नाक, गला, कान और फेफड़ा की भी जिकायते हो सकती हैं।

'चार' और 'आठ' के अंक आपके जीवन में काफी महत्वपूर्ण रहेंगे। मेरा परामर्श है कि जान-बूझकर इन अंकों या इन मूलांकों वाली तिथियों को अपने काम के लिए मन अपनाइए, किन्तु यदि वे आ ही जाएं तो उनसे लाभ उठाइए।

27 अप्रैल को पैदा होंगे पर शुक्र के अंक '6' और सूर्य के अंक '1' का अधिक-से-अधिक उपयोग कीजिए।

आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाले होंगे। दशैं मूलांक वाली और 'एक' तथा 'छ' मूलांकों वाली भी तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए मैं आपको जहां तक सम्भव हो, सूर्य के रंगों का और उनके बाद शुक्र और मंगल के रंगों का उपयोग करने का परामर्श दूंगा। ये रंग हैं सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा), शुक्र (नीला), मंगल (लाल)। आपके भाग्य रत्न हैं होरा, पुखराब, अम्बर, लाल, तामड़ा, लाल रंग, नीलम और पन्ना।

9, 18, 27 (मूलांक 9) अप्रैल को जन्मे व्यक्ति

आपका कारक ग्रह मंगल है। 27 अप्रैल को जन्मे व्यक्ति आगामी राशि वर्ष के स्वामी शुक्र के प्रभाव में भी आते हैं।

आप विचारों तथा कार्यों में अत्यन्त स्वतन्त्र होंगे। सभी अकुशो और किसी भी प्रकार की सामां लगाए जाने पर आपको तन्त्र नाराजगी होगी। दूसरों की भावनाओं की चिन्ता किए बिना अपने विचार और राय व्यक्त करने में आप बहुत मुहफट होंगे। आप शीघ्र आवेश में आने वाले, अगडानू और क्षणिक आवेश में विवश या अगडा में उलझ जाने वाले होंगे।

हर प्रकार के खेलकूद में आपको गहरा प्यार होगा। हर अवसर पर आप दुस्माहम की खोज में रहेंगे। भारी जोशिम उठान का तैयार रहेंगे, खतरों में भी निडर, सभी अवसरों पर सहाई की सच्ची भावना प्रदर्शित करने वाले। आपमें मौलिक जीवन के लिए प्रतिभा होगी, अवसर आने पर एक क्षण की सूचना पर मुठ के लिए जाने का तैयार रहेंगे।

दुर्घटनाओं, चोट, घाव, आग, विस्फोट आग्नेयाम्न और शल्य-चिकित्सा के खतरों का सामना किए बिना आप कभी रह ही नहीं सकेंगे। आवा और चेहरा तथा मिर के ऊपरी भाग में चोट खाए की सम्भावना अधिक रह्यो। घर में वाटा रहना पसन्द करेंगे। आप पशुओं के प्रेमी होंगे लेकिन उनमें काफी खतरा भी उठाएंगे।

आप दूसरे व्यक्तियों के आगे आगामी से भुटने नहीं डेकेंगे। ऐसी किसी वृत्ति

मे सबसे सपन रहेंगे जहाँ आप अपनी मर्जी के मालिक हो सकें ।

आपने प्रबल निजी आकर्षण होगा, विपरीत तिनी आम तौर से आपको पसंद करेंगे और औसत से अधिक आपके प्रेम-प्रस्ता रहेगे । इन प्रवृत्तियों के बावजूद यदि आप ऐसा साधो पा जाते हैं जो आपको बीरता के गुणों के कारण आपके दोषों को क्षमा कर सके तो विवाह शुभ रहेगा ।

कभी-कभी आप मदपान भी कर सकते हैं, किन्तु शराब से लगाव के बजाय सामाजिक सम्पर्क के प्रेम के कारण ।

आर्थिक दशा

सभी प्रकार के उद्योगों, व्यापार, संगठन या दूतरी की उधा में धन कमाने की आपमें भारी योग्यता होगी । आप कुछ भी काम करना पसंद करें, सदा बटि-नाइयो से निकलने का रास्ता बिना लेंगे और आत्मनिर्भर तथा सकल्पवान होंगे । आप निडर और माहुरी होंगे । आप निडर और साहसी हो हैं, किन्तु सापेक्ष इन्ने जितनी हैं जिनसे आपका भला नहीं होगा । आप हर काम में बड़े पैमाने पर दाब लगाने वाले होंगे । आप जीवन को गम्भीरता से लेने के बजाय खेल अधिक समझेंगे । आम तौर से अधिकतर जीवन में भाग्य आपका साथ देगा ।

स्वास्थ्य

आपका शरीर सुगठित और आपमें जीवनी-शक्ति होगी । किसी भी बीमारी से शीघ्र उठ खड़े होंगे । सबसे अधिक खतरा दुर्घटनाओं से रहेगा, विशेषकर आग्ने-यास्त्रो, आग, विस्फोट या मड़क-दुर्घटनाओं से । आप उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारी और पचापान के भी शिकार हो सकते हैं ।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अब 'नौ' और 'एक' हैं । सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'नौ' मूलक वाले रहेगे । 'एक' या 'नौ' मूलकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्ति के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे ।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए मंगल (सात) और सूर्य (बोला, पुनहरा, भूरा, नारंगी) के रंग के कपड़े पहनिए । 27 अप्रैल को जन्मे लोग नीले रंग के भी कपड़े पहन सकते हैं ।

आपके भाग्य रत्न हैं—ताम्र, ताम्रटा, लाल ना, हीरा, पुष्पराज, और अम्बर । 27 अप्रैल को जन्मे लोग पीरोज और नीले नय भी धारण कर सकते हैं ।

अध्याय 5

मई

मई मास वृष राशि के प्रभाव में है। यह राशि 19 अप्रैल से प्रारम्भ होती है, किन्तु नात दिन तक पूर्व राशि के साथ उसका सधि-काल रहता है। अतः 26 अप्रैल तक इसका पूर्ण प्रभाव दृष्टिगोचर नहीं होता। उसके बाद 20 मई तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर सात दिन तक आगामी राशि मिथुन के साथ इसका सधि-काल रहने के कारण इसका प्रभाव क्रमशः कम होना जाता है। वृष राशि शुक्र का भोज भाव है जो धन-त्रिकोण का पहला भाव भी है। मिथुन राशि का स्वामी बुध (ओज) है और यह राशि वायु-त्रिकोण का पहला भाव भी है।

जन्म नाम से विदित होता है, वृष राशि स्थिर और दृढ़ स्वभाव, काम के प्रति भारी लगन और दृढ़ स्वरूप प्रदान करती है। 21 मई के बाद इन गुणों में कमी होती जाती है, अतः मई में शुरु की तिथियाँ बाद की तिथियों से अधिक ओजस्वी होती हैं।

कुछ मामलों में यह सबसे अधिक विरोधाभास वाली राशियों में एक है। इस राशि में जन्मे लोगों में बुद्धि या बल के गुण पाए जाते हैं। जब तक क्रोध या अन्याय से कुफवारें नहीं, धीरे-धीरे धैर्यपूर्वक अपना काम करते रहते हैं। वे अपने मकल्प में अडिग रहते हैं और प्रायः जिद्दी कहलाते हैं। लेकिन यदि कोई व्यक्ति उनके प्रेमी स्वभाव को धुरेद सचेत हो, उन्हें सबसे अधिक आसानी से बश में किया जा सकता है।

वे अपनी शारीरिक और मानसिक सहन-शक्ति के लिए प्रसिद्ध होते हैं। जब तक स्वल्प काममें रहता है कितना भी तनाव सहन कर सकते हैं।

व अत्यन्त सामाजिक होते हैं और सबसे अधिक प्रसन्नता उन्हें अपने मित्रों या प्रेमियों का सत्कार करने में मिलती है। वे उत्तम मेजबान होते हैं, भोजन के बारे में सुचिपूरा, और अवसर पड़ने पर थोड़ा व्यजन तैयार कर सकते हैं। बलात्मक साज-सज्जा में निपुण और हर वस्तु को बरीन से रखने वाले होते हैं। उनमें नाटकीय प्रदर्शन की गहरी समझ होती है। अवसर के अनुकूल जीवन के पक्ष पर वे कोई भी रुप रख सकते हैं और उसकी भूमिका को पूर्णता से निभा सकते हैं। आम तौर पर वे वैवाहिक में कहीं अधिक अधिकृत समझे जाते हैं और वे अपने हर काम में कम-अधिक दिखावटी होते हैं।

ये अधिकतर अपनी भावनाओं और संवेदनाओं के बल में रहते हैं लेकिन काम में अधिक प्रेम उन पर हावी होता है।

पुरुषों के आन तौर से चौड़े कंधे, मोटी गर्दन और चौड़े मांसे होने हैं। महिलाओं के उन्नत उरोज और प्रायः छोटे हाथ-पैर रहते हैं।

स्त्री-पुरुष दोनों अन्तिम सीमा तक उदार होते हैं। जिन्हें चाहते हैं उनके लिए किसी बलिदान को अधिक नहीं समझते। किन्तु जिन्हें घृणा करते हैं उनमें मृत्युपर्यन्त टक्कर लेते हैं। वे धृते और धर्ममूढ़ में विश्वास करते हैं, अतः प्रारम्भ में ही प्रकार की क्षति उठाते हैं लेकिन रक्त में एक बार उबाल आ जाने पर समर्पण करना नहीं जानते।

वे अपने वातावरण के प्रति विशेषकर संवेदनशील होते हैं। घटिया और प्रति-कूल परिस्थितियों में रहने को विवश होने पर प्रायः उदास या दुखी हो जाते हैं।

इस राशि वाले न तो पुरुषों को और न महिलाओं को छोटी आँख में निवाह करना चाहिए। उनका पहला प्रेम-प्रसंग या विवाह आम तौर से शल्य रहता है। लेकिन वे जल्दी पुनः होते हैं और विवाह भी शीघ्र करते हैं।

पुरुष और स्त्री दोनों प्रेम के मामले में ईर्ष्यालु होते हैं। उनकी ईर्ष्या तबहीन कानों या आवेश से उपजती है। बाद में उसका ज्वर उतर जाने पर बुरी तरह पड़-पड़ते हैं। थोड़ी-सी भी सहानुभूति या दया दिखाने पर वे सारा दुस्सा झूठ देते हैं। अपने इस स्वभाव के कारण ऐसे काम करते हैं जिन्हें दुनिया मूर्खता कहती है।

किसी प्रेम के लिए नेता के रूप में वे अनुयायियों से प्रेम और लगन प्राप्त करते हैं और प्रायः उन पर भारी जिम्मेदारी सौंप दी जाती है।

इनमें सामंजस्य, तय और रा को अल्पनिहित समझ होती है और वे आम संगीत, काव्य तथा कला में अच्छी समझता प्राप्त करते हैं। लेकिन विविध बाग यह है कि कुछ घास निधिया को जन्मे व्यक्तियों को छोड़ वे अपने गुणों या प्रतिभा का पूरा आधिक लाभ नहीं उठा पाते।

इस राशि में पैदा हुए लोग अत्यन्त निष्ठावान मित्र, उत्तम सरकारी कर्मचारी, सरकार में या सेना और नीमना में अधिकारी या प्रमुख बनते हैं। वे अच्छी कम ब डाक्टर भी बनते हैं। प्रायः सभी को जागृता, फूला और घर से बाहर के जीवन के प्रति गहरा लगाव होता है।

आर्थिक दशा

जहाँ तक इन प्राणि का सवाल है, इस भास में जन्म लेना आम तौर से शुभ है। सहकारिता मानेदारी, सम्बन्धों तथा पिवाह से लाभ होने की अपेक्षा है। लेकिन मुक्त का प्रभाव उन्मुक्त प्रेम की प्रवृत्ति प्रदान करता है और दुश्मनों की महायत्ना करने में कुछ बटु अनुभव भी हो सकते हैं।

इन लोगों में धन कमाने और सम्पत्ति जमा करने की प्रवृत्ति इच्छा रहती है किन्तु हमने मूल में स्वार्थ उतना नहीं होता श्रितना आराम का जीवन बिताने और अपने प्रेमपात्रों की महायत्ना करने का भाव होता है।

महिलाएँ आम तौर से सम्पन्न घरानों में विवाह करती हैं लेकिन सामान्यतः उनके एक से अधिक विवाह होते हैं। वे अच्छी व्यावसायिक योग्यता और सगठन-शक्ति का परिचय देती हैं तथापि कला-प्रेम को जो उनके स्वभाव का एक मूल गुण है, दृष्टि में कभी ओझल नहीं होने देती।

पुरुष और स्त्री दोनों के लिए भूमि, खानों तथा खनिजों का विकास विशेष शुभ रहता है। होटल, रेस्तराँ जैसे उद्योगों की योजनाएँ बनाना और उनकी सम्पत्तियों की देखभाल करना भी अच्छा रहता है और उन्हें सफलता प्रदान करता है।

स्वास्थ्य

कारण ग्रह शुक्र प्रचुर मात्रा में जीवनी-शक्ति देता है। उसे सही मार्ग पर और दूसरों की भलाई के लिए लगाना चाहिए, नहीं तो वह अपना ही भक्षण कर उदासी को दगा पैदा कर सकता है। स्वास्थ्य को सबसे बड़ा खतरा निष्क्रियता और आत्म-रति है। अल्पिमात्रा में जलोदर की भी आशंका हो सकती है, अतः भोजन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। गुदों, गले और जनन-द्रवों में भी गड़बड़ हो सकती है। ऐसे लोगों को गंगा और गरिष्ठ पकवानों से बचना चाहिए।

य लोग नाक तथा फेफड़ों के ऊपरी भाग की बीमारियों के भी शिकार हो सकते हैं। उनमें गले की छराग, टांसिल बड़ने, डिप्थीरिया आदि की शिकायत होने की भी प्रवृत्ति रहती है। अति धम से दिल पर भार पड़ता है। बिना किसी प्रकट कारण के उन लोगों को मूर्च्छा के दौरों पड़ सकते हैं। मिर की ओर बड़ी मात्रा में रक्त जान या पभाषा होने की भी प्रवृत्ति रहती है। उनकी त्वचा में खरोब बड़ी जल्दी आती है। नम स्थानों या नम जलवायु में रहने के लिए बाध्य होने पर द्यूमर आर आन्तरिक वृद्धि की भी सम्भावना रहती है।

विवाह, सम्बन्ध, साझेदारी आदि

अपनी निर्जा राशि वृष (19 अप्रैल से 20 मई तक), धन त्रिवाण की अन्य दो राशियाँ कन्या (21 अगस्त से 20 नवम्बर तक) तथा मकर (21 दिसम्बर से 29 जनवरी तक), हर राशि के जनम में गान दिन के सधि-काल और वृष में सानवी राशि वृश्चिक (21 अक्टूबर से 20-27 नवम्बर तक) की अवधि में जन्मे व्यक्तिनों के साथ उनके सर्वम अधिक मोहादपूर्ण सम्बन्ध रह्य।

1, 10, 19, 28 (मूलारु 1) मई को जन्मे व्यक्ति

जापने कारण ग्रह शुक्र और बुध हैं। यह बहुत शक्तिशाली पाण है और यदि साथ-समयपर में काम में लिया जाए तो आपको काफी सफलता मिल सकती है।

28 मई का बुध (आंज) के त्वाचिन्द वानी आगामी राशि मित्र शुक्र हो जाता है। यह हमें जन्म केन पर जापने मानमित्र शक्ति और भी तेज होगी।

अपना। एन पर काफी असोमा होगा। आपकी सभी योजनाएँ सफल

और मौलिक होंगी। यदि ईर्ष्या या गुप्त प्रयासों से आपको क्रोध न दिलाया जाए तो आप बहुत धैर्यवान तथा विनम्र रहेंगे। लेकिन योजनाओं, आकांक्षाओं का विरोध होने पर कभी-कभी गुस्से से उबल भी पड़ेंगे।

जिस काम में भी लगे हों आपका दृष्टिकोण व्यापक होगा, किन्तु किसी प्रकार का हस्तक्षेप, चिड़चिड़ाहट या आलोचना आपको सहा नहीं होगी।

जतना के सामने साने वाले किसी भी काम में आप सफल होंगे। दफ्तरी या प्रशासनिक काम में ही, जैसे अस्पताल, तस्मानो और बड़े उद्यमों के प्रमुख के रूप में आपका सम्पत्ता मिलेगी।

आर्थिक दशा

आपका शरीर मुगटित और आपमें प्रचुर जीवनी-शक्ति होगी। कभी-कभी अपनी योजनाओं में अत्यधिक शक्ति लगाने और ठीक से विभ्राम या शयन न करने के कारण आप उसे आपात पहुँचाएंगे। जुगाम की उपेक्षा करने से कैंफडे और छाती प्रभावित हो सकते हैं किन्तु स्वच्छ हवा और सूर्य-स्नान से आप ऐसी बीमारियों से बचे रहेंगे।

28 मई को जन्म होने पर स्नायु-प्रणाली अत्यधिक तनावग्रस्त और संवेदनशील हो सकती है।

अपनी महत्वाकांक्षाएँ पूरी करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण अक्षर 'एक', 'दो' तथा 'छ' और इन मूलाको वाली तिथियाँ हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलाको वाले होंगे। इन्हीं मूलाको वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (सुनहरा, नारंगी, पीला, भूरा), चन्द्र (हरा, सफेद, नील) तथा शुक्र (नीला) के रंगों का अधिक-से-अधिक उपयोग कीजिए। 28 मई को जन्मे व्यक्ति बुध के हलके रंग का प्रयोग कर सकते हैं।

आपने भाग्य रत्न हैं हीरा, गुमराज, अम्बर, चन्द्रकांत मणि, जेड और फीरोजा। 28 मई वालों के लिए सभी खमकीले नग।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) मई को जन्मे व्यक्ति

आपके चारों ग्रह चन्द्र, नेप्चून और शुक्र (ओज) हैं, लेकिन 29 मई को जन्म होने पर आप शुक्र के बजाय बुध (ओज) के प्रभाव में आते हैं जो तई राशि मिथुन का स्वामी है। चन्द्रमा अपनी उच्च राशि में होने के कारण आपको अधिक प्रभावित करेगा।

आप सम्पत्ताशील, समानी और कलाप्रिय होंगे। आदर्शवाद, रहस्यवाद, गुप्त विद्याओं और ज्योतिषवाद के अध्ययन की ओर आपका निश्चित मुन्नाव होगा। ये बाने आपको अपनी ओर आकर्षित करेंगी और आपने जीवन पर काफी प्रभाव डालेंगी।

आप अपनी प्रतिभा को साहित्य, कला, संगीत और नाटक में व्यक्त करना चाहेंगे।

आप अपने घर को सुन्दर वस्तुओं से सजाने का प्रयास करेंगे। मनोनुकूल वातावरण से आपके संवेदनशील स्वभाव को सन्तोष मिलेगा। आप अपने निवास को कई बार बदलेंगे। आपका मन यात्रा के लिए बेचैन रहा जाएगा। लेकिन स्थिर राशि में जन्म लेने के कारण आपकी इस इच्छा की पूर्ति में काफी कठिनाई होगी। 20 और 29 मई को पैदा हुए व्यक्तियों के लिए यह कठिनाई इतनी नहीं आएगी।

दूसरों के दुःख देखकर आपकी सहानुभूति शीघ्र उमड़ पड़ेगी। इसमें आपका समय भी खर्च हो सकता है।

आपका स्वभाव सहज ही मधुरता लिए होगा, अजनबियों को भी आकर्षित करेगा और आप नये वातावरण में बहुत जल्द रच-खप जाएंगे। आपके अनगिनत मित्र होंगे, इतने कि उनसे आपका भला नहीं होगा, लेकिन आम तौर से आप भाग्य-शाली रहेंगे, विशेषकर विपरीत परिस्थितियों के साथ सम्बन्धों में। आपमें अद्भुत अन्त-प्रेरणा होगी और आपके सपने बहुत सच हो सकते हैं।

पृथिवी और उससे पैदा सभी वस्तुएँ आपके लिए शुभ रहेंगी लेकिन आपको बहुत अधिक भोग, मनोरंजन और अच्छी-अच्छी वस्तुएँ पाने की इच्छा से सावधान रहना चाहिए।

आर्थिक दशा

आर्थिक दशा बहुत उतार-चढ़ाव की रहेगी। सभी भाग्य जोर मारेगा। फिर उतना ही समय उतार का रहेगा जिसमें कोई काम ठीक होता दिखाई नहीं देगा। आपको हर प्रकार की सट्टेबाजी से बचना चाहिए और फिजूलखर्ची की अपनी प्रवृत्ति पर रोक लगानी चाहिए। जनता की निगाहों में आने वाली किसी वृत्ति में आप पैसा कमा सकेंगे।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के मामले में आपको नजला-जुकाम और इन्फ्लुएन्जा से सावधान रहना चाहिए। ये श्वसनली, फेफड़े और गले को प्रभावित कर सकते हैं। मध्य आयु में नाक की हड्डी बढ़ने की या साइनस की बीमारी हो सकती है और गुनने में कुछ दोष आ सकता है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो', 'सान' और 'छ' हैं। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को अपनी योजनाएँ पूरी कीजिए। 29 मई को पैदा हुए लोगों के लिए अंक 'पाच' भी इतना ही महत्वपूर्ण होगा। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' 'सान' 'छ' मूलक वाले ही होंगे। 'एक', 'दो', 'छ' और 'सान' मूलकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप विशेष लगाव महसूस करेंगे। 29 मई को जन्मे व्यक्ति 'पाच' मूलक वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आकर्षित होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चन्द्र (हरा, रुकड़ तथा कीम), शुक्र (नीला) और

नखून (बढ़ती तया गाछ) रंग के बपड़े पहनिए । 29 मई का जन्म लोग बुध के रंग के चमकते बपड़े पहनें ।

आपके भाग्य रत्न है हरा जेद, पन्ना चादवान मणि बहुमुनिया, मोती, नीलोजा सभी नीले जग । 29 मई बाना में लिए सभी चमकते नग ।

3, 12, 21, 30 (मूलराक 3) मई को जन्म द्यवित

आपके बारक यह ठुह और शुक्र (ओम) हैं । यह मात दहन शुभ है । यदि जान पुत्र या अपने स्वभाव के प्रेम-मित्र का अधिक हावी न होने दें तो आपका बहुत सफल होना चाहिए । आपको अपनी आकांक्षाओं को धुन-बतन का अवसर देना चाहिए और सामाजिक या व्यापारिक क्षेत्र में अपने में ऊँचे व्यक्तित्व में सम्पूर्ण बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए ।

आप हर अन्याय का विरोध करेंगे और जहाँ आपकी सहायता होगी वहाँ सफलता में शोषिता का पक्ष लेने की कोशिश करेंगे ।

घर के बारे में आपने बहुत दुःख और स्वतंत्र विचार होंगे । आप अपना निजी दर्शन बनाना चाहेंगे । अपने सभी विचारों में ओजस्वी और सफलवान होंगे तथा अपनी योजनाओं पर अमल में कुछ हठी भी होंगे ।

आप कम आयु में ही विवाह करना चाहेंगे, लेकिन सम्भावना यह है कि आप तीन विवाह करेंगे और उनमें तीसरा विवाह सबसे शुभ रहेगा । आपके जीवन में कुछ प्रेम-प्रसंग असाधारण भी हो सकते हैं । आपका स्वभाव हर ऊँचे में अत्यन्त कलाप्रिय होगा । आप चित्रकला, संगीत, साहित्य और अनेक प्रकार के जनजीवन में श्रेष्ठता का परिचय देंगे किन्तु आपकी प्रतिभा इतनी बहुमुखी होगी कि आपने लिए यह निश्चय करना कठिन होगा कि आप क्या करें ।

घर और मातृभूमि के प्रति आपके मन में गहरा लगाव होगा । आप सदा अपने देश के लिए सामकरी राष्ट्रीय परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे ।

आप परोपकारी और धर्मार्थ सस्थाओं की सहायता करेंगे, उनसे लिए समय भी देंगे । समाज से आपको सम्मान मिलेगा । अपने सम्प्रदाय से आप अत्यन्त सम्मानित सदस्य होंगे ।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामला में डर की कोई बात नहीं । आपके रास्ते में महान अवसर आएंगे । न करने से भी बहुत कुछ कर लेंगे । एकमात्र खतरा यही है कि दाव लगाने की बड़ी-बड़ी योजनाओं में अपने साधन क्या सकते हैं ।

स्वास्थ्य

गुरु के वर्षं चीन जाने पर आपका स्वास्थ्य और शक्ति अच्छी रहेगी। अधिक परिश्रम और सेवा-नार्यों के लिए आपका आह्वान ही आपके स्वास्थ्य के एकमात्र दुश्मन होंगे। आपका मूलमंत्र होगा, 'धियो लेकिन जग मत लगने दो।' इसीलिए आप दीर्घायु नहीं भोगेंगे। आपमें फेफड़ों और गले की बमजोरी की प्रवृत्ति रहेगी लेकिन मध्य आयु तक पहुंच लेने के बाद आप उससे पार पा लेंगे।

आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण एक 'तीन' और 'छ' हैं। 30 मई को जन्मे व्यक्तियों के लिए 'पांच' भी महत्वपूर्ण है। अपनी योजनाएं इन्हीं मूलाको वाली तित्तियों को पूरी करने का प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलाको वाले होंगे। इन्हीं मूलाको वाली तित्तियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 30 मई को जन्मे लोगों के लिए 'पांच' वा एक भी जोड़ नैना चाहिए।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गुरु (बैंगनी, फाल्सई, जामुनी) और शुक्र (नीला) के रंग धारण कीजिए। 30 मई वालों के लिए बुध के हल्के और चमकीले रंग भी। आपके भाग्य रत्न हैं बटैला (अमेडिस्ट), बैंगनी रंग के नग और फीरोजा। 30 मई वालों के लिए हीरा और चमकदार नग।

4, 13, 22, 31 (मूलांक 4) मई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह यूरेनस, सूर्य और शुक्र हैं। 31 मई को जन्मे व्यक्ति बुध (भोज) के स्वामित्व वाली प्रियुत राशि के प्रभाव में आते हैं। यह विविध योग है जो सबसे अलग और असामान्य जीवन की सम्भावना देता है। दार्शनिकों, लेखकों और संगीतकारों के लिए यह योग अत्यन्त शुभ है।

हो सकता है, दुनियावी दृष्टिकोण से आप भाग्यशाली न ठहरें। आर्थिक मामलों में अनेक परिवर्तन आते रहने की सम्भावना है लेकिन वे हमेशा आविष्कार या अप्रत्याशित होंगे। आप दूसरे लोगों के विचारों के साथ आसानी से मेल नहीं बैठ पाएंगे और आपके काम तथा विचारों का आम तौर से विरोध होगा। लेकिन आप बाधाओं को चीरने और अवसर के अनुकूल ऊपर उठने में अपने सर्वोत्तम गुणों का परिचय देंगे।

चित्तन मौलिक होने के कारण नये विचार और तरीके आपको आकर्षित करेंगे। नये आविष्कार या असाधारण बातें भी, विवाह भी असाधारण होगा, अधिकतर परोक्षण के लिए या किसी खास उद्देश्य के लिए अपने विचारों और राय पर कट्टर होंगे। निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए पूरा विश्लेषण और समीक्षा करेंगे।

लोगों और वानावरण में आप बहुत रच-संच नहीं करेंगे। अपने तब अधिक सीमित रहेंगे और बस ही साधियों की चिंता करेंगे, लेकिन जिन्हें चाहेंगे उनका पूरा

ध्यान रखें ।

आपमें बहुत असाधारण बलाकार, लेखक या आविष्कारक बनने की क्षमता होगी, लेकिन आप जो भी करेंगे उस पर आपके गहरे व्यक्तित्व का कुछ-न-कुछ रंग अवश्य रहेगा ।

आर्थिक दशा

राए-मैसे के मामले में आपकी अजीब हालत रहेगी । महा भी अप्रत्याशित बँटने की सम्भावना है । आपके मस्तिष्क से पैदा भौतिक विचार और योजनाएँ दूसरे लोगों के विचारों से मेल नहीं खाएँगी । आप असाधारण ढंग से पैसा बनाएँगे । आप आविष्कार या परम्परा से अलग लेखन, चित्रकार या संगीतज्ञ बन सकते हैं । रोजमर्रा का साधारण काम-काज आपको आकर्षित नहीं करेगा और आपका दूसरों के साथ मिलकर काम करना अत्यधिक कठिन होगा ।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की भी विचित्र दशा रहेगी । बीमारी आवृत्तमय और अप्रत्याशित होगी । कभी-कभी उसका निदान भी कठिन होगा । जैसे पेट में दर्द और मरोड़, अम्बरूनी घाव, बिना चेतावनी के नज़ला-जुकाम, इन्फ्लूएन्जा, फेफड़ों की सूजन आदि । आपको हलका लेकिन थोड़ी-थोड़ी देर में भोजन करना चाहिए और आम भोजन करने के बजाय यह देखना चाहिए कि आपको क्या खाना अनुकूल बैठता है ।

'घार', 'छ', और 'आठ' एक आपके मामलों में बार-बार आएँगी और महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगी । आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'घार' और 'छ' मूलोंकी बाले होंगे । इन्हीं मूलोंकी बाली तिथियों को अपने व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे । 31 मई दातों के लिए 'घार' का मूलोंकी भी महत्वपूर्ण है ।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (गुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) यूरेनस (सिलेंटी और शीघ्र) तथा शुक्र (नीला) के रंगों को धारण कीजिए । 31 मई वाले इसमें बुध के सफेद, क्रीम और हल्के खमसीले रंग भी जोड़ सकते हैं । आपके भाग्य रत्न हैं - पुष्कराज, अम्बर, हीरा, नीलम ।

5, 14, 23 (मूलोंकी 5) मई को जन्मे व्यक्ति

आपके चारों ओर यह बुध और शुक्र (योज) है । मानसिक परा के लिए यह एक शुभ योग है । यह मस्तिष्क को असाधारण गहराई, मौलिकता और गहराई देता है । आपमें तर्क करने की अच्छी शक्ति होगी । आलोचना, विनोद और निरीक्षण करने वाले रहेंगे ।

आप भावना में बहुत स्वतंत्र होंगे लेकिन सागा का और वातावरण का अपा

पर किसी तरह का प्रभाव न पड़ने देकर उनमें बहुत आसानी से रच-खप जाएंगे।

आप बहुमुखी काम वाले होंगे और यदि मन में पर्याप्त दिव्यचस्पी पैदा कर सकें तो किसी काम में भी मफल हो सकते हैं।

आप किसी एक वस्तु या व्यक्ति में आसानी से बर्धों नहीं। पलत जीवन और वृत्ति में अनेक बार परिवर्तन की सम्भावना भी है।

आप पर आपके विपरीत लिंगियों का काफी प्रभाव होगा। फिर भी विविध बात यह है कि आप उनसे स्वतन्त्र रहेंगे। आपके अनेक प्रेम-प्रसंग होंगे, लेकिन आप अपने प्रेम पात्रों को बदलते रहेंगे।

आप कम आयु में विवाह कर सकते हैं, लेकिन ऐसा विवाह अधिक समय तक टिकने वाला नहीं होगा। उसमें आपकी वृत्ति में वाधा और निराशा पैदा होगी।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में आप अपने मित्रों के लिए और अपने लिए पहली बने रहेंगे। आप उत्तरे-सीधे और असामान्य ढंग से पैसा कमाएंगे। यदि इरादा करें तो आमतौर से पैसा बनाने और सम्पत्ति जमा करने में भाग्यशाली रहेंगे, विशेषकर जमीन, मकान या सट्टेबाजी के सम्बन्ध में। असामान्य वृत्ति अपनाकर दुनिया में नाम और पद प्राप्त करने की सम्भावना है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य में आप स्नायविक परेशानियों के शिकार हो सकते हैं। आपको शल्य विकिरमक के चाकू का भी कई बार अनुभव करना पड़ सकता है। निर, बेहरे, दाढ़ों और जबड़े में चोट लगने की सम्भावना है। जननेन्द्रिय कमजोर होगी और सृजन तथा नजले से पीड़ित होने की प्रवृत्ति रहेगी। लेकिन 23 मई को जन्मे लोगों को ये अला-मन इतना नहीं मत्ताएंगी जिनका 5 और 14 मई को जन्मे लोगों को।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक्षर 'पाव' और 'छ' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलानुवाकियों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलानुवाकियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव अनुभव करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए बुध (हलके और चमकीले), शुक्र (नीले) और चन्द्र (हरे, क्रोम व सफेद) के रंग के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य-रत्न हैं - होरा, पीरोजा, पना, हरा जेड और सभी चमकीले नग।

6, 15, 24 (मूलानुवाक 6) मई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक यह शुक्र और चन्द्र हैं। आपके लिए आपके स्वभाव का प्रेम-यत्न सम्बन्धी कोई भी मामला या स्वयं मानव-प्रेम सबसे महत्वपूर्ण रहेगा। इससे लिए आप कुछ भी करने, कोई भी बलिदान देने या कोई भी कठिनाई झेलने के लिए तैयार रहेंगे।

अत्यन्त भावुक, तमसित, अपने उद्देश्य के लिए उत्साह में बह जाने वाले होंगे चाहे वह आपको मुझ या त्राति में पसीट ले जाए, चाहे आप धर्मोपदेशक, कलाकार, लेखक का शान्तिपूर्ण मार्ग अपनाएं, चाहे अपने प्रेमपात्रों के लिए केवल अपना कर्तव्य-पालन कर रहे हों। वट्टर उन्माह की इस अन्तर्धारा के बिना आपको जीवन में कोई आनन्द नहीं आएगा।

आपमें वृषभ और शुक के सभी गुण और कमजोरियाँ अपनी पूरी मात्रा में होंगी। आप दुहरे शुक के प्रभाव में हैं लेकिन मंगल (सौम्य) की विरोधी दृष्टि उभर रही है। आप पूरी गहराई से या तो प्यार करेंगे या घृणा। आपकी भावनाएँ आपको देवता बना सकती हैं या दीनान। यदि अपने स्वभाव का अच्छी तरह बाढ़ में नहीं रखेंगे तो ईर्ष्या से आपको खतरा है। यदि आपका ऐसा खयाल है कि मानवता के भले के लिए त्राति आपके जीवन का उद्देश्य है तो आप उसके लिए कोई कसर छोड़ नहीं देंगे। इतिहास में इनके अनेक उदाहरण हैं—फ्रांसीसी क्रांति के दौरान रोबेस्पेरी और मरे, जिन्होंने अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए मित्रों का भी खून बहाया। दूसरी ओर फ्लोरेन्स नार्सिंगेन का उदात्त उदाहरण है जिनमें युद्ध के दोमार और घायल सैनिकों की सेवा-सुधूपा के लिए भारी विपदायें पड़ीं।

दिल में मुलबत्ती हुई भावना और उन्माह की आग की बाढ़ में रखकर आपको किसी ऊँचे आदर्श में अपने को खगाना चाहिए और दुनिया में अपनी निशानी छंड जानी चाहिए।

आपके स्वभाव का एक अच्छा पक्ष यह है कि आप प्रकृति के गहन प्रेमी होंगे। आप सुन्दर दृश्यों, बागों और फूलों की पूजा करेंगे और अपने घर में अत्यन्त कला-प्रेमी होंगे। संगीत और हर प्रकार की कलाएँ आपको आकर्षित करेंगी और इन दिशा में आपमें प्रचुर प्रतिभा होगी।

आप अपने मित्रों को आनन्द प्रदान करने में मुख्य अनुभव करेंगे। सामाजिक जीवन में, मैनों, दादलों और हर प्रकार के तमाशा का आयाजन करने में विशेष सफल होंगे।

आपको बच्चों में बहुत प्यार होगा। अपने बच्चे न हो पाएँ तो दूसरों के बच्चों को गोद ले लेंगे। विपरीत लिंगियों के साथ आपकी अनेक दोस्तियाँ होंगी लेकिन यामना से अधिक उनमें प्रेम और बन्धुत्व की भावना रहती। आप अपनी जवानी बनाए रखेंगे और जीवन भर युवा दिखाई देंगे।

आर्थिक दशा

आपकी अनेक मुखवत्तें शाप होंगी और आम तौर के रूप-रंग में के मामले में अधिक ही सौम्यावस्थानी रहेगी। यदि व्यापार में जाना पड़े तो जीवन को शांत शीतल प्रदान करने वाले उद्योग में अधिक लाभ होगा, जैसे पत्रों की मात्र मज्जा, महिनाओं के शिरोवस्त्र, पोशाकें, पूजा की दूर्तानें जयवा रेस्तरां या हॉटल आदि। आपमें स्वभाव

का दूसरा पक्ष आपको किसी कलात्मक घड़े की ओर धकेलेगा, जैसे संगीत, चित्रकला, लेखन, रंगमंच या भाषण कला। आप इनमें अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे।

स्वास्थ्य

आप मुगडित वाया में जीवन्त जी शुरुआत करेंगे लेकिन भोग-विलास और शान-शांति में रहने की प्रवृत्ति के कारण अपनी कब्र स्वयं खोदते दिखाई देंगे। बहुत मिठाईयां और गरिष्ठ पकवान खाकर अपने छरहरे बदन को बर्बाद कर लेंगे। सर्वां बढ़ जाने में दिल की बीमारी पकड़ सकती है। बाद के वर्षों में जलोदर की शिकायत हो सकती है। लेकिन दृष्टा-शक्ति में इस पर काबू पाना आपके अपने हाथ में है। फेफड़ा, श्वास-नालिका और गले में भी कमजोरी की प्रवृत्ति हो सकती है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो', 'तीन' और 'छ' है। मेरे 'दो' का अंक बताने का कारण यह है कि चंद्र मई मास में अपनी उच्च राशि में होता है। 'तीन' का अंक इतना शुभ नहीं है क्योंकि वह ग्राम तीर में विरोध में काम करता है।

आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'छ' मूलाको वाले होंगे। 'दो', 'तीन' या 'छ' मूलाको वाली तिथियों का जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप काफी आकर्षण अनुभव करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चंद्र (हरे, सफेद, नील), शुक्र (नीले) और गुरु (बैंगनी, फलसर्द, जामुनी) रंग में कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं चन्द्रकांत मणि, लहमुनिमा, जेड, उपल पत्थर, सभी हरे रंग और बटैला भी।

7, 16, 25 (मूलांक 7) मई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण ग्रह नेप्चून, चंद्र और शुक्र है। 25 मई को जन्मे होने पर आप बुध (ओज) के स्वामित्व वाली मियुन राशि के प्रभाव में भी आ जाएंगे। यह तिथि वृष और मियुन के संधि-काल में है।

आपके स्वभाव का विनम्र या अधिक स्वप्नदर्शी पक्ष उभरकर आगे आएगा। 25 मई वाली में प्रजल मानसिक गुण अधिक प्रकट होंगे। इन ग्रहों का योग आपको विविध दम्पुओं के प्रेम, रहस्यवाद, गुप्त विद्या तथा इन विषयों में जुड़ी बातों की ओर प्रवृत्त करेगा।

कभी-कभी आपको जदभुन सपने आणगे, अजनबियों के साथ सम्पर्क में विविध अनुभव हांग, मानव-जाति में सम्बन्धित भावी घटनाओं का इल्हाम होगा।

अमामाय दंग में आविचारों की ओर आपका झुकाव होगा। नये विचारों और वापस-म, टेलीविजन, रडियो जैसे वस्तुओं में आपको बहुत सफलता मिलेगी।

विभिन्न प्रकार की एम्पत्ता में आपको जानद नहीं आएगा। लेकिन अमाधारण कामों में या जन-कल्याण के मानवीय कार्यों में जुड़ी किसी वृत्ति में आप सफलता की भूतना कर सकते हैं। यदि आपके धर्म धर्म करार को पैदा हुआता उने आप विनम्र,

प्रस्पताल या परोपकारी संस्थाओं की सहायता में लगना चाहेंगे।

आपके ऐसी गुप्त संस्थाओं या राजनीतिक संगठनों में रुचि लेने की आशा है, जिनका विशाल जनसमुदाय से पाला पड़े। आपको विघने और बोलने का वरदान होगा जिससे आपको व्यापक क्षेत्रों में पद और महत्व मिलेगा।

आप जीवन के सामान्य आनन्दों की परवाह नहीं करेंगे और अपने रहन-सहन के ढंग से लोग आपको अजीब या सनकी समझ सकते हैं।

आप स्वभाव में दयालु और उदार होंगे, लेकिन आप अपने पैसे का क्या करें, इस बारे में आपके अपने विचार होंगे। स्वयं को विवाहित जीवन के अनुकूल ढालने में कठिनाई होगी, और यदि बचना सम्भव हो तो छोटी आयु में विवाह मत कीजिए।

आपमें असाधारण विचारशक्ति होगी और लेखन, कवि, चित्रकार, संगीतज्ञ या आविष्कर्ता के रूप में सफल हो सकते हैं।

आर्थिक दशा

प्रारम्भिक वर्षों में आपको अनेक अनुविधाओं का सामना करना पड़ेगा। इसके बावजूद श्रेष्ठ मानसिक शक्ति को बढ़ातक, जो भाग्य या अवसर पर निर्भर नहीं होगी, आप काफी आर्थिक सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

स्वास्थ्य

आम तौर से आप अपने को बहुत शक्तिशाली महसूस नहीं करेंगे और परिश्रम से शीघ्र थकान महसूस कर सकते हैं। अन्तर्द्वियों के माग में भी कुछ गड़बड़ी हो सकती है। भोजन के बारे में पूरी सावधानी बरतिए।

आपमें जितना स्नायुविक दस, धैर्य और सहनशक्ति होगी उतना शारीरिक स्टैमिना नहीं होगा। कभी-कभी आप पर उदासी छा जाएगी। निराशा के मूड से बचने के लिए नशीली और उत्तेजना देने वाली दवाओं से दूर रहिए।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'सात', 'दो' और 'छ' हैं। आप अपने कार्यक्रम या योजनाएँ इन्हीं मूलान्कों वाली तिथियों को पूरी करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलान्कों वाले रहेंगे। 'दो', 'सात' और 'एक' व 'चार' मूलान्कों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप अधिक आकर्षित होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए नेप्चून (बनूतरी, शोष), चंद्र (हरे, नीम, सफेद) और शुक्र (नीले) के रंग के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं पन्ना, मोनी, चन्द्रकांत मणि और फीरोज़।

8, 17, 26 (मूलांक 8) मई को जन्मे व्यक्ति

शनि, चंद्र और शुक्र आपके वारक ग्रह हैं। 26 मई को जन्मे व्यक्ति बुध (शुक्र) के स्वामित्व वाली म्रिगशिरा के सवि-नाश में पैदा होने के कारण बुध के

प्रभाव में भी होंगे।

आप बहुत असाधारण जीवन और वृत्ति की आशा कर सकते हैं। या तो बहुत भाग्यशाली और शक्तिशाली रहेंगे या इससे एकदम उल्टे। आपको 'भाग्य की सनात' कह सकते हैं। परिस्थितियाँ और वातावरण आपके जीवन में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे।

आप दूसरों से स्नेह के लिए लालायित रहेंगे, और जीवन में बहुत अवेलापन महसूस करेंगे। आप अपनी भावनाओं का प्रदर्शन नहीं करेंगे, उन्हें व्यक्त करने में भारी कठिनाई होगी।

आप दूसरों के लिए, विशेषकर अपने सम्बन्धियों और 'प्रेम-पात्रों' के लिए, भारी त्याग करेंगे, तथापि महसूस करेंगे कि आपको उसका उचित प्रतिदान नहीं मिला। सम्बन्धी लोग आपको काफी दुःख और हानि पहुँचाएँगे। सभी प्रेम-प्रसंगों में आपको अनेक गम्भीर परीक्षणों से गुजरना होगा।

अपनी निजी महत्वाकांक्षाएँ पूरी करने में अनेक बाधाएँ और कठिनाइयाँ आड़े आएँगी। आप बहुत ऊँचा पद प्राप्त कर सकते हैं किन्तु आप पर हमेशा काम का भारी बोझ या दायित्व डाल दिया जाएगा। आपका स्वभाव गहन चिन्तनशील, अपने एक सीमित और निजी वृत्ति के बारे में सावधानी का होगा।

26 मई को जन्मे लोग व्यक्तियों और परिस्थितियों में अधिक रूढ़-रूप सकेंगे।

आर्थिक दशा

कठोर क्लिफायट, सावधानी और बुद्धिमानी से किए गए ठोस पूँजी-निवेशों से आपको लाभ होगा, भौध्न अमीरी के नुस्खों या दाव खेत्तने से नहीं। भूमि और खानों के विकास और मकान खड़े करने की भी आपमें काफी योग्यता होगी।

स्वास्थ्य

आपका शरीर ठोस और कसा हुआ होगा, लेकिन काफी कुछ उत्साह रहित। आपमें फोडो, आंतरिक घावा, अपेंडिसाइटिस, अतडियो में स्क्वाबट आदि की प्रवृत्ति रहेगी। गठिना के गम्भीर दौर होने की आशंका है। जहाँ तक सम्भव हो, ऊँचे और शुष्क जनबायु वाले क्षेत्र में रहने का प्रयास कीजिए।

'चार' और 'आठ' के एक अनक अमान्य तरीकों से आपके जीवन में आते दिखाई देंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलकों वाली नितियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए मैं आपको मूष (मुनहरा, पीला, भूरा, नारंगी), चद्र (हरा, नील, सफ़ेद), शुक्र (नीला) के रंगों को धारण करने का परामर्श दूँगा। आपके भाग्य रत्न हैं रासा हीरा, पुष्कराज, अम्बर, हरा जेड, मोती, नीलम और पीरोजा।

9, 18, 27 (मूलांक 9) मई को जन्मे व्यक्ति

आपके वारक ग्रह मंगल, शुक्र और चंद्र हैं। 27 मई को पैदा होने पर आप मियुन राशि के संधि-काल या बुध (ओज) के प्रभाव में भी जा सकते हैं।

यह असाधारण शक्तिशाली योग आपके जीवन को बहुत घटनापूर्ण बनाएगा लेकिन वह अधिकतर दुस्साहस, खतरा, प्यार और रोमांस पर आधारित होगा। इन गुणों के पीछे अच्छा या बुरा, आपका साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति और उद्देश्य का स्वल्प रहेगा।

आपमें पर्याप्त संगठन प्रतिभा बड़ी-बड़ी महत्वाकांक्षी योजनाओं की इच्छा और धन तथा सम्पत्ति जमा करने की योग्यता है किन्तु साथ ही अपने सभी उद्यमों में आपके भागी एवं में वध जान की प्रवृत्ति है।

आप शक्तिशाली दुश्मन और नागों विरोध पाल संघे। कभी-कभी खतरे और हिंसा का भी सामना करना पड़ेगा। आप लम्बी और खर्चीली मुकदमेबाजी के लिए बाध्य होंगे और भारी जाधिक हानि भी उठा सकते हैं।

यदि आप पर कार्य या सके तो आप महान गुणों का काफी लाभ उठा सकते हैं। लेकिन खतरा यह है कि कहीं मंगल आपको धोखा न दे और आपका जन्मदाजी का स्वभाव आपके नियम पर हवाई हो विरोध गुण न कर दे।

विपरीत लिंगों आपकी ओर आकर्षित होंगे। ईश्यों का भी खतरा है। शायद ही आप चोट, घाव और सम्भवतः दुर्घटना मुख्य के बिना पूरी आयु भोग सकें। इस योग के साथ पैदा हुए स्त्री और पुरुष दोनों में गद्यपद्य की प्रवृत्ति होगी, सफलता के बजाए विफलता की अवधि में अधिक।

आपमें बहुत व्यावहारिक गुण होंगे। प्रबंधक, निरीक्षक या किसी दायित्वपूर्ण अधिकारी के पद की भारी योग्यता होंगी। सेना, नौसेना या सरकारी कार्य में आप तेजी में उन्नति करेंगे। दृष्टान्तशक्ति और आत्मविश्वास से अपनी हर महत्वाकांक्षा को पूरा करने में सफल होंगे।

आर्थिक दशा

आप व्यापार में या उद्योग में अच्छा पैसा कमा सकते हैं। अपनी जिद्दी स्वभाव पर कार्य या सबेरा पैसा जमा करने के अनेक अवसर भी मिलेंगे, अथवा आपका यह स्वभाव खर्चीली मुकदमेबाजी और शक्तिशाली दुश्मनों में आपके अच्छे भाग्य को तबाह कर सकता है।

अपनी संगठन-शक्ति और जनता का प्रभावित करने की योग्यता से आप पैसा बनाएंगे लेकिन व्यक्तिगत के साथ निरपेक्ष और विवाद टालने में नीति से काम लेना सीखना चाहिए।

आप हाज़िर जवाब होने और योजना बनाने में दूरदर्शिता की परिचय देंगे लेकिन विनम्र या विरोध होने पर धैर्य भी बैठेंगे। फिर भी आप अपने प्रयासों में

पर्याप्त सफलता की पूरी आशा कर सकते हैं।

ये बातें 27 मई को पैदा हुए लोगों पर उतनी लागू नहीं होंगी जितनी 9 और 18 मई को पैदा हुए पर। 27 मई को सूर्य मिथुन राशि में प्रवेश कर चुका होता है और मानसिक पक्ष अधिक प्रबल हो जाता है।

स्वास्थ्य

भरीर कमजोर हुआ और शक्ति से भरपूर होगा। लेकिन आपको अनेक बार शून्य-व्यक्तिगत के चाकू का अनुभव करना होगा। तिर, चेहरा, दात, जबड़े, जन-नेन्द्रिय प्रभावित होंगे। अपेक्षित भी निकालना पड़ सकता है। दुर्घटना, आग, विस्फोट आदि का भी खतरा होगा। पशुओं, दाहरी जीवन और नये स्थानों की खोज के शौकीन होंगे, किन्तु उनसे काफी खतरा भी रहेगा।

सबसे महत्वपूर्ण अंक 'नौ' और 'छ' हैं। घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांशों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांशों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करें।

अपना प्रभाव बढ़ाने लिए मंगल (लाल), शुक्र (नीला) और चंद्र (हल्का, क्रीम, सफेद) के रंग के कपड़े पहनिए। 26 मई को जन्मे लोग हलके चमकीले रंगों के कपड़े भी पहन सकते हैं। आपके भाग्य रत्न हैं लाल, ताम्र, लाल नग, फीरोजा, पन्ना, हरा जेड, चन्द्रकांत मणि, हीरा और 27 मई वालों के लिए सभी चमकीले रंग भी।

जून

21 मई से मियुन राशि आरम्भ हो जाती है, लेकिन सात दिन तक पूर्व राशि वृष के साथ इसका संधि-काल चलता है, अर्थात् 28 मई तक यह पूर्ण प्रभाव में नहीं आ पाती। उसके बाद 20 जून तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर आगामी राशि कर्क के साथ सात दिन तक के संधि-काल में इसने प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है।

21 मई से 20-27 जून तक जन्म लेने वाले व्यक्तियों में मियुन राशि व गुण पाए जाते हैं। वे बहुत-कुछ दुहरे स्वभाव और मानसिकता वाले होने हैं। उनका दिमाग तीक्ष्ण, बहुमुखी और प्रतिभाशाली होता है। सभी राशियों वालों में उन्हें समझ पाना सबसे कठिन होता है। वे सोचने में तेज होते हैं और जहाँ कुछाप्र बुद्धि की आवश्यकता होती है, वे अपने सभी प्रतिद्वन्द्वियों को पीछे छोड़ देते हैं।

समाज को वे अपनी बातों से मोह लेते हैं। यदि उनके उस समय के भूढ़ को देखें तो उनसे मिलकर आपको सबसे अधिक प्रसन्नता होती है। लेकिन यह आशा करना ध्येय है कि आप उन पर कोई गहरा प्रभाव डाल सकेंगे या वे अपने वादों का पालन करेंगे। हाँ, उनका मनलव मधुरता ही तो दूसरी बात है।

अपने दिन में वे यही समझते हैं कि वे न बदलने वाले और बफादार हैं। उस क्षण के लिए यह बात ठीक भी हो सकती है, लेकिन हर क्षण का उनके लिए अलग अस्तित्व है।

उनके सामने यदि कोई योजना रखी जाए तो वे शीघ्र ही उसको एक-एक बात को हृदयगत कर लेते हैं या फिर अपने तर्कों, ध्वन्य वाणी या आलोचना से उनकी बखिया उधेड़कर रख देते हैं। यदि वे एक बात पर जमे रहने में अपनी इच्छाशक्ति का उपयोग करें तो जो भी काम करेंगे उसी में बहुत शानदार सफलता प्राप्त करेंगे।

जहाँ तक धन कमाने की बात है, इस अवधि में पैदा हुए कुछ लोग सट्टेबाजी में, शेयरों में, बम्पनी प्रोमोटरों के रूप में, अथवा व्यापार में नये आविष्कारों या नये विचारों से काम उठाने में सबसे अधिक सफलता प्राप्त करते हैं। वे कूटनीतिक वार्ताओं में, लोगों से घँटबार्ता करने में, देश-विदेशों में घूमने में और अजनबियों को मोहने में भी ठीक रहते हैं।

प्रेम-प्रसंगों में वे सबसे बड़ी पहेली होते हैं। एक ही क्षण में हसकर प्यार कर सकते हैं और गिर बफादार भी हो सकते हैं। उनके प्रायः दो परिवार होते हैं और

वपनी अद्भुत व्यवहार-कुशलता के कारण पकड़े जाने से भी प्रायः बचे रहते हैं।

वे मित्रों का खूब सत्कार करते हैं और उस घड़ी जो भी उनके घ्यालो में हो उसके प्रति दयालु और उदार भी होते हैं, लेकिन आध से ओझल होते ही वह दिमाग से भी गायब हो जाता है। उनके भुलस्वकटपन के दोरो को सिर्फ इसी प्रकार समझा जा सकता है। -

वे अति सवेदनशील और चंचल रहते हैं। पैसा पास हुआ और घूमने की सुविधा हुई तो कभी एक जगह नहीं बैठेंगे। वे गति से प्यार करते हैं। वे एक्सप्रेस गाड़ियों, तेज मोटर कारों, विमानों और दूरी तथा समय की बचत करने वाले अन्य साधनों के सबसे बड़े ग्राहक होते हैं।

उनके जीवन में प्रायः उतार-चढ़ाव आते रहते हैं लेकिन उनका उन पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ता। एक क्षण उदास होते हैं, दूसरे क्षण उनमें ही प्रसन्न हो सकते हैं। वे अपनी वृत्ति के दौरान कई बार जीवन के प्रति अपना दृष्टिकोण बदलते हैं। लेकिन यदि किसी व्यक्ति के प्रति उनकी भावना या प्रेम में बदलाव आए तो ऐसा समझना चाहिए कि वह व्यक्ति उनके लिए मर चुका। वे प्रायः सफलता की घड़ी में ही अपनी महत्वाकांक्षा का त्याग कर देते हैं। अपना दायित्वपूर्ण पद भी बड़ी आसानी से बेचल इस कारण छोड़ देते हैं कि उसमें दिलचस्पी नहीं रही।

ग्रह-योग और मिथुन में सूर्य की स्थिति पूरे स्वभाव पर बुध का शक्तिशाली प्रभाव डालते हैं, उन्हें बौद्धिक मानसिक शक्तियाँ प्रदान करते हैं और साथ ही स्वभाव को दुबोधा और गूढ़ बनाते हैं। ऐसे लोग विविधता की अतृप्त प्यास लिए हुए होते हैं। और दैनिक जीवन को एकसंसार तोड़ने के लिए किसी भी सीमा तक जा सकते हैं। उनका मन इतना चंचल रहता है कि उस एक ही समय में अनेक दिशाओं में अभिव्यक्ति चाहिए।

ये लोग काम पूरा होने पर शायद ही कभी सन्तुष्ट होते हो क्योंकि उनमें बाद में अपने ही किए काम की कड़ी आलोचना करने की प्रवृत्ति होती है। वे प्रायः किसी प्रगतिशील आंदोलन में प्रमुख स्थिति पा जाते हैं किन्तु आम तौर से दो व्यवसाय अपनाते हैं, एक जनता के मतलब का और दूसरा अपने मतलब का।

आर्थिक दशा

इन लोगों की आर्थिक दशा को बताना कठिन है। बुध मूलतः मन का ग्रह है। मय बुध इस बात पर निर्भर है कि मन किस दिशा में सक्रिय होना है। हो सकता है कि केवल बौद्धिक वस्तुओं की ओर ही मन की प्रवृत्ति हो, जैसे विज्ञान, कला, साहित्य, संगीत आदि। इस दशा में व्यक्ति की महत्वाकांक्षाएँ उसे इनमें से किसी में श्रेष्ठता प्राप्त करने के लिए विवश कर सकती हैं।

लेकिन यदि मन धन-संग्रह की ओर दौड़ता है तो व्यक्ति शीघ्र धन कमा पाने वाले कामों की ओर प्रवृत्त होगा। व्यापार, विशेषकर सट्टेबाजी, उसे आकर्-

पिन करेगी। खतरा यह है कि इस अवधि में पचाए हुए पुरुष या स्त्री अपनी सफाई में व भी सन्तुष्ट नहीं होंगे और ऐसा बर्ताने के चक्कर में सीमा से बाहर निकल जाएंगे। इसी प्रकार मन यदि बुद्धि-पक्ष की ओर दौड़ता है तो व्यक्ति अपनी सारी शक्ति खर्च कर स्नायविक टूटन तक पहुँच सकता है जिससे प्रयास जारी रखने में बाधा पड़वेगी। दोनों दशाओं में परिणाम एक ही होगा—प्रयास का ख़तम और फलस्वरूप अधिक अनिश्चितता।

यदि स्वभाव को ठीक से काबू में रखा जाए तो ऐसा समय आना जरूरी नहीं। लेकिन खतरा तो है ही।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के बारे में भी यही बात है। उसमें भी केवल 'शरीर पर मन के प्रभाव' का सवाल है। यदि ध्यनित सफल और प्रसन्न है तो वह बीमारी को चक्का दे देगा। यदि नहीं, तो वह स्नायविक प्रणाली से सम्बन्ध रखने वाली हर प्रकार की बीमारियों का शिकार हो सकता है।

ये साग शायद ही कभी शरीर से तनडे होते हैं। वे अपने स्नायुओं के भराव में रहते हैं और स्नायविक शक्ति को खर्च करते रहते हैं। वे बिजली की बैटरियों की तरह हैं जिन्हें समय-समय पर चार्ज करने की जरूरत होती है। यदि वे ठीक से सोकर ऐसा कर सकें तो स्नायविक टूटन के खतरा में बच सकते हैं।

उनमें हस्तान्तरण, जिह्वा में रोग हान और कुछ मामलों में कैंटेलेप्सी की प्रवृत्ति रहती है। कंकड़े कमजोर हो सकते हैं और प्लूरिसी तथा निमोनिया आसानी से होने का खतरा रहता है। छाजन, घुड़नी और रगन की बीमारियाँ भी हो सकती हैं।

विवाह, सम्बन्ध, साझेदारी आदि

इन लोगों के लिए विवाह, सम्बन्ध या साझेदारी शायद ही कभी सफल रहती हो। हाँ, अपवाद हो सकता है, जैसे सभी नियमों के होने हैं। सफाई की मर्में अधिक सम्भावना अपनी निजी राशि मिथुन (21 मई से 20 जून), तुला (21 सितम्बर से 20 अक्टूबर), कुम्भ (21 जनवरी से 19 फरवरी), इनके पीछे के सात दिनों के सधि-काल और अपने से छतवी राशि धनु (21 नवम्बर से 21-28 दिसम्बर) में जन्मे व्यक्तियों के साथ रहणी।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) जून को जन्मे व्यक्ति

आपके जन्म ग्रह सूर्य, यूरेनस और बुध (जोय) हैं। 28 जून को जन्म लेने पर मिथुन के बजाय आप बर्क राशि के क्षेत्र में और उसके स्वामी चन्द्र के प्रभाव में आ जाते हैं।

आप अत्यधिक दयालु और सहानुभूति दिखाने वाले होंगे। सहानुभूति और

प्रशंसा से आसानी से प्रभावित हो जाएंगे, जिससे आपका प्रार्थन अहित भी होगा। बहुत संवेदनशील, आदर्शवादी और मुखर कल्पनाशाली योग्यता वाले होंगे।

आपका दिमाग बहुत तेज होगा और किसी आपात स्थिति के लिए सदा तैयार रहेगा। आप महत्वाकांक्षी होंगे और अपनी महत्वाकांक्षाएँ पूरी करने में आपका भारी कठिनाईयों में गुजरना होगा।

एक ही समय में आपके दो व्यवसायों में लग्न होने की सम्भावना है लेकिन आप अपने दम से काम करेंगे क्योंकि दूसरा का हस्तक्षेप सहन नहीं कर सकते। आप दूहरे स्वभाव के होंगे और दूसरे लोगों के लिए अपनी समस्याएँ कठिन होंगी।

आप चंचल, हमेशा गतिशील और यात्रा तथा परिवहन की तीव्र इच्छा लिए रहेंगे। इसके बावजूद विज्ञान की सभी समस्याओं में गहरी दिलचस्पी लेंगे। आप अच्छा लकं करने वाले और बाल की खान निकालने वाले होंगे। आप अध्ययनशील भी होंगे और स्वयं को लेखक के रूप में अभिव्यक्त करना चाहेंगे। आपके मन में सुन्दर धरेलू जीवन की इच्छा होगी और उसके लिए पूरा प्रयत्न भी करेंगे लेकिन इसमें भारी कठिनाईयाँ आने की सम्भावना है।

जब हर समय किसी-न-किसी काम में लग रहे और बहुमुखी प्रतिभा वाले होंगे। 28 जून को पैदा होने पर आपका व्यक्तित्व बड़ा आकर्षक होगा और अपने विचारों में असाधारण रूप से स्वतन्त्र होंगे।

आर्थिक दशा

आर्थिक सफलता के लिए, लेकिन अपने ही मानसिक प्रयासों से आपके प्रह-योग बहुत अच्छे हैं। शेयरों और उद्योगों के उतार-चढ़ाव के बारे में आपको इन्हास हा बना करेगा। सट्टेबाजी और दाव लगान की ओर आपका प्रबल झुकाव होगा। अपने निजी विचारों और अनुप्रेरणा पर चले तो सफल होने की भी सम्भावना है।

स्वास्थ्य

आपका शरीर लडा न होकर—दुर्बल और मोटा न होकर छत्रहूरा होगा। आप अपने स्नायुओं से काम लेंगे और कभी-कभी अत्यधिक परिश्रम में बंदी की तरह चुक लेंगे। तब फिर से शक्ति लाने के लिए विश्राम और निद्रा की आवश्यकता होगी। आपको अपच के जलावा कोई खास बीमारी नहीं होगी। बचपन में फेफड़ों में परेशानी की भी शिकायत हो सकती है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक' 'चार' और 'पाच' हैं। इनमें महत्वपूर्ण ध्यान देने और कार्यक्रम इन्हें मूलकों वाली विधियों पर करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनार्थक वर्ष इन्ही मूलकों वाले होंगे। इन्ही मूलकों वाली विधियों को पंदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 28 जून को जन्मे व्यक्ति 'दो' और 'सात' मूलकों वाले व्यक्तियों के प्रति भी।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (सुनहरा, पीला, भूरा, नारंगी), यूरेनस (सिलेंटी) और बुध (हलके चमकीले) के रंगों के कपड़े पहनिए। 28 जून को जन्मे लोग हरे, विशेषकर हलके हरे रंग के कपड़े भी पहन सकते हैं।

आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, घुघराऊ, अम्बर, नीलग और चमकीले नग। 28 जून वालों के लिए चन्द्रवात मणि, सहस्रनिपा और मोती भी।

2, 11, 20, 29, (मूलांक 2) जून को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक यह बुध (ओज) के साथ चंद्र और नेप्चून हैं। 29 जून को जन्म लेने पर बुध ने बजाय आप चंद्र के प्रभाव में आते हैं।

आपमें अधिक नम्र और कल्पनाशील गुणों की अधिकता रहेगी। आम तौर से नए विचारों को ग्रहण करने के लिए तैयार रहेंगे। आप उदार विचार वाले और दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने वाले हैं।

लड़ाई-संगड़े या मुद्दों से आपको स्पष्ट धृष्ट होगी। आप कूटनीति से या बान्धों से संगड़े निपटाने में कुशल होंगे, लेकिन प्रायः कठिन परिस्थितियों में फँस जाएंगे। आपको कूटनीति या कला से जुड़ा व्यवसाय अपनाना चाहिए।

पुस्तकों, साहित्य और इतिहास से आपको बहुत प्रेम होगा। आप बहुत यात्राएँ करेंगे और अनेक बार स्थान तथा विचार बदलेंगे। साहित्य में सफल हो सकते हैं।

समस्त या व्यापारी ढंग का जीवन आपके अनुकूल नहीं होगा। आजीविका के लिए सेवकों के या कलाकारों के लिए लिखा-पढ़ी करना, स्वयं साहित्य-रचना, विशेषकर कल्पनाशील ढंग का, आपके लिए ठीक रहेगा।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में आप बहुत समझदार नहीं हो सकते। आप 'धन खींचने' के काम में नहीं हैं। आप मानसिक, बुद्धिजीवी वर्ग के हैं और यदि तत्काल जरूरतें पूरी करने लायक पैसा मिल जाए तो धन भी अधिक परवाह नहीं करेंगे। आप सपनों की दुनिया में रहने वाले आभावादी वर्ग में हैं, किन्तु अबसर आपके सपने सच में बदल जाने की सम्भावना है।

स्वास्थ्य

यह योग आपको बहुत ताकत या शारीरिक दृष्टि से मजबूत होने का आश्वासन नहीं देता। पेट का ऊपरी भाग कमजोर होने की सम्भावना है। भोजन पर ध्यान देना और सोप समझकर धाना ठीक रहना। हमने आप गम्भीर बीमारी में बचे रहेंगे और लम्बी आयु प्राप्त करेंगे, हालांकि बहुत ताकतवर नहीं रहेंगे।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक योजनाएँ और आवासाएँ पूरी करने के लिए 'दा' और 'तान' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'पाच' मूलांकों वाले रहेंगे। 'दो',

‘पाच’ और ‘सात’ मूलाको वाली तिथियों को, और ‘एक’ तथा ‘चार’ मूलाको वाली तिथियों को भी, पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरी सगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चन्द्र, (हरा, शीम, सफेद), नेप्चून (कबूतरी, शोच) और बुध (हलके चमकीले) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं - जेड, चन्द्रकान मणि, सहस्रनिरा, मोती, नीलम, हीरा और चमकीले नग।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) जून को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह बुध (ओज) ने माघ मेष हैं। 30 जून को जन्मे व्यक्ति नई राजि के प्रश्न में आते हैं जिसके स्वामी चन्द्र और नेप्चून हैं।

आपका सबसे प्रमुख गुण अपन काम को सफलता तक पहुंचाने की आकांक्षा होगा। उसने काफी ऊंचाई तक पहुंच सकते हैं, फिर भी कभी सन्तुष्ट नहीं होंगे। अन्य तब तक उन दिशा में सोचने रहेंगे।

आपने पर्याप्त साठन कुशलता है। आर बड़े व्यापार के प्रभु या सरकारी कार्यालयों, बड़े निगमों आदि के अधिकारी रूप में अच्छा काम कर सकते हैं। छोट तौर पर यात्री या किसी व्यापारिक सम्पान के प्रतिनिधि के रूप में और नये आविष्कारों का प्रचार कर सकने होंगे।

आप जहां जाएंगे दोस्त बना लेंगे और लोगों को शीघ्र प्रभावित कर लेंगे। अपनी बहुमुखी प्रतिभा से आप श्रोताओं को मात्रमुग्ध कर लेंगे। किसी भी विषय पर बोल सकते हैं।

आपके दिमाग में आविष्कार का रत्न है। विमान यात्रा, वायरलेस, टेली-विजन या खोज सम्बन्धी सभी मामलों में आपके दिव्यशक्ति लेने की सम्भावना है। इनमें और नाट्यिक तथा वैज्ञानिक कार्य में आपको भाग्यशाली रहना चाहिए। आप मणि में प्रेम करेंगे।

आर्थिक दशा

आपको आसानी से धन कमाने, सम्पत्ति जमा करने और ऊंचे पद प्राप्त करने की स्थिति में होंना चाहिए, लेकिन आपको कभी सन्तोष नहीं होगा और सदा कुछ ऐसी बात की तानना करते रहेंगे जो आपकी पहुंच से बाहर होगी। हार्ड-पैमें के मामले में आप अत्यन्त उदार होंगे। परोपकारी संस्थाओं को पैसा देकर और अपने सम्बन्धियों तथा समुदायियों की महानता कर जमा-खुजी कम कर लेने की प्रवृत्ति रहेंगे।

स्वास्थ्य

अधिक परिश्रम या दबाव से आपमें न्यायिक टूटन की प्रवृत्ति रहेगी। आप शीघ्र बीमार पड़ जाएंगे लेकिन अपनी ही जन्मी टीका भी हा जाएंगे। भारी निरद

मानसिक रोगों, फेफड़े में गड़बड़ या श्वास लेने में आम परेशानी में आप पीड़ित हो सकते हैं। आँखों के प्रति विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। चम्पा पहनना पड़े तो बदलते रहिए जिससे आँखों पर जोर न पड़े। आपका बदन इच्छता होगा। आप लम्बे समय तक ध्यान अनुभव करते रहेंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक्ष 'तीन' और 'पाच' हैं। 30 जून की जन्मे व्यक्ति 2-6 अक्ष का भी काय में ले सकते हैं। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'तीन' मूलाको वाले होंगे। 3 मूलाक वालों विविधों की जन्म लेने वालों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 10 जून को जन्मे व्यक्ति दो-सात मूलाको वालों के प्रति भी आकर्षित होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गुरु (बैंगनी, फाल्गुनी जामुनी) और बुध (हथके चमकीले) के रंगों की धारण कीजिए। 30 जून वाले इन्ना हरे रंग के वस्त्र जोड़ सकते हैं। आपके भाष्य रत्न है 'कटला', बैंगनी नग, होर जाल चमकीले नग। 10 जून वाला के लिए कटला और बैंगनी नग के साथ माती, चाटवाग मणि और लहसुनिया।

4, 13, 22 (मूलाक 4) जून का जन्मे व्यक्ति

आपके कारक यह बुध (ओज) के साथ घूरेनन और मूर्य हैं। घूरेनन और बुध के प्रभाव से आपका जीवन असामान्य रहने की सम्भावना है। आपका अलग व्यक्तित्व होगा। आप घास लोंगो या वस्तुओं की ही पसन्द करेंगे। आकर्षित और अप्रत्याशित घटनाएँ आपके जीवन में सबसे बड़ी भूमिका निभाएंगी।

आप अपने सभी कामों में भारी मौनिकता का परिचय देंगे। नयी चीजों, नये विचारों, समाज-सुधार और असामान्य अध्ययन के लिए आपकी अद्भुत अन्तर्धरणा या रझान प्राप्त होने की सम्भावना है। आप बिजली, टेलीविजन टेलीफोन, वायु तथा विमान-यात्रा सम्बन्धी चीजों जैसे विषयों की ओर आकर्षित होंगे। सरकारी समस्याओं और सामाजिक प्रश्नों के बारे में आपके विचित्र विचार होंगे।

आपकी विमानों, तूफानों, बिजली और हवा से जुड़ी सभी वस्तुओं में छतरा हो सकती है।

जब तक अपनी जैसी विचारधारा वाला साथी ही न मिले विवाह आपके लिए शुभ रहने की सम्भावना नहीं है।

आपके रहस्यवाद की किसी शाखा की ओर आकर्षित होने की सम्भावना है। ऐसा हुआ तो साहित्यिक कृतियों द्वारा और सम्भवतः भाषणों द्वारा भी, आप उन्हें जनता के सामने ला सकेंगे।

सम्बन्धियों की ओर से आपको काफी चिड़ और परेशानी होने की सम्भावना है। बहुत स्वतन्त्र स्वभाव के होने के कारण आप उनसे अलग होकर रहना पसन्द करेंगे। आपको काफी मुश्किलेंदाजी का सामना करना पड़ेगा। सम्भव है कि इन परिणामों

आर्थिक दशा

आप कुछ अजीब और अनिश्चित हालत में रहेंगे। आप अक्सर धन प्राप्त कर सकते हैं लेकिन उसे हाथ में रख पाने की सम्भावना नहीं है। आपके विचार आपकी अपनी पीढ़ी से बहुत आगे होंगे। आपमें दाव खेती की इच्छा होगी लेकिन आम तौर से आप पिछड़े लोगों की सहायता करना चाहेंगे।

आपके सबसे अच्छे अवसर बिजली सम्बन्धी खोजों, वायुमल, रेडियो, टेली-विजन, टेलीफोन, सिनेमा, कोई असाधारण इमारत बनाने में और साहित्य या अत्यन्त बल्बनाशील रचना में भी हैं।

स्वास्थ्य

आपके तंगड़े हाँवों की सम्भावना नहीं है, लेकिन रहस्यमय बीमारियाँ होगी। आप डाक्टरों की बातों में आसानी से नहीं आएँगे और बार-बार उन्हें बदलेंगे। दवाओं के प्रति ज्वनन्त संवेदनशील रहेंगे। जरा-सी दवा भी शरीर पर बड़ा असर करेगी। अपने पर अनेक प्रयोग करेंगे, विशेषकर मानसिक उपचार में। आप नये दग के अच्छे डाक्टर बन सकते हैं लेकिन आपके बारे में काफी विरोध और गलतफहमी होगी। अब गए, अब गए, बान्नी न्विति में रहने पर भी आपके दीर्घजीवी होने की आशा है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'चार' और 'पाच' हैं। 'तीन' का अंक और 'तीन' मूलान्ता वाली तिथियों को पैदा हुए लोग भी आपके जीवन में अक्षर आएँगे लेकिन विरोध की परिस्थितियों में अधिक। आप इस 'अंक' को काम में लाने से बचिए। 'आठ' के अंक को भी टालिए।

आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'पाच' मूलान्ता वाले होंगे। 'चार', 'पाच' और 'एक' मूलान्ता वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए बुध (हस्तके चमकोले) और यूरेनस (सिलेटो व शाख) के राशियों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं, नीलम, हीरे, और सभी सफ़ेद या चमकीले रंग।

5. 14, 23 (मूलान्ता 5) जून को जन्मे व्यक्ति

आपका कारक ग्रह दुहरा बुध होने से इन तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों पर बुध का प्रभाव दुगुना हो जाता है।

आपका दिमाग अत्यन्त चंचल, साधन सम्पन्न और तत्काल साधन तथा अमल करने वाला होगा। आप धीमी गति से आगे बढ़ेंगे और एकरस काम को नापसन्द करेंगे। आपके लिए ऐसे साधनदार या सहयोगी पाना कठिन होगा जिनके साथ आप समकाल काम करें। एतद्वरूप यह आशा करनी चाहिए कि आपका जीवन या वृत्ति अनेक बार परिवर्तनों से प्रभावित होगा। शीघ्र धन कमाने की सभी योजनाएँ आपको

आकर्षित करेंगी, विशेषकर जब आप जून के मास्य में पैदा हुए हों।

आपका रक्तान सट्टेबाजी में होगा। आप शेयरों में या ऐसे व्यापार में जोखिम उठाना चाहेंगे जिसमें तत्काल पैसा आने का आश्वासन रहे। कभी आपको भारी सफलता भी मिलेगी, और फिर अचानक दुर्भाग्यों से पाला पड़ेगा। फलस्वरूप, यदि आप सम्पन्न परिवार में पैदा नहीं हुए हैं और सम्पत्ति दूमरों के नियंत्रण में नहीं है तो आपको दुर्दिनों के लिए, जो आने ही हैं, पैसा बचाकर रखना चाहिए।

आप अत्यंत चंचल होंगे। कई बार घर बनाएंगे लेकिन उनमें अग्नि वात तक टिकेंगे नहीं। आपमें यात्रा की दृढवर्ती भावना होगी, एक क्षण की मूर्च्छा पर चल देने के लिए तैयार रहेंगे और सबसे तेज चाहेंगे पकड़ेंगे। विमान, एकत्रित गाड़ी और तीव्रगामी कारों से चलना आपकी नियति का अंग होगा। गति के लिए हर क्षण जीवन को धड़के में डालने को तैयार रहेंगे। कई बार वास-वाल बचेंगे, लेकिन जाम तीर में ऐसे मामलों में भाग्यशाली रहेंगे।

लोगों में आपकी दिलचस्पी अधिक समय तक नहीं रहेंगी। अपनी सफलता में अति उदार होंगे, लेकिन आपका मुख्य गुण 'आँखों में दूर मन से दूर' होगा।

आप दुहरे स्वभाव वाले होंगे। प्रायः सदा दो या अधिक बानों में उलटें रहेंगे। आप एक ही साप दो व्यक्तियों को प्यार करेंगे और यह निश्चय नहीं कर पाएंगे कि किसे अधिक प्यार करते हैं। जीवन में किसी समय दो परिवार रखेंगे और दो विवाह करने की सम्भावना है।

आर्थिक दशा

शीघ्र सोचने वाला आपका कुशल दिग्गम भाग्य अवसर प्रदान करेगा। कभी आपके बहुत सम्पन्न होने की आशा और कभी इमड़ा टोक उलटा। जब पैसा होगा, आप दोनों हाथों से लुटाएंगे। जब नहीं होगा तो विपन्नता में ही गुजारा कर देंगे। दरअसल, आपको सबसे बड़ा खतरा यही है कि स्वभाव में आप दूसरे व्यक्तियों और परिस्थितियों में तत्काल खच-खच जाते हैं।

यदि आप अपने स्वभाव पर बानू या सक्ते तो जित्त उद्यम, उद्योग या काम में सम्बद्ध होंगे उसी में आनानी से सफलता प्राप्त करेंगे। यह उन सभी लोगों के लिए बहुत शुभ ग्रहयोग है जिन्हें जनता की निगाह में आना होना है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के मामले में अपने दुश्मन आप स्वयं होंगे। आपका शरीर उत्तम किन्तु अति संवेदनशील होगा। आप हर प्रकार से अपनी शक्ति का बहुत अदभ्यस करेंगे। चलते रहने के लिए कभी-कभी उतेजक दवाओं का भी प्रयोग करेंगे जो आपके पाचन अंगों को हानि पहुँचाएंगी। आप कायदे-कानूनों में घुंसा करते हैं, इसलिए अपनी शर्मा में निपटिन नहीं होंगे। दिन-रात म कष्ट या सतन है और जब दिन

जाए, तो सकते हैं। इस प्रकार आप अपने जानदार स्वास्थ्य को खोपट कर सकते हैं।

आपको स्नानुओं की परेशानों, पलकें झपकाने, जिह्वा या बोलने में कुछ दोष, रक्त में गड़बड़ी, छाजन और त्वचा की बीमारियां हो सकती हैं।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक पाच है। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष इसी मूलांक वाले रहेंगे। इसी मूलांक वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप आकर्षित होंगे।

आपको भुष्ट के हलके चमकीले रंगों के कपड़े पहनने चाहिए। आपके भाग्य रत्न हीरा और सभी मर्पद चमकीले नग हैं।

6, 15, 4 (मूलांक 6) जून को जन्मे व्यक्ति

आपके वारक ग्रह शुक्र और बुध हैं। जहां तक जनता की निगाहों में आने की बात है, यह एक बहुत शुभ ग्रह योग है। आप एक से अधिक स्त्रियों से धन प्राप्त करेंगे और आपका जीवन में बड़े-बड़े अवसर आएंगे।

इस भूयोग वाला एक बर्ण निश्चित रूप से कल्पनारम्य होता है और संगीत, कला या साहित्य में और अच्छे वक्ता या धर्म प्रचारक के रूप में सफल होता है।

आप सफलता और यश की आशा कर सकते हैं किन्तु भाग्यवाद की अंतर्धारा के साथ, जो कभी-कभी आपको निराशा और उदासी के दौर से गुजारेगी।

आपमें प्रेम आकर्षण है। विपरीत लिंगी आपकी ओर सबसे अधिक आकर्षित होंगे। आपके अनेक जसाधारण प्रेम-प्रसंग और रोमांस होये तथा आपका जीवन घटनापूर्ण रहेगा। आप किसी प्रकार के अक्रुश को पसंद नहीं करेंगे। आपमें स्वतंत्रता की तीव्र उच्छ्वा और अपने साधियों को ऊपर उठाने की आकांक्षा रहेगी।

आर्थिक दत्ता

आप पैसों के मामले में आपके भाग्यशाली रहने की अधिक सम्भावना है। आपको अनेक उपहार और सम्पत्ति विरासत में मिलेगी।

स्वास्थ्य

आपके अति संवेदनशील स्नानुओं से पीड़ित होने की सम्भावना है। कभी-कभी हे फोवर, श्वाम नतिबा में मूजन और दमे की शिकायत हो सकती है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'छ' और 'पाच' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इसी मूलांक वाले रहेगा। इसी मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आपका लगाव होगा।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए बुध (हलके चमकीले) और शुक्र (नीले) के रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, मोती, पन्ना, फीरोजा, सभी नीले और चमकीले सफेद नग।

7, 16, 25 (मूलांक 7) जून को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक ग्रह नेप्चून, चंद्र और बुध हैं। आपका स्वभाव दूसरों के विचारों के लिए अति ग्रहणशील होगा, हाताकि अपने स्वभाव के इन पक्ष को आप तानाशाही दृष्टि से छिपाने की कोशिश कर सकते हैं। दित में आप अनाचार्य आदर्श-वादी, संवेदनशील, उदात्त विचारों वाले, काव्य-अतिभा के धनी, स्वप्नदर्शी और भावी घटनाओं का पूर्वाभास पा जाने वाले होंगे।

रहस्यवाद के प्रति आपमें गहरा आकर्षण होगा। इन दिशा में आपने अनेक असामान्य अनुभव रहेंगे। आपकी आकांक्षाएं आम नहीं होंगी। वे इतनी प्रगाढ़ होंगी कि अपने आत्म-वास के व्यक्तियों को भी प्रभावित कर सकेंगी।

आप नये विचारों के किसी रूप, मनोविज्ञान, साइ-पूब और ऐसे अध्वनियों में ठीक रह सकते हैं। इन पर अच्छी तरह बोल या लिख सकते हैं या इन गुणों को आप लोगों से छिपाकर रख सकते हैं।

आपने सम्बन्धी यात्राओं के लिए, विशेषकर जलमार्ग से, प्रबल उत्सुकता रहेंगे। समुद्र, नदी या झील के किनारे रहना आपको मग्ने मिला लेंगा। इन ग्रहयोग के पानी में दुर्घटनाओं या डूबकर मृत्यु की भी बाणी सम्भावना है।

सांसारिक दृष्टि से, निकट सम्बंधियों द्वारा पैदा की गई परेशानियों के कारण पारिवारिक जीवन काफी अस्व-स्थ रहने की सम्भावना है। विवाह के बहुत कुछ होने की आशा नहीं। ऐसे मामलों में आपने बारे में काफी दलगत रहनी रहेंगे।

आपको जितना हो सके, दुश्मनों के लिए पैसा बचाकर अलग रख देने का प्रयास करना चाहिए। आपको दूर-दवायी बेईमान लोग धोखा दे सकते हैं।

आप प्रकृति के हर रूप से प्यार करेंगे। बंसा में आपकी गहरी रूचि होगी। और आप विविध तथा सुन्दर वस्तुओं का संग्रह करना चाहेंगे।

25 जून को बकं राशि के सप्त-काल में जन्म लेने पर आपने खून में अर भी अधिक घुमक्कड़ प्रवृत्ति होगी और आप परिवर्तन यथा समुद्र यात्राओं में प्रेम करेंगे।

आर्थिक दशा

रहस्यवाद के मामले में विविध अनुभव होने की सम्भावना है। आपने लिए वसीयत में छोटा गया धन कोई छोटा देकर आपसे ले लेगा और आपको अपना उचित भाग मिलने में कठिनाई होगी। आर्थिक दशा बहुत अनिश्चित रहेंगे। आपका सट्टेबाजी के फंड में कभी नहीं पड़ना चाहिए, जो कुछ प्राप्त हो उसे सावधानी से बचाकर रखना चाहिए।

स्वास्थ्य

मन के शरीर पर प्रभाव से आपको कुछ विविध अनुभव होने की सम्भावना है। चिन्ता या दुष्टद वातावरण से पेट और पाचन अंग छोटी गड़बड़ आती। समस-

समय पर निराशा और उदासी की प्रवृत्ति आपने स्वास्थ्य को प्रभावित करेगी। आप जुलाम, फेपड़ा की कमजोरी और दुर्बल रक्त-संचार के शिकार होंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो', 'पाच' और 'सात' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलांक वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांक वाली तिथियों को पैदा हुए लोगों के प्रति जाप अर्कपित होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चंद्र (हरा, नीम, सफेद), बुध (हलके चमकीले) और म्पून (बहुवर्णी) के रा के नपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न है हरा जेड, मोती पत्रकाव मणि, हीरा।

४, १७, २६ (मूलांक ४) जून को जन्मे व्यक्ति

बुध (ओज) के साथ जनि आपका वारक ग्रह है। २६ जून को पैदा होने पर आप वर्त राशि के सधि काल में आते हैं और उसने गुण आपके स्वभाव में प्रमुखता से लगे।

आपमें भाव्यवादी गुण अधिक प्रकट होंगे। आपके सभी काम प्रबल व्यक्ति-वाद में प्रेरित रहेंगे। आप बहुत-कुछ भाग्य की सतान रहेंगे और आप पर ऐसी परिस्थितियों तथा दशाओं का प्रभाव होगा जिन पर आपका बहुत कम या बिल्कुल काबू नहीं होगा।

आपके दुर्भाग्यपूर्ण कानूनी मामलों में फंसे की सम्भावना है और यदि आप अधिकतम सावधानी नहीं बरतेंगे तो वे आपके विरुद्ध जा सकते हैं। आप दुष्प्रचार, बदनामी और गुप्त शत्रुओं से अपना बचाव करने के लिए बाध्य होंगे तथा पड़ोसियों, सजातीयों और निकट सम्बन्धियों के साथ परेशानी में उलझेंगे। आप महसूस करेंगे कि सड़क-काल में बहुत कम मित्रों पर आप गरोसा कर सकते हैं।

यदि आप बचनकारी वातावरण से मुक्त हो सकें और दूसरे लोगों के मामलों से स्वतंत्र हो जाएं तो आप पर्याप्त सफलता की आशा कर सकते हैं, विशेषकर विज्ञान, गणित, गम्भीर साहित्य में और दार्शनिक विचारों के अध्ययन में।

अपने व्यवसाय या ध्येयपुति में आपका अनेक रहना ही अच्छा है क्योंकि दूसरे लोग आपको काफी गलत समझेंगे।

अपने विषय के साथ रहन बितनशील छात्र होंगे। हर बात में बाल की खाल निकालेंगे। छोटी छोटी गलतियों से काफी बिड़ महसूस करेंगे। आप नये विचारों के शीतल होंगे लेकिन अपने विचार आपके आस-पास के लोगों से अलग रहेंगे। परेगमियों और गलतफहमियों के बीच अपने को शान्त रखने के लिए आपको जीवन के प्रति दार्शनिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। जहाँ तक सम्भव हो, विमान से यात्रा को टार्निए।

सापिक बशा

घन के बारे में आप समय और सकलता से बच लेंगे। व्यापार में धीर-गम्भीर उपाय पसन्द करेंगे और धीरे-धीरे तथा कुछ कष्ट के साथ भी, पैसा बचाएँगे। आप अपने में सीमित रहेंगे और बहुत कम लोगों का विश्वास करेंगे। नावधानी के बावजूद आपको हानि उठाने पड़ेगी और जहाँ रहेंगे वहाँ नींदरो तथा नाडे पर लगे लोगों द्वारा चोरी के शिकार हो सकते हैं।

स्वास्थ्य

स्नायविक प्रणाली आपको सबसे अधिक परेशान करेगी। क्रोध, चिन्ता या निराशा के प्रभावों में आप शीघ्र अस्व-व्यस्त हो जाएँगे और आपके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।

अन्तर्द्विषों में गड़बड़, रक्त में विष और नगीली दस्तुओं से पीड़ित हो सकते हैं। हरी शाक-सन्निपा घूब खाइए और ठंडा पानी पीजिए। आप मिर-द्वंद से भी पीड़ित हो सकते हैं। आँखों की टीक से देखभाल कीजिए।

आपके सबसे महत्वपूर्ण कर्क 'आठ और चार' हैं लेकिन आपको यथासम्भव उनसे बचने का प्रयास करना चाहिए। जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष एही मूलान्तों वाल रहेगे। इन्ही मूलान्तों वाली तिथियों को पैदा हुए लोगों के प्रति आपका लक्ष्य होगा।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गहरे काले रंगों के वस्त्रों से बचिए और हलके रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं - काला मोपी, काला हीरा, काला नीलम।

9, 18, 27 (मूलान्त 9) जून को जन्मे व्यक्ति

बुध (शुक्र) के साथ मंगल आपका कारक ग्रह है। यह योग आपको सहरी, सौख्य बुद्धि प्रदान करेगा लेकिन आनष्टिक रूप से आपको अगडानु और बहान करने वाला बना सकता है। आप मुहफ्ट होंगे और बागबाणों से चोट पहुँचाकर लोगों को शत्रु बना लेंगे।

आप आविष्कारक, यांत्रिक और विनक्षय बुद्धि वाले होंगे। रसायन, गणित और विज्ञान से आपको प्रेम होगा। आपमें डायनमी जैसी बिजली रहेंगी जिनकी चिनगारिया पारों और छिटकती दिखाई देंगी।

लेखन और आम अभिव्यक्ति में अपनी साफगोई और व्यंग्य शैली से आप काफी विरोध पैदा कर लेंगे। सम्बन्धियों से आपका तनाव रहेगा और भाइयों, बहनों तथा परिजनो से परेशानी। आप बहुमुखी प्रतिभा वाले और कुशल होंगे, किन्तु लोक पर चलना आपके बस का नहीं होगा। आप स्वतन्त्रता-प्रेमी होंगे और किसी भी अकुल का विरोध करेंगे।

आर्थिक मामलों में अनेक बार उतार-चढ़ाव आएंगे लेकिन कोई बात आपको देर तक निराशा या प्रभावित नहीं कर सकेगी। प्रतिकूल परिस्थितियों में भी आप भारी साहस में काम लेंगे। आप लड़ाई में हार सकते हैं लेकिन हर बार मुस्तुराने हुए उठ खड़े होंगे।

विपरीत परिस्थितियों के साथ आपके अनेक प्रसन्न और परेशानियाँ रहने की सम्भावना है। आप कानूनी विवादों में पसंसे और अपनी अधीनता तथा जल्दबाजी में उनमें हार सकते हैं।

आर्थिक दशा

आवेगी स्वभाव के कारण दिना मावधानों से मंजूर-समय आप योजनाओं की ओर दौड़ पड़ेंगे। लेकिन जोखिम या संयोग वाले आविष्कारों या व्यापार में अनेक प्रकार से भाग्यशाली हो सकते हैं। काम करने के ठग पर आपके पास कुशल मौलिक विचार होंगे, लेकिन आसानी से सायेंदार न मिल पाने के कारण आपकी अनेक उत्तम योजनाएँ धीरी ही रह जाँगी। यदि भविष्य के लिए मावधानों से व्यवस्था नहीं की तो बुढ़ापा कष्ट में बट सकता है।

स्वास्थ्य

बीमारी के बजाय दुर्घटना के शिकार होने की सम्भावना अधिक है। कमर, कंधे, बांहों और हाथों को चोट आयेगी। बिजली, हर प्रकार के मोटर, वायु सम्बन्धी दुर्घटनाओं और 27 जून को पैदा होने पर पानी से भी खतरा है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंग 'नौ' और 'पाच' हैं। 27 जून का पैदा होने पर 'दो-सात' का भी प्रभाव रहेगा। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पाच' और 'नौ' मूलका बने रहेंगे। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति लगाव होगा। 27 जून को पैदा होने पर 2-7 मूलकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति भी।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए मश (लाल) और बुध (हलके चमकीले) के रंग के कपड़े पहनिए। 27 जून वाले हरे और सफेद रंग के भी। आपके भाग्य रत्न हैं लाल, लाम्बा, लाल या गुलाबी नग, हीरा तथा चमकीले नग। 27 जून वाला के लिए इनके साथ चंद्रकान्त मणि, मोती और लहसुनिया भी।

अध्याय 7

जुलाई

जल विरोध की पहली राशि कर्क 21 जून को प्रारम्भ होती है। सात दिन तक पूर्व राशि मिथुन के साथ इसका सधि-काल रहता है। अतः यह 28 जून तक पूर्ण प्रभाव में नहीं आती। उसके बाद 20 जुलाई तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर आगामी राशि सिंह के साथ इसका सधि-काल प्रारम्भ हो जाता है और मात्र दिन तक इसमें प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है। सधि-काल में पैदा हुए व्यक्ति दोनों राशियाँ के गुण ग्रहण कर लेते हैं, अस्त होती राशि और उदित होती हुई राशि के।

प्राचीन काल में इसे कर्क राशि इसलिए कहा गया क्योंकि इस समय सूर्य आकाश में कर्क (बैकडे) की भाँति गति करता हुआ आगे बढ़ता और पीछे हटता दिखाई देता है।

21 जून से 27 जुलाई तक कर्क राशि के दीर्घायन पैदा हुए व्यक्ति अपने सभी कामों में मेहनती और उद्यमी होते हैं किन्तु उनके भाग्य में अत्यन्त शुभ और अत्यन्त अशुभ रहने की प्रवृत्ति होती है। केसरी पर दाव लगाने में वे प्रायः हानि उठाते हैं जबकि मीथे-साँवे प्यार में सर्वविध सफल हो सकते हैं। फिर भी आम तौर से उनमें सट्टेबाजी की प्रबल भावना होती है और प्रायः अपने स्वभाव की इस प्रवृत्ति के कारण वे कठोर परिश्रम से जमाए व्यापार को खोपट कर बैठते हैं।

‘कर्क’ के प्रतीक की भाँति वे काम और विचारों में प्रायः आगे बढ़ते हैं, पीछे हटते हैं। एक निश्चित योजना या वृत्ति में वे एक खास बिन्दु तक पहुँच जाते हैं और फिर अत्यन्त नाजुक क्षण में खबर या पीछे मुड़कर सभी को आश्चर्य में डाल देने हैं।

यदि उन्होंने प्रारम्भिक जीवन में अपनी सट्टेबाजी की प्रवृत्ति को बाधू में नहीं किया और धन बचाकर उसे आगाह काल के लिए सुरक्षित नहीं रखा तो आम-तौर से उनके जीवन में स्पष्ट-पंथ के मामलों में भारी उतार-चढ़ाव आ सकते हैं।

इन अवधि में पैदा हुए व्यक्ति प्रायः बहुत ऊँचे पदों पर पहुँचते हैं या भारी यश प्राप्त करते हैं और प्रचार की चक्काचीय से बच नहीं पाते। लेकिन पारिवारिक जीवन में उन्हें काफी परेशानों का सामना करना पड़ता है और शायद ही कभी प्रमत्तता में डूबने हो, बाहर वाला की निगाह में वे कितने ही सफल क्यों न दिखाई दें।

आम तौर से वे बड़ी-बड़ी योजनाओं का सपना देखने वाले होते हैं। दूसरों के

कल्याण के लिए वे बड़े-बड़े आदर्शों को कायम करते हैं किन्तु यदि उनका विरोध और आलोचना हो तो उनके मन को भारी आघात पहुँचता है और उनके मन की हो जाने तथा स्वयं को अपने कटघरे में बन्द कर लेने की सम्भावना है।

हालांकि उनका स्वभाव बहुत स्नेहालु होता है, तथापि वे शायद ही कभी उसका प्रदर्शन करते हों। उन्हें गलती से रूखा और भावनाहीन समझ लिया जाता है। उनमें अपने निजी लांगो, पारिवारिक रीति-रिवाजों और परम्परा के लिए भारी प्रेम होता है।

उनमें बहुत कल्पनाशक्ति होती है और वे शायद उत्तम कलाकार, लेखक, सजीनज्ञ या नाटककार बनते हैं। कुछ छात्र तिथियों को पैदा हुए लोग ध्यापार या उद्योग का भी संगठन करते हैं। आम तौर से उनकी स्मरणशक्ति तेज होती है और वे हर प्रकार का ज्ञान अपने मस्तिष्क में समेट रहते हैं। वे उत्तम मनोविश्लेषक बनते हैं या गुप्त विद्याओं, धर्म या किसी अमाधारण जीवन-दर्शन में गहरी दिलचस्पी पैदा कर लेते हैं।

आर्थिक दशा

नेचून तथा चन्द्र का प्रभाव उनके जीवन में अनेक अप्रत्याशित परिवर्तन लाएगा। इन दोनों के छलपूर्ण वातावरण अथवा कम पूँजी पर बड़ी आय का प्रलोभन देने वाली कम्पनियों तथा सिडीकेटों द्वारा आर्थिक क्षति के प्रति उन्हें सतर्क रहना चाहिए। उन्हें आर्थिक लेन-देन में बहुत सावधान रहना चाहिए। ऐसे बागजों, करारों, समझौतों आदि पर, जिनमें जरा भी अनिश्चय का तत्व हो, हस्ताक्षर करते समय विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए।

उन्हीं बड़े विचित्र ढंग से या विचित्र व्यक्तियों के सम्पर्क से अधिक लाभ होगा। वे शायद किसी एकदम अप्रत्याशित स्रोत से धन प्राप्त करते हैं और विचित्र साधनों में धनवान बनते हैं। उन्हें खेल-शोधन, कोपला, जहाजरानी, रेडियम, प्लेटिनम बिजली, पुरावस्तुओं, कपूरियोज आदि में पैसा लगाने और दवाओं तथा द्रवों के आयात में शायद सफलता मिलती है। सावजनिक जीवन और दायित्वपूर्ण पदों पर भी। उन उपयोग की बड़ी-बड़ी कम्पनियों और ऐरोनॉमिकलों में पैसा लगाना आम तौर से अच्छा रहता है लेकिन ऐसे संस्थानों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आम जनता की आवश्यकताएँ पूरी करने हैं।

इस अवधि में पैदा व्यक्ति शायद अवैध और खोजकर्ता के रूप में और भूमि तथा खानों के विकास में सफल रहते हैं।

स्वास्थ्य

उन्हें अपने भोजन के बारे में विशेष सावधान रहना चाहिए, क्योंकि पाचन अंग और पेट की सूजन, गैस की परेशानी, अन्धकनी फोड़े, कैन्सर और जलोदर के वे शिकार हो सकते हैं। चन्द्र का प्रभाव शरीर को कमजोर बनाता है किन्तु इच्छाशक्ति

से इस कमजोरी पर काबू पाया जा सकता है। अधिक भावुकता के कारण अधिकांश बीमारियाँ अनियंत्रित भावनाओं और उदास कल्पना से पैदा होगी।

भविष्य की चिंता और भय से बचना चाहिए। इन लोगों की गटियाँ, रक्त-संचार ठीक से न होना, सर्दी-जुकाम, फेफड़ों की कमजोरी आदि का भी डर रहेगा।

विवाह, सम्बन्ध, साझेदारी आदि

इन लोगों के सपने मधुर सम्बन्ध अपनी निजी रागि कंक (21 जून से 20 जुलाई) जल त्रिकोण की दो अन्य रागियों—वृश्चिक (21 अक्टूबर से 20 नवम्बर), तथा मीन (19 फरवरी से 20 मार्च) और इन रागियों के पीछे के सात दिन के संधि-काल में जन्मे व्यक्तियों के साथ रहेंगे।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण घर सूख, यूरेनस, नेपचून और चन्द्र हैं। यह ग्रह-योग आपकी वृत्ति या पद में अनेक परिवर्तनों का प्रमाण देता है। आपके अनेक विचित्र अभिमान और अनुभव होंगे तथा आप पर अपने दाताररण का भारी प्रभाव पड़ेगा।

आप अपने घर और परिवार से काफी बंधे हुए होंगे। आपके काम आत्मा की आमाज पर होंगे और आप अपने देश के प्रति अक्षिप्त भावना रखने वाले होंगे। इस ग्रह-योग में जीवन में प्राप्ति का अच्छा आश्वासन मिलता है।

आप स्वभाव से शान और अपने तब सीमित लेकिन बहुत संवेदनशील होंगे। प्रकटन इससे विपरीत आप चाहें या न चाहें, आपका काफी नाम होगा। आपमें पैसा जमा करने की प्रवृत्ति भावना रहेगी, सम्पत्ति के प्रति प्रेम के बजाय उसमें सहाय्य के लिए अधिक।

दिन से आप महान धार्मिक स्वभाव के होंगे, लेकिन दिशाओं के धर्म व ब्रह्म सौधे-साधे धर्म की ओर आपका रुचान होगा। धनदान करने पर आप सादगी से रहेंगे और धन को मानव सम्प्राप्ति की बड़ी-बड़ी तत्वाएँ खोजी करने या उनकी सहाय्यता करने में लगाए जाने की सम्भावना है।

आर्थिक दशा

आर्थिक रूप में इन तिथियों की जन्म व्यक्तियों के दो स्पष्ट क्षेत्र वर्ग हैं एक सुदृढ़ने पथर के समान चबल प्रवृत्ति के जो एक बात या एक स्थान पर टिककर नहीं रह सकते। पुनरुत्पन्न उनके खून में होता है, वे यात्रा और परिवर्तन के बिना तथा किसी भी बौद्ध पर दुष्साहसिक अभिमान के बिना नहीं रह सकते। ऐसे लोगों की उनकी आकांक्षों की चबलना, हर समय हाथ पैर हिलाते रहने और प्राप्ति से न बंध पाने में आसानी में पहुँचाया जा सकता है। उनका शाब्द ही भला होता हो।

दूसरे वर्ग के लोग ठीक इसके उलट होते हैं—शांत, अपने तक सीमित, घर और परिवार के प्रति भारी प्रेम प्रदर्शित करने वाले। कभी-कभी वे यात्रा पर भी

निकलते हैं लेकिन किसी खास उद्देश्य में। वे बोलते कम हैं, काम ज्यादा करते हैं।

ये दो विरोधी वर्ग अन्य किसी राशि की अपेक्षा इस राशि में अधिक मिलते हैं। चमल प्रकृति वालों के लिए स्पष्ट-पथ की हमेशा कठिनाई रहेगी। दूसरी प्रकृति वालों के लिए यह एक समस्या होगी जिसे वे धैर्य और ईमानदारी से हल कर सकते हैं।

स्वास्थ्य

आपमें काफी जीवनी-शक्ति होगी, फिर भी ऊपर से बहुत तंगड़े दिखाई नहीं देंगे। पाचन अंगों और आंतों में परेशानी हो सकती है। किन्तु आप छुट्टी अपने डॉक्टर बन जाएंगे और भोजन की सावधानी बरतकर बीमारियों को नियंत्रण में रखेंगे। अपनी जीवनीशक्ति और लम्बों आयु से आप अपने मित्रों को आश्चर्य में डाल देंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक', 'दो', 'चार' तथा 'मात' हैं। अपनी सबसे महत्वपूर्ण योजनाएँ और कार्यक्रम पूरा करने के लिए इन्हीं मूलांकों वाली तिथियाँ से काम लीजिए। 'चार' और 'आठ' के अंकों से जहाँ तक हो सके, बर्चिए।

आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी 'एक', 'दो', 'चार', तथा 'सान' मूलांकों वाले ही रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लम्बा महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा), पूरेनम (शोख नीला सिलेटी), चंद्र (हरा, क्रीम, मफेद) और नेप्चून (कबूतरी और शोख रंग) के रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, पुष्कराज, अम्बर, नीलम, और चद्रकात मणि।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक यह चंद्र, सूर्य, पूरेनम और नेप्चून हैं। आपमें कल्पनाशील गुण अधिक प्रकट होंगे। आप बड़े-बड़े सपने देखेंगे और सम्भावना यह है कि वे पूरे होंगे। आप अपना हर काम उत्साह से करेंगे और दूसरों के लिए कायदे-कानून बनाने में अत्यन्त तानाशाही स्वभाव का परिचय देंगे।

आप ऐसी नाटकीय परिस्थितियाँ पैदा कर देंगे जिनमें आपकी प्रमुख भूमिका रहेगी और आपका नाम फैलेगा।

मन से आप कलाप्रिय, मानी और भावुक होंगे। आप कविता, साहित्य संगीत और नाटक के प्रेमी होंगे। दूसरों की भावनाओं को जमाने की आपमें काफी योग्यता रहेगी।

आप एकरस जीवन को नापसंद करेंगे। अर्थ दानों को बरतने में समुद्र यात्राएँ करना चाहेंगे और उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे।

कभी-कभी आप तेज-तर्रार भी हो सकते हैं और अपनी रूखी बाणी से लोगों को दुश्मन बना लेंगे।

लेखक, संगीतज्ञ या बनावार के रूप में आप भारी कल्पनाशक्ति का परिचय देने और आपसी प्रतिभा बहुमुखी होगी। जाय कपूरियों, पुरावस्तुओं, पुराने पर्नोंवर आदि के शौकीन होंगे और जहाँ तक हो सकेगा, उनका अधिक से अधिक सग्रह करेंगे।

आप नदियों, झीलें और समुद्र के निवृत्त रहना पसन्द करेंगे। यात्रा-उत्साह पढ़ने के बहुत शौकीन होंगे और विदेशों के बारे में काफी जानकारी जमा कर लेंगे।

आप अपना कोई अलग रास्ता बनायेंगे। जो भी वृत्ति अपनाएँगे उसमें आपके किसी प्रमुख पद पर पहुँचने की सम्भावना है।

आर्थिक दशा

आर्थिक दशा भी बदलती हुई रहेगी। अनिश्चय की भावना रहने की सम्भावना है। पैसा पंदा करने के लिए किसी भी अवसर का लाभ उठा लेने की इच्छा होगी। अतः में एक दुश्चक्र बन जान की सम्भावना है जो आपु के साथ बदतर हो सकती है।

आपको आर्थिक मामलों में अन्यन्त सावधानी से काम लेना चाहिए। मट्टे-बाजी और दाव लगाने के सभी प्रयासों में बचिए। धीरे-धीरे हीमहो, पूँजी जमा करने का प्रयास कीजिए। शीघ्र धन दमान की योजनाओं से दूर रहिए। हो सके तो जमे-जमाएँ कारोबार में अपने को जोड़िए या उससे लिए काम कीजिए। आपके घर जहाजराती, आयात-निर्यात, माल तथा मनुष्यों को ठुलाई या अविश्वसित देशों की खोज जैसे कामों के लिए शुभ है।

स्वास्थ्य

आपके स्वास्थ्य का निरीक्षण कर पाना कठिन है। या तो बहुत लगे आर गंढाले होंगे, या एकदम उलटे। 29 जुलाई वाले स्थिति दूसरे वर्ग में आ जाते हैं। वे अगली राशि सिंह में प्रवेश कर चुके होते हैं। यह बहुत सम्भावनाओं वाली राशि है लेकिन सफलता के लिए उनकी प्रबल मत्वाशासकों की योजना होगी।

यदि आप 2, 11 या 20 जुलाई को पैदा हुए हैं तो चन्द्र की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। आप अपने वातावरण के प्रति अत्यन्त संवेदनशील होंगे। यदि वह भाग्यशाली और अनुकूल हुआ तो आप बीमारी से अधिक परेशान हुए बिना जीवन काट देंगे। इसके विपरीत यदि निराशाजनक या दुःख परिस्थितियाँ हुईं तो आपका बीमारियाँ से काफी कष्ट उठाना होगा। आम प्रवृत्ति अदमनी अंगों में दर्द और ऐंठन की रहेगी। आलस फोड़े, हवाबट या बध की भी कुछ सम्भावना है। इन तितियों को पैदा हुए पुरुष और स्त्री दोनों के लिए बहुत गाढ़ा जीवन करना और अधिक में अधिक पानी पीना लाभकारी रहेगा।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अब 'एक', 'दा' और 'मात' है। मरम घटनापूर्व बंध 'दे' और 'मात' मूलतः वाले रह्य। 'एक', 'दा' और 'मात' मूलाका वाली तिथियों को जन्मे व्यक्ति के प्रति आप गहरा जगार महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए (हरा, नीम, सफेद), सूर्य (सुनहरा पीला, नारंगी, भूरा) और नेप्चून (कबूतरी व शोथ) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके मान्यरत्न हैं जेड, मोती, चंद्रवात मणि, पुष्कराज, अमर, हीरा।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक ग्रह गुरु, नेप्चून और चंद्र हैं। यह योग आपके व्यक्तित्व को बढ़ाएगा और आपके जीवन तथा वृत्ति को अधिक महत्वाकांक्षी करेगा, विशेषकर 30 जुलाई को जन्म लेने पर। आप बहुत स्वतन्त्र भावना वाले और अपने विचारों तथा राय में निडर और साहसी होंगे। फिर भी उदार, दूसरों के साथ उपकार करने वाले तथा सहानुभूति रखने वाले होंगे। आप अपने से छोटे और समक्ष दोनों लोगों में लोकप्रिय होंगे, विशेषकर यदि आप समय-समय पर भिन्न-भिन्न दायित्वों को कंधे पर ले लें।

आप जीवन को अधिक ऊँचे और धार्मिक धरातल से देखेंगे। दूसरों पर अधिकार के पदों, सरकारी, नगरपालिका या सार्वजनिक कार्यों या बड़े उद्यमों के प्रमुख के रूप में आपको अच्छी सफलता मिलनी चाहिए।

परिवार और देश के प्रति आपके मन में बहुत गहरा प्रेम होगा और साथ ही यात्रा कर दूसरे देशों की दशा जानकर ज्ञान बढ़ाने की मन में प्रबल उत्कंठा होगी।

आप उद्यम या व्यापार खड़े करने में बहुत सफल होंगे किन्तु इतनी ही आसानी से किसी पेशेवर सार्वजनिक या राजनीतिक जीवन को अपना सकेंगे।

प्रारम्भिक जीवन में सम्भवतः आपको ऊपर उठने में कठिनाई हो और हर लाभ के लिए अपने भरोसे रहना पड़े। ऐसा हुआ तो करीब 30 या 35 वर्ष की आयु तक आपका मार्ग कठिन हो सकता है। उसके बाद भाग्य आपका पूरी तरह साथ देगा। आप अपने समाज या देश से सम्मान और जिम्मेदारी के पदों की आशा कर सकते हैं।

आर्थिक दशा

एक-पैसे के मामले में डरने की कोई आवश्यकता नहीं। एक बार प्रारम्भ के वर्ष कटे और नींव के फव्व मिलने शुरू हुए, आप सम्पत्ति और पद दोनों प्राप्त करेंगे।

स्वास्थ्य

आपका शरीर स्वस्थ होगा और जीवन के प्रति प्रसन्न दृष्टिकोण से ठीक रहेगा। आप समयी और नियम में चलने वाले होंगे और बहुत गम्भीर बीमारियों के शिकार होंगे। आप यथामुम्भव अधिक-से-अधिक साहस जात रह्य। आपके साथ मचने बड़ा खतरा यह है कि अपने कंधों पर बहुत अधिक जिम्मेदारियाँ उठा लेंगे और अतिशय में अपनी आयु को कम कर लेंगे।

आपके समय में महत्वपूर्ण अंक 'तीन', 'दो' और 'सान' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति

आप गहरा सावध रहसूत्र करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गुरु (बैंगनी, फाल्गुनी, जामुनी) और नेप्चून, (बृहस्पति व शोण) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपने मान्यता है बटुता, बैंगनी रंग के नंग, हीरा चन्द्रकान मणि, मोती।

4, 13, 22, 31 (मूलांक 4) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक ग्रह सूर्य, मूर्य, नेप्चून और चंद्र है। यह ग्रहों और चंद्र ग्रहण धनाधारण व्यक्ति के प्रदान करेगा, लेकिन सम्मानित घटनाओं का सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों के साथ उमर का तालमेल बैठना आसान नहीं होगा। आपमें मौलिकता के प्रति प्रबल दृष्टान्त होगा जो सन्तुष्टि के और सुखाव लिए होगा।

सम्बन्धियों द्वारा अथवा उन्हें माध्यम बनाकर और घरेलू मामलों में आपने लिए व जो परमाणी और तनाव पैदा करने की सम्भावना है। आप अन्य मुद्दों में पक्ष मारते हैं और अनेक बार भारी अत्याचार का अनुभव करना पड़ेगा। आपको साधु-दारिया, सम्बन्धों और विवाहों के मामलों में अत्यन्त सावधान रहना चाहिए।

आपमें उच्च अन्त प्रेरणा होगी और स्वयं पूर्णज्ञान आदि के मामलों में विविध अनुभव होंगे लेकिन इतने संवेदनशील होंगे कि उसका रहस्य कुछ चुने हुए मित्रों को ही बताएँगे।

आपमें असामान्य मानसिक योग्यता होगी और जो भी वृत्ति अपनाएँगे, उनमें ऊँचा पद प्राप्त करेंगे। अत्यन्त सफल होने पर भी आपको बाकी बहिनियों का सामना करना पड़ेगा और आराम नहीं मिलेगा।

आर्थिक दशा

आप बहुत कम व्यक्तियों के साथ आर्थिक मामलों में जुड़ना पसन्द करेंगे। आप में पसन्दगी और नाराजगी की तीव्र भावनाएँ होंगी और आपको अपनी अन्तःप्रेरणा के अनुसार चलना चाहिए। सचमें अच्छा यह होगा कि आप अपनी योजनाओं पर अटले मान करें। और कुछ विविध आविष्कार भी कर सकते हैं जो आपने लिए लाभदायी होंगे। आपके विविध दृष्टांत, तीव्र से हटकर पैसा पैदा करने की सम्भावना है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के बारे में आपने अनेक अनामान्य अनुभव होंगे। दाढ़ियों के लिए आपको समस्या में जटिल होनी। वे आपके बनाए सज्जों पर विचार नहीं करेंगे। आपको अपने सम्बन्धियों को भी आपसे बारी में बाँधी वक्तव्यों होंगे। बड़ी विषय का प्रभाव न हो जाए, इसके लिए आपका अपने भोजन में भारी सतृप्तता चलनी चाहिए। मछली, पौष्टिक, बैकरी आदि नमूने भोजन के बारे में विशेष सावधानी की जरूरत है और स्वस्थ रहना चाहिए।

आपके मकान में गहनपूर्ण अथ 'बार' और 'आड' रहेंगे। मकान में घटनापूर्ण वर्ष रहेंगे मूलकों वाले होंगे। इसी मूलकों वाली तिथियों की पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति

आप गहरा सगाव महसूस करेंगे ।

आपके लिए सबसे अच्छे रंग नीले या सुवहरी, पीला, नारंगी व भूरा रहेंगे । आपके भाग्य रत्न हैं नीलम, मोनी, हीरा, चन्द्रकात मणि ।

5, 14, 23 (मूलांक 5) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक ग्रह बुध, चन्द्र और नेप्चून हैं । आप व्यक्तियों और वातावरण दोनों के प्रति अत्यन्त संवेदनशील और उन पर अपनी छाप छोड़ने वाले होंगे । दया के सभी कामों से आप तत्काल प्रभावित होंगे । आपके स्वभाव के लिए प्रशंसा और प्रोत्साहन वही काम करेंगे जो फूला के लिए पानी करता है ।

प्रारम्भिक वर्षों में आप स्वयं में और अपनी योग्यताओं में विश्वास करने में अत्यन्त कठिनाई महसूस करेंगे । एक बार पाव पर छड़े हो जाए, फिर आगे बढ़ते ही जाएंगे और अपनी उद्देश्यपूर्ति में कमी नहीं सटखड़ाएंगे ।

आपका दिमाग बहुत तेज होगा । बौद्धिक वस्तुओं के लिए प्रबल इच्छा होगी और ओ भी क्षति चुनेंगे उसमें दूसरों पर प्रभुत्व पाने की बलवती आकांक्षा होगी । परलोक-विषयक प्रश्नों की खोजबीन के लिए आपके मन में भारी सतक होगी ।

आपका सबसे बड़ा दोष यह होगा कि आप अपनी योजनाओं पर आवश्यकता से अधिक जोर देकर लोगों को दुश्मन बना लेंगे और भारी विरोध पैदा कर लेंगे ।

आपमें पात्रा की, विशेषकर जलमार्ग से, तीव्र सालसा रहेगी और जहां तक परिस्थितियां अनुमति देंगी, आप इसे पूरा करेंगे । स्पष्ट-चैत के मामले में आपका भाग्य कभी-कभी चमकेगा लेकिन उसे हाथ में रखने में आपको भारी कठिनाई होगी ।

आप दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास पैदा कर सकते हैं । इन दो शक्ति-शाली हथियारों से जीवन सफर में आसानी से विजय प्राप्त कर सकते हैं, क्योंकि आपकी असाधारण बुद्धि का वरदान मिला हुआ है । आपमें काफी नीति कुशलता है । यदि आपकी दिलचस्पी जाग जाए तो आप राजनयिक के रूप में बहुत सफल हो सकते हैं । आप दूसरे देश के लोगों के अनुरूप स्वयं को ढाल सकते हैं और उनका दृष्टिकोण समझ सकते हैं, भले ही उनके विचार आपके अपने विचारों के विपरीत हों ।

आर्थिक दशा

यदि आप अपनी अन्तःप्रेरणा पर चले और अपने ढंग से काम करें तो पैसा कमाने में बहुत सफल हो सकते हैं । आपका दिमाग दटना तेज और बहुमुखी है कि आप लीज वाले या एकरस जीवन से शीघ्र ऊठ जाएंगे ।

स्वास्थ्य

आप गम्भीर बीमारी से भी शीघ्र उठ खड़े होंगे । प्रमुख कठिनाई अत्यन्त

संबेदनशील स्नायुओं और पर्याप्त विश्राम न कर पाने से ही होगी। बुढ़ापे में चेहरे और आंखों की मसो में तनाव आ सकता है। टांगों तथा पैरों में खोंट या पक्षाघात का भी खतरा है।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'पाच' और फिर 'दो' तथा 'सात' हैं। अपने महत्वपूर्ण कार्यक्रम या योजनाएँ इन्हीं मूलान्कों वाली तिथियों को पूरी करने का प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पाच' मूलान्क वाले होंगे। 'पाच', तथा 'सात' मूलान्कों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रंग हैं बुध (हल्के रंग), खट्ट (हरा, सफेद, नीला), नेप्चून (बबूलरी)। आपको काले या गहरे रंग के वस्त्र नहीं पहनने चाहिए। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, मोती, सफेद चमकीले नग, जेड।

6, 15, 24 (मूलान्क 6) जुलाई की जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शुक्र, खट्ट और नेप्चून हैं। इस ग्रहयोग में आपका जीवन दिलचस्प और असामान्य रहेगा लेकिन प्यार, रोमांस और महत्वाकांक्षा बड़ी भूमिका अदा करेंगे।

आप दयालु, उदार, दूसरों पर अपनी छाप डालने वाले और अत्यन्त आकर्षक होंगे बिन्दु अन्त में आपकी सफलता का राज आपकी महत्वाकांक्षा ही होगी।

रहस्यवाद के प्रति आपकी काफी रुचि होगी, लेकिन इसे अच्छी तरह नियन्त्रण में रखेंगे और बेकार के अंधविश्वास को हावी नहीं होने देंगे। साथ ही आप भाग्य में विश्वास करने वाले होंगे।

अपने परिवार को, विशेषकर मातृ पक्ष को, बहुत प्यार करेंगे। आप सम्बन्धियों के हितों को साधेंगे और इससे आपके बन्धों पर जो बोझ आएगा, उससे धबकाएंगे नहीं। विवाह और आपका निजी घरेलू जीवन विशेष भाग्यशाली रहने की आशा नहीं है।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में आप अधिक भाग्यशाली रहेंगे। विपरीत तिथियों के साथ भाग्यशाली होंगे। विवाह से पैसा मिलने की सम्भावना है। विराम में सम्पत्ति भी मिल सकती है। अथवा आप अपनी निजी मनोशक्ति से पैसा कमाएंगे।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों में शरीर बड़ा दृढ़ और चर्बित से भरपूर होगा। लेकिन बाद में अधिक परिश्रम और तनाव से आप अपने स्वास्थ्य को खोपट कर सकते हैं। आपको आन्तरिक बीमारियाँ हो सकती हैं, जैसे आंतों में दवावट, दृग्मर, अपेंडीसाइटिस इत्यादि।

बादि। नाबधानी से रहने और सदे भोजन से ये शिवायतें ठीक की जा सकती हैं।

आपके महत्वपूर्ण अंक 'छ', 'दो' और 'सात' हैं। इन्हीं मूलाको वाली तिथियों को अपने कार्यक्रम और योजनायें पूरी कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष छ मूलाक वाले रहेंगे। 'छ', 'तीन', 'नी' मूलाको वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आकर्षण महसूस करेंगे लेकिन इनमें 'नी' का मूलाक इतना शुभ नहीं है।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए शुक्र (नीला), चन्द्र (हरा, नीम, सफेद) और नेप्चून (बहुवर्णी) के रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं फीरोजा, सभी नीले नग और पन्ना भी।

7, 16, 25 (मूलाक 7) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक ग्रह नेप्चून और चन्द्र हैं। यदि आप चरित्र-बल और इच्छा-शक्ति का विकास करें तो यह ग्रहयोग आपकी बौद्धिक उपलब्धियों से आपको दूसरों से अधिक लाभकारी स्थिति में पहुंचाएगा। आप असामान्य मानसिक व्यवसाय को ओर जाना चाहेंगे।

आप भावुक, उत्साही और उत्पनाशील होंगे तथा आपको ऊँचे दर्जों की प्रेरणा और आध्यात्मिक शक्ति का वरदान होगा। इस पृष्ठभूमि में आप चित्रकार, लेखक, संगीतज्ञ, कला या धर्म-प्रचारक के रूप में काफी सफल हो सकते हैं। लेकिन आपकी इच्छाएँ भौतिक धरातल की न होने के कारण आपको प्रारम्भिक वर्षों में अपने काम से पैसा कमाना बहुत कठिन होगा, जब तक कि आप साधन-सम्पन्न न हो।

आपकी शक्ति और आदर्शों में परिष्कार की भावना होगी और आपका जीवन बिन्ही दशाओं या परिस्थितियों में प्रारम्भ हुआ हो, आपकी इच्छाएँ महान होंगी। आप अध्ययन से अपने मानसिक गुणों का हर प्रकार विकास करने का प्रयास करेंगे। यह ग्रहयोग दार्शनिक और गम्भीर धार्मिक स्वभाव प्रदान करता है।

25 जुलाई को जन्मे व्यक्ति आगामी राशि, सूर्य के स्वामित्व वाली सिंह राशि के संधि-काल में प्रवेश कर जाने से भौतिक दृष्टिकोण से अधिक सफल हो सकते हैं। वे सार्वजनिक मामलों में अधिक प्रकाश में आयेगे लेकिन दार्शनिक ज्ञान फिर भी पृष्ठभूमि में रहा आएगा।

7, 16 या 25 जुलाई को पैदा हुए सभी लोगों में समुद्र-यात्रा या समुची भूमि-यात्राओं की तीव्र उत्कंठा रहती है। परिस्थितियाँ अनुकूल होने पर वे अज्ञात देशों के अवैयक बन सकते हैं।

घर के प्रति गहरा लगाव होने पर भी घरेलू जीवन में उनके अनुभव असाधारण होने हैं। विवाद होता है तो विभिन्न परिस्थितियों में। बितनी देर से हो, उतना ही अधिक उसके स्फुट रहने का अवसर होता है।

आयिक दशा

आयिक मासों में मैं बहुत अधिक चेतावनी देना नहीं चाहता। इन लोगों के अत्यन्त असाधारण अनुभव रहने की सम्भावना है। एकदम अजनबी व्यक्ति सहसा उनके जीवन में आकर उनमें और उनकी प्रतिभा में गहरी दिलचस्पी लेने लगते हैं और फिर अकस्मात् छोड़कर चल देते हैं। यही बात सम्बन्धियों के बारे में है, कभी भारी दिलचस्पी लेंगे और सहायता करेंगे, कभी इसका उलटा होगा।

जन्मे सशत विरासन मिलने की भी सम्भावना होती है। मैं ऐसे व्यक्तियों को परामर्श दूंगा कि वे आत्मविश्वास पैदा करने का प्रयास करें, अपनी प्रतिभा को बनाए रखें और अपने हृदय में सदा आशा-आवासा की उमोति को जगाए रखें। मेरे ध्यात से इस नियम पर चलने से कभी-न-कभी उनके बौद्धिक गुण उन्हें वांछित पद तक पहुंचा देंगे।

स्वास्थ्य

इस राशि में स्वास्थ्य की दशा मनस्थिति पर निर्भर रहती है। आप शरीर से इतने मोटे-सादे नहीं होंगे लेकिन यदि आपका दिमाग किसी निश्चित उद्देश्य को पूरा करने में जुट जाए तो आप भारी सहनशक्ति का परिचय देंगे।

शरीर में आप किसी निश्चित बीमारी के शिकार हो सकते हैं। द्यूमर, आर्त-रिक अंगों में घाव, सम्वा नजला-जुकाम और इन्फ्लुएंजा की सम्भावना है। लेकिन प्रसन्न मुद्रा में रहने पर ये प्रवृत्तियां गायब हो सकती हैं।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'सात' और 'दो' हैं। इन्हीं मूलकों वाली विधियों को अपने काम या योजनाएं पूरी कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलकों वाले होंगे। इन्हीं मूलकों वाली विधियों को अपने व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 25 जुलाई को जन्मे लोग 'एक-चार' मूलकों वाली विधियों को पैदा हुए लोगों के प्रति भी आकर्षित होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए नेप्चून (बुधवार) और प्लूटो (हरा, क्रीम, सफेद) के रंगों के वस्त्र पहनिए। 25 जुलाई वाले लोग गुनहरे, पीले, नारंगी तथा भूरे रंग को भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आपके भाग्य रत्न हैं हरा जेड, चन्द्रकान मणि, लह-मुनियां, मोती।

8. 17. 26 (मूलांक 8) जुलाई को जन्मे व्यक्ति

8 और 17 जुलाई का पैदा हुए लोगों के लिए बारक ग्रह है। जनि, नेप्चून तथा प्लूटो। 26 जुलाई को मूल्य नके राशि छोड़कर अपनी राशि सिंह में प्रवेश कर लेता है। यह तिथि उन लोगों के लिए शुभ है जो पादरी, संचक, आदि के रूप में काम करने हैं। दिनका काम आज जन्मा को आकर्षित करता है।

यदि आप 8 या 17 पुताई को पैसा हुए हैं तो आप बहुत गम्भीर स्वभाव के, दृढ़ इच्छाशक्ति वाले और अपनी राय में बहुत स्पष्ट होंगे। मध्य आयु तक दूसरे लोगों के बाधा डालने से आप पर बहुत और जिम्मेदारियाँ रहने की सम्भावना है। आप पिछड़े में बन्द कँदी के समान होंगे जो सीखने से बाहर की दुनिया को देख तो सकता है लेकिन अपनी हालत नहीं बदल सकता।

आप कम-अधिक 'भाग्य' की सन्तान होंगे, जहाँ आपकी परिस्थितियों का निर्माण दूसरे लोग करेंगे। आप अपनी भावनाओं में अत्यन्त गम्भीर और ईमानदार होंगे लेकिन प्रदर्शन नहीं करेंगे और न यह व्यक्त कर पाएँगे कि आपने मन में क्या है।

प्रारम्भिक वर्षों में दूसरों के लिए आपकी बलि चढ़ाई जाएगी और आपको अपने काम के लिए बहुत कम सन्तोष या श्रेय मिलेगा। प्यार के मामलों में आपको कुछ बहुत बड़े परीक्षणों और भारी जिम्मेदारियों से गुजरना होगा।

मध्य आयु तक आपको अपनी आकांक्षाएँ पूरी करने में अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ेगा लेकिन अन्त में आप अपने सकल और दुड़ना का पुरस्कार मिलने की आशा कर सकते हैं।

आपके माप दो बातें हो सकती हैं। आप उन व्यक्तियों में हो सकते हैं जिन्हें आकांक्षा और पारिवारिक मजबूरियाँ किसी सीक वाले काम में धकेल देती हैं और जहाँ उन्हें दूसरों के लिए काम करते हुए अपने जीवन का अधिकारा भाग बिताना होता है। अथवा आप अधिक भाग्यशाली वर्ग में से हो सकते हैं जिसे धीरे-धीरे धन जमा करने और भाग्यशाली शक्ति बनने का अधिक शीघ्र अवसर मिल जाता है। आम तौर पर इन तथ्यों को जन्मे व्यक्तियों का प्रारम्भिक जीवन भारी कठिनाई में बीता है।

वे व्यक्ति या तो अत्यन्त धार्मिक स्वभाव के होते हैं या उससे बिल्कुल उल्टे। उनके लिए सबसे अच्छा काम किसी ठोस धन्य के अपनाता रहेगा, जैसे भूमि या खान का विकास, तेल या धरती में निकलने वाले द्रव्यों का व्यापार।

आर्थिक दशा

यदि आप मट्टेबाजी के फेर में न पड़े तो आपका अप्रत्यक्ष और सकल आपको पैसा बचाने और बचाए रखने का अवसर देगा। आप 'चार' और 'आठ' बकों को बार-बार अपने जीवन में आता पाएँगे। वे और उनसे जुड़े व्यक्ति आपके मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निवाहेंगे।

स्वास्थ्य

आप पाचन अंगों, गुर्दा, जिगर और बड़ी आँखों को प्रभावित करने वाली बीमारियों के शिकार होंगे। आपके अन्दर अम्ल का प्रकोप होने और विशेषकर घुटनों, एडियो और पावों में गठिया की विकस्य होने की सम्भावना है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'चार' और 'आठ' हैं। मैं आपको जहाँ तक हो सके, 'नौ' नम्बर से बचने की सलाह दूँगा। 26 जुलाई वाले सौगों के लिए 'एक' और 'चार' के अंक अधिक महत्वपूर्ण होंगे, किन्तु 'आठ' का अंक भी समान महत्व का रहा आया। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' के मूलकों वाले होंगे।

आपके भाग्य रत्न हैं काला मोती, काला हीरा, महरे रंग का पन्ना या हरे रंग, विशेषकर चादी या प्लेटिनम में जड़े हुए।

9, 18, 27 (मूलांक 9) जुलाई की जन्मे व्यक्ति

9 या 18 जुलाई को जन्म लेने पर आपके कारक यह भगल, चन्द्र और नेप्चून होंगे। 27 जुलाई को जन्मे व्यक्ति सूर्य और भगल का प्रभाव में आते हैं। यह एक बहुत प्रबल योग है और जो भी वृत्ति आप अपनाएँ उसी में काफी सफलता और बश की आशा कर सकते हैं। आप किसी भी जिम्मेदारी और उच्च पद के लिए उपयुक्त रहेंगे। आपका स्वभाव हृत्पुच्छ, आशावादी और हिम्मत वाला होगा। आपका या सकल काल में आप अपने सर्वोत्तम गुणों का परिचय देंगे।

कर्क में भगल अपनी नीच राशि में होता है। अतः यदि आप 9 या 18 जुलाई को पैदा हुए हैं तो आपका जीवन विरोधाभास से पूर्ण होगा और अपने सत्य या आकांक्षा की पूर्ति के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और चरित्र-बल का विकास जरूरी है। आपमें अकुशो के विरुद्ध विद्रोह करने की प्रवृत्ति होगी। व्यवहार में व्यवहार-कुशलता और समझदारी लानी होगी।

आप निडर और आजाद होंगे लेकिन प्रारम्भिक जीवन में आवेग के दौर पड़ने की सम्भावना है। उन पर ठीक से काबू पाकर प्रेरक शक्ति के रूप में उनसे काम लेना होगा।

आप अपने सभी कामों में दबंग और उछपी होंगे। आप में एक प्रकार की नेतृत्व भावना और दुस्साहस से प्रेरण होगा। आप अपने निवास को बार-बार बदल सकते हैं और अधिक समय तक एक स्थान पर जमकर बैठना आपके लिए आसान नहीं है।

सम्बन्धियों में आपका काफी मन-मुटाव रहने की सम्भावना है। विवाह कम आयु में न करना बेहतर होगा। जहाँ तक छात्रों और दुपटनाओं की बात है, आपके जीवन में विविध घटनाएँ घटेंगी, विशेषकर ब्याप, आत्मसाहस, तूफान, भूकम्प और पानी से। आपको सदा अच्छा बीमा करार रखना चाहिए और बुढ़ापे के लिए पैसा बनाना अलग रख छोड़ना चाहिए, नहीं तो आपका आर्थिक बटोराइयो का सामना करना पड़ सकता है।

आपका अनेक मुखदमों से घाला पड़ेगा जिनमें आप आम तौर से हारेंगे ही

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में या तो आपको भारी सफलता मिलेगी या भारी विफलता। बीच के रास्ते की कोई सम्भावना नहीं है। इस पार या उस पार। फिर भी आपके पाम पैसा कमाने के लिए इतने उद्यमी विचार और योजनाएँ होगी कि किसी-न किसी योजना के सफल हो जाने और आपके धनी बन जाने की आशा है। आपको प्रतिवर्ष जुलाई, अक्तूबर, दिसम्बर और अप्रैल में कठिनाइयाँ, परेशानियों या चिड़न से सतर्क रहना चाहिए।

स्वास्थ्य

आपके लिए यह महत्वपूर्ण विषय नहीं है। आपमें भारी जीवन-शक्ति होगी और किसी भी बीमारी से शीघ्र स्वस्थ हो जाएंगे। महत्वपूर्ण बात दुर्घटनाओं से खतरे की है। टांगों और पावों में घाट लगने की सम्भावना अधिक रहेगी। रेल, मोटर तथा जहाज की दुर्घटनाओं से भी खतरा है।

आपको आँखों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। मोतिया बिन्द आदि का उपरोक्षण कराना पड़ सकता है।

आपके महत्वपूर्ण अंक 'नौ' 'दो' और 'सात' हैं। अपनी योजनाएँ और कार्यक्रम इन्हीं मूलों की वाली तिथियों को पूरा करने का प्रयास कीजिए। अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए मंगल (ताल), चन्द्र (हरा, नीम, सफ़ेद) और नेप्चून (बबूतरी) के रंगों के वस्त्र धारण कीजिए। आपके भाग्य रत्न ताल, तामड़ा और नग हैं। इनके बाद मानी, चन्द्रकात मणि और जेड का नम्बर है, किन्तु ये इतने महत्वपूर्ण नहीं हैं।

27 जुलाई को जन्मे लोगों को सूर्य (मुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) और मंगल (ताल) के रंगों के कपड़े पहनने चाहिए। इनके लिए महत्वपूर्ण अंक 'एक', 'चार' और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलों की वाली तिथियों पर अपनी योजनाएँ और कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास करना चाहिए।

तीनों तिथियों वालों के लिए सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' और 'नौ' मूलों की वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति इनका गहरा लगाव रहेगा।

अगस्त

मिह राशि का प्रारम्भ 21 जुलाई को होता है, लेकिन पूर्व राशि चक्र के साथ इसका सधि-काल चलने के कारण यह 28 जुलाई को ही पूर्ण प्रभाव में आ पाती है। इन तिथि से 20 अगस्त तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर आगामी राशि कर्का के साथ इसका सधि-काल प्रारम्भ हो जाता है और इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है।

मिह राशि का स्वामी सूर्य है। 21 जुलाई से 20-28 अगस्त तक इनमें व्यक्तियों में प्रबल विशिष्ट गुण पाए जाते हैं। आम तौर से वे महत्वाकांक्षी होते हैं। उनका लक्ष्य आम लोगों से ऊपर उठने का होता है। वे भले ही छोटे परिवारों में जन्म लें, इच्छाशक्ति, सक्षम और योग्यता से घास तौर से ऊँचे अधिकारी पदों पर पहुँचते हैं।

वे अन्य दबंग व्यक्तियों के प्रति गहराई से आकर्षित होते हैं। दरअसल, जब तक उनका अपना अलग व्यक्तित्व और उद्देश्य रहता है, वे उनके सौ बसुर भी भाँफ करने को तैयार रहते हैं।

इस अवधि में पैदा हुए व्यक्ति विशाल हृदय और उदार होते हैं। वे अत्यन्त स्वतन्त्र भावना वाले होते हैं। अकुश लगाए जाने या आदेश दिए जाने से घृणा करते हैं। उनमें अपने ध्येय के प्रति काफ़ी आपसू और इच्छाशक्ति होती है। यदि किसी योजना, उद्देश्य या पद पर ध्यान लगाए तो हर कठिनाई या बाधा के बावजूद आम तौर से अपना लक्ष्य प्राप्त कर लेते हैं। लक्ष्य प्राप्त न होने पर उनमें निराशा और असंतोष पैदा होता है, लेकिन अपनी कमियों के लिए वे स्वयं को ही दोष देते हैं।

उनमें आश्चर्यजनक आकर्षण शक्ति होती है। दूसरों को महान् कार्य करने की प्रेरणा दे सकते हैं। इस राशि (15 अगस्त) में जन्मे नपोलियन की भाँति दूसरों के भक्ति भाव को आकर्षित करते हैं और अत्यन्त कठिन परिस्थितियों में भी लोगों को अपने पीछे चलने को प्रेरित कर सकते हैं। ऐसे लोगों को हमेशा भ्रमिय बने रहना चाहिए। यदि परिस्थितिवश वे जीवन-संघर्ष की मरगर्मी और हथचान में अलग हुए तो उदास और निराश हो जाते हैं।

आम तौर से वे अत्यन्त धीरे और देर तक सब कुछ सहने वाले होते हैं, लेकिन एक बार उत्तेजित हो उठने पर घेर की तरह भय नहीं जानते और हार नहीं मानते।

वे अपनी साफ बयानी और छिपकर घान लगाने से घुणा के कारण लोगो को दुश्मन बना लेते हैं। वे अपने मित्र की हर हमले से रक्षा करेंगे। केवल घोड़ेबाजी या गैर-वफादारी से ही उनके अभिमान को चोट पहुंच सकती है। वे उच्च आदर्श और आकांक्षा का परिचय देते हैं। स्वयं विशाल हृदय, ईमानदार और सच्चे होने के कारण अपने जाम-पास के लोगो से भी ऐसी ही अपेक्षा करते हैं और प्रायः भारी निराशा और घोसे के शिकार होते हैं।

अपनी सहिष्णुता, स्नेह, दया और प्रबल सम्मोहन-शक्ति से वे अत्यधिक लोक-प्रिय हो जाने हैं। बातावरण के प्रति अत्यन्त सनेदनशील होने से उनमें दूसरों की आदत और परिस्थितियां ओढ़ लेने की गहरी प्रवृत्ति होती है।

मानवीय स्वभाव में बढ-चढकर विश्वास, प्रेम और मित्रता के मार्ग में उनके लिए रोड़ा बन जाता है। इसमें उन्हें अनेक दुःख परिस्थितियों, दिल टूटने और तनावों का सामना करना पड़ता है। उनमें शानदार संगठन क्षमता और महर्वाकांक्षा होती है, लेकिन अपने कंधों पर बहुत अधिक जिम्मेदारियां ओढ़ लेते हैं। उन्हें अपने 'शाही स्वभाव' को भी ज्यादा छोड़ने से बचना चाहिए अन्यथा वे दूसरों पर छाने का प्रयत्न करने लगते हैं।

स्वास्थ्य

इस अवधि में पैदा हुए लोगो का शरीर गठा हुआ और उनमें रोग से मुक्ति पाने की अच्छी क्षमता होती है। उनकी मुख्य परेशानी आम तौर से दिल की अनियमित घटकन रहती है जिससे रक्त-संचार पर प्रभाव पड़ता है। बेमेल बातावरण का भी उनके स्वास्थ्य पर घातक प्रभाव पड़ेगा।

कभी-कभी तेज बुझार होने पर उन्हें गठिया के क्षीब हमले का भी शिकार होना पड़ सकता है। वास्तव में बहुत कम बीमारियों का सचेत भित्ता है लेकिन जो आती हैं, उनका इलाज कठिन होता है। सूर्य-स्नान से लाभ होगा। दवाओं से अधिक लाभ खुली ताजा हवा पहुंचाएंगे। शोक या लम्बी चिन्ता अन्य बातों की अपेक्षा स्वास्थ्य को अधिक शीघ्र आघात पहुंचाती है।

आर्थिक दशा

इस अवधि में जन्मे लोग आर्थिक मामलों में अल्प मामलों की अपेक्षा आम तौर से अधिक भाग्यशाली समझे जाते हैं। वे जो भी न्यायपूर्ण घथा अपनाएंगे उसी में सफलता मिल सकती है। पद और आयु में बड़े लोगो से लाभ मिलने की आशा है। प्रायः सट्टेबाजी और सम्झदारों से किए गए विनियोग से आर्थिक लाभ मिलता है। उनकी आर्थिक योजनाएं बड़े पैमाने की होनी चाहिए और उन्हें व्यक्ति के क्षम्य आम जनता का सरक्षण प्राप्त होना चाहिए। सोने की धान, पीतल के काम, हीरे,

उपयोगी वस्तुओं के आयात निर्यात में पूँजी लगाने और सरकार या नगरपालिकाओं से धराने में अच्छी आय होगी।

विवाह, सम्बन्ध और साझेदारी

इन लोगों के अपनी निजी राशि सिंह (21 जुलाई से 20 अगस्त), अग्नि-त्रिकोण की अन्य दो राशियों धनु (21 नवम्बर से 20 दिसम्बर), तथा मेष (21 मार्च से 19 अप्रैल), इन राशियों के पीछे के सात दिन के संधि-काल और सिंह से सातवीं शुभ राशि (21 दिसम्बर से 19-27 फरवरी) के दौरान जन्मे लोगों के साथ सबसे अधिक मधुर सम्बन्ध रहेंगे।

1, 10, 19, 28 (मूलांक 1) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

सूर्य और यूरेनस आपके कारक ग्रह हैं। यह योग आपको स्वतंत्र तीक्ष्ण विचार शक्ति प्रदान करता है, सहृदयता, योजनाओं पर अमल में सकल्पबद्ध, मेहनती, काम या बापदो से ईमानदार बनाता है, हसमुख और प्रसन्नचित्त स्वभाव, आकर्षक व्यक्तित्व, जीवन में सफलता और सम्मान का आश्वासन देता है। आप सरकार, नगर पालिका, जन जीवन, बंधु समाज और बड़े-बड़े संगठनों से सम्बन्धित कामों में विशेष रूप से सफल होंगे।

यूरेनस आपको असाधारण अंतर्प्रेरणा, मौलिकता के साथ विचारों की स्वतंत्रता आग बढ़ने की उत्तम भावना प्रदान करता है। आपकी घनी पसंदगी और नापसंदगी होगी। आप तीव्र आसक्ति में फँसकर शीघ्र विवाह-सम्बन्ध स्थापित कर सकते हैं। आप शीघ्र जाय में उबलने लगेंगे लेकिन उतने ही शीघ्र बुझ भी हो जाएंगे। आप अत्यन्त ईमानदार स्वभाव के हैं, झुपकाप डेर सारा काम निपटान सकते हैं।

आप दूसरों से सम्मान और सराहना प्राप्त करना चाहेंगे। आप राजनीतिक जीवन में भी प्रवेश कर सकते हैं।

आर्थिक दशा

आर्थिक दृष्टि में आपके ग्रह-यात्रा बहुत शुभ हैं। प्रारम्भिक वर्षों में कठिनाई हो सकती है, लेकिन प्रतिबल-परिस्थितियों की पार कर लेंगे। आपके सम्पत्ति होने तथा अपने समाज में अधिकार व पद पाने की पूरी सम्भावना है।

आपकी जीवन-वृत्ति दो कालों में विभाजित होगी—पहले 36 वर्ष की आयु तक कठिनाइयों से जूझने में कठोर परिश्रम करना होगा, उसमें आगे आप बहुत-बुढ़ सम्पत्ति और सफल जीवन बितायेंगे।

स्वास्थ्य

वचपन में और जवानी के प्रारम्भ में अनेक छोटी-मोटी बीमारियाँ हो सकती हैं, विशेषकर बुखार, गठिया, रक्त में जल, फोड़े फुसी आदि। करीब 28 वें वर्ष से आप स्वस्थ और जीवन हो जाएंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक' और 'चार' हैं। महत्वपूर्ण योजनाएँ या कार्यक्रम पूरे करने के लिए इन्हे काम में लीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी 'एक' और 'चार' मूलकों वाले ही रहेंगे। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए आप सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) और मूनेम (सिलेटी, गहरा नीला, शोख) के रंगों के कपड़ पहनिए।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह चंद्र, नेप्चून और सूर्य हैं। 29 अगस्त को जन्म लेने पर आप आगामी राशि कन्या के क्षेत्र में प्रवेश कर चुके होते हैं और तब सूर्य के स्थान पर बुध के प्रभाव में आ जाते हैं।

आपका ग्रह योग बहुत शुभ है। यह आपको मानसिक और सामाजिक रूप से ऊपर उठाएगा। आपने लोगों का विन्यास पैदा करेगा और आपको वृत्ति में आगे बढ़ने के अनेक अवसर प्रदान करेगा।

आप विपरीत लिंगियों में लोकप्रिय होंगे, आदर्शवादी प्रेम-प्रसंग और रोमांस आपके जीवन में विचित्र और असाधारण घटनाओं को जन्म देंगे। संगीत, साहित्य, कला या नाटक में आप काफी प्रतिभा का परिचय दे सकते हैं।

अपने जीवन-वृत्त में आप प्रमुख पद प्राप्त करेंगे और भारी व्यवहार-कुशलता, कटनीति तथा सुप्रबुद्ध का परिचय देंगे। अतः अपने मित्र और प्रेम पात्रों के प्रति अत्यन्त वफादार होंगे, दत्तने उदात्त और विज्ञान हृदय कि आपका कोई दुश्मन नहीं होगा, भले ही वह आपके विचारों से मतभेद रखन वाला हो। आप दूसरों में सर्वोत्तम गुणों को ही देखना चाहें और सम्भव हुआ तो उन्हें निवारण में सहायता भी करेंगे।

आपको भाषण या लेखन-कला के वरदान का विकास करने में समर्थ होना चाहिए। आप धर्म-प्रचारक शिक्षक या जज के रूप में सफल हो सकते हैं। आम लोगों के बारे में आपको गहरा अंतर्ज्ञान होगा, कठोर आलोचना की दृष्टि से नहीं, उन्हें मनसून और समझाने की दृष्टि से।

आर्थिक दशा

स्पष्ट-पथ के मामले में आप भाग्यशाली होंगे, फिर आपके लिए उमका

अधिक मूल्य नहीं होगा। ऐसा विचित्र ढंग से आएगा, उपहार से, विरासत से, वसीयत से, लेकिन कभी-कभी अपनी उदारता से स्वयं को गरीब बना सकते हैं। आप अपने मानसिक गुणों से, जैसे भाषण देना, कला, संगीत, लेखन आदि से व्यापार की अपेक्षा अधिक धन कमा सकते हैं।

स्वास्थ्य

आपको स्वास्थ्य के बारे में सावधान रहना चाहिए और अपनी शक्ति जहां तक हो सके, संचित रखनी चाहिए। फेफड़ों और कले में कमजोरी, दिल की धड़कन में अनियमितता और रक्त वा ठीक से संचार न होना आदि सिद्धायत हो सकती है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 2, 7 और उसके बाद 1, 4 हैं। 29 अगस्त वालों के लिए भी ये ही अंक टोक रहेगें। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सान' मूलान्तों वाले ही रहेंगे। इन्हीं मूलान्तों और 'एक' तथा 'चार' मूलान्तों वाले तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आपका गहरा लगाव होगा।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चंद्र (हरा, नीम, सफ़ेद), नेप्चून (बदुत्तरी), सूर्य (मुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) और यूरेनस (सिनेटी और शीघ्र) के रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं मोती, चंद्रवाल मणि, जेड, पुष्कराज, नीलम और अम्बर।

3, 12, 21, 30 (मूलान्त 3) अमरुत को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह गुरु, सूर्य और यूरेनस हैं। 30 अगस्त को आगामी राशि कन्या का क्षेत्र आरम्भ हो जाता है, अतः उस दिन जन्म लेने वालों के कारक ग्रह गुरु और बुध (सौम्य) हैं।

आपके स्वभाव में प्रबल महत्वाकांक्षा है, साधारण सफलता में आपको कभी सन्तोष नहीं होगा। देर-सदैव आपके मन में अपने समाज के प्रमुख और जिम्मेदार पदों पर पहुंचने की तीव्र इच्छा जाग उठेगी।

आप पूरी क्षमता और ईमानदारी से अपना काम करेंगे और उसमें अपने को भा नहीं बर्सेंगे। 'फलस्वरूप' आप अपनी शक्ति को बम कर लेंगे।

आप बहुत आदर्शवादी होंगे, अनेक विषय भी बनाएंगे लेकिन प्रेम के मामले में अनेक निराशाओं और दिल टूटने का सामना करना पड़ेगा।

आपने ग्रहयोग हर प्रकार की सरकारी नौकरी अथवा राजनीति या नगर-पालिका के कामों में सफलता का आश्वासन देते हैं। आप अधिकारी पदों पर दूसरों से अधिक योग्यता का परिचय देंगे। आपके आग-पास के लोग आपको सराहेंगे, प्रशंसा और बड़ावे से आप सिंगेंगे नहीं, उल्टे उनसे आपको और जाने जाने के लिए बल मिलेगा।

आपका स्वभाव बहुत स्नेह-भरा है। आपमें पारिवारिक जीवन की गहरी समझ है, बच्चों से भारी प्यार है या उन्हें सिखाने-पढ़ाने की भावना है। आपकी उच्च आकांक्षाएँ हैं। चाहे नाली में पैदा हुए हो, लेकिन स्वभाव में कुछ-न-कुछ राजसीपन अवश्य रहेगा।

आप ऊँचे पद प्राप्त करेंगे। एकमात्र खतरा यह है कि आपकी महत्वाकांक्षा की कोई सीमा नहीं होगी। आप अपने कंधों पर बहुत अधिक बोझ उठाने का प्रयास करेंगे, ऐसे काम हाथ में लेना चाहेये जिनके भार से दबकर और अत्यन्त परिश्रम कर आप अपने को खत्म कर लेंगे।

पूजी लगाने में आप सफल होंगे, बशर्ते कि अपनी अनप्रेरणा से कार्य करें और खुशामदियों के बहुवादे में न आएँ। आप जैसे पदों पर होंगे उनमें ऐसे व्यक्तियों से पाला पड़ना निश्चित है।

आर्थिक दशा

अपने अच्छे नियंत्रण से आप सम्पत्ति और आर्थिक स्थिति में निरन्तर सुधार की आशा कर सकते हैं। व्यापार तथा उद्योग पर प्रभाव डालने वाले घटनाचक्र पर भारी अतीतिक पकड़ होगी। आप पैसा जमा नहीं करेंगे बल्कि बड़ी बड़ी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए उसका तुलकर-सदुपयोग करेंगे।

स्वास्थ्य

यदि आप गरिष्ठ भोजन का लोभ सवरण कर सकें तो जीवन-भर अच्छे स्वास्थ्य की आशा कर सकते हैं। सार्वजनिक भोजनों के कारण कभी-कभी ऐसा करना कठिन होगा। आपको सबसे बड़ा खतरा अत्यधिक परिश्रम के कारण उच्च रक्तचाप या दिल के दोरे से होगा।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन', 'एक' और 'चार' हैं। इनमें 'तीन' और 'एक' सबसे शक्तिशाली हैं। अपनी-योजनाएँ और कार्यक्रम इन्हीं मूलकों वाली विधियों को पूरा करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' और 'तीन' मूलकों वाले हो रहेंगे। 'चार' मूलक वाले वर्ष घटनापूर्ण और महत्वपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन इतने शुभ नहीं होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गुरु (बैंगनी फालगुनी, जामुनी), सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) और मूरुनस (गहरा नीला और शायद मिलेटा) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं बटैला, जामुनी नय, हीरा, अम्बर, पुष्कराज, नीलम।

4, 13, 22, 31 (मूलांक 4) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

मूरुनस और नय आपके कारक ग्रह हैं। 31 अगस्त को जन्म लेने पर अगली

राशि कन्या का क्षेत्र प्रारम्भ हो चुका होगा और आप पर सूर्य, यूरेनस तथा बुध (सौम्य) का प्रभाव अधिक रहेगा।

यूरेनस के प्रभाव से आपके चरित्र का व्यक्तिगत पक्ष अधिक प्रमुखता से उभरकर सामने आयेगा। आपमें विचारों तथा कार्य की स्वतन्त्रता के लिए निश्चिन् मोह होगा।

आप हर प्रकार से लोक से हटकर चलना चाहेंगे। आपको बहुत कुछ सनकी समझा जाएगा और आप दूसरों की याजनाओं में आसानी से नहीं बैठ सकेंगे। आपके अपने सौग और निकट-सम्बन्धी ही आपका साथ देने में सबसे अधिक कठिनाई महसूस करेंगे। आप अकुश और आलोचना सहन नहीं करेंगे। यदि ऐसा करने की स्थिति में हुए तो घर-बार छोटकर सम्बन्धी धात्राओं पर पत देगे।

आपको भारी धर्म के विचारों की जरूरत होगी, विशेषकर निकट के सम्बन्धियों के साथ व्यवहार में। आप शायद किसी असामान्य बाय या धृति में सफलता प्राप्त

धर्म और जीवन के प्रति आपके विचार लोकसे हटकर होंगे। अपने मुहकटपन से आप अनेक लोगों को दुश्मन बना सकते हैं। अपने जीवनकाल में आप अनेक दुष्साहसिक अभियान करेंगे। प्रेम-प्रसंगों में अनेक निराशाओं का सामना करना पड़ेगा, विशेषकर पारिवारिक जीवन में। 3। अगस्त की जन्मे व्यक्तियों पर यह बात इतनी लागू नहीं होगी।

आर्थिक दशा

आपकी आर्थिक दशा की समझ पाना कठिन होगा। प्रकटत आप रपए-रुपे की परवाह नहीं करेंगे, फिर भी उनकी शक्ति से प्रभावित होंगे। व्यापार में या तो सम्बन्ध व्यक्तियों पर आघ्र मूडकर भरोसा करेंगे या उनके प्रति सदेहमोल होंगे।

आपके लिए अकेले काम करना अच्छा रहेगा। आप हर प्रश्न के दोना पटनू देख सकते हैं और उन पर समान रूप से वाद-विवाद कर सकते हैं। आप माहकनर के रूप में सफल हो सकते हैं। देर-मवेर आपके दिनाग में कोई ऐसा नया विचार आने की सम्भावना है जो आपको बड़ी धन प्राप्ति करा सकता है।

स्वास्थ्य

आपका स्वास्थ्य अच्छा होगा किन्तु अधिकतर रोग पर निर्भर होगा कि वन-वरण सौहार्दपूर्ण है या नहीं। भय की स्थिति का स्वास्थ्य को अकान्द चुगाई पर भारी प्रभाव पड़ेगा। दुर्गती होने पर चिन्ता करेंगे, उदाग हो जाएंगे और अपने में गिगट जाएंगे। आपमें विष पाने, खाकटे आने और कठिनाई में निदान होने वाली बीमारियों की प्रवृत्ति होगी।

हड्डियाँ चटकने वाली होगी। आपको अकस्मान् गिर पड़ने और टांग-पाव में चोट से विशेष सतर्क रहना होगा। रीढ़ में कमजोरी या चोट की भी सम्भावना है।

आपमें दो वर्ग विशेष रूप में मिलाते हैं। एक वर्ग उन लोगों का है जिन्हें मध्य आयु के बाद तेजी से थोड़ा-थोड़ा चढ़ने लगता है। यदि आप इस वर्ग में से हैं तो दिल की बीमारी या मस्तिष्क के बीमा से अपनी रक्षा कीजिए। इसके विपरीत यदि आप उन लोगों में से हैं जो मध्य आयु के बाद तेजी से पतले होने लगते हैं तो सभी प्रकार की स्नायुविक बीमारियाँ से सावधान रहिए। ऐसा न करने पर बाद में पचापान का घतरा रहता है।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'चार' है जो जीवन भर महत्वपूर्ण रहेगा। 21 जून से अगस्त के अन्त तक और 21 दिसम्बर से 19 फरवरी तक 'भाठ' का अंक विशेष महत्वपूर्ण होगा। आप उक्त मूलाकी वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा सावधान महसूस करेंगे। आप देखेंगे कि आपके भाग्य में उनकी बहुत-कुछ, निर्णायक भूमिका रहती है। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'भाठ' मूलांक वाले ही होंगे।

आपको सफलता प्रदान करने वाले रंग ये हो हैं जो जुलाई में इन तिथियों की पत्र व्यक्तियों के लिए हैं गहरा नीला, या समुद्री नीला और सुनहरा, पीला नारंगी तथा भूरा। भाग्य रत्न हैं नीलम, हीरा, ताम्र और पुष्कराब्ज।

5, 14, 23 (मूलांक 5) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह बुध, सूर्य और यूरेनस हैं। यह एक अच्छा मानसिक ग्रह-योग है। इससे बौद्धिकता और निर्णय की क्षति बड़ती है। मुख्य घटना यह है कि यह व्यक्ति को जल्दबाज बनाता है। यह महत्वाकांक्षी स्वभाव प्रदान करता है। लैबको, कलाकारों, अभिनेताओं आदि के लिए यह योग विशेष लाभकारी है।

बुध और सूर्य का योग आत्मविश्वास और आर्थिक योग्यता देता है, लेकिन कभी-कभी तटुबाजी में भारी जोखिम उठाने की प्रवृत्ति भी देता है। इस प्रवृत्ति को दूर से बाध में रखने पर यह एक भाग्यशाली योग है।

बुध और यूरेनस का योग जीवन में आकस्मिक और अप्रत्याशित परिवर्तन लाएगा। वृत्ति या व्यवसाय में भी। साथ ही स्वभाव में चञ्चलता और स्थान परिवर्तन या यात्रा की वलवती उत्कण्ठा देता है। जो अप्रत्याशित सन्देहशील और भ्राम्य तीर से भारी तनाव की स्थिति में रहेंगे।

साथ ही, छोटी अवधि के किसी निश्चिन्त लक्ष्य की निष्ठा के लिए काम करने में आसक्ति और आत्मसमर्पण देता रहेंगे। देर-देर चलने वाले काम या एकरसता से घृणा करेंगे। सबसे अधिक सफलता आकस्मिक आपात स्थिति में काम

करने अथवा अपनी मन पसन्द योजना, उद्देश्य या आदर्श के लिए घुआधार गति से काम करने में मिलेगी।

प्रेम-प्रसंगों में भी आप परिवर्तन चाहेंगे। नया चेहरा सदा आपको सुभाषण। नयापन रहने तक आप व्यक्तियों और परिस्थितियों में खूब रच-रूप कर रहेंगे।

आप नृत्य, गीत और चंचलता या शीघ्रता चाहने वाले खेलों के शौकीन होंगे। आप विमानों और तेज मोटरकारों में, दरअसल दूरी घटाने वाले सभी साधनों में, दिलचस्पी लेंगे। आपको सलाह देना या समझाना आसान नहीं होगा क्योंकि आप में अपने ही कामदे-कानूनों पर चलने की प्रवृत्ति है।

आर्थिक दशा

दूसरों के लिए योजनाएँ बनाने में आप अत्यधिक कुशल होंगे। आप इतने बहु-मुखी और हर काम के अनुरूप अपने को ढाल लेने वाले होंगे कि कोई काम आपसे छूटेगा नहीं। सबसे बड़ा खतरा ऐसे अवाञ्छनीय परिवर्तनों से होगा जो आपके समूहत्व से पहले ही आपको परेशानी में डाल सकते हैं।

स्वास्थ्य

आप अपने स्नायुओं से बहुत अधिक काम लेंगे और अपने को थका लेंगे। आप शरीर के विभिन्न भागों में नसों में दर्द में पीड़ित हो सकते हैं। कभी-कभी आपको अपचन की तीव्र शिकायत और अन्दरूनी अंगों में गड़बड़ी की शिकायत होगी। इस स्थिति में आप ऐसे उपायों की ओर दौड़ेंगे जो आपको जल्दी-से-जल्दी आराम दे सकें। आप मादक द्रव्यों या उत्तेजक हवाओं के आदी हो सकते हैं।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक, विशेषकर जून और सितम्बर में 'पाच' है। इसने बाद 'एक' है। आपको अपने कार्यक्रम और योजनाएँ इन्हीं मूलानुवासी वाली तिथियों पर पूरी करने का प्रयास करना चाहिए। साथ ही मेरा कहना है कि जहाँ तक अंक का नियम है, पाच अंक वाले व्यक्ति उससे सबसे कम प्रभावित होते हैं। वे सभी अंकों और व्यक्तियों के अनुरूप अपने का ढाल लेते हैं।

यही बात रंगों के बारे में है। आप कोई भी रंग पहन सकते हैं किंतु दिल से हल्के रंगों को पसन्द करेंगे। आपके भाव्य रत्न हैं हीरा, मोती, और चमकीले नय।

आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पाच' मूलानुवासी वाले होंगे। इसी मूलानुवासी वाली तिथियों का पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप कुछ सगाव महसूस कर सकते हैं।

6, 15, 24 (मूलानुवासी 6) अमृत को जन्मे व्यक्ति

आपने बारम्बार ग्रह शुक्र, सूर्य और यूरेनस हैं। आपके जीवन और वृत्ति में शुभ का स्नेही या प्रेमी स्वभाव प्रमुख रूप में प्रकट होगा। आप स्वभावतः सम्पन्न

मे आने वाले सभी व्यक्तियों के साथ सहानुभूति और उदारता से पेश आएंगे। विपरीत लिंगी आपकी ओर आकर्षित होंगे। आपमें प्रेम की तीव्रता इतनी अधिक होगी कि उसके किसी-न-किसी रूप के बिना जी नहीं सकेंगे। इसका यह मतलब नहीं है कि वासना या पार्श्विक वृत्ति आपके जीवन में छाई रहेंगी। इसके विपरीत यह योग आपको परिवार के प्रति आशा से अधिक स्नेहानु और उच्च आदर्शों वाला बनाएगा।

आप जहाँ वही होंगे, आत्मानो और तेजी से मित्र बना लेंगे। आप सामाजिक जीवन के लिए तय होंगे। मित्रों का सत्कार करना सामर्थ्य के अनुसार उन्हें अच्छे-से-अच्छा खिलाना-पिलाना चाहेंगे। पूरी सम्भावना यह है कि अपनी इस इच्छा के कारण आप शुक का एक या अधिक गुण अपना लेंगे, जैसे संगीत, कला, विशेषकर मंचरत्ना, फ़िल्मी दुनिया, साहित्य, कविता, गायन, नृत्य आदि।

आप युवकों में गहरी दिलचस्पी लेंगे और सदा उनसे घिरे रहेंगे। शायद इनीशियम आप न कभी बूढ़े दोस्तों और न बुढ़ापा महसूस करेंगे। अपने स्वभाव के इन पक्षों को जीवन्त रखने के लिए आप इस बात के लिए तालाबिन रहेंगे कि आपका घर हमेशा नये-नये बेहरो से भरा रहे। इसके लिए आपको बहुत गलत भी आका जाएगा और यही आपकी जीवन-नौका के ध्वस्त होने का खतरा है। यूरेनस के प्रभाव से आप बिचित्र, तीक से अलग चलने वाले लोगों को काफी आकर्षित करेंगे।

अपने उदार स्वभाव के कारण आप अपने मित्रों के दोषों की उपेक्षा कर देंगे और जिस बदनामी को आप टाल सकते हैं, उसे अपने सिर पर ले लेंगे। फिर भी यह ग्रह योग शुभ है और आप आशा से अधिक भाग्यशाली रहेंगे।

मैं आपको चेतावनी देना चाहता हूँ कि अपने मित्रों और सम्बन्धियों के प्रति अति उदार मत बनिए, दिखावे के चक्कर में अपव्यय कर अपन आर्थिक कोष को खाली मत कीजिए। लेकिन आम तौर से आप भाग्यशाली और सफल जीवन बिताएंगे तथा जो भी वृत्ति अपनाएंगे उसी में महत्वपूर्ण पद प्राप्त करेंगे।

आर्थिक दशा

आप धन कमाने के बारे में आसुस्त हो सकते हैं, पूँजी लगाना आपके लिये आम तौर से भाग्यशाली रहेगा और आप धनी व्यक्ति बनेंगे। संगीत, साहित्य, नृत्य, रंगमंच आदि अपनी किसी प्रतिभा को विकसित करने भी धन कमाएंगे।

स्वास्थ्य

आपको बहुत स्वस्थ जीवन बिताना चाहिए। कुछ खतरा पशुओं से रहेगा। शायद उनके प्रति आका प्रेम इसका कारण हो। बुढ़ापे में दिल की कमजोरी से कुछ परेशानी हो सकती है। जलोदर की भी प्रवृत्ति होगी।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक्षर 'छ' 'एक' और 'चार' है। मैं आपसे अपनी योजनाएँ पूरी करने के लिए 'चार' अक्षर को काम में लेने की सिफारिश नहीं करूँगा। हमारे प्रभाव पर नज़र रखिए। यह आपके जीवन में बार-बार आएगा, लेकिन आगे के विकास चेतनत्वों के रूप में।

आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' और 'छ' मूलकों वाले रहेंगे। 'एक' 'चार' 'तीन' या 'छ' मूलकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रंग नीला और मुनहूँ, पीला, नारंगी, भूरा है। आपके भाग्य रत्न हैं पीरोडा, सभी नीले रंग, हीरा, पृथ्वी और अम्बर।

7, 16, 25 (मूलांक 7) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक ग्रह नेप्चून, चंद्र, सूर्य और यूरेनस हैं। यह एक बहुत विचित्र ग्रहण है।

नेप्चून आपको अत्यन्त महत्वाकांक्षी बनाएगा लेकिन सामान्य ढंग में नहीं। यह महत्वाकांक्षा दूसरों पर प्रभुत्व या शासन की नहीं होगी बल्कि आपके काम में सम्बन्धित होगी, उसकी सफलता के लिए।

आपके मन में शुद्ध विद्याओं और दार्शनिक विषयों के साथ ही सभी सतित ब्रह्मों के प्रति प्रेम होगा, जैसे संगीत, चित्रकला, बाज्य, मंचकला आदि। आपका व्यवहार शान्त और शार्तल होगा। आपमें भावुकता होगी जिसका पुनरावर्तन बहुत-बहुत अध्यात्मवाद की ओर होगा। अपने साधियों के प्रति आप सहृदय और उनका भला करने वाले होंगे। आपके प्रेम-प्रसंगों में अनेक दर्द और निराशाएँ होंगी लेकिन उनके कारण आप अपनी भावनाओं को बँटोर और बँटु नहीं होने देंगे।

आप अपने विचारों और दूसरों की राय के बारे में मोहित लीक में हटकर और स्वतंत्र होंगे। आप स्पष्ट पसंद और नापसन्द वाले होंगे। आपके जीवन में सोमहर्षक अभिमान और असामान्य तथा विचित्र प्रेम-प्रसंग आएंगे जिनकी आलोचना होगी तथा आपको परेशानी होंगी।

आः किन्तु ऐसे काम में सफल होगा जिसमें आप विमुद्धन अपने व्यक्तित्व पर निर्भर रहे, व्यापार-व्यवसाय में नहीं।

आपमें सदा यात्रा और ग्यान-परिवर्तन की तीव्र इच्छा रहेगी लेकिन आपको अपने स्वभाव की चबलता को अच्छी तरह नियंत्रण में रखना चाहिए। आप धूम्रपान और वातावरण दोष के प्रति अत्यन्त संवेदनशील होंगे। आपको प्रेरणा और अन्तर्गत का वर्तमान होगा। रहस्यवादी या गुप्त विषयों पर लिखने में, या कल्पना-वादी चित्रकारी में, या अपने निजी व्यक्तिवादी दृष्टिकोण से साहित्य-रचना में अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे।

आर्थिक दशा

आपका न तो रुपये-पैसे से मोह होगा और न लीज वाले व्यापारिक जीवन में। फिर भी दूसरों के वत्साण के लिए आत्मत्याग की भावना से घन बमाना चाहेंगे और अपने मन को भाने वाले पद स्वीकार कर लेंगे। इसका यह मतलब नहीं कि आप घन नहीं कमा सकेंगे बल्कि आपके लिए स्वभाव के अनुकूल कुछ कर पाना कठिन होगा। यदि निजी प्रयासों से अलग कोई आय हो तो सट्टेबाजी से या दूसरों की सलाह पर चलकर उसे बढ़ाने का प्रयास कीजिए।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य का प्रश्न पूरी तरह आपके मन पर निर्भर होगा। आम भाषा में आप देखने में बहुत तगड़े नहीं होंगे, पर तगड़े दीखने वाले लोगों से आपमें सहन-शक्ति अधिक होगी। आप भोजन के बारे में विचित्र धारणा रखेंगे और इसमें आपको अपनी अन्नप्रेरणा के अनुसार चलना चाहिए।

आपके लिए 'सात' और 'दो' अक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। 21 जून से 30 अगस्त तक और 25 दिसम्बर से मार्च के अन्त तक उनका और भी विशेष मतलब होगा। आपको अपने कार्यक्रम निश्चित करने में इन अकों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए। आपको इन्हीं अकों वाले मकानों में रहने का प्रयास करना चाहिए।

आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' के मूलकों वाले होंगे। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों की जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सबसे भाग्यवर्धक रंग हल्के हरे, बद्धरी, नारंगी, पीले या चुनटरी हैं। नीला रंग भी चलेगा लेकिन गहरे और काले रंगों से बचाव अवश्य। आपके भाग्य रत्न हैं, बद्धकाल मणि, हीरा, मोती, जेड और अम्बर।

8, 17, 26 (मूलांक 8) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शनि, यूरेनस और यूरेन हैं। 'चार' और 'आठ' के अकों का आपके जीवन या वृत्ति में भारी महत्व रहेगा।

यह एक बहुत विचित्र योग है। यदि आपको अपने जीवन से अधिक-से-अधिक लाभ प्राप्त करना है तो अधिकतम समझदारी से काम लेना होगा। यह योग आपके धर्म और जीवन को विरोधी से दूध बनाएगा, जिससे दूसरे लोगों के लिए आपको समझना या आपके लिए परिस्थितियों का लाभ उठाना बहुत कठिन होगा।

आपका स्वभाव उदार और दूसरों का भला करने वाला होगा, लेकिन आपको उसका उचित ध्येय नहीं मिलेगा। आपमें अत्यधिक दृढ़ इच्छाशक्ति होगी, लेकिन

कठिनाई या विरोध को देखते हुए आपमें हटी होने की प्रवृत्ति रहती। आपमें भारी महत्वाकांक्षा होगी, लेकिन दूसरों की योजनाओं से जमका मेल नहीं बैठेगा। इसलिए आपके लिए सभी प्रकार की सामोदारियों से दूर रहना अच्छा रहेगा। आपको अपने साधियों में अकेले पड़ जाने का डर नहीं होना चाहिए।

दो एकदम विरोधी विचारधाराओं में आप एक पक्ष को चुनेंगे। आप या तो धर्म के प्रति अनास्थावान और नास्तिक बन जाएंगे अथवा इसके एकदम उलट, अर्थात् बहुत कुछ बट्टर और अंध थढ़ा वाले। अपने हर काम में तीव्र भावनाओं तथा इच्छाओं का परिचय देंगे। दरअसल अपनी प्रसन्नता और भौतिक सफलता के लिए ता बहुत ही अधिक। एक विचित्र विरोध की बात यह होगी कि यदि आप प्रारम्भिक आयु में अनास्थावादी या भौतिकवादी हैं तो बाद में आपके इसका ठीक उलटो बन जाने की पूरी सम्भावना है। इसी प्रकार यदि प्रारम्भ में बट्टर और अंधथढ़ा वाला है तो बाद में अनास्थावादी या भौतिकवादी हो जाएंगे। हर हालत में आपको विविध अनुभव हो सकते हैं।

आपके अनेक गुप्त शत्रु होंगे और अनेक बार बदनामी तथा घोटालों का सामना करना होगा। आप विभीषण पद पर पहुँच जाएँ, छिपे हमलों का खतरा रहेगा ही। अतः आपके लिए सभी प्रकार की शक्तियों और दुर्घटनाओं के लिए बीमा कर लेना अच्छा रहेगा।

पारिवारिक जीवन और विवाह दोनों में आपको असामान्य अनुभव होने की सम्भावना है। अपने और समुदाय वाले सम्बन्धों से दुःख या परेशानी हो सकती है। आपके सबसे अच्छे मित्र या साथी असामान्य लोग या असाधारण धर्मों में लगे लोग होंगे।

आपको निराशा या गलत समझे जाने की भावना से सावधान रहना चाहिए।

आर्थिक दशा

रुपए-पैसे के लेन-देन में आपको भारी सतकता बरतनी होगी। आप दूसरों पर भरोसा नहीं कर सकेंगे। नीवर या छोटे लोग आपको सूट सकते हैं या धोखा दे सकते हैं। सफल होने के लिए अपने बारोबार को अपने ही हाथों में रखना चाहिए। पुगने जमे-जमाए बारोबार में, अथवा भूमि, मकान, पान और खनिज के व्यापार में आप पैसा कमा सकते हैं।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के सम्बन्ध में भी वरस्पर-विरोधी बातें होंगी। आप या तो असाधारण रूप से लगे होम या इसके उलट। कुछ रहस्यमय मानसिक प्रभाव ऐसे व्यक्तियों के जीवन का नियन्त्रण करते हैं। अपने विरोधियों का विचार ही आपका

बीमार कर सकता है। ऐसी हालत में बीमारी भी विचित्र होगी और साधारण उपायों से उसे ठीक कर पाना आसान नहीं होगा। बढिया-मे-बढिया डाक्टर भी गलत इलाज कर देंगे।

आप जन्मरुक्नी दर्दों में पीड़ित हो सकते हैं जिनका निदान बहुत कठिन होगा। आप पर दवाओं का विष शोथ प्रभाव करेगा। आँखों में रखावट होने की सम्भावना है। इनके बावजूद आप उनमें ही रहस्यपूर्ण उपायों से ठीक हो जाएंगे। सम्भावना आपके लम्बी आयु मागने की है।

आप अनेक दुर्घटनाओं के जिह्वार हो सकते हैं। इनमें पैरों की हड्डियाँ टूटने या मोच आने की सम्भावना है। आप गड़ियाँ से भी यातना भोग सकते हैं।

आपके महत्वपूर्ण अंक 'चार' और 'आठ' हैं। मैं इनके भाग्यवर्द्धक होने का आश्वासन नहीं दे सकता, क्योंकि ये बहुत-कुछ भाग्याधीन हैं। उनका सामना करने के लिए आप पहले में सैयान रहें।

आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तिमा के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

सभी गहरे रंग, विशेषकर गहरा जामुनी, काला, गहरा नीला, आपके लिए अनुकूल रहेंगे। आपके भाग्य रत्न है काला हीरा, काला नीलम, काला मोती और सभी काले नग।

५, 18, 27, (मूलक 9) अगस्त को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक ग्रह, मंगल, सूर्य और यूरेनस हैं।

मंगल आपकी बायीं ऊर्जा शक्ति देगा लेकिन आपको अपने काम में बहुत आवेशी भी बनाएगा। आप बोलने में जेन्दवाजी में काम लेंगे, बहुत मुहफ्ट होंगे, शीघ्र प्रोध में आने वाले होंगे और अपने अद्विष्ट कामों से लोगों को दुश्मन बना लेंगे।

आपका स्वभाव अत्यन्त स्वतन्त्रताप्रिय होगा। किसी प्रकार का अकुश या आदेश दिया जाना पसंद नहीं करेंगे। आपमें न्याय और कानून की गहरी समझ होगी और सभी विवादों में आम तौर से कमजोर पक्ष का साथ देंगे।

आप बहुत ईमानदार होंगे और दूसरों से मोघ व्यवहार पर बल देंगे। उद्यमी भावना के कारण अपने-कामों पर बहुत अधिक बोझ उठा लेने का रिवाज होगा। अपनी सुरक्षित शक्ति को नियंत्रण में और बचाकर न रखा तो अपने को यका डालेंगे और अमल बानु नहीं भोग पाएंगे। आपका सबसे अच्छा उपयोग व्यापार में या नगर-पालिका, सरकारी दफ्तर, राजनीति, सरकार में या सैनिक मामलों में जिम्मेदारी के पक्षों पर हो सकता है।

आपकी वृत्ति में अनेक उतार-चढ़ाव आने की सम्भावना है। कभी उच्च पदों पर आसीन हो सकते हैं और कभी प्रकटन घटनाएँ वक से मेल न खाने के कारण निष्क्रिय होकर बैठ सकते हैं। जाने-अनजाने में आप जो कुछ करेंगे, उनमें काफी दुश्मनी और अपनी योजनाओं का विरोध पैदा कर लेंगे। आप ऐसे दुश्मन पाल सकते हैं, जिसकी दुश्मनी जीवन भर चलेगी।

दिल से आप वास्तव में उदात्त और उदार होंगे, लेकिन लड़ाई जारी रहने तक इन गुणों को प्रकट नहीं कर सकेंगे। जब दुश्मन पिट चुकेगा तब सम्भवतः आप उसे अपने पैरों पर धड़े होने में सहायता करें।

अनेक अनामान्य स्थितियाँ, हिंसा, आग, विस्फोट, आग्नेयास्त्रों में जीवन को धारा आदि का सामना करना पड़ सकता है। दुष्टताओं में मिर या पावों को फाट पड़ सकती है। लेकिन मृत्यु का सबसे बड़ा खतरा अत्यधिक परिश्रम के फलस्वरूप मूर्च्छा से या दिल के दौरे में हो सकता है।

आपने अनेक विविध प्रेम-प्रसंग, गुप्त मैत्रियाँ और रूमानिया सम्बन्ध रहने की सम्भावना है, लेकिन आम तौर में गलत आदमियाँ के साथ। उनमें प्रायः खतरे का भी कुछ तत्व रहेगा।

आज इनकार खेतों और जोधिम में भरे दुस्साहमपूर्ण अभियानों के शौकीन होंगे। आपने मशौनों से काम लेंगे, उनका बाराबार करने और उनसे सम्बन्धित आविष्कारों की काफी योग्यता होगी। आपने अपने में उच्च पदा पर बैठे व्यक्तिता से भरा रहना चाहिए। आपको सबसे अधिक परेशानी छोटे लोगों या नौकरों से होगी।

आर्थिक दशा

रुपये-पैसे के मामले में शुरू के वर्षों में काफी कठिनाइयों और तिराका का सामना करना पड़ेगा। 36 वर्ष के बाद व्यापारिक सफलता और विनीय मामलों में आम तौर में बहुत सफल होने की आशा है। आपको सभी प्रकार की मटेरियली और शेयरों की खरीद में बचना चाहिए।

स्वास्थ्य

आपका शरीर लमड़ा और जोशीला होगा, लेकिन जबस्मान् तापमान बढ़ने और बुखार चढ़ने की प्रवृत्ति रहेगी। बमर में लचका या चोट की सम्भावना है। अनेक दुष्टताओं और हाथ-पैरों में चोट की भी प्रवृत्ति रहेगी। आपने सबसे भाग्य-वर्द्धक अक्षर 'नौ' और 'एक' हैं। सबसे धटनापूर्ण वर्ष 'नौ' सत्राकों वाले रहेंगे। 'नौ' और 'एक' मूलतः वाली निविया को जन्मे व्यक्तिता के प्रतीक आपका लक्षण महसूस करेंगे।

आपने भाग्यरश्मि रंग हैं लाल, सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा। आपने भाग्य रत्न हैं—ताम्र, ताम्रक, रत्नमणि, हीरा, पुष्कराज।

सितम्बर

कन्या राशि 21 अगस्त से प्रारम्भ होती है लेकिन सात दिन तक पूर्व राशि सिंह के माथे इसका सधि-काल चलता है, इसलिए 28 अगस्त से ही यह पूरा प्रभाव में आ पाती है। इसके बाद 20 सितम्बर तक इसका पूरा प्रभाव रहता है। फिर सात दिन तक आगामी राशि तुला के साथ हमकी सधि के कारण इसका प्रभाव उत्तरोत्तर कम होता जाता है।

इस अवधि में, अर्थात् 21 अगस्त से 20-28 सितम्बर तक पैदा हुए व्यक्ति आम तौर से जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं। उनमें आदर्शजनक स्मरण-शक्ति वाली बुद्धि होती है। अपने सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों में मर्क रहते हैं और उनके प्रति अछड़े-धुर की समझ होती है। आम तौर से उन पर न हावी हुआ जा सकता है और न उन्हें धोखा दिया जा सकता है।

वे हर बात का गहराई से विश्लेषण और परख करते हैं। वे अच्छे आलोचक होते हैं, आम तौर से इतने अधिक कि उन्हें भलाई या प्रशंसा नहीं मिल पाती। बेमेल वस्तुओं पर उनका ध्यान बड़ी जल्दी जाता है। अपने घरों के बारे में उनकी उत्तम रचि होती है।

आमतौर से वे किसी काम के प्रारम्भकर्ता नहीं होते, लेकिन जो योजनाएँ या काम उन्हें आकर्षित करते हैं अथवा जिन्हें दूसरे लोग पूरा करने में विफल रहते हैं, उन्हें वे सफलता से पूरा कर देते हैं। जिस सत्य की ओर उनका ध्यान जाता है, पूरे दृष्टिबिन्दु होकर उसके लिए काम करते हैं और जब तक उसे प्राप्त नहीं कर लेते, रुकने से नहीं बँटते।

वे पद का बहुत अधिक सम्मान करते हैं। कानून तथा कानून के फैसले का उत्साह से समर्पण करते हैं। वे उत्तम वकील और वक्ता बन सकते हैं, लेकिन उनका हृत्काय नये विचारों की जन्म देने के बजाय पूर्ण दृष्टान्तों का समर्थन करने की ओर अधिक रहता है। मेहनती स्वभाव, दृष्ट्याशक्ति और सत्य के कारण वे वैज्ञानिक यात्रा और व्यापार में भी सफल होते हैं।

उनमें अपने तक और अपने विचारों तक सीमित रहने की प्रवृत्ति होती है। सत्य-प्राप्ति के लिए वे स्वार्थ से भी काम लेते दिखाई देते हैं। अन्य किसी वय की अपेक्षा उनमें अच्छाई और बुराई की हद तक जाने की शक्ती अधिक होती है। यदि उनमें पैसों का मोह पैदा हो जाए तो उसे पान के लिए कोई कोश-बसर नहीं छोड़ेंगे।

वे प्रायः किसी भी काम के अनुरूप अपने को ढाल सकते हैं।

प्रेम के विषय में उन्हें समझ पाना सबसे कठिन होता है। सबसे अच्छे और सबसे बुरे स्त्री-पुरुष वर्ग के इस भाग में पैदा हुए हैं। प्रारम्भिक वर्षों में प्रायः सभी नेक और साफ दिल वाले होने हैं। लेकिन जब बदलते हैं तो पूरी प्रतिहिंसा में बदलते हैं और इसके ठीक उल्टे बन जाते हैं। फिर भी कानून के प्रति जन्मजात सम्मान-भावना और अपनी स्वाभाविक कुशलता के कारण वे दूसरे वर्ग के लोगों की अपेक्षा अपनी भावनाओं को छिपाने में अधिक सफल रहते हैं। यदि स्वयं पर काबू नहीं हुआ तो उनमें प्रायः मादक द्रव्यों और शराब के सेवन की प्रवृत्ति पैदा हो जाती है।

स्वास्थ्य के बारे में आम तौर से वे लोगों के अपेक्षाकृत कम शिकार होते हैं, लेकिन उनमें एक विचित्र बात यह होती है कि अघघारों में पड़कर हर घीमांगी से स्वयं को पीड़ित होने की कल्पना करने लगते हैं।

भोजन के बारे में वे बहुत सुरक्षितपूर्ण होते हैं। खिन्न या भोजन न मिलने पर उनकी भूख मर जाती है। चातावरण के प्रति वे अत्यन्त संबन्धनशील होते हैं। तान-मेत में जरा-सी कमी या बिड़न से उनकी स्वाधु प्रणाली पर प्रभाव पड़ता है और उन्हें कष्ट या वैचित्र्य की शिकायत हो सकती है। उनमें फैंसड़ों की परेशानी की भी प्रवृत्ति होती है। कष्टों और भुजाओं की नसों में दर्द हो सकता है।

इस अवधि में पैदा हुए लोगों को अपेक्षाकृत अधिक धूप और ताजी हवा की आवश्यकता होती है।

ऐसे लोग सबसे प्रबल मानसिक धरातल पर होते हैं। जीवन के प्रति उनके विचार आम तौर से यथार्थवादी, विरलेषणात्मक, सदेही, चतुर और पारखी होते हैं। भीड़ का साथ देने के बजाय वे प्रायः एक अलोकप्रिय उद्देश्य की हिमायत करते हैं।

मानव स्वभाव के उत्तम पारखी होने के कारण वे आम तौर से अपनी पहली धारणा पर भरोसा कर सकते हैं। लेकिन वे बात की खात निवारने वाले होने हैं और यदि इस प्रवृत्ति का ठीक से नियन्त्रण में नहीं रखेंगे तो बाद में रोगग्रामी हो जाएंगे। इन लोगों के लिए पैसों की बहुत कीमत होती है।

साहित्य-समीक्षा और कला-समीक्षा के रूप में वे प्रायः अत्यन्त कुशल रहते हैं। स्मरणशक्ति अच्छी होती है, तेजी से पढ़ सकते हैं और उनका ध्यान कमजोरियों की ओर शीघ्र चला जाता है। बड़ी मेहनत, दूरदर्शिता और असाधारण परिशुद्धता से वे प्रायः सफलता प्राप्त कर लेते हैं, हालांकि वर्षों तक वे छिपे रहे आते हैं। देर-सबेर उन्हें प्रमुखता मिलती ही है।

उनमें प्रेम का बहुत गहरा भाव होता है, लेकिन भावुक या दिखावे वाला नहीं। एक बार प्रेम पैदा हो जाने पर वे बहुत बफादार रहते हैं, लेकिन ईप्सानु होने की भी प्रवृत्ति होती है। उनके विचार दृढ़ और ओजस्वी होते हैं। एक बार निश्चय

कर लेने पर दुनिया का कोई उपदेश उन्हें अपने विचारों से तिलमिल नहीं दिखा सकता। उनमें प्रायः वस्त्रों और माज-शुगर पर बहुत अधिक ध्यान देने की प्रवृत्ति रहती है।

दूध दृष्टागविन और मक्खन के कारण वे जमानों से हिम्मत नहीं हारते। उनकी बौद्धिकता मूलतः प्रगतिशील होती है, किन्तु विम्वार पर वे बहुत अधिक ध्यान देते हैं। उन्हें दूसरों के गुणों को सराहने, अधिक महिष्णु होते और जानोबानो में अधिक नहीं बरतने की आदत डालनी चाहिए।

कन्या राशि में जन्मे लोग सम्मीर और विचारक होते हैं। ऐसा ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं और प्रायः भाषणों और कथाओं में उपस्थित रहते हैं। अच्छे कन्याओं को सुनना पसन्द करते हैं और स्वयं भी गाथा पर अच्छा औरार रखते हैं।

इन लोगों के बारे में एक विचित्र बात यह है कि वे भद्रा ज्ञान "हते हैं और उनकी जायु मान्य नहीं होती है। छाटी-छाटी बातों पर वे बिना और नागज हो जाते हैं लेकिन रत्नपात से घूणा करने हैं। वे अच्छे मध्यस्थ और प्रवर्तिनिधि होते हैं।

आर्थिक दृष्टि

वर्ष के दस मास में पैदा होता आर्थिक दृष्टि से शुभ है। व्यापार को अच्छी योग्यता, मावधान अल्पधन की स्वभाव। दूसरों के सहारावे में न आने वाले मकाना, भूमि आदि में पूजी लगाने के लिए यह शुभ योग है।

स्वास्थ्य

कन्या में जन्मे लोग ज्वरन मवेदनशील होते हैं और उन पर बिन्ना का अपेक्षाकृत अधिक प्रभाव पड़ता है। पाचन अंग आम तौर से कमजोर होते हैं और भोजन में सावधानी न बरतने पर अक्सर आमाशय में पाच हो जाते हैं। हल्का सादा भोजन, देर सारा पानी, ताजा हवा, धूप स्नान और सामान्य से अधिक निद्रा और विराम आम तौर से इन लोगों को पुनः स्वस्थ कर देते हैं।

विवाह, सम्बन्ध, साझेदारिया

अपनी निजी राशि कन्या (21 अगस्त से 20 नितम्बर) बल विक्कोण की दो अन्य राशियों वृष (21 अप्रैल से 20 मई) और मकर (21 दिसम्बर से 20 जनवरी) इनके पीछे के सधि-काल के सात दिन तथा अपने छ सातवीं राशि मिथुन (परवरी से मध्य मार्च तक) के दौरान पैदा हुए व्यक्तियों के साथ कन्या राशियों के वैवाहिक या साझेदारी के सम्बन्धों की मजबूती की सबसे अधिक सम्भावना है।

1, 10, 19, 28 (मूलार्क 1) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह मूल्य यूरेनस और बुध (सौम्य) हैं। इस राशि में मूल्य आपको बहुत सक्रिय मस्तिष्क देगा जो ज्ञान को आसानी से ग्रहण कर सकेगा।

आप जो भी काम या अध्ययन हाथ में लेंगे उसी में विचारशील प्रकृति के सच्चे अध्येता और बहुत परिश्रमी होंगे।

आपका भाषा पर अच्छा अधिकार होगा। सुन्दरता को हर रूप में प्यार करेंगे। लेकिन अपना सच्चा व्यवसाय चुनने में भारी कठिनाई होगी। आप अनेक दिशाओं में प्रयास करेंगे और अतन्त्र जिस रास्ते पर चलना है, उस पर पाव जमाने के लिए मध्य आयु या उसके बाद तक प्रतीक्षा करनी होगी। आपमें सम्पत्ति प्राप्त करने की काफी उत्कंठा होगी, लेकिन शुरू के वर्षों में उसका सग्रह करने में भारी कठिनाई होगी।

आपका मुख्य दोष यह है कि बड़ी आसानी से ऊब उठते हैं, और बहुत अधिक चिन्ता करने लगते हैं। आपको एकाग्रचित्त होने, अपने में तथा अपने लक्ष्य में विश्वास पैदा करने और अपनी योजनाओं के अन्त में विनम्र या उत्साह भग को बाधक न बनने देने का प्रयास करना चाहिए। इस प्रकार काम करने से अन्त में आप अधिकांश धन्य लोगो से अधिक सफल होंगे।

आर्थिक दशा

पैसा कमाने के लिए आपको परिस्थितियां आम तौर से बहुत शुभ हैं। आप आसानी से दूसरों का विश्वास प्राप्त करेंगे और वे आपको विश्वास तथा जिम्मेदारी के पदों पर बैठाएंगे। स्वयं पूँजी लगाने में और उद्योग या व्यापार उमाने में भाग्य-शाली होंगे।

स्वास्थ्य

आप अच्छे स्वास्थ्य और शक्ति की अपेक्षा कर सकते हैं लेकिन एकदम ठीक रहने के लिए अधिक-से-अधिक ताजा हवा लीजिए और व्यायाम कीजिए। स्वभाव से आप तप बस्तीयों में या घर में घुसकर रहन लायक नहीं है।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक' है। 'पाच' भी महत्वपूर्ण भूमिका भदा करेगा। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' मूलार्क वाले रहेंगे। 'एक', 'दो', 'चार' और 'सात' मूलार्क वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप काफी लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सभी हलके रंग भाग्यदायी रहेंगे, विशेषकर हल्का पीला, गुनहरी, नारंगी और हल्का नीला। आपके भाग्य रत्न है होरा, पुष्कराज, नीलम।

2, 11, 20, 29, (मूलांक 2) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके वारक ग्रह चन्द्रमा, नेप्चून और बुध हैं।

आपमें बहुत उर्बल कल्पना शक्ति और उत्तम मानसिक क्षमता होगी किन्तु बार-बार परिवर्तन का चक्र आपको अपनी योग्यताओं से पूरा लाभ उठाने नहीं देगा। आगमें सभी जौद्विक अध्ययनों की गहरी इच्छा होगी और व्यावसायिक क्षेत्र में जाने के बजाय ऐसे काम करना अधिक पसन्द करेंगे।

आपमें आत्मस्वर नहीं होगा, बल्कि बिना दिशावे का शांत जीवन पसन्द करेंगे। जिस काम में भी लगे होंगे पूरे अगोमें और ईमानदारी से काम करेंगे लेकिन पर्याप्त आत्मविश्वास और अपनी योग्यता में यकीन न होने के कारण उत्साह का अभाव रहेगा। प्रयत्न से आप अपनी दस्त दुबलता को दूर कर सकते हैं।

आप शांत छात्र के रूप में, माहिर में, कलात्मक काम में और कैमिस्ट या किसी विज्ञान के काम में भी, अच्छी सफलता पा सकते हैं। आपको फूला, बागवानी और प्रकृति में घनिष्ठ रूप में जुड़ी वस्तुओं तथा घरती के पदार्थों से प्रेम होगा, लेकिन व्यावसायिक भावना न होने से उनसे आर्थिक लाभ नहीं उठा सकेंगे।

आपमें मित्र बनान और मित्रता बनाए रखने की क्षमता है, विशेषकर अपने विपरीत निर्गमियों से। आप अनेक बार स्थान परिवर्तन और यात्रायें करेंगे।

अपने जीवन माथे के चुनाव में विशेष मावधानों वरतिए और जल्दबाजी में निर्णय मत कीजिए। अच्छा हो यदि बड़ी आयु में विवाह करें क्योंकि मध्य आयु के लगभग या बाद में आपके विचारों में क्रान्तिकारी परिवर्तन हो सकता है।

कभी-कभी आपको निराशा और उदासी के क्षीरे पड़ने की भी सम्भावना है। उनके अध्ययन में पता चलेगा कि चन्द्रमा का आप पर कितना प्रभाव है। आपका सबसे अच्छा समय शुक्र पक्ष का होगा। इसी में अपनी योजनायें पूरी करने का प्रयास करना चाहिए। कृष्ण पक्ष में धुपचाप रहे जाना बेहतर होगा। निराशा और उदासी में दूर रहिए क्योंकि इसका आपके पाचन अंग और स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।

आप दूनगों का मन पढ़ने के गुणों का विकास कर सकते हैं। किन्तु उन्हें बहुत कुछ जानें तक सीमित रखेंगे।

आर्थिक दशा

आप व्यापार व वज्राय दिमागी काम से धन कमाएंगे, किन्तु धन की इच्छा में जावपित होने पर बड़े उद्यमों के प्रमुख के रूप में भी अच्छा काम कर सकते हैं। आप माहिर में आलोचक, पुस्तक समीक्षक, प्रकरोडर के रूप में, शिक्षक, सचिव, या नट-नट वस्तुओं के लिए यात्री के रूप में अच्छा काम कर सकते हैं। आप अल्पवयी और पैसे का सावधानी से खर्च करने वाले होंगे। भविष्य के बारे में बहुत चिन्तित

रहेगे लेकिन अपनी आवश्यकताओं के लायक आपके पास काफी धन रहने की आशा है।

स्वास्थ्य

पाचन अंगों, पेट और आंतों की गड़बड़ी से आपको अनेक घबरे लगेंगे। भोजन का अध्ययन कर और अपने शरीर के अनुकूल पदार्थ चुनकर उनमें दब मरने न दें। बच्चे-मरने वाले के प्रति आप अत्यधिक संवेदनशील होंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण एक 'दो' और 'सात' हैं। सत्रों घटनापूर्ण वर्ष 'दो' के मूलांक वाले रहेंगे। 'दो-सात' मूलांक वाले व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए भाग्यवर्धक रंग हैं हलके हरे, सिलेटी और नीले। आपको गहरे, काले रंगों से बचना चाहिए। आपके भाग्य रत्न हैं जेड, पद्मरात मणि, मोती। हरा जेड सर्वोत्तम रहेगा।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) सितम्बर की जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह गुरु और बुध हैं।

दिल से आप अत्यन्त महत्वाकांक्षी होंगे और अपने जन्म के तथा प्राग्भित जीवन के वातावरण से ऊंचे उठने के लिए सबत्पवद्ध होंगे। आप किसी पद पर पहुँच जायें, आसानी से सन्तुष्ट नहीं होंगे। आप बेतहाशा गति से आगे बढ़ना चाहेंगे। यदि इस प्रकृति पर नियन्त्रण नहीं लगाया तो कभी-कभी निडाल होकर बैठ जाने का खतरा है।

आपके लिए अपने आत्म-धाम के लोगों पर प्रभुत्व जमाना एवम् स्वभाविक है। अपनी योजनाएँ पूरी करने के लिए आपमें दृढ़ इच्छाशक्ति और सबत्प हार्म, लेकिन साथ ही दूसरों के विरोध के मुकाबले में बहुत आगे तक नहीं बढ़ेंगे और अपने को वश में रखेंगे।

सम्पत्ति जमा करने की इच्छा में आप सामारिजता बरतते दिखाई देंगे, किन्तु अपने ढंग से उदार और उदात्त भी होंगे। अपने व्यवहार में आप विवेक और समझ से काम लेंगे। आपका सत्पिण व्यावहारिक ढंग का होना और सामने आने वाले किसी भी मामले का शीघ्र विश्लेषण कर देना।

आप वैज्ञानिक ज्ञान-मंडल और शोध से आकर्षित होंगे लेकिन अपनी लक्ष्य-प्राप्ति के लिए उनका नीवर की भाँति उपयोग करेंगे। यदि सम्पत्तिवान हुए तो विश्व-विद्यालयों को दाद देंगे और शोध कार्य में छात्रों की सहायता करेंगे। आपका सबसे अच्छा काम उत्तरदायित्व-अधिकार और विश्वास के ढों पर होगा।

आप अच्छे सगठनकर्ता होंगे। दूसरों के लिए बानून बनाएँगे लेकिन अपने

कानून आप स्वयं होंगे। सम्भवतः आपको अपनी योजनाएँ पूरी करने में कुछ भी अनुचित या लीक से हटकर दिखाई नहीं देगा। आप उच्च श्रेणी के बुद्धिजीवी होंगे। कार्यकाल के विभिन्न चरणों में सामने आने वाली कठिन-से-कठिन समस्याओं को भी मन से स्वीकार कर लेंगे।

आप दूसरों की जमकर आलोचना करने वाले और मित्रों तथा परिचितों के चुनाव में सावधान होंगे। कुछ ही लोग आपके निकट आ पाएंगे। विवाह एक विचित्र अनुभव रहने की सम्भावना है। विवाह अपने से नीचे काम करने वाले या ऐसे व्यक्ति से करेंगे जिस पर आप मानसिक रूप से छाए हुए हों।

आपको भूमि या स्थान में पूँजी लगाने अथवा देश के विकास में पहल करने, अथवा विदेशों या जन्म-स्थान से बहुत दूर के स्थानों में सम्पत्तियों से लाभ होगा। आप जन-जीवन में या जनता के सामने खाने वाले किसी घड़े में भी सफ़र होंगे।

आपके जीवन का पूरा रुख सफलता का रहेगा। एकमात्र खतरा सीमा से बाहर निकलने या किसी अति महत्वाकांक्षी योजना में सब कुछ दाव पर लगा देने का है। यदि आप अपने को नियन्त्रण में रखेंगे तो अपने साधियों से कही ऊँचे उठने की आशा कर सकते हैं।

आर्थिक दशा

आपको अधिक धरने की आवश्यकता नहीं है, हाँलाकि आप अति चिन्तित हो सकते हैं। आप किसी एक ढंग के काम से चिपके नहीं रहेंगे। लेकिन कई कामों में अपने पांव फसाए रहेंगे। आप में भारी दूरदर्शिता और निपट-बुद्धि होगी तथा अपने काम में सदा अपने प्रतिस्पर्द्धी से एक कदम आगे ही रहने का प्रयास करेंगे।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के सम्बन्ध में प्रमुख प्रवृत्ति पेट के ऊपरी भाग, जिगर, तिल्ली और पाचन अंगों में गड़बड़ा और मधुमेह की होगी। आप अपने को मशीन समझकर अपना इलाज खुद करना चाहेंगे और डाक्टर को उसी भाँति बुलाएंगे जैसे मशीन ठीक करने के लिए मैकेनिक को बुलाते हैं।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन', 'पांच', और 'छ' हैं। अपनी योजनाएँ इन्हीं मूलानुवांती त्रितियों को पूरी करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटनापूर्ण वर्ष तीन मूलानुवांती वाले रहेगा। 'तीन', 'पांच', या 'छ' मूलानुवांती त्रितियों को जन्मे व्यक्ति के प्रति गहरा लगाव महसूस करने की सम्भावना है।

30 सितम्बर को जन्मे व्यक्तियों के लिए आगामी राशि तुला शुरू हो जाती है। आपमें सितम्बर की 'तीन' मूलानुवांती त्रि-तियों को जन्मे व्यक्तियों जैसे ही गुण होंगे, लेकिन उनसे अधिक भाग्यशाली रहेगा।

आपने लिए सभी हथके रंग और उनके साथ जामुनी, फालसाई तथा बैंगनी रंग भाग्यवद्धक रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, सभी चमकीले नय और कटंला।

4, 13, 22 (मूलांक 4) सितम्बर को जन्मे व्यक्तित्व

आपके कारक ग्रह यूरेनस, सूर्य और बुध हैं। यूरेनस के प्रभाव का बड़ा दितचर्य महत्व है। यह आपको विचारों और कार्य में इतना मौलिक और स्वतन्त्र बनाएगा कि अधिकांश लोग शायद आपको विचित्र और सनकी समझें। यदि आपको दूसरे लोगों से धुलने-मिलने के लिए विवश होना पड़ा तो आमतौर से इसे बहुत कठिन और परेशानी वाला पाएंगे।

आप आसानी से मित्र बनाने वाले व्यक्ति नहीं होंगे और जिन्हें मित्र बनाएंगे उनके आपके जीर आपकी योजनाओं के लिए सहायक होने की आशा नहीं है। आप जीवन की अधिकांश लोगों से भिन्न कोण से देखेंगे। अन्य लोगों के और विशेषकर अपने परिजनो के, विचारों से आपके विचार मेल नहीं खाएंगे।

आप असाधारण रूप से प्रबल इच्छाशक्ति और स्वल्प वांछे होंगे। हठी भी हो सकते हैं। आर्थिक दृष्टि से आप दूसरों जैसा सफल नहीं रहेंगे क्योंकि प्रायः आपको हिनो के विरुद्ध काम करेंगे और सामने उठने वाले प्रश्न को मौलिक या अधिक फलि-साय की अधिक चिन्ता नहीं करेंगे।

आप अनेक लोगों की दुश्मन बना लेंगे क्योंकि आपके उद्देश्यों की टीक में नहीं समाया जाएगा। आपको ऐसे लोगों से विचित्र अनुभव होंगे। वे आपको गिराने की योजना और पद्धतय रखेंगे और कभी-कभी आपको भारी परेशानी में भी डाल सकते हैं।

आपके बारे में झूठी बहानियाँ और गुमनाम पत्र प्रचारित किए जाएंगे। बार-बार गुप्त सूत्रों से घोटाले और बदनामी की खबरें उठने की भी सम्भावना है। आपको लिए यथासम्भव मुकदमेबाजी से दूर रहना उचित होगा क्योंकि आपको निजी तौर पर या अपने उद्देश्य के लिए न्याय मिलना कठिन है।

किसी अदृश्य कारण से दूसरे लोग आपसे मामलों में एक के बाद एक ताल-मेल पैदा करेंगे और मामलों की सीधा राहों के आपके प्रयासों में भारी रोड़ा अटकाएंगे। ऐसा होने पर यदि आप अपनी पहल पर काम करें और अपने निर्णय तथा अन्तःप्रेरणा पर भरोसा करें तो आप अधिक भाग्यशाली रहेंगे।

आप किसी प्रश्न पर वाद विवाद की मर्मी में पँसला न करें। आपका स्वभाव तर्कों के उससे पक्ष को देखने का है। इससे मामला उत्तमोगा ही और लोग आपके विरोधी हो जाएंगे।

यदि आप किसी स्वतंत्र पद पर हैं और लोगों के विचारों के अनुसार

नहीं चलना होता, तो आप अपने लोक में हटे विचारों पर अमल कर पाएंगे और अपनी मौलिकता से सफल होंगे। लेकिन यदि आप इतने शक्तिशाली नहीं हैं कि दूसरे लोगों के विचारों की चिन्ता न करें तो हर हालत में आलोचना के शिकार बनेंगे। आपके साथ और आपके लिए सदा 'अप्रत्याशित' ही घटेगा।

इस प्रयोग ने साथ साझेदारी या विवाह से प्रसन्नता मिलना बहुत सन्देहास्पद है। विवाह में सफलता तभी मिल सकती है जब आपका जीवनसाथी आपके विचारों और योजनाओं को अपना ले।

आप सबसे अधिक बौद्धिक वस्तुओं की चिन्ता करेंगे। आप 'नये विचारों' पर चलेंगे। दर्शन, विज्ञान, रसायन शास्त्र, बिजली, टेलीविजन या रेडियो, दरअसल लोक से हटकर किसी भी काम से सम्बन्धित बागों में आपको सफलता मिलने की आशा है।

आर्थिक दशा

बसोपत में कमी या भुक्कमेबाजी से आपका रूपया-पैसा छिन सकता है। घन कमाने के लिए अधिकतर अपने प्रयासों पर निर्भर रहना होगा। लोक से हटकर रचनात्मक कामों से आप ऐसा कर सकते हैं लेकिन सदा बनेले काम करते हुए ही सफल होंगे। आपका कर्मचारियों, नौकरों और अपने से छोटे लोगों की धोखाधड़ी का शिकार होना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य

आप डाक्टरों के लिए पहेली रहेंगे। अधिनाशन दुर्बोध ढग की आकस्मिक और असामान्य बीमारियां होगी। जिनकी जन्दी बीमार पड़ेगे, उतनी ही जल्दी ठीक हो जाएंगे। मन के सकल्प से आप अपेक्षाकृत दूसरों से अधिक स्वयं को ठीक कर लेंगे।

- ये सभी लक्षण 22 सितम्बर को जन्मे व्यक्तियों के बारे में इतने प्रबल नहीं होंगे। देर-सवेर में लोग अपने जीवन में 'चार' और 'आठ' अंकों के महत्व को देखेंगे। मैं इन्हें 'भग्यवर्द्धक अंक' नहीं समझता क्योंकि आग तीर से उनके गंभीर या भाया-धीन परिणाम होते हैं।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' - मूलारों वाले होंगे। दही मूलारों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप काफी लगाव महसूस करेंगे।

आप नीले, सुनहरे, पीले और भूरे रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं - नीलम, पुखराज, हीरा और चमकीले नग।

5, 14, 23 (मूलारक 5) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपका कारक ग्रह बुध है, जिसका मूलारक पांच है। आप दस अंक में अथ

लोगों की अपेक्षा अधिक प्रभावित होंगे।

बैसा इस अव में अन्य सभी अर्थों के अनुरूप अपने को ढाल लेने का विचित्र गुण है। 'पाष' अर्थात् वाला व्यक्ति भी अपने सम्पर्क के आने वाले तत्पश्चात् के लोगों के अनुरूप अपने को बना लेने की क्षमता रखता है। 21 वगैरह से 23 सितम्बर तक जन्मे व्यक्तियों पर अन्य वर्षों की अपेक्षा भाग्य का प्रभाव कम पड़ता है। उनको काम करने की अधिक स्वतन्त्रता रहती है। सम्भवतः इसी कारण वे किसी विशेष कार्यक्षेत्र में न मितव्यय सभी कार्य क्षेत्रों में मिलते हैं।

आप ऐसे किसी काम में सफल हो सकते हैं जिसमें दिमाग और मानसिक योग्यता चाहिए। लेकिन आजका सबसे बड़ा दोष यह है कि आप अति बहुमुखी होंगे, कई नाका पर सवार रहेंगे और अनेक बार रास्ता बदलेंगे।

आप किसी भी एक काम को मापनन्द करेंगे। आपको सबसे अधिक लाभ देने व्यवसाय में होगा जिसमें आप शीघ्र पैसा बना सकते। दूसरों के प्रभाव में आए बिना यदि आप अपने स्वयं का काम अपनाएँ तो बहुत सफल होंगे, लेकिन दूसरों के प्रभाव में आना बहुत-बहुत निश्चित ही है क्योंकि सौम्य व्युष्टि के प्रभाव के कारण आपमें आज का प्रभाव रहेगा। आप दूसरों की सलाह से बहलकर या तात्कालिक मनक में अपना धन्यवाद बदलकर अपने सर्वोत्तम अवसर गवा देंगे। अतः इन निषिद्धों में पैदा होने पर आपको अधिक दृढ़ और भोजस्वी बनने का प्रयास करना चाहिए और जो भी काम करें, प्रयास जारी रखने की आदत डालनी चाहिए।

आप जहा जाएँगे, आसानी से मित्र बना लेंगे। विदेशों की परिस्थितियों के अनुरूप अपने को ढाल लेंगे। आप भाषाएँ सीखने के बजाय बोलना पसन्द करेंगे। आप किसी क्षण चल देने के लिए तैयार रहेंगे। आपके अनेक घर होंगे, लेकिन स्वयं उनमें रहने के बजाय, कम-से-कम कुछ समय तक ठिकाने, दूसरों के लिए घर बनाने की ओर आपका झुकाव होगा।

आपमें काफी व्यवहार-कुशलता और बटनीतिव्यवस्था प्रतिभा होगी। आप मिलन-सार और कुशल सत्कारकर्ता होंगे। जहा जाएँगे वही लोग आपके धाम-धाम घिरे रहेंगे।

लेकिन अब तमबीर का दूसरा पहलू देखिए—यदि आप सावधान नहीं रहे तो आपके स्वभाव के ये ही गुण आपके पतन का कारण बन जाएँगे। आपके मिलन-सार स्वभाव पर दूसरे लोग आसानी से छा सकते हैं। कुशल बहुमुखी दिमाग और शीघ्र पैसा बनाने की भावना का साथ अधिक मगरमच्छ उठा सकते हैं। मित्र बनाने और दूसरों के अनुरूप अपने को ढालने की प्रवृत्ति से आप हर प्रकार के छत्रों में पड़ सकते हैं। उनमें कुछ आपको परिवर्तन के लिए गहरी उत्प्रेक्षा और आवेग के परस्पर हो सकते हैं। यदि आप अपने को ठीक से अकुशल में रखें तो यह सब कुछ पटना जरूरी नहीं है।

आपमें नई-नई बातों की खोज के लिए काफी प्रतिभा, मानसिक योग्यता और अपनापन है, अतः आप साहित्य या पत्रकारिता में अच्छा काम कर सकते हैं। कठिनाई यही है कि आप जमकर प्रयास नहीं करना चाहते और किसी भी अकुश या एकरस काम को नापसन्द करते हैं।

विवाह बहुत भाग्यशाली रहने के संकेत नहीं हैं और एक से अधिक विवाहों की निश्चित सम्भावना है।

आर्थिक दशा

घन कमाने के लिए कोई एक धन्या अपनाता प्रायः असम्भव होगा। आप किसी पद और किसी काम में पैसा कमा सकते हैं। कभी-कभी 'संभाष्य के दौर' भी आयेगे लेकिन आप बुढ़ापे के लिए पैसा जमा नहीं कर सकेंगे। मेरी सलाह है कि अच्छे दिनों में वार्षिकी ऋणपत्र आदि खरीद रखिए जो भविष्य में जरूरत के समय काम आ सकें।

स्वास्थ्य

आप आम तौर पर हृद्यकाय होंगे और अपनी स्नायुओं से बहुत काम लेंगे। सदा ऊँचे तनाव की स्थिति में रहेंगे जिसका परिणाम स्वाभाविक टूटन में हो सकता है। आपके चेहरे के किसी भाग में फडकन, हकलाहट, जिह्वा की नसों में परेशानी और बुढ़ापे में पक्षाघात या पाचों में ऐंठन हो सकती है। आप कम सोने वाले या अनिद्रा के शिकार हो सकते हैं और आपको पर्याप्त विश्राम तथा नींद नहीं मिल पाएगी।

आप अपनी योजनाएँ या कार्यक्रम 'पाच' मूलक वाली विधियों को पूरे करने का प्रयास कीजिए, हालाँकि अन्तों और विधियों का आपके लिए इतना महत्व नहीं होगा। आपके जीवन में सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पाच' मूलक वाले रहेंगे। इसी मूलक वाली विधियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेषकर आपके अपने महीने, जून और फरवरी में पैदा हुए लोगों के प्रति लगाव महसूस कर सकते हैं।

आप किसी खास रंग तक सीमित नहीं रहेंगे लेकिन आम तौर से सभी हल्के रंग अधिक शुभ रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हैं: हीरा और सभी चमकीले नंग।

6, 15, 24, (मूलक 6) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपका कारक ग्रह शुक्र और बुध हैं। शुक्र के गुण विशेष रूप से परिलक्षित होंगे।

आपका स्वभाव अत्यन्त सहानुभूतिपूर्ण होगा—ऐसा जहाँ प्यार और रोमांस

महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। लेकिन प्रेम प्रसंगों में काफी कठिनाइयाँ आने की सम्भावना है—प्रायः सदा एक साथ दो प्रेम-प्रसंग चलेंगे। प्रारम्भिक वर्षों में आप 'गलत व्यक्ति' की ओर झुकते दिखाई देंगे—पहले से विवाहित या आपके पद से छोटा व्यक्ति। बाद में आप इस सबको जलटहर टोक से विवाह करेंगे।

आपने शीघ्र वयस्क होने की प्रवृत्ति होगी—'जवान बांधों पर चुबुनो मिर'। शुरू में ही आपके सामने दो रास्ते खुले होंगे। एक भक्ति भाव या गहरे धर्मभाव के रहस्यवादी बड़ा बठोर, शुद्ध जीवन होगा जिस पर आपके परिवार और तालन-पालन का भारी प्रभाव होगा। दूसरा घर के दानावरण में मुक्ति की भावना का, दुस्ताहमिक अभियान और सत्रिय जीवन से प्रेम का रास्ता होगा। प्रारम्भिक जीवन की परिस्थितियों और प्रेम-मन्दगंधों के अनुरार उनमें में आप एक या दूसरा रास्ता चुनेंगे।

आप खुले जीवन के शौकीन, हर प्रकार के लोगों में उत्तम और दुर्गो, छोड़ो तथा जानवरों से भारी लगाव रखने वाले होंगे। आप सैन्य ब्राह्मी में या किसी बड़े दृष्टि-विकास कार्य में या, देशों की खोज में बहुत समय हो सकते हैं।

आपके स्वभाव का एक दूसरा पक्ष भी है जो जल्दा ही प्रकट होगा। मुक्त और बुद्ध के ग्रहयोग में जन्मे होने के कारण आप संगीत, चित्रकारी या मंच जैसा कोई कलात्मक व्यवसाय अपना सकते हैं। इनमें आपको काफी सफलता मिलेगी। कुछ भी हो, आप जो भी बुद्धि अपनाएँगे, उसी में कोई ऊँचा पर प्राप्ति करेंगे।

आर्थिक दशा

आपके लिए यह भाग्यशाली सवाल है। बाटनई के समय लोगों का मित्रों में सहायता मिलेगी। विरासत और उपहारों में लाभ मिलेगा। अपनी ओर से अच्छी जगह पूँजी लगाएँगे, विशेषकर घर, भूमि, सम्पत्ति आदि में।

स्वास्थ्य

इस सवाल की अधिक परेशान नहीं करना चाहिए क्योंकि आपका नाम बढ़िया होगा लेकिन शान्त-शौचन से लयाय के कारण आप उसे अघात पट्टा सकते हैं। बीमारियाँ में आपको गले, श्वास-नलिका और फेफड़ों की परेशानी, छाती, कंधों, मुड़ाओं तथा पाँवों में पाव या थोड़ा की सम्भावना है।

आपके लिए सबसे महत्त्वपूर्ण अंक 'पाव' और 'छ' हैं। अपनी योग्यता और कार्यक्रम जहाँ तक हो सके, इन्हीं मूल्यों के वाली दिशियों में पूरे करने का प्रयास कीजिए। आपके सस्ते घटनापूर्ण वष भी इन्हीं मूल्यों के होते होंगे। गहरी मूल्यवादी दिशियों की जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए भाग्यवर्धक रंग हैं—नीले, सफेद, ग्रीम और चमकीले। भाग्य-रत्न हैं फीरोजा और नीले नग, हीरा, मोती और हनुके चमकीले नग।

-7, 16, 25 (मूलांक 7) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति

-- आपका कारक ग्रह नेप्चून, चन्द्र और बुध हैं। जून की इन्ही तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के स्वभाव से आपके स्वभाव की बहुत-सी बातें मिलती-जुलती होंगी। उनके साथ आपकी पटरी भी बैठेगी लेकिन आप उन जैसे ओजस्वी नहीं होंगे। आपमें वैसा ही आदर्श, विचारों का परिष्कार और कल्पना-शक्ति होगी, किन्तु आप उनसे अधिक भौतिकवादी होंगे।

आप भी रहस्यवाद और गुप्त विद्याओं की ओर काफी आकर्षित होंगे लेकिन अधिक आलोचना करने वाले और सदेही होंगे। हर बात को तर्कों से समझना चाहेंगे। एक बार सतुष्ट हो-जाने पर अपने विश्वास में अत्यन्त ईमानदार रहेंगे, लेकिन अपने विचार दूसरे लोगों पर सादेंगे नहीं। इन विषयों पर शोधकार्य में आप काफी समय लगाएंगे। ऐसी सम्भावना है कि अपने विश्वास पर अंतिम रूप से पहुँचने से पहले आप अनेक घमों और विश्वासों की छानबीन करेंगे।

आप मनोविज्ञान और ऐसे अन्य विषयों में और लेखक, संगीतज्ञ, रसायन-शास्त्र या उद्योगों के संगठनकर्ता के रूप में भी अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे।

भौतिक दृष्टि से जीवन के प्रारम्भिक वर्ष अच्छे रहने की सम्भावना नहीं है लेकिन बाद की आयु में अपनी बुद्धि में धन, अच्छा पद और सफलता, सभी का आवागमन होगा।

आप बूढ़ों को अपनी ओर अधिक आकर्षित करेंगे और आपके सबसे अच्छे मित्र विचित्र सनकी और अपने काम तथा विचारों में सबसे अलग लोग होंगे।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में आप अति चिंताग्रस्त दिखाई देंगे। आप दूसरे लोगों के हिमायतियों की अच्छी व्यवस्था करेंगे और उन्हें धन कमाकर भी दे सकते हैं, लेकिन निती मामलों में इतने सतर्क रहेंगे कि मार्ग में जाने वाले अवसरों का पूरा लाभ नहीं उठा पाएँगे।

स्वास्थ्य

आपके स्वास्थ्य पर भी आपके मन का भारी प्रभाव पड़ेगा। बिना से शोध अस्त-व्यस्त और तनावग्रस्त हो जाएंगे। पाचन अंग आपको काफी परेशान कर सकते हैं।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंग 'सर्ज' और उसके बाद 'दो' है। अपनी योजनाएँ

और कार्यक्रम इन्हीं मूलाको वाली तिथियों पर पूरे करने का पूरा प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलाको वाले होंगे। इन्हीं मूलाको वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस कर सकते हैं।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए जेप्सून (कबूतरी व हलके) और चन्द्र (हलका हरा, नीम, सफेद) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न है - हरा जेड, मोती, चड्कात, मणि, चमकीले नग।

8, 17, 26 (मूलांक 8) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह दानि और बुध (सौम्य) हैं। आपके स्वभाव में भी बहुत-सी बातें ऐसी होंगी जो जून में इन्हीं तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के स्वभाव में हैं। आपकी उनके जैसे ओजस्वी या उग्र नहीं होगी।

आरम्भिक वर्षों में, लगभग 35 वर्ष की आयु तक आपको अनेक बाधक प्रभावों का सामना करना पड़ेगा। उसके बाद आप अपने प्रतिकूल वातावरण से मुक्त हो जाएंगे और आपकी आकांक्षाएँ पूरी होंगी।

आप धीरे गम्भीर होंगे, असामान्य विषयों का अध्ययन करना चाहेंगे और आपमें अपने ही धोल में रहे आने की प्रवृत्ति होगी। आप लोगों के बारे में आपका द्धान उनको अति आलोचना करने और सदेही होने का होगा।

अपने काम में आप पूरे ईमानदार होंगे लेकिन उसमें जितना दिमाग लगाएँ उसका आपकी उचित धेय नहीं मिलेगा। आप पुरानी पुस्तकें, पुस्तकालय और सग्रहालय पसंद करेंगे और ऐसे विषयों पर पुस्तकें लिखना या संकलित करना चाहेंगे।

लेकिन यदि आप 26 सितम्बर को पैदा हुए हैं तो आप आगामी राशि युक्त के संधि-काल में इतने आगे बढ़ चुके होंगे कि वे सभी गुण पृष्ठभूमि में पड़ने के साथ ही आप भौतिक दुनिया में अधिक आगे आएं। आपकी आम वृत्तियाँ भी अधिक प्रबल होंगी।

आर्थिक दशा

हर हालत में अति-सतर्कता की भावना के कारण आप धन कमाने के अनेक अच्छे अवसर गवा देंगे। इसके लिए आप प्रायः पश्चात्ताप भी करेंगे। लेकिन आप कुछ छोम छोम में या नौसरा घान, भूमि और मकान जैसी सम्पत्ति में अच्छी पूँजी लगाएँगे।

स्वास्थ्य -

आप शरीर से बहुत तगड़े होंगे और दिमागी काम में भी भारी सहन-शक्ति और समता होगी। बहुत अधिक बैठकर काम करने में आँखों की रूकावट, हँसियाँ, झुजली जैसे रोगों के आप शिकार हो सकते हैं। खुले में जितना व्यायाम कर सकते हों, कीजिए। अनेक दुर्घटनाओं का सामना करने और अल्प-मृत्यु की भी आशा है।

'चार' और 'आठ' के एक आपके जीवन में बार-बार आने रहेंगे। सबसे घटना-पूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलानुवांशों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलानुवांशों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति काफी लयाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गहरे रंगों से बचिए और हलके रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाव्य रत्न हैं - बाला मोती, काला हीरा, गहरा नीलम और सभी काले नग।

9, 18, 27 (मूलानुवांश 9) सितम्बर को जन्मे व्यक्ति -

9 या 18 सितम्बर को जन्मे होने पर आप मंगल और बुध के प्रभाव में आते हैं। आपके गुण बहुत कुछ वैसे ही होंगे जैसे जून में इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के। अंतर इतना ही होगा कि आप विचारों में या अपनी योजनाएँ पूरी करने में अधिक कूटनीतिज्ञता दिखाएँगे।

मेरे मन से मंगल और बुध एक दूसरे के मित्र हैं। मंगल बुध को अपना काफी भाँग, ऊर्जा और सकल्य प्रदान करता है। यह सहयोग आपको मन से बहुत सक्रिय बनाएगा और जोखिम तथा दुस्साहस से प्रेम देगा। 9 और 18 जून को पैदा हुए व्यक्तियों की तरह आप भी अपने मुहफ़टपन से और बाणी से सीधी चोट कर दूसरों को अपना दुश्मन बना लेंगे।

कभी-कभी आप व्यर्थ में बात करेंगे। बहुत पारखी, आलोचक और छोटी-छोटी बातों पर चिढ़ जाने वाले होंगे। उद्यमों में, या इजीप्टियरी में, या कारखानों के निर्माण में, रचनात्मक काम के लिए आप बहुत उपयुक्त रहेंगे। अपने उद्यमों में मशीनों का काफी उपयोग करेंगे।

शून्य-चित्रितक या दत्त-चित्रितक के रूप में और महीन औजारों से काम लेने में भी आप में काफी योग्यता होगी। सभी मई वैज्ञानिक खोजों में आपको गहरी दिलचस्पी होगी। दार्शनिक, विचारक या लेखक के रूप में अपने को अभिव्यक्त करने में आपको सफलता मिलेगी।

अपने स्वभाव के एक और पक्ष से आप कृषि भूमि के विकास में या नई मशीनों से काम लेने में पटल करेंगे।

जून की इन्हीं तिथियों को पैदा हुए लोगों की भाँति आप दुर्घटनाओं और

मशीनो से कुछ अधिक हो दुपटनाग्रस्त होंगे। पशुओं विमानों और विमान-यात्रा से भी घबरा हो सबता है।

27 सितम्बर को पैदा होने पर दुपटनाए अधिक गम्भीर होंगी। आग और आग्नेयास्त्रों से भी घबरा है। आपके कारण यह मंगल-बुध के साथ जुक भी है। वैसे 9, 18 और 27 सितम्बर को पैदा हुए व्यक्ति जो भी काम करेंगे, उसी में सफल होंगे।

आर्थिक दशा

आप पैसा कमाने में आम तौर पर सफल होंगे। जो काम करेंगे उसी में अपने नये विचारों से बहुत धनी हो जाएंगे।

स्वास्थ्य

आप बीमारी के बजाय दुपटनाओं के अधिक शिकार होंगे। 27 सितम्बर को पैदा होने पर अनेक बार शल्य-चिकित्सक के चारू का भी अनुभव करने की सम्भावना है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंग 'नो' और 'पाच' हैं। हो सके तो अपनी महत्वपूर्ण योजनाएँ और कार्यक्रम इन्हीं मूलकावा वाली निधियाँ सा पूरा कीजिए। 27 सितम्बर को जन्मे लोग 'छ' और 'नो' अक्षरों को सबसे महत्वपूर्ण पाएंगे।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'नो' मूलकावा वाले होंगे। आपके 'तीन' 'छ' और 'नो' मूलकावा होने व्यक्तिगत रूप से प्रति आकर्षित होने की सम्भावना है।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए साल, गुलाबी और हलके रंग के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं साल, तामड़ा साल या गुलाबी नंग, हीरा, रक्त मणि।

अक्टूबर

तुला राशि 21 सितम्बर से प्रारम्भ होती है, लेकिन सात दिन तक पूर्व राशि कर्का के साथ इसका सधि-काल चलने से यह 28 सितम्बर से ही पूर्ण प्रभाव में आ पाती है। इसके बाद 20 अक्टूबर तक दसका प्रभाव पूर्ण रहता है। फिर आगामी राशि वृश्चिक के साथ इसकी सधि प्रारम्भ हो जाने से सात दिन तक इसके प्रभाव में उतरोत्तर कमी होती जाती है।

इस अवधि में, अर्थात् 21 सितम्बर से 20-27 अक्टूबर तक, जन्मे व्यक्तिओं के चरित्र में भारी विविधता मिलती है, लेकिन अपने सभी कामों में वे स्पष्ट मन से प्रभावित होते हैं। उनमें इतनी प्रबल नरक-भावना होती है कि वे प्रायः अपने को भी उस पर कब्जे में नहीं चूकते। लेकिन एक बार अपना मार्ग चुन लेने पर वे हर मूल्य पर उस पर आगे बढ़ते हैं।

उनके सामने जो भी तर्क आता है, उसे वे अपने मन में अच्छी प्रकार तोलते हैं। उनका भाषा पर या तो पूर्ण अधिकार होता है या वे अपनी बात छोटे-छोटे सशक्त वाक्यों में कहते हैं। लेकिन दोनों ही स्थितियों में उनके लिए भाषा का भारी महत्व होता है।

इस अवधि में जन्मे व्यक्ति प्रायः सार्वजनिक जीवन में मिलते हैं, लेकिन धाम तोर में इसे वे अपने लोगों की दृष्टा सुधारने के लिए समुलन छीक करने की भावना से अपनाते हैं।

साधारण परिस्थितियाँ में इनमें से अनेक लोग स्वभावतः कानून के अध्ययन की ओर उन्मुख होते हैं। उनमें नरक की जागरूकता समझ होती है। उनमें कानून बनाने या ऐसे विषयों पर लिखने की बारी प्रवृत्ति रहती है। अनेक लोग अपना जीवन किसी विशेष अध्ययन या शोध कार्य में लगा देते हैं। कुछ उत्तम वैज्ञानिक और डाक्टर बनते हैं और अपने क्षेत्र में विशेष शाखा का अध्ययन करते हैं। वे कुछ भी करें, आम तौर पर बहुत अच्छी तरह करते हैं।

वे अपने वनावरण के प्रति असामान्य रूप से संवेदनशील होते हैं। यदि वह अनुकूल न हो तो शीघ्र उदास हो जाते हैं, उनका मन दुःख जाता है और वे अपने ध्यान में मगल जाते हैं।

आम तौर पर वे ज्ञान स्वभाव के होते हैं। वे जन्मजात शान्ति दूत होते हैं क्योंकि विवाद और झगडा के दुःखों को समझ नहीं सकते। वे साफ-सुपरे रहते हैं और

असाध्यता उनमें नहीं मृहती। अपने दिखाने और परिधान का काफी ध्यान रखते हैं किन्तु वस्त्रों का दिखावा नहीं करते।

उनकी राशि का स्वामी शुक्र (मौम्य) है। यदि इस राशि में उच्च का है और सूर्य नीच का। इस राशि में सूर्य की विशेष स्थिति उनकी जटिल प्रकृति, समचित्तता की उनकी प्रबल समझ और उनके स्वभाव में आशावादिता तथा उदासी के मिश्रण के लिए जिम्मेदार है। अपनी बहुरूपी प्रकृति के अनेक मूढ़ा का वे अनेक प्रकार से अभिव्यक्त करते हैं। उदात्त आदर्शवाद और उच्च नैतिक सिद्धान्त उनके चरित्र का आधार है। वे विचारों और कामों में स्पष्ट और निर्णायक होते हैं। अपनी आवश्यकतानुसार स्वाभाविक अथवा प्रेरणा की समीक्षात्मक तर्कों में दवाएँ रखने की उनमें प्रबल भावना होती है। निश्चित प्रमाण के बिना वे किसी बात का स्वीकार नहीं करते।

प्रेम-मन्त्रियों में वे व्यक्ति बहुत दिखावा करने वाले नहीं होते, बल्कि घात की घाल निकालने वाले और उसके प्रयोजन की लालन वाले होते हैं। वे घुन आते हैं कि प्यार के पद्यों को छुट्टी से नहीं देखा जाता। अतः वे दाम प्रेम और निराशा के शिकार होते हैं। आम तौर से तुला वाले व्यक्ति भारी लोचप्रियता प्राप्त करते हैं, ठेठ-सारे मित्र बना लेते हैं, और साथ ही बहुत कुछ अपने तब सीमित रहते हैं।

उनके लिए धन का बहुत कम या नगण्य महत्व है। वे शान्त ही मृदुवासी या अविचारित उत्पन्न के चक्कर में फँसने लगे हैं।

वे अच्छा वातावरण पसंद करते हैं और उनमें काफी प्रभावित भी होते हैं। अपने आस-पान के लोगों के मनोवैज्ञानिक प्रभाव के प्रति वे अत्यन्त सचेत रहते हैं। उनके स्वभाव का स्वभाव पक्ष बहुत प्रबल होता है। वे संगीत और कला के भारी शौकीन होते हैं और प्रायः उनमें काफी दखल रखते हैं। अध्ययनशील, पौष्टिक और शोध प्रेमी होने से वे शिक्षा-क्षेत्र में भी प्रमुखता प्राप्त करते हैं। स्वभावतः वर्तमान में रहे जाने के कारण उन्हें विद्यार्थियों के बंधुओं की कम और भविष्य की कल्पनाओं की और भी कम चिन्ता होती है। शुक्र और शनि के सहयोग के कारण वे प्रेम या वर्तमान भावना से प्रायः भारी रपाव करते हैं। आम जीवन में साधारणता उन पर किसी बुराई की छत्रछाया रहती है। ऐसा न होने पर वे कम आयु में ही विवाह कर लेते हैं। प्रायः अपना जीवन मापी या बच्चे उनकी मृदुवासायाँ पूरी होने में बाधा पहुँचाते हैं।

आर्थिक दशा

तुला राशि में भी तो अनेक प्रसिद्ध और दृढ व्यक्ति पैदा हुए हैं, फिर भी यदि वे लोग धन कमाने में सफल हो जाते हैं तो बुद्धि में शान्त ही उन्हें अपने पाम रख पाने लगे हैं। इसका एक उदाहरण मार्ग बर्न हार्ट है। वह 22 अक्टूबर को पैदा

हुई थी। अभिनेत्री के रूप में उसने विपुल धन कमाया लेकिन मरी अत्यन्त गरीबी की दशा में। दूसरा उदाहरण 16 अक्तूबर को जन्मे औस्कर वाइल्ड का दिया जा सकता है। किसी समय वह दुनिया के अश्विक्वतन पैसा पाने वाले नाटककार थे, लेकिन अन्तिम वर्षों में गुजारा भी मुश्किल से हो पाता था। उन्हें दफनाया भी बचे-खुबे थोड़े से मित्रों के दान में गया। थियोसोफिकल सोसाइटी की अध्यक्ष ऐनी बेमैंट, जो 9 अक्तूबर को पैदा हुई, तुला वाले जातक का एक और उदाहरण है जिन्हें ऊँचा पद मिला लेकिन धन नहीं। (इस सूची में महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री को भी जोड़ सकते हैं—सम्पादक)

ऐसा नहीं कि तुला राशि में पैदा हुए व्यक्ति धन कमा ही नहीं सकते लेकिन शायद ही कभी उसे अपने पाम रख पाने हो या भविष्य के लिए व्यवस्था कर पाते हो।

स्वास्थ्य

तुला राशि स्वास्थ्य और सफाई की सहज प्रवृत्ति देती है। आम तौर से वे अपना सवुलन बनाए रखते हैं और गम्भीर बीमारियों के शिकार होने से बच जाते हैं। लेकिन बहुत अधिक परियम करने या अत्यधिक भावुक हो उठने पर स्वास्थ्य पर उसका हलाल प्रभाव पड़ेगा।

अधिक परिश्रम के सबसे अधिक सक्षण गुदों में प्रकट होने हैं जो आवश्यकजनक रूप से सवेदनशील होते हैं। उनमें बहुत अधिक शारीरिक शक्ति नहीं होनी, हालांकि शीघ्र स्वस्थ हो जाने की क्षमता रहती है। उन्हें बड़ी मात्रा में ताज़ा हवा चाहिए। सम्भव हो तो सादा जीवन बिनाए। भोजन के मामले में पूरी सावधानी बरतें।

विवाह, सम्बन्ध, सामेदारिया

इस अवधि में जन्मे व्यक्तियों के आम तौर में अपनी निजी राशि तुला (21 सितम्बर से 20 अक्तूबर), वायु-त्रिकोण की अन्य दो राशिया, मिथुन (21 मई से 20 जून) तथा कुम्भ (21 जनवरी से 19 फरवरी), इनके पीछे का सात दिन का मध्मिनाम और अपने से सातवी राशि मेष (21 मार्च से अप्रैल के अंत तक) के दौरान जन्मे व्यक्तियों के साथ अत्यन्त मधुर सम्बन्ध रहेंगे।

1, 10, 19, 28, (सूताक 1) अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति

आपने कारक ग्रह सूर्य, यूरेनस, शुक्र और शनि हैं लेकिन 28 अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति वृश्चिक राशि के प्रभाव में आते हैं जिसका हानिकारक मतलब है। 28 अक्तूबर तक शुक्र अपनी सौम्य राशि में है, शनि उच्च का है, मंगल अस्त राशि में है और सूर्य नीच का है।

यह प्रहयोग वहु रूपी स्वभाव प्रदान करेगा। साधारणतः यह यश के लिए शुभ मांग है। अपने निजी गुणों के विकास की दृष्टि में आपको अनेक गुणवत्तर मिलेंगे।

सूय पाप से प्यार और सतुलन देगा। अपने वातावरण में शान्ति और सौहार्द पैदा करने की भावना होगी। आपमें 'शान्ति दूत' की प्रवृत्ति होगी। जब तक अपनी प्रवृत्ति न्याय-भावना से दमके लिए विवश ही न हो जाए, आप हर प्रकार के स्वतन्त्र और मुक्त में घुणा करेंगे। शुभ्र अपने सौम्य भाव में होने से आप प्यार के लिए तरसेंगे, आप त्याग करेंगे और फिर भी अपना बहुत बल सखीप मिलेगा।

आपमें भारी महत्वाकांक्षा रहेगी, लेकिन उसे पूरा करने में अन्त बाधाएं आएंगी। आपकी योजनाओं का हमसा बाकी विरोध होगा।

दूनगों के प्रति पाप की भावना आपको स्वभाव में इतनी ममार्द हुई है कि आप कानून के अध्ययन में भारी योग्यता प्राप्त कर सकते हैं। आप ईमानदार बनीत या जज के रूप में प्रसिद्ध होंगे। आप किसी प्रकार के राजनीतिज्ञ जीवन में भी सफल हो सकते हैं, लेकिन साधारण राजनीतिज्ञ की दृष्टि के बजाय कानूनों में सुधार की दृष्टि में। आप चित्तिमा और सभी तरह के शोध-कार्य में भी सफल रहेंगे।

अपने इच्छाओं के लिए तयों को ज़ोरदार ढंग से पैदा करने की तात्पर्य उत्पन्न में आप अन्त नागा का शत्रु बना लेते हैं। जो लोग तर्कपूर्ण ढंग में बात नहीं कर सकते उनका आपके लिए कोई उपयोग नहीं है। अक्सर से इन विधियों को जन्मे व्यक्ति अनेक प्रकार की क्षतिग्रस्त अन्त कर सकते हैं।

यदि आप 28 अक्टूबर को जन्मे हैं तो आपका सूय गुण के अधिकतम से निम्नतर व्यक्ति में प्रवेश कर चुका है। आप सारे में जानकारी के लिए आप तन्मय में 'एक' श्रुताव वाली विधियों को जन्मे व्यक्तियों की जानकारी प्राप्त कीजिए।

आर्थिक दशा

आपने लिए साधारण ढंग के कामों की अपेक्षा मानसिक व्यवसायों में पैदा बलान और अपनी निजी महत्वाकांक्षा पूर्ण करने की सम्भावना अधिक है। आप निजों में बहुत ब बलाय अपन धर्म के लिए संपत्ति की प्रवृत्ति करेंगे।

स्वास्थ्य

आपमें व्यक्ति में आपकी स्वास्थ्य के बारे में बल प्राप्त होगी। जब तक पूर्णतया में काम करेंगे, रोक लेंगे। निष्प्रियता का आरंभ लिए मननर में मौन। यदि अभी बहुत दूरा में दुष्टताओं में शान्त मन के कारण होगा। दुष्टताओं में पाप

निर और बड़े पर आने की अधिक सम्भावना है, लेकिन आपको पेट और आंतों का अनुरोध करना पड़ सकता है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक' और 'छ' हैं। 'चार', 'आठ' तथा 'नौ' भी जीवन में बार-बार आएंगे लेकिन मैं आपको इन्हें अपना 'अंक' चुनने की सलाह नहीं दूंगा। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' 'छ' और 'आठ' भूलाकी वाले रहेंगे। 'एक' 'चार', 'छ' और 'आठ' भूलाकी वाली विधियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लागू करने चाहेंगे।

जन्म प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (सुनहरा, पीला नारंगी, भूरा), यूरेनस (निन्दी या शोख) और शुक्र (नीला) ने रंग के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, पुखराज, अम्बर, नीलम।

2, 11, 20, 29 (भूलाक 2) अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह चंद्र, नेप्चून, शुक्र और शनि हैं। आप कोई वृत्ति अपनाएँ कारक प्रेरणा का बरदान प्राप्त होगा। आरामकाल में आपमें पूर्व ज्ञान की गहरी मन्य रही। आप अपनी योजनाओं के निष्कर्ष को पहले से ही भाव लेते और फिर हर विरोध के बावजूद उन्हें पूरी करेंगे।

आप बानी में आपमें अति-संवेदनशील होने और आलोचना को सहन करने की दृष्टि होगी, लेकिन आपका स्थिति पैदा होने ही आपके स्वभाव का प्रबल पथ रति में आ जाएगा। इसलिए महत्वपूर्ण मामलों पर फैलते उस समय लीजिए जब कम अंश हो और दूसरों के विचारों के प्रभाव से मुक्त हों। कभी-कभी आपको निराशा के दौर पड़ेंगे और आपको अपनी कार्यक्षमता पर हो संदेह होना दिखाई देगा।

दिन से आपका स्वभाव बहुत स्नेही है और आप प्यार की गहरी आवश्यकता महसूस करेंगे। लेकिन इन मामलों में आप इतने संवेदनशील और बहुत आलोचक होंगे कि अच्छे अवसर गवा सकते हैं। 2, 11, 20 या 29 तारीखों को जन्मे लोग यदि कम आयु में ही विवाह नहीं कर लेते तो प्रायः कुआरे ही रहे आते हैं। आगामी राशिचक्र में 29 अक्तूबर को पैदा हुए लोग अपने विपरीत विधियों से काफी प्रभावित होंगे और उनके जीवन में अनेक समानता प्रसन्न आएंगे। वे यात्रा के ओर जन स्थान से दूर देशों में रहने के भी बहुत शौकीन होते हैं। समुद्र या विशाल जल शक्ति में उन्हें मोह होता है लेकिन यात्रा के दौरान डूबने या दुर्घटनाग्रस्त होने का कभी खतरा रहता है।

आपकी मन में समीर, चित्रकला, काव्य और सभी सृजित कलाओं के प्रति गहरा प्रेम होगा। यदि इन्हें वृत्ति के रूप में अपनाने का अवसर मिले तो काफी

सफलता मिलेगी। कपडों में आपकी पहचान रहि होगी। भोग और दूसरों की नज़रों की भी इच्छा होगी।

20 अक्तूबर को पैदा हुए व्यक्ति, जब सूर्य वृश्चिक के सध्रि-बाल में प्रवेश कर रहा होता है, 2 या 1। अक्तूबर को पैदा हुए व्यक्ति से अधिक आत्मविश्वासी होगा। 19 अक्तूबर को पैदा हुए भोग और भी आत्मविश्वासी होंगे। उनके लिए सफलता की संभावना भी अधिक रहेगी, विशेषकर कला, साहित्य, संगीत, वायल या नाटक में।

आर्थिक दशा

जब तक आप में लाभ उठाने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों से आत्मरक्षा के लिए आप नारेबंदी नहीं करेंगे, आपके लिए यह विषय शुभ नहीं होगा। व्यवसाय और लंबा वाला काम आपको अविवेक होना, लेकिन आपात स्थिति में कल्पना तथा प्रेरणा के बरदान में आप धन कमा सकते हैं और सफल हो सकते हैं। परिस्थितियाँ अनुकूल होने पर आप बहुत यात्राएँ करेंगे, विदेशों में रहेंगे और उनके सम्बन्ध में सफलता प्राप्त करेंगे।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों में आपके छोटे-नाज़े या शक्तिशाली होने की सम्भावना नहीं है। मन से आप बहुत सक्रिय होंगे और दिव्यत्व वास्तविक लगेंगे। आप कमर या रीढ़ की विविध कमजोरी के शिकार हो सकते हैं और कमर झुक सकती है। आपको शीघ्र सर्जिकल-उद्धार करना है और मावधानी नहीं करती तो गले, फेफड़ों, नासिका-रन्ध्रों और कानों में परेशानी हो सकती है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंग हैं 'दो' और 'सात'। अपनी योजनाएँ और कार्यक्रम इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को पूरे करने का प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्षों में 'दो' और 'सात' मूलकों वाले हो रहेंगे। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चन्द्र (हरा, नील, सफ़ेद) शुक्र (नीला), नेप्चून (बबूनरी, हल्के नीले शीश) के रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हरा जेड, मोती, चन्द्रकान, मणि, पुष्कराक्ष, अम्बर, फीरोज़।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक ग्रह, शुक्र और शनि हैं। शुक्र के प्रभाव के कारण आपके दृढ़तर गुण अधिक प्रभाव में आएंगे, जैसे महत्वाकांक्षा, इच्छा शक्ति, सकल। यह ग्रह

योग इतना शुभ है कि आपका कोई ध्येय हो, आपको जीवन में काफी सफलता मिलेगी।

आपमें इतनी महत्वाकांक्षा होगी कि कोई साधारण पद आपको सतोष नहीं दे पाएगा किन्तु महत्वाकांक्षा बहुत उदात्त ढंग की होगी। अपने साथियों से ऊँचे उठकर आप जिम्मेदारी तथा विश्वास के पदों पर पहुँचेंगे लेकिन आपका सबसे अधिक प्रयास आम मानवता के कल्याण के लिए होगा।

कुछ भी करें, स्वभाव से आप ईमानदार होंगे। आप न्यायप्रिय, अत्यंत उदार और दानशील तथा सार्वजनिक संस्थाओं, अस्पताल, अनायालय आदि में समय और धन लगाने वाले होंगे। व्यक्ति के बजाय संस्थाओं की अधिक सहायता करेंगे। यदि आपके परिवारजन आपकी सलाह पर चलेंगे तो उनके प्रति भी इतने ही उदार होंगे।

भूख और लम्पट व्यक्तियों से आपको कुछ लेना-देना नहीं होता। आपकी जब उनके लिए एक बार धूल सकती है, दो बार नहीं। आप न्यायप्रिय तो होंगे लेकिन साथ ही कठोर भी होंगे। किसी का आपसे लाभ उठाने का प्रयास आपको अच्छा नहीं लगेगा।

उच्च पदस्थ लोगों को, विशेषकर घमं कानून या सरकार के महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों को शीघ्र अपना मित्र बना लेंगे। आप कानून और व्यवस्था के उत्साही समर्थक होंगे, साथ ही अपने नीचे काम करने वालों के लिए एक अच्छे मालिक सिद्ध होंगे।

आपके वैवाहिक सम्बन्ध और घरेलू जीवन सुखद रहने की आशा है। बच्चों से भारी सुख मिलेगा।

कभी-कभी शत्रुता का भी सामना करना पड़ेगा और ईर्ष्यालु प्रतिस्पर्द्धी आपके सम्मान को चोट पहुँचाएँगे। ऐसी बातों की आप कम ही चिन्ता करेंगे और अपने ध्येय से तिलमल नहीं डिगेंगे।

21 अक्तूबर को जन्मे व्यक्तियों का सूर्य, वृश्चिक के सधि-काल में पहुँच चुका होता है। उनमें बहुत कुछ 3 और 12 अक्तूबर को जन्मे व्यक्तियों जैसे ही गुण होंगे, किन्तु पारिवारिक जीवन इतना सुखद नहीं रहेगा। 30 अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति वृश्चिक राशि में प्रवेश कर गए होते हैं। उनको भी सामाजिक सफलता के लिए शुभ परिस्थितियाँ हैं।

आर्थिक बड़ा

आप व्यापार, आर्थिक देने लेने या उद्योग में आम तौर से काफी भाग्यशाली रहेंगे। शक्तिशाली मित्रों, विपरीत लिगिया या विवाह से लाभ होगा।

स्वास्थ्य

प्रारम्भित वर्षों के बाद स्वास्थ्य आम तौर से अच्छा रहेगा। 21 वर्ष की आयु इस वारे में मोड़ हो सकती है। किसी बीमारी का नाम सेना बठिन है, लेकिन दुपटनाओं में चोट या सबते है, विशेषकर बार, रेत या ट्रक दुपटना से।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन' और 'छ', हैं। 'आठ' और 'चार' के अंक भी जीवन में आयेगे लेकिन आमतौर से विरोध या दुख लेकर आएंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'तीन' और 'छ' मूलकों वाले ही होंगे। इन्ही मूलकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गुरु (बैंगनी, फाल्सई, जामुनी), तथा शुभ (नीला) के रंगों के वपडे पहनिए। आपके भाग्य चतन हैं बटंसा, सभी जामुनी नय, पींगेजा, सभी नीले नय।

4, 13, 22, 31 (मूलांक 4) अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके बारक ग्रह धूरेनम, सूर्य, शुक्र और शनि हैं। 4, 13 या 22 अक्तूबर का जन्मे हान पर धूरेनम तथा शनि के मिले-जुले प्रभाव से जीवन असामान्य होने की सम्भावना है। अनेक ऐसे परिवर्तन और विचित्र अनुभव होंगे जिन पर आपका नियंत्रण नहीं रहेगा। शुक्र के अपने सौम्य भाव में होने से प्रेम और विवाह के सम्बन्ध में अतीस अनुभव होंगे। आप विविध और बहुत कुछ सनकी व्यक्तियों की और आकर्षित होंगे जो मातात्मिक दृष्टि से आपके लिए भाग्यशाली नहीं रहेंगे।

यदि आप किसी को गृहस्थ से चाहते तो उससे कामों की बिनती ही बालोचना हो, आपके प्रेम में कमी नहीं आयेगी। ऐसे मामलों में आप बापों जैसी होंगे। अपने परिवार के सदस्यों के विरोध और मनमुटाव का भी सामना करना पड़ सकता है। सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों के कारण आपको दुःख या सनसनीपन अनुभव हो सकते हैं और निर्दोष होने हुए भी बदनामी या थोटावा की सम्भावना है।

आपके विचार लोक से हटकर, कुछ सन्कीपन लिए हुए होंगे। आपको साहित्यिक और कलात्मक कार्य में अपने का अभिव्यक्त करने का धामा वरदान मिला हुआ है जिसका आप लाभ उठा सकते हैं।

पानेदारिया या विदाट सम्बन्ध तभी ठीक हो सकते हैं जब असामान्य परिस्थितियों में हों और आप काफी आत्म-चाप का परिचय दे।

आपने गुप्त विद्याओं के अध्ययन की प्रवृत्ति और सम्मोहन—या दूसरा के मत को पढ़ने की योग्यता हो सकती है। धारका आग्नेयाम्त्र, कित्पाटो आदि में दुपटना का खतरा है। कूसा, बिजली, विमान दुपटना जैसे हवाई खतर भी आपके जीवन में आ सकते हैं।

यदि आप 31 अक्टूबर को पैदा हुए हैं तो आपका सूर्य वृश्चिक राशि के प्रारम्भ में होगा। जहाँ तक निजी प्रगति और भौतिक सफलता की बात है, यह आपके लिए अधिक शुभ है।

आर्थिक दशा

आपके प्रारम्भिक वर्ष आधे तौर से आर्थिक कठिनाई में गुज़ारेंगे। या तो मा-बाप आपसे लिए अधिक पैसा नहीं छोड़ेंगे या आप कोई ऐसा घराबाने जिनमें शुरू में सौम्यता दिखाने की अधिक गुज़ादश नहीं होगी। लेकिन बाद में आप सफल होंगे, विशेषकर यदि 22 या 31 अक्टूबर को पैदा हुए हों। आपको सबसे बड़ा खतरा यह है कि कितना भी पैसा कमा लें, गुड़ापे के लिए कुछ बचाकर नहीं रखें और प्राप्त गरीबी की दशा में मरेंगे।

स्वास्थ्य

4 या 13 अक्टूबर को जन्मे व्यक्ति अक्सर किसी असह्य बीमारी के शिकार हो सकते हैं। उन्हें दले, नाक, चेहरे और अदस्तों अंगों का आपरेसन भी कराना पड़ सकता है।

22 या 31 अक्टूबर को जन्मे व्यक्ति बचपन में आम तौर से कमजोर होंगे लेकिन 31 वर्ष की आयु के बाद बीमारी में लड़ने की भारी शक्ति पैदा कर लेंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अक्षर 'चार' और 'आठ' हैं। लेकिन मैं आपको अपनी ओर से इन अक्षरों से काम लीने की सलाह नहीं दूँगा। 'एक' या 'छ' के अक्षर आपके लिए अधिक भाग्यशाली रहेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलकों वाले हों रहेंगे। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति जान गहरा लगाव महसूस करेंगे।

कपड़ों में भी आप मुनहरे, पीले, भूरे, नारंगी और नीले रंग का प्रयोग कीजिए। आपके भाग्य रत्न है गुजराज, हीरा, फीरोदा।

5, 14, 23 (मूलक 5) अक्टूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण यह बुद्ध, शुक, जनि और सूर्य हैं। यह बहुत दिलचस्प यह योग और आम तौर से आपसे परिवर्तन को बन प्रदान करने में बहुत महत्वपूर्ण भी।

शुक उच्च के शक्ति के साथ जन्म सौम्य भाव में होने से आप प्रेम-प्रयोग में सामान्य परीक्षाओं की आभा कर सकते हैं। अधिकांश जीवन-काल में आप भाग्य, या या किसी सम्बन्धी के प्रति प्रबल कर्तव्य भावना से प्रेरित होकर आम-जन

करते रहेंगे। इस उच्च ध्येय के लिए अपनी योजनाओं तथा महत्वाकांक्षाओं को भी तिलाजलि दे देंगे। आपके लिए यह इस भावना के कारण और भी बठिन होगा कि आपको औसत से अधिक बुद्धि मिली हुई है और यदि आपको छुलकर काम करने की और अवसरों से पूरा लाभ उठाने की छूट मिले तो आप अपनी प्रतिभा से बहुत कुछ कर सकते हैं।

आपका स्वभाव अत्यन्त शांत होना, जरा-सा भी अस्पृश्यता या भद्रापन आपको चुभेगा। हर पीड़ा के प्रति आपके मन में दया, सहानुभूति और कल्याण होगी, फिर भी आप सही निष्पत्ति और उत्तम तर्क-शक्ति की क्षमता से सम्पन्न व्यावहारिक तथा ठंडे दिमाग से सोचने वाले व्यक्ति होंगे। व्यवहार में शांत और सरल, मिठांतो में पक्के। आपकी सबसे बड़ी भावना अपने आस-पास के लोगों में सौहार्द और शांति स्थापित करने की होगी। आप रक्त बहाने वाले छोड़ा नहीं होंगे। आप विवाद या झगड़े नामसन्द करेंगे लेकिन अपने सिद्धांतों पर अडिग रहेंगे और अन्याय के विरुद्ध अन्तिम दम तक लड़ेंगे।

इन निष्पत्तियों को जन्मे व्यक्ति बहुमुखी प्रतिभा वाले और परिस्थितियों के अनुकूल अपने को ढाल लेते वाले दोनों होते हैं। जिस काम में भी हाथ डालेंगे कर सकेंगे। वे हर प्रकार के व्यक्तियों में रच-रूप सकते हैं, केवल उनकी छोड़कर जो अपनी रुचियों और विचारों में भद्दे और साधनता रहित होते हैं। वे महान और बुद्धिमान दोनों में एक-जैसे धीरे गम्भीर रहते हैं। वे धन के लिए मरते नहीं, लेकिन भविष्य की चिन्ता अवश्य करते हैं। इसलिए वे विषयतमाम और सावधानों से खर्च करने वाले होते हैं तथा बुढ़ापे के लिए उचित व्यवस्था करने का जी-तोड़ प्रयास करते हैं।

14 अक्तूबर को जन्मे लोगों में वे गुण सबसे अधिक होते हैं लेकिन प्रेम और सम्बन्धों के कारण सबसे अधिक बच्चे भी वे ही भोगते हैं। वे बहुत युवा और हंसमुख दिखाई देते हैं और बुढ़ापे में भी दिल से युवा बने रहने के लिए अपना कोई दर्शन बना लेते हैं।

वे बहुत अच्छे समालोचक और शूफरीडर भी होते हैं। हमारे कामों से समय निकाल सर्वे तो अच्छे लेखक भी बन जाते हैं।

आर्थिक दशा

आप दूसरों को अच्छी आर्थिक सलाह दे सकेंगे लेकिन स्वयं उस पर नहीं चलेंगे। 23 से 50 वर्ष की आयु तक किसी व्यवसाय में या मानसिक योग्यता से अच्छी आय होगी। लेकिन बिना भी धन जमा करेंगे, अपनी उदारता के कारण बुढ़ापे के लिए शायद ही अधिक बचा पाएँ।

स्वास्थ्य

आप भारी उत्तेजना के शिकार रहेंगे। काया कृश होगी लेकिन उसमें रोगों से लड़ने की काफी शक्ति रहेगी। हारी आयु पेट प्रायः नाजुक बना रहेगा, पाचन अंग भी। आप अन्य लोगों की भांति नहीं खा सकते और भोजन के बारे में विशेष सावधान रहेंगे। आँधों, चेहरे, हाथ-पैरों में नसों की फड़कन हो सकती है। जिह्वा और मुख में विकार तथा ठीव न्यूराय्जिया भी हो सकते हैं।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'पाच', और उसके बाद 'छ' है। सबसे घटना-पूर्ण वर्ष 'पाच' मूलांक वाले रहेंगे। 'पाच', 'छ' और 'आठ' मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति काफी लगाव महसूस करेंगे।

रंगों और रत्नों का आप पर अधिक प्रभाव नहीं होगा। सभी हलके रंगों के वस्त्र और हीरे तथा चमकीले नग ठीक रहेंगे।

6, 15, 24 (मूलांक 6) अबतूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शुक्र और क्षति हैं। शुक्र अपने सौम्य भाव में आपके जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जहाँ कहीं रहेंगे, आपके मित्रों की बड़ी सहायता होगी और आप काफी लोकप्रिय होंगे। विपरीत लिंगियों के लिए आपमें भारी आकर्षण और प्रभाव होगा।

आप दूसरों का सत्कार करना पसन्द करेंगे और उस पर काफी खर्च भी करेंगे, लेकिन घर बर्बाद करने वाले या अल्पखर्च नहीं होंगे। आपमें थोड़े-से खर्च में बड़े ठाठ-बाट पैदा कर देने की क्षमता है।

आपके अनेक प्रेम-प्रसंग और एक से अधिक विवाह होंगे। लेकिन ऐसे मामलों में अनेक परेशानियों, निराशाओं और विचित्र अनुभवों से भी गुजरना होगा।

अपनी निजी प्रतिभा से आप उच्च सामाजिक पदों पर पहुँचेंगे और उच्च पदस्थ तथा धनी व्यक्तियों से सम्बन्ध बनाएंगे।

साहित्य, संगीत, चित्रकला, काव्य, नाटक और ललित कलाओं में आम तौर से आपकी भारी रुचि होगी। यदि स्वयं नहीं अपनाएंगे तो उन्हें सरसग प्रदान करेंगे और वक्ताकारों में दिलचस्पी लेंगे। यदि आप किसी कला को वृत्ति के रूप में अपनाना चाहेंगे तो आपको उसमें भारी सफलता मिलेगी।

आर्थिक दशा

पूरी विनियोग और आर्थिक मामलों में आप भाग्यशाली रहेंगे, विशेषकर अपनी प्रेरणा के अनुसार चलने पर। अगम जनता से जुड़ी सामेदारिया व्यापारिक विनियोग में शुभ होगी।

स्वास्थ्य

आपकी जान में शीघ्र टीका हो जाने का गुण है, अतः आपकी जान बीमारी नहीं होगी। कभी-कभी खरोखो में षोडे बन सकते हैं। प्रारम्भिक वर्षों में ट्रॉमेटि फूलने और जिह्वा के रिछने भाग तथा दन्ते में भी कुछ घटबड़ होने का सम्भावना है।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'छ' है, विशेषकर मई और अक्टूबर के महीनों में। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इसी मूलांक वाले होंगे। इसी मूलांक वाले दिवसों को अपने व्यक्तियों के प्रति आप भारी लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए शुक्र (नीला) और मूत्र (सुन्हरा, पीला, गहरा, भूरा) के रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, पुडुराज, अम्बर, पीरोया।

7, 16, 25 (मूलांक 7) अक्टूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण यह देखून, शुक्र और मृति हैं, लेकिन यदि आप 25 अक्टूबर को पैदा हुए हैं तो आगामी शुक्र बुधवार के सप्ति-वात में भारी आगे निकल चुके होंगे और आपके गुण पूर्व दिवसों पर जन्मे व्यक्तियों में अधिक प्रसर होंगे।

आपकी उच्च मानसिकता का बरदान है। यदि सन्तुलन बनाए रख सकें तो जो भी कृति अपनाएँ, उल्लेखनीय काम कर दिखाएँगे, विशेषकर काव्य, साहित्य, विनयता, संगीत या कलित कलाओं जैसे कल्पना-प्रधान क्षेत्रों में।

7 अक्टूबर को पैदा हुए व्यक्ति प्रायः इनके संवेदनशील होते हैं कि वे अपने काम में पीछे हटकर खड़े होते हैं। 16 अक्टूबर को पैदा हुए लोग बहुत शीघ्र जाना खो बैठते हैं। 25 अक्टूबर को पैदा हुए लोग अपने काम में अधिक साहसी और आवेश में काम करने वाले होते हैं।

अपने सभी कामों में इन तीनों प्रकार के व्यक्तियों का सीक में हटकर स्थान होता है। विशेषकर उनकी बटु आलोचना और बदनामी होती है। अनेक मामलों में घोटाले भी होते हैं। जब तक भारी सावधानी न बरती जाए, यह जम-जाम विवाह तथा सामेशास्त्रि के लिए दुःख नहीं है।

आर्थिक दशा

आपके आर्थिक मामलों में काफी उतार-चढ़ाव आएगा। कभी आपकी अमीरी होगी, कभी इमका उल्टा। काम तौर से आप मटेबाबी में भाग्यशाली नहीं रहेंगे क्योंकि वेदमान लोग आपका पैसा हृष्य लेंगे। आपकी नई यही सर्वोत्तम मताह दे सकता है कि सरकारी बाडो में पैसा लगाएँ। कम लेकिन भरोसेमंद व्यय में

मुझाग कीजिए । सबसे अधिक बुढ़ापे के लिए वार्षिकी (एनुटी) खरीदकर रखिए ।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के बारे में अनेक विचित्र अनुभव होने की सम्भावना है । कभी विष का खतरा भी हो सकता है, खाने में, सम्योग से या आपको अपनी असावधानी से । गुर्दे, तिल्ली और अपेंडिक्स परेशान कर सकते हैं ।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'सात-दो' हैं । आप इन्हीं मूलाको वाली तिथियों को अपनी योजनाएं तथा कार्यक्रम पूरे करने और इन्हीं मूलाको के भवनों में रहने का प्रयत्न कीजिए । सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलाको वाले ही होंगे । इन्हीं मूलाको वाले व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे ।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चन्द्र (हरा, नीम, सफ़ेद), नेप्चून (कबूतरी, हलवे या शोखी) और शुक्र (नीला) के रंगों के वस्त्र पहनिए । आपके भाग्य रत्न है - हरा जेड, मोती, चंद्रकांत मणि, फीरोजा ।

8, 17, 36 (मूलांक 8) अक्टूबर की जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह शनि और शुक्र हैं । लेकिन यदि आप 26 अक्टूबर को पैदा हुए हैं तो आप आगामी राशि वृश्चिक के सधि-काल में काफी आगे बढ़ चुके होंगे और आपकी परिस्थितियाँ अधिक अनुकूल होंगी ।

यदि विरासत में आपको पैसा नहीं मिला है तो आपका समय आम तौर से आराम से नहीं बीतेगा और आपको आगे बढ़ने के लिए बठोर परिश्रम करना होगा ।

आप उच्च बुद्धिजीवी होंगे । सामाजिक जीवन में आने के बजाय किसी सम्मौर अध्ययन में अपना समय लगाना चाहेंगे । पुरुष अच्छे डाक्टर, वैज्ञानिक और वकील बन सकते हैं । महिलाएं पढ़ाकू, प्रायः सामाजिक सुधारों पर लिखने वाली होती हैं । वे जनता को प्रभावित करने वाले व्यापक राजनीतिक प्रश्नों में दिलचस्पी लेने लगती हैं, अथवा पूरे दिलो-दिमाग से किसी ऐसे काम में लग सकती हैं जिसे वे मानवता के लिए कल्याणकारी समझती हैं । विन्तु स्त्री और पुरुष दोनों कोई मुश्किल वृत्ति चुनेंगे जिसमें अपने विचारों के लिए उन्हें भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा ।

साप्ताहिक दृष्टिकोण से आप प्रायः पैसे वाले बन जाएंगे । ऐसा होने पर अपना पैसा किसी असाधारण काम में लगाएँ, जैसे वैज्ञानिक शोध को आगे बढ़ाने के लिए सस्थाओं तथा अस्पतालों की स्थापना अथवा कोई राजनीतिक सुधार का काम ।

इन तिथियों को पैदा हुए लोगों को भारी दुःख या कष्ट उठाने पड़ते हैं ।

किसी प्रियजन की क्षति, माता-पिता या निकट सम्बन्धी की बीमारी तथा मृत्यु का परिवार में तनाव । इस अवधि में शक्ति इतना शक्तिशाली रहता है कि ये व्यक्ति किसी उच्च पद पर पहुँच जाते हैं । लेकिन बुढ़ापे में उनके हाथों से सभी कुछ निकल जाता है और उन्हें बदनामी तथा धोखाओं का भी शिकार होना पड़ता है ।

ये लोग यदि कर्मचारियों के रूप में काम करेंगे तो शाब्द ही कभी मनोनुबल पदा पर पहुँचते और बहुत दुखी जीवन बिताते हैं । दूसरे, लोग उन्हें बहुत गलत समझते हैं । शाव स्वभाव के होने के कारण वे ठीक से अपनी सफाई भी नहीं दे सकते । अक्सर उन्हें कार्यभार और अपने अरिष्ठ अधिकारियों से कठोर व्यवहार मिलता है ।

आर्थिक दशा

आर्थिक दृष्टि से आप आम तौर से भाग्यशाली नहीं होंगे । पैसा कमाएंगे तो तत्काल खर्च हो जाएगा । आप भविष्य के प्रति प्रायः अति चिन्तित रहेंगे । एकाकी रहने पर विविध स्थानों पर पैसा जमा करने की प्रवृत्ति होगी । प्रायः वह खो जाएगा या सूट लिया जाएगा । हर प्रकार की सट्टेबाजी या जुए से बचिए । बैंकनिष्ठ, डाक्टर, वकील जैसे लोगों को भी अपनी महत्ता का पैसा पाने में भारी कठिनाई होगी ।

स्वास्थ्य

मानसिक निराशा से और अपने साथ हुए अन्यायों के बारे में सोचते रहने से आप अनेक बीमारियों के शिकार हो जाएंगे । अनेक मामलों में आप यह विचार मन में पालेंगे कि आप शहीद हैं और अपनी गलतियों का वास्तविक या प्रायः काल्पनिक चिन्तन करेंगे । इसके फलस्वरूप पैदा होने वाली उदासी के कारण मन और शरीर दोनों की स्थिति बदतर होगी ।

आमतौर से स्वास्थ्य सदा विचित्र रहेगा । घाना आसानी से हज़म नहीं होगा, अपच रहता, मँडानि होगी और भारी सिरदर्द रहा जाएगा । सम्भव हो तो घुला जीवन बिताए, ढेर नाच व्यायाम कीजिए, सादा भोजन कीजिए और अजिर्न-मे अजिर्न फल तथा सविजरा कीजिए ।

आपके जीवन में 'बार' और 'आठ' के अब एकदम अप्रत्याशित ढंग से आएंगे । दर-मदर आप स्वयं देखेंगे कि आपके छंदों में और निजी जीवन में इन अकों का किनारा महत्व है । पढ़ते से सोचें बिना ही इन अकों वाले पदों की आँख और उन ध्वनिमा की आँख आकर्षित होंगी जिनकी जयतिथि इन अकों वाली है । आपके सगुन घटनापूर्ण वर्ष 'आठ' मूलांक वाले ही होंगे ।

आपके लिए सबसे उपयुक्त रत्न काला मोती, काला हीरा और सभी काले नग रहेंगे।

9, 18, 27 (मूलांक 9) अक्टूबर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण ग्रह मंगल, शनि और शुक्र हैं। यदि 27 अक्टूबर को पैदा हुए हैं तो आप आगामी राशि वृश्चिक में प्रवेश कर चुके होंगे। यह मंगल (सौम्य) का भाव है और इसका अंक 'नौ' है। यह आपमें मंगल के गुणों को बढ़ाएगा, जिसकी आपके जीवन और वृत्ति में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

आपमें जल्दबाजी और आवेश की प्रवृत्ति इतनी अधिक होगी कि उसमें आपका अहित हो सकता है। अपनी विवादप्रियता और अपने विचारों तथा मित्रांगों के लिए लड़ने की भावना से आप विरोध पैदा करेंगे और अनेक लोगों को अपना दुश्मन बना लेंगे। ऐसे मामलों में अपने मन को काबू में रखना और अधिक कूटनीति से काम लेना बेहतर होगा। हालांकि आपके स्वाभाविक गुण आपको सफल बनाएंगे या बचना बना सकते हैं, तथापि अपनी कटु आलोचना से आप ऐसी वृत्ति में भी मुश्किलें पैदा कर लेंगे।

शल्य-चिकित्सक के रूप में भी आप सफल होंगे। मंगल आपको शल्य के लिए चाकू चलाने और मेजों से आपरेशन करने की योग्यता देता है। विज्ञान और उसमें सम्बन्धित नए विचारों में भी आपका दिमाग खूब चलेगा, लेकिन अपने विचारों में आप इतने आग्रही होंगे कि उनका काफी विरोध उठ खड़ा होगा।

यदि किसी व्यवसाय में उतरे तो काफी उद्यमी रहेंगे, लेकिन जो भी काम करेंगे उनमें कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। सगठनकर्त्ता के रूप में और बड़े मस्याओं के प्रमुख के रूप में भी आप अच्छा काम कर सकते हैं और सफल भी हो सकते हैं, लेकिन आपको कर्मचारियों के विरोध, हड़ताला और जान पर हमले तक का सामना करना पड़ सकता है। सबसे बढ़िया आप किसी महत्वपूर्ण सरकारी पद पर रहेंगे जहां अपनी सगठन-क्षमता से आपको अच्छा लाभ होगा।

विपरीत लिंगियों को आपके प्रति भारी आकर्षण रहेगा, लेकिन प्रेम-प्रसंगों में तनाव में काफी चिन्ता और चिदन होगी। अपनी अघोर प्रवृत्ति के कारण आप कम आयु में ही विवाह की ओर दौड़ सकते हैं। फिर अपने जीवन भागियों से विवादों तथा असहमति में पड़ेंगे। विस्तार की बात यह होगी कि बच्चा से आपको काफी मनोरंजन मिलेगा। उनका ऊँचा बौद्धिक स्तर होने की सम्भावना है। व्यवसाय में आप अनेक काम करने हुए अधिक सफल होंगे।

आर्थिक दशा

आम तौर से आप सफल रहेंगे। जिम्मेदारी और अधिकार के पदों पर पहुँचेंगे,

किन्तु यदि अपनी अधीर प्रवृत्ति, क्रोध और कूटनीति की बर्तनी पर बाजू नहीं किया तो अधिक समय तक चढ़ा नहीं टिक पाएंगे।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों में नाजूक स्वास्थ्य, बुपार, शैश की परेशानी और फोडे-पुसी आदि की प्रवृत्ति रहेगी, लेकिन इक्कीस वर्ष की आयु से स्वास्थ्य का एक नया चक्र शुरू होगा। आपमें शक्ति और ऊर्जा का संचार होगा। आपके आग, बिस्फोटकी तथा दुर्घटनाओं में जान पर हमले का खतरा है। दाढ़ी, जबड़े चेहरे और सिर की हड्डी में परेशानी हो सकती है। घाव या चोटें भी लग सकती हैं।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंग 'नी' और उसके बाद 'छ' रहेगा। अपनी योजनाएँ और कार्यक्रम इन्हीं मूलों की बाली तिथियाँ को पूरे करने का प्रयत्न कीजिए। इन्हीं तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'नी' मूलों की बाली रहेंगे।

जहाँ तक हो सके मंगल (लाल) और शुक्र (नीला) के रंगों को बपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं लाल, ताम्र, रक्तमणि, हीरा, पीरोजा।

नवम्बर

21 अक्तूबर से दृष्टिक राशि प्रारम्भ हो जाती है, लेकिन सात दिन तक पूर्व राशि तुला के साथ इसका सधि-नाश चलता है, अतः 28 अक्तूबर तक यह पूर्ण प्रभाव में नहीं आ पाती। उनके बाद 20 नवम्बर तक दसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर आयामी राशि धनु के साथ सधि-नाश प्रारम्भ हो जाने के कारण सात दिन तक इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है।

वृश्चिक जल-त्रिकोण का दूसरा भाग है और इसका स्वामी मंगल (सोम्य) है। इस अवधि में अर्थात् 21 अक्टूबर से 20-28 नवम्बर तक जन्मे व्यक्ति या तो बहुत अच्छे होते हैं या बहुत बुरे। लगभग दशवीन वर्ष की आयु तक वे अत्यंत पवित्र हृदय और धर्मात्मा होते हैं। लेकिन यदि उनकी काम-भावना जाग उठे तो प्रायः वे इसकी उलटी दिशा में मुड़ जाते हैं। फिर भी, कुछ अत्यंत उदात्त मनुष्य इस राशि में पैदा हुए हैं। लेकिन सभी अत्यंत भावुक होते हैं जो उनकी प्रकृति के सभी रूपों की विशेषता है।

इस अवधि में पैदा हुए लोगों में असाधारण आकर्षण शक्ति होती है। वे उत्तम डाक्टर, सर्वेण, कण्ट्रोलर, उपदेशक और वक्ता बनते हैं। सार्वजनिक जीवन में श्रीमताओं पर उनका भारी प्रभाव पड़ता है जिन्हें वे अपनी इच्छानुसार किसी दिशा में मोड़ सकते हैं। उनका भाषा पर अधिकार होता है, बोलने और लिखने दोनों में, और अपनी वर्ण-शैली में अत्यंत नाटकीय होते हैं।

उनकी सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि जिसके सम्पर्क में आते हैं, उसी जैसे बन जाते हैं। फलस्वरूप उन्हें प्रायः दूसरों के दोषों के लिए भुगतना होता है।

यदि वे इस राशि के उच्च धरातल वाले हों तो मानवीय, अत्यंत उदार और आत्म-स्वाधी होत हैं। मजदूर काल और आशात स्थिति में शांति और दुःख-सह्यो रहते हैं तथा उन पर पूरा भरोसा किया जा सकता है। व्यापार, राजनीति, साहित्य या जिम और भी दिमाग लगाए, विचारों में अत्यंत भौतिक होते हैं तथा आम तौर से सफल रहते हैं।

वे भाव की विविध प्रतिकूलता के भी गिरावर होते हैं। प्रायः गलत अफवाहें और कहानियाँ फैलाकर उन्हें बदनाम किया जाता है। जीवन-सपर्यं वे वे बहुत कुछ 'भाव की मशान' होते हैं।

शरीर के बजाय वे मन से अधिक सहने वाले होते हैं। यदि मृत के लिए

विवश हो ही जाए तो अच्छे सगठनकर्त्ता बनते हैं, लेकिन आम तौर से ये स्वनपात से घृणा करते हैं।

कूटनीतिज्ञ या बान्धवार के रूप में वे उत्तम कार्य करते हैं। दूसरे लोगों के झगड़े निपटाने या शत्रुओं को एक स्थान पर लाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

वे बिच्छू की तरह डक भी मार सकते हैं लेकिन थोड़ा-सा भी दुःख प्रकट कर देने पर आम तौर से उनका क्रोध उतर जाता है और वे तत्क्षण अपने शत्रुओं को क्षमा कर देते हैं। लेकिन अच्छे गुणों की प्रधानता हो या बुरे गुणों की उतन दुरुप जीवन जीने की प्रवृत्ति होती है—एक दुनिया को दिखाने के लिए, दूसरा जपन लिए। निचले या अधिक भौतिक घराबल पर यह प्रवृत्ति अधिक विवशित होती है। ऐसी दशा में वे एक सुखी पारिवारिक जीवन बिताते भी देखे गए हैं और एक दूसरी गृहस्थी को भी पालने पाए गए हैं। उच्च घराबल पर यह प्रवृत्ति मानसिक जीवन को अधिक प्रभावित करती है। आम तौर से वे दो धंधे अपनाते हैं और दोनों में सफल होते हैं।

देर-सदेर, वे गुप्त विद्याओं में दिलचस्पी लेते लगते हैं। वे शीघ्र अन्तर्धान की शक्ति पा लेते हैं और प्रायः लेखक, चित्रकार, कवि या संगीतज्ञ के रूप में नाम कमाने हैं। वे स्वाभाविक, दार्शनिक और प्रकृति के अध्ययन में होत हैं। दूसरों के चरित्र को बहुत अच्छी तरह से देख पड़ सकते हैं।

जो उन्हें मानते हैं, वे आम तौर से प्यार और सराहना करते हैं। लेकिन शायद ही कुछ लोग कभी-न-कभी बदनामी या पाटासों के शिकार होने में बच पाते हों।

इन जवधि में पैदा हुए व्यक्तियों की आय के आमतौर से दो माध्य होते हैं। प्रारम्भिक वर्षों में उन्हें काफी परेशानियों और कठिनाइयों का सामना करना होता है। प्रायः एकान्त वास भी करना होता है। लेकिन ऐसी परीक्षाओं में उनकी इच्छा शक्ति और महत्वाकांक्षा बढ़ती ही है तथा देर-सदेर सफलता और धन मिलते हैं।

जिस धंधे या व्यवसाय में लगे होते हैं, उन्हीं में बठोर परिश्रम करते हैं। कोई बोर बसर नहीं छोड़ते। उनकी दृष्टिशक्ति और गहन उद्देश्य काम करते रहने की प्रेरित करते रहते हैं। उनकी ध्येय की अच्छी योग्यता होती है और अपने काम में उपाय-सुझाव होते हैं।

वे अच्छे सरकारी कर्मचारी बनते हैं। विशेषकर उन्हें कूटनीतिक स्थितियों से निपटने और गुप्त मिशन पूरे करने का बरदान मिला जाता है। वे प्रायः सफल जामून और अपराधों का पता लगाने वाले पुलिस अधिकारी रहते हैं।

वे अच्छे वैज्ञानिक, रसायनशास्त्री या जांच पड़ताली बनते हैं, विवेचना के लिए। उनमें अक्सर खतरनाक उद्यमों में लगने की प्रवृत्ति रहती है, जैसा गुप्त

खाने, छिपी खानों की खाज, रहस्यपूर्ण तथा जान-बोझिम के अर्थ काम ।

उच्च धरातर वाले गुण विद्याओं तथा मनोविशेषण में गहरी दिलचस्पी लेने हैं । निचने स्तर वाले गुडों और गुण मस्याओं में सम्बन्ध जोड़ना चाहते हैं । उच्च स्तर वाले प्रायः उच्च कुल में विवाह करते हैं । उन्हे विवाह में लाभ होता है । यदि नहीं होता तो भी कम-से-कम ऐसा जीवन साधी चुनते हैं जो उच्च दीर्घिक स्तर वाला होता है अथवा लाभ देना चुका होता है ।

स्वास्थ्य

वृश्चिक में जन्मे लोग बचपन में प्रायः माजुर होते हैं और जीवन में अधिक बाल-रोगों के शिकार होते हैं । उनकी धीमास्थि आम तौर पर बड़ी आता और मन-मूढ़ मार्ग में सम्बन्धित होती है । वे भयंकर पित्ताग्नि में भूख, कामागों के मन्द और प्रथियों की परतानी में पीड़ित हो सकते हैं ।

जीवन में वे शापित हो किमो दुष्टता में या शत्रु के शायी चोट में बच पाते हैं । फेफड़ों के क्लारी भाग और प्वास नलिका कमजोर होते हैं । वृश्चिक में जन्म सभी लोग अपने स्वकीयों धर्मों के बाद दीर्घांग में असाधारण प्रतिक्रिया का परिचय देते हैं ।

आर्थिक दशा

इन लोगों का भाग्य का असाधारण उता-चटाव का अनुभव करना पड़ता है । उनमें दूसरा पर अधिक भरोसा करने और अधिक आतंकवादी हानि की प्रवृत्ति होती है । वे आमतौर पर ऐसी योजनाओं में फँस जाते हैं जिनका लाभ आता नहीं होता । वे अनि उदार और उन्मुख भी होते हैं । कलापना की पुकार होने पर, विशेषकर विपरीत निम्न में वे अपने आदर्शों को नहीं पाते । पैसा उनकी ओर से आता है । अपनी मानसिक योग्यताओं से वे पैसा कमाते हैं मरने हैं लेकिन शापित की वाटिका में पड़े पाते हैं ।

परिस्थितियाँ अनुकूल होने पर वे खूब यात्राएँ करने हैं और नए परिस्थितियाँ और वातावरण के अनुकूल छोड़ अपने को ढाँच लेने हैं ।

विवाह, सम्बन्ध, साझेदारियाँ आदि

इन लोगों के सम्बन्ध अधिक माहाद्वैतपूर्ण सम्बन्ध अपनी निजी राजि वृश्चिक (29 अक्तूबर से 20 नवम्बर), जन-विशेषण को अर्थ राजिया मीन (19 फरवरी से 20 मार्च) तथा कर्क (21 जून से 20 जुलाई) उदक शीघ्र के अधिकाल में जन्म स्थितियों के साथ रहेंगे । वे अपनी राजि में मानवी रूप (21 अप्रैल से 20-27 मई) के लोग जन्म लेते हैं म भी बारी प्रभावित होते हैं ।

9, 10, 19, 28 (मूलांक 1) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके चारण ग्रह सूर्य, उच्च का वृत्त और मंगल (मौम्य) ह। 28 नवम्बर को जन्मे व्यक्ति आगामी राशि धनु के प्रभाव में आते हैं जिसका स्वामी गुरु (ओज) है।

वैश्विक राशि में सूर्य का प्रभाव विशेष प्रबल होता है, अतः 1, 10 तथा 19 नवम्बर का पैदा हुए लोग अत्यधिक ऊर्जा का परिचय देने हैं और दूसरों पर उनका भारी प्रभाव होता है। वे सृजनशील और दृढ़ होते हैं। दूसरों पर शासन के बारे में उनके अच्छे विचार होते हैं और राजनीतिक जीवन में वे प्रायः भारी सफलता प्राप्त करते हैं। वे पारखी और आलोचक, अपनी योजनाओं में कुछ तेज और सबलों फिर भी अपने अधीनस्थों के लिए विनम्र और सहायक होते हैं।

उनमें व्यंग्य और परिहास की अच्छी समझ होती है। लेकिन उनके तीव्र व्यंग्य जिष्णु की तरह डक मार सकते हैं और वे गंभीर सैन्यमय प्रयत्नों की भी पहिचान में उदास होते हैं।

वे संवेदनशील होते हैं और उपेक्षा से घृणा आह्वान करते हैं, लेकिन क्रोध को मन में दबाने नहीं पाले रहते। वे विवाह हृदय और शत्रुओं की क्षमा कर देना पाले होते हैं।

य सभी व्यक्ति और 28 नवम्बर का जन्मे व्यक्ति भी बड़े माहसी और उद्यम पन्थ हैं। वे ठेकेदार, भवन-निर्माता, बड़े इंजीनियर आदि के रूप में सफल हो सकते हैं। दूसरी दृष्टि से उनमें साहित्य, नाटक, भाषण आदि के क्षेत्र में भी भारी सृजन-मक सामर्थ्य रहती है।

28 नवम्बर को जन्मे व्यक्ति दिल में भारी महत्वाकांक्षी होते हैं। जो भी क्षति भपनाए, उसी में नाम कमाते हैं और प्रमुखता प्राप्त करते हैं। लेकिन कृत्रिम राशि में पैदा हुए लोगों की भावि शायद ही कभी अमीर बन पाते हों।

आर्थिक दशा

आप धन कमान और जीवन में सफल होने की आशा कर सकते हैं। आपकी एकमात्र कठिनाई अपने साथ का बनाव रखने की होगी।

स्वास्थ्य

द्वितीय वर्ष की आयु में स्वास्थ्य में परिवर्तन होना दिखाई देगा। बचपन में वाया नाजुब रहेगी, लेकिन बाद में शक्तिशाली और रोग प्रतिरोधी हो जाएगी। मरे, फेंके और श्वासमली की बीमारियां होने की सम्भावना है। आपका टो, नम जन-पादु न नहीं रहना चाहिए, दक्षिण का अधिष्ठाते अधिष्ठाते सेवन करना चाहिए।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 1-4 और 2-7 होंगे। इन्हें मूलांकों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' और 'चार' मूलांकों वाले रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (पीला, सुनहला, नारंगी, भूरा), यूरेनस (मिलेटी, हलका तथा शीघ्र), चंद्र (हरा, नीला, सफेद) और नेपचून (बबूतरी) के रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न है हीरा, पुष्पाज, अम्बर, चन्द्रकांत मणि, नीलम।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

2, 11 या 20 नवम्बर को जन्मे व्यक्तियों के लिए वारक ग्रह चन्द्र, नेपचून और मंगल हैं। 29 नवम्बर इस वर्ग में नहीं है, क्योंकि यह तिथि धनु के प्रभाव में है जिसका स्वामी गुरु (ओज) है।

मंगल (सौम्य) के माव वृश्चिक में नीच का चन्द्र विचित्र और परस्पर-विरोधी दशाओं वाला ग्रह योग बनाता है। चन्द्र के लिए यह स्थिति शुभ नहीं है। अतः नवम्बर की इन तिथियाँ जो जन्मे व्यक्तियों को अपने मुझाबा की बहुत मावशानी से परख करती चाहिए। उन्हें अपने निर्णयों में स्पष्ट और अधिक आत्म-निर्भर बनना चाहिए। इन लोगों का प्रारम्भिक वर्षों में अपनी वृत्ति का निश्चय कर पाना प्रायः असम्भव होता है।

उनमें कलात्मक या कव्यनामोल कार्य के लिए काफी प्रतिभा होती है, किन्तु वे अपने ही सपनों के सत्तार में रहे आते हैं और उस प्रतिभा का व्यावहारिक उपयोग नहीं कर पाते।

दूसरों को मकट में उठारने के लिए वे उन पर आरोमा कर उनकी सहायता के लिए मैदान रहते हैं। फलस्वरूप उन्हें अनेक कष्ट निराशाओं का सामना करना पड़ता है। जीवन उनके लिए एक कठोर गुरु क्षण बन जाता है, जिसके लिए वे विलुप्त तैयार नहीं होते। महिलाएँ पुष्टपा से अधिक कष्ट उठाती हैं। अपनी अति भावुकता में वे प्रायः अपने व्यक्ति से विवाह कर लेती हैं और जनजाने में अपने सर्वनाश को न्योतनी हैं। 2 नवम्बर को जन्मी प्रास की रानी मरी एताइनेत इसका उदाहरण है। उसने राजा से विवाह किया था लेकिन उसका हर काप उस मिसोटिन की आर खीच कर ले गया।

स्त्री-मुख्य दोनों रोमांस की चकाचौंध में फँसकर अपने तथाकथित प्रेम की भारी कीमत चुकाने हैं। वे विचरित सिगियों की आर शीघ्र आरुपित हो जाते हैं लेकिन उनका प्रेम का दहन बहुत कम टिक पाता है। तलाक में कुछ समय के लिए तो उनके मन की चोट पहुँचती है, लेकिन आम तौर पर यह गलती वे बार-बार दुहराते हैं।

फिर भी, यदि वे अपनी भावुकता पर बाधू करने का प्रयास करें और अपनी किसी गुप्त प्रतिभा को प्रकट होने का अवसर दें तो वे क्या नहीं हो सकते ! जरा सोचिए कितने कवियों, चित्रकारों, लेखकों या संगीतज्ञों को ये निमित्त छिपाए रहते हैं ! यदि आप इनमें से किसी तिथि को पेश हुए हैं तो आपको मेरी नेक सलाह है कि किसी एक विषय पर मन को केन्द्रित कीजिए । उसमें सफलता पाने के बाद फिर जितना जो चाहें प्रेम की पीप बटाइए ।

29 नवम्बर को जन्म व्यक्तियों को 2, 11 तथा 20 दिसम्बर का जन्म व्यक्तियों के साथ अपनी मूल प्रवृत्ति और स्वभाव की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए । वैसे लोग का चरित्र अधिक ओजस्वी होगा और अपनी योजनाओं को सफलता तक पहुंचाने में वे अधिक भाग्यशाली रहेंगे ।

आर्थिक दशा

यदि आप पूरी बुद्धिमत्ता और सावधानी से काम नहीं लेंगे तो आर्थिक मामला में चिन्ता रहनी । कभी अपन निजी प्रयासों से अथवा विवाह से अपना धन प्राप्त सम्पत्ति भित्त तकनी है, लेकिन उनमें टिकने की सम्भावना नहीं है । आप अपनी निजी प्रतिभाओं का विकास कर धन कमा सकते हैं, दूसरों के कामों के भरोसे नहों ।

स्वास्थ्य

आपके बहुत माट-माट होने की सम्भावना नहीं है । अपनी शक्ति का अधिक से अधिक उपयोग कर लेंगे और अपन को अधिक सक्रिय नहीं । आपमें आतंरिक दुबलता या कामाग्रा में मूजन की प्रवृत्ति होगी । सामान्य-रक्षा, रक्त और शक्ति में परेशानी हो सकती है । आप जति संवेदनशील होंगे और दुःख का कारण बन जायेंगे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा । आपकी निराशा के कारण पर साधु पात्रों का जीवन प्रभाव बनना चाहिए ।

आपकी योजनाओं और कार्यक्रमों के लिए सबसे महत्वपूर्ण अंक '३' और '१२' है । इन मूल्यों और '१२' व '३' मूल्यों का जो निमित्त है, वे म व्यक्तिता के प्रति आप महान् प्रभाव डालेंगे । आपकी मरत घटनाओं पर भी '३' और '१२' मूल्यों का हो रहा ।

आपका प्रभाव बहुत बड़ा है (हरा, वीर, महान्) और बहुत (नरक, हनन, पाप) का रंग का वरत कारण कीजिए । आपका भावनात्मक रूप बहुत, मानी, चन्द्रकान्त मणि, लाल ।

३, १२, २१, ३० (मूलक ३) नवम्बर की जन्म व्यक्तियों

यदि आप ३, १२, तथा २१ नवम्बर का पैदा हुए हैं, तो आपकी मरत

गुरु और मंगल हैं। 30 नवम्बर को जन्मे व्यक्ति धनु राशि के अन्तर्गत आते हैं और उनके कारक यह गुरु और सूर्य हैं।

गुरु और मंगल का योग बहुत शक्तिशाली है। इसका ठीक से उपयोग करने पर आपको अपनी वृत्ति में निश्चय ही सफलता और प्रमुखता मिलेगी। आपमें काफी आत्मविश्वास रहेगा जो देर-सदेर कन्धों पर आने वाली जिम्मेदारियाँ निभाने में काम आएगा।

जीवन के प्रारम्भिक वर्षों में अनेक बाधाओं और कठिनाइयों का सामना करना होगा। माता या पिता की मृत्यु, पतनस्वरूप उसकी छत्रछाया न मिल पाना, और सम्भवतः धन का अभाव भी, ऐसी बाधाएँ हो सकती हैं। लेकिन ऐसी कठिनाइयाँ प्रच्छन्न बरदान सिद्ध होंगी। वे कम आयु में ही आपको जिम्मेदारियाँ उठाना सिखा देंगी।

बचपन की ओर देखने पर आप पाएँगे कि एक या दूसरे कारण से आपके छोटे बच्चों को दूसरों का भार उठाना पड़ा। आयु के साथ-साथ जिम्मेदारियाँ भी बढ़ती हैं। एक प्रकार से आप परिवार के मुखिया बन गए। शुरू में इन सब बातों से कठिनाई हुई होगी। आपको योजनाओं और व्यय की पूर्ति में क्लेश भी हुआ होगा। लेकिन चरित्र निर्माण के लिए यह आवश्यक था जिसका उद्देश्य शापद अन्त में वृश्चिक राशि में आपको गुरु और मंगल की योग्य सन्तान बनाना था।

आप पुरुष हो या महिला, आत्मप्रमित या आत्मप्रवर्धित हुए बिना आपके मन में सदा बचपन की चेतना रही है। आप दिल से जानते थे कि आपने बड़े-बड़े काम करने की क्षमता है और अवसर मिलने पर आप उन्हें करेंगे भी। इसीलिए आपने किसी जिम्मेदारी से झुह नहीं मोड़ा। जन-सत्त्व के सचिव का पद मिला तो आपने उसे स्वीकार कर लिया। बाद में अध्यक्ष बन गए। इस प्रकार सदा ऊँचे चढ़ते चले गए। महिला होने पर भी आपने शापद यही रास्ता अपनाया। अथवा आपको घर की जिम्मेदारियाँ सम्हालने, बच्चे पालने आदि से छुट्टी न मिल पाई हो।

अब मैं आपके दोषों और कमजोरियों का विश्लेषण करता हूँ। अच्छे-से-अच्छे लोगों में भी कुछ-न-कुछ दोष तो होते ही हैं। आप पुरुष हो या महिला, धनरा यह है कि आप कन्धों पर बहुत अधिक बोझ उठाकर अपने को थका मारेंगे। आपमें अधिकार या तानाशाही की प्रवृत्ति भी आ सकती है जिससे नौकरों, कर्मचारियों या अधीनस्थों में परेशानी पैदा हो सकती है। इस कमजोरी से आपने दुश्मन पाल लिए होंगे और आपके मन में कटुता या निराशा आ गई होगी। ऐसा है तो आप अपने मूल पर लौट जाएँ, अपने कन्धों पर बोझ लीजिए और सब कुछ नये विरे से शुरू कीजिए। जान लीजिए कि अपनी कमजोरी को जीतने के लिए आपको यह करना है। यदि आप 30 नवम्बर को पैदा हुए हैं, या गुरु (ओज) की धनु राशि में मूलारु 'तीन' की

प्रथम तिथि है तो आप अपने प्रयासों में काफी सफलता की आशा कर सकते हैं।

आर्थिक दशा

ईश्वर ने आपको जो भी काम सौंपा हो, उसी में आप पैसा कमा लेंगे। खतरा यह है कि अति-प्रयासों से आप सीमा पार करने लग सकते हैं या स्वास्थ्य में टूट सकते हैं, जिससे कुछ समय के लिए धन्ये से अलग हो जाएंगे।

स्वास्थ्य

यदि आप अत्यन्त परिश्रम से अपने स्वास्थ्य को खराब कर लें तो इसके लिए स्वयं को ही दोषी ठहराना चाहिए। लेकिन आपको यह जानकर प्रसन्नता होनी चाहिए कि आपका जन्म सम्भवतः अत्यन्त सही राशियों की तुलना में अधिक स्वस्थ परिस्थितियों में हुआ है। बैबल चिन्ता और धर्म से ही आप बीमार हो सकते हैं। लेकिन यदि बीमार होंगे तो गर्भरूप से होंगे और पुनः स्वस्थ होने में तम्बा गमन लगाएंगे।

आयु बढ़ने के साथ दिल परेशान कर सकता है। उच्च रक्तचाप और निम्नरक्तचाप की शिकायतें हो सकती हैं। इलाज और बीमारी आपसे अपन हाथी में है—जिम्मेदारियाँ कम कीजिए, मादा भोजन कीजिए और अधिक-से-अधिक सोइए।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अर्थ 'तीन' और 'नौ' हैं, विशेषकर नवम्बर, दिसम्बर, फरवरी, मार्च, अप्रैल और मई में। इन्हीं मूलानों वाली तिथियों को अपनी याजनाएँ और कार्यक्रम पूरा करने का प्रयास कीजिए। इन्हीं तिथियों की जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। गवने घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलानों वाले रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गुरु (बैंगनी, पातल, जामुनी) और मंगल (लाल) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं—कटला, सभी बैंगनी, जामुनी और लाल रत्न।

4, 13, 22 (मूलांक 4) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके चारों ओर ग्रह मूत्रम, सूर्य और मंगल हैं। बुद्धिमान मूत्रम विविध और जटिल ग्रहयोग है। ध्यान रखना चाहिए कि मूत्रम और मंगल और मूत्रम के सबसे विध्वंसक ग्रह है और मंगल (गौम्य) के भाव बुद्धिमान मूत्रम के साथ साथ रहने से अपठित को ही सम्भावना करनी चाहिए।

प्रसिद्ध ज्योतिषी विलियम लिटिल ने 1647 में ही मूलांक के चार में लिखा था कि यह ग्रह के प्रभाव का एक व्यक्ति जगत्मात्र विषयों के अध्ययन में रचि रहता है।

उनमें उल्लेखनीय परिवर्तनक क्षमता होती है और उनके द्वारा नई-नई खोज होने की सम्भावना है।

एक अन्य प्रसिद्ध ज्योतिषी इवेजनील आदम्स का 1930 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'एन्ट्रोपी' में वैश्विक में यूरेनस के बारे में कहता है — 'यूरेनस और वृश्चिक के बीच सम्भावित एक प्रबल आकर्षण है। कुछ व्यक्तियों में वैज्ञानिक खोज-दौत प्रवृत्ति में प्रबल होमी जो वृश्चिक का महत्त्वपूर्ण तत्व है, कुछ में इस रहस्यमय राशि का बन्नी तथा मूढम बुद्धि वाला गुण प्रबल होगा। और एक तीसरे वर्ग में हम बहुत गहरी ज्ञान-वामना पाएंगे।'।

२। अक्रूर (वृश्चिक में 'चार अक वाली पहली तिथि), 4, 13 तथा 22 नवम्बर को जन्मे व्यक्ति यूरेनस के प्रभाव से उत्तेजनीय काम कर सकते हैं। मैं यहाँ कहूँ कि कि सम्पूर्ण सचित्र में ऐसा कोई ग्रह योग नहीं है जिस पर इतने आत्म-समर्पण की आवश्यकता हो। इन तिथियों को जन्मे व्यक्ति यदि कोई काम करने का बृद्ध निश्चय कर में तो वे अविष्कार के अपने वरदान, मौलिकता और सनकीपन तक का, जो उनके स्वभाव का निश्चिन अंग है, अच्छा उपयोग कर भारी यश प्राप्त करेंगे हैं। लेकिन उन्हें अतः इन गुणों पर अपनी इच्छा-शक्ति और सत्कर्म की लगातार दृढ़ता में धाम रहना चाहिए। इन लोगों का लक्ष्य अपने मन के आध्यात्मिक पक्ष का विकास परत का होना चाहिए जिससे वे क्रूर भाव के सपेड़ों और प्रहार से मुक्त रह सकें। हिंसा न करने पर दूसरे लोगों के व्यवहार पर उनके मन में कटुता भर जाती है। उन्हें यह मानकर चलना चाहिए कि 'उनके विचारों और कामों को गलत समझा जाय, उनकी मौलिकता तथा सनक का मजाक उड़ाया जाएगा, उनके साथ भारी अपमान होगा और दुनिया आम तौर से उनके प्रति बहुत कठोर होगी।

यदि उनके 'महान उद्देश्य' पर से उनका विश्वास टिग गया, उन्होंने अपने स्वभाव के पीछे रहने वाले मानसिक मगल को यूरेनस की तोड़-फोड़कारी शक्ति का साथ मिल जाने दिया, तो उनके सभी अच्छाद्यों के बिखड़ उठ छड़े हान की सम्भावना है। इसने उनकी ज्ञान मानवी की तुलना में कहीं बहुत अधिक पीड़ा भोगनी पड़ सकती है। इन व्यक्तियों को अपने स्वभाव के मनोपन को काबू में रखना चाहिए।

इन ग्रहयोग में जन्मे व्यक्तियों के अन्तर्गत गुणों में अपन कर्तव्य के प्रति लगन तथा देश के कानूनों, या सामाजिक जीवन में सुधार की भावना है। मैं इन लोगों को सलाह दूँ कि वे अपने व्यापारिक में सान्नाई और प्रेम पैदा करने का लक्ष्य बनाएँ। मन में शांति मिल जाने पर वे अपने स्वभाव के सद् और आध्यात्मिक पक्ष का विमान करें।

वार्थिक दशा

इन लोगों की आर्थिक मानस में गवधानी और बुद्धि से काम करना चाहिए।

वे दूसरों की महाजता या बायदों पर कम-से-कम निर्भर रहे। मिलजुल कर काम करने या साझेदारियों के लिए यह राशि शुभ नहीं है, लेकिन ये व्यक्ति लोक से अलग अपने मौनिक विचारों से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। कभी-कभी वे साहित्य-मूदन में या बिजली, वायरलेस, रेडियो, सिनेमा, टेलीविजन आदि के क्षेत्र में विकसित दय की खोजों में सफल होते हैं।

स्वास्थ्य

इन लोगों को ध्यान रखना चाहिए कि अस्वस्थ्य केवल उनकी अपनी भावना की उपज होगा। यदि वे वस्तुचक्र में मगल और और यूरेनस के विघ्नसक तत्वों की हावी होने देंगे तो इन ग्रहों में प्रतिविम्बित बीमारियाँ के शिकार हो सकते हैं। चिन्ता से नवन द्विस्फुलिया, पेट की गड़बड़ी, आन्तरिक घाव, ट्यूमर, भोजन विष, दिल की कमजोरी, दुर्बल रक्त-संचार जैसे रोगों के आ घेरने की सम्भावना है। उन्हें जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकाँ अमानना चाहिए और वातावरण के अनुकूल अपने को ढालने का प्रयास करना चाहिए।

आपके महत्वपूर्ण अंक 'चार', 'आठ', और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलार्थों वाली तिथियों का जन्म व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। आपके घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलार्थों वाले होंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रंग नीले और लाल रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हैं : नीलम, लाल, लामडा, सभी लाल नग और रक्तमणि।

5, 14, 23 (मूलार्थ 5) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कात्व ग्रह बुध और मंगल हैं। मंगल (सोम्य) के भाव में बुध आपको बहुत हाज़िर जगह बनाएगा। आपमें भारी मानसिक योग्यता, सगठन क्षमता और साधियों की अच्छी परख होगी। आप चतुर, लेकिन दूसरों के प्रति सदेहों और अविश्वासों होंगे। असाधारण ढंगों में या किसी अतामान्य पेशे या कृति से धन कमाएंगे। ज्ञान और सौन्दर्य के प्रति आपकी गहरा प्रेम होगा और आपका कल्पना-शील कामों का बरदान होगा।

आप विपरीत लिंगिया के प्रति काफी आकर्षित होंगे। आपके अनेक प्रेम प्रसंग होंगे, लेकिन आपकी रीति बदलती हुई और अस्थिर होगी। इनमें से किसी प्रसंग का आपका स्वभाव पर गहरा या स्थायी प्रभाव नहीं पड़ेगा। अपने इस स्वभाव का देखते हुए अच्छा है यदि आप विवाह न करें, कम-से-कम मध्य आयु निकल जाने तक।

आप प्रवाण रहेंगे, परिस्थितियों के अनुसार अधिक-से-अधिक यात्राएं करेंगे और जन्म निवास कई बार बदलेंगे।

आर्थिक दशा

आर्थिक मामलों में आपके बहुत भाग्यशाली रहने की सम्भावना है, कम-से-कम सौभाग्य के क्षणों में। लेकिन मंगल के योग के कारण आप उदात्त प्रकृति के होंगे और लाभ को हाथ में रख नहीं पाएंगे।

स्वास्थ्य

प्रारम्भिक वर्षों में सभी बातें रोग आपको परेशान करेंगे। बाद में आप कृश-बाय होंगे। बीमारी को शीघ्र उतार फेंकेंगे लेकिन हमेशा भारी तनाव में रहेंगे।

छोटी छोटी बातों पर शीघ्र चिढ़ जाना और क्रोध करना आपके शरीर में विष धोल देगा। सब मिलकर आप स्वस्थ जीवन बिताएंगे, लेकिन सम्भावना लम्बी बीमारी के बिना अस्मात् जीवन का अन्त होने की है।

आपके महत्वपूर्ण भक्त 'पाच' और 'नी' हैं। इन्हीं मूलारों वाली तित्तियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप कुछ लगाव महसूस करेंगे। आपके घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलारों वाले रहेंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रंग हलके रंग होंगे, जैसे सफ़ेद, नील, चमकीले और लाल भी। आपके भाग्य रत्न हैं - नमी हलके चमकीले नय, लाल, ताम्र और लाल नय।

6 15, 24 (मूलांक 6) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण ग्रह शुक्र और मंगल हैं। मंगल (शुक्र) के भाव में शुक्र की स्थिति अनेक प्रकार से शुभ है, केवल प्रेम में निराशा और आम लह-सम्बन्धों में परेशानी उठानी होती है।

ऐसे व्यक्तियों का स्वभाव अत्यन्त स्नेही होता है। सम्बन्धियों या माता पिता के प्रति उनमें काफी आत्म-त्याग की भावना होती है। अगस्त्य से उन्हें सदा किसी न किसी की देखभाल करनी ही होती है। प्रारम्भिक वर्षों में उन्हें अनेक कठिनाइयों के लिए तैयार रहना चाहिए, जैसे माता या पिता में से किसी एक की मृत्यु। इससे उनके बच्चों पर दम्भेदारी आ जाती है और उन्हें अपनी महत्वाकांक्षा पूरी करने में बाधा पड़ती है।

सम्पन्न या उच्च समाज में पैदा होने पर स्थिति इतनी ही कठिन होगी। उन्हें अपना प्रिय शौक छोड़ना पड़ सकता है और दूसरों की इच्छा के अनुसार जीवन व्यतीत करना पड़ सकता है। ऐसी दशा में अपनी मुक्ति के लिए अपने से नीचे स्तर के व्यक्ति से कम आयु में ही विवाह कर सकते हैं और शुरु में ही अपने लिए परेशानी पैदा कर सकते हैं।

इन व्यक्तियों में विपरीत-व्यक्तियों के लिए प्रबल आकर्षण रहता है, लेकिन

उनकी पसन्द प्रायः ठीक नहीं होती—प्यार दूसरों के दोषों के प्रति उन्हें अच्छा बना देता है। अन्य मामलों में वे विवाह में काफी देर लगाते हैं और फिर जन्मदाजी में गलत जीवन-भाषी चुन बैठते हैं। उन्हें प्रेम-प्रयोग में सम्भोर कुपटनानों और रूपां का सामना करना पड़ता है। वृश्चिक में शुक्र वाले सात जितनी देर में निगूह करेंगे, सुख-सफलता के उतने ही अधिक अवसर होंगे।

कलाशा में उनकी प्रतिभा अधिक चमकती है। संगीत, विषयना कृति कला या अभिनय में, जभी-जभी लेखक के रूप में वे अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे। प्रायः उन पर भारी जिम्मेदारी के पद घोष दिए जाते हैं और उनका काफी काम होता है।

परिस्थितिवश यदि उन्हें अपने धर्म में रोदनरों का काम करना पड़े तो वे हाठार परिश्रम करते हैं और पूरी ईमानदारी में मातृत्व की सेवा करते हैं। इन निधियों की जन्मे व्यक्तियों का यश तथा सम्मान प्राप्त करता प्रायः निश्चिन्त है और अनेक लोग सम्पत्ति तथा उच्च पद भी प्राप्त करते हैं।

आर्थिक दशा

ये लोग यदि अपनी प्रेरणा पर चलेंगे तो आर्थिक मामलों में आनन्द और भाग्यशाली रहेंगे। परिधान और टोपटाप के शौकीन होने हुए भी वे धन कमा सकते हैं और जोड़ भी सकते हैं। महिलाएँ प्रायः धनी लोगों से विवाह करती हैं, विधेयकर जब वे बड़ी आयु में विवाह करें।

स्वास्थ्य

आनन्द और से वे व्यक्ति बहुत स्वस्थ और दृढ़काय होते हैं। सुप्त चलना आयु बढ़ने के साथ-साथ मोटापा बढ़ने का है और अन्तिम वर्षों में वे दिन की बीमारी के शिकार हो सकते हैं। फेफड़ों, गले, नासिका-राम्रो और बाल में सूजन की सम्भावना हो सकती है।

आपने सबसे महत्वपूर्ण शब्द 'छ' और 'नो' हैं। इन्हीं मूल्यों को वाली निधियों को जन्मे व्यक्तियों की ओर आप लगाव महसूस करेंगे। सबसे घटनाओं वर्ष भी इन्हीं मूल्यों को बाले रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए शुक्र (नीचा) और मान (ताल) के रूपों के बपड़े पहनिए। आपने भाग्य रत हैं : पीरोश का मधो नीचे ना, नाच, समझा और ताल मग।

7, 16, 25 (मूलतः 7) नवम्बर की जन्मे व्यक्ति

आपने कारन यह नेचून, चद्र और मगत हैं। नेचून मानमिक यह है आप मन के गुप्त गुणों पर उनका अधिकार है, जैसे उत्तेजन, स्वयं, दिवान्जन, उच्च

आविष्कारी योग्यता। मंगल (सौम्य) की दृष्टिक 'राशि' में यह अत्यन्त प्रबल होता है। सौम्य मंगल और चन्द्र को भी मानसिक ग्रह ही कहा जा सकता है।

व्यक्तियों और अपने वातावरण के प्रति आप अति सवेदनशील होंगे। दुःखद परिस्थितियों में बहुत दुखी और असंतुष्ट रहेंगे। मन में अपनी भलाई का बहुत खयाल रखेंगे और दूसरे लोगों के साथ घुलने-मिलने में कठिनाई होगी। गुप्त विद्याओं से आपको गहरा प्रेम होगा, जैसे उच्च रसायनशास्त्र। हर प्रकार के वैज्ञानिक शोधों में अथवा मनोवैज्ञानिक के रूप में सफल होंगे।

आप भौतिकता से दूर रहना चाहेंगे। इससे आपको सनकी समझा जा सकता है। लेकिन निजी विचारों पर चनकर आप प्रमुखता प्राप्त कर सकते हैं। अपने काम में आप असाधारण लगन का परिचय देंगे। आप अपने मन की बात छिपाने वाले और आत्मकेन्द्रित भी होंगे।

यह ग्रह योग गुप्त विद्याओं, रहस्यवाद, सम्मोहन विद्या आदि के अध्ययन के लिए भी सम्मान देता है। इसमें आप भौतिक से अधिक मानसिक पक्ष को ओर आकर्षित होंगे। आप ओझा भी बन सकते हैं। आपको बहुत गलत समझा जाएगा। हालांकि आप दूसरे लोगों के कार्यों के प्रति सवेदनशील हैं तथापि उनकी ऐसी रायों पर अधिक ध्यान नहीं देंगे।

आर्थिक दशा

आप अपनी योग्यताओं से भौतिक लाभ कमाया नहीं चाहेंगे, फिर भी आपको विविध दग से आर्थिक लाभ होने की सम्भावना है। उपहार और विरासत से, वैज्ञानिक खोज या आविष्कार से अथवा अपने निजी पूर्व ज्ञान से भी आपको लाभ हो सकता है।

स्वास्थ्य

आप बहुत दृढ़काय नहीं होंगे। आप अपने मन पर बहुत बोल डालेंगे। माय ही भोजन के सम्बन्ध में अपने किसी विविध दर्शन का विकास कर लेंगे जिससे आप जीवन से अधिक आनन्द भोग सकेंगे।

आपके महत्वपूर्ण वर्ष 'दो', 'सात' और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को अपनी योजनाएँ या कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिए। सबसे घटना-पूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलकों वाले होंगे। 2-7 और 1-4 मूलकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप सावधान रहसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चन्द्र (हरा, नीम, सफ़ेद) नेप्चून (कबूतरी, हलके, गोख) और मंगल (लाल) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं सिलेटी जेड, चन्दन मणि, मोती, साज, ताम्बा और लाल नग।

8, 17, 26 (मूसांक 8) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारण यह घनि और मयत है। मुझे यह कहते हुए खेद है कि इन तितियों में जन्म लेने वालों के लिए यह यह योग कदापि शुभ नहीं है, जब तक कि आप आत्मसमय से काम न लें। अपने कुछ सदगुणों का पूरा उपयोग करने के लिए कसर न करेंगे। घनि को अनेक ज्योतिषियों ने सौर मंडल का 'बुद्धा स्कूल मास्टर' कहा है। वह निरवय ही अपने छात्रों की जमकर पिटाई करता है, विशेषकर प्रारम्भिक वर्षों में।

इस अवधि में मयत अपनी सौम्य राशि में आपकी पीठ पर है। घनि के भाग्याघीन प्रभाव को दूर करने में वह अपनी मानसिकता द्वारा सहायता करता है। अपने मानसिक गुणों का विकास करेंगे ही आप और बड़ सरते हैं और दूसरों के सामने सफलता प्राप्त कर सकते हैं। अपने पर विजय ही सबसे बड़ी विजय है।

यदि आप 8 या 17 नवम्बर को पैदा हुए तो जीवन के प्रारम्भिक वर्षों में आपको बहुत बड़ी चढ़ाई चढ़नी होगी। 26 नवम्बर अधिक शुभ है क्योंकि यह गुह के जागामी भाव धनु के सवि-काल में है। फिर भी घनि की भाग्यवादी प्रवृत्तियों का इस पर गहरा प्रभाव पड़ेगा।

यदि आप 8 या 17 नवम्बर को पैदा हुए हैं तो आप मनमर्जी से काम करने वाले होंगे और आपके साथ निबाह कठिन होगा। सही हो हा गलत, आप अपने विचारों पर अड़े रहेंगे। आप हर चीज को एक ही माप से देखेंगे। लोगों के कामों पर सन्देह करेंगे, भले ही वे आपकी भलाई के लिए हों। यह महसूस करेंगे कि सभी लोग आपके विरोधी हैं। यदि आप इस भावना पर बाध नहीं करेंगे तो आप 'उत्पीडन-भावना' से ग्रसित हो जाएंगे।

बदनाम प्रेम-मसरो और गुप्त मैत्रियों से आपको बानों दुःख उठाना पड़ सकता है। ऐसे मामलों में आप जिद्दी होंगे और किसी की सलाह मानने को तैयार नहीं होंगे।

इसके बावजूद आप अति चतुर हैं। अपने ध्येय को पूरा करने में आप अपने अभियलपन का अच्छा उपयोग कर सकते हैं। अपने तीव्र प्रेम-भाव को आत्म-रक्षण से सचित विचार तक पहुँचा सकते हैं। आपके प्रवक्त भावुक स्वभाव को यदि कानून में रखा जाए, तो यह आपके मार्ग की बाधाएँ दूर करेगा और आपका लिए समर्थक जुड़ाने का साधन बन सकता है।

आम तौर से पहले पैंतीस या सत्तीस वर्ष आपके लिए सबसे बुरा होंगे, विशेषकर 17 नवम्बर को जन्मे लोगों के लिए यह समय बिना किसी दुर्घटना के विकास देने का प्रारम्भिक प्रवृत्तियाँ दूर हो जाने की आशा है। फिर अगले पैंतीस वर्ष अच्छे होंगे।

आर्थिक दशा

यह आप पर निर्भर है कि भारी सफलता प्राप्त करते हैं या विफलता। आपके लिए कोई मध्य मार्ग नहीं है—इस पार या उस पार। अपने अडियल स्वभाव से आप अपने ध्येय में आगे बढ़ सकेंगे।

स्वास्थ्य

आप अत्यन्त सबल होंगे या अत्यन्त दुर्बल। वाइकल, फोडे आदि के शिकार हो सकते हैं। गठिया या रूमेटिक बुखार भी हो सकता है। माइक द्रव्यो या शराब से बचिए। इनका दुष्प्रभाव आपके दिमाग पर पड़ेगा। कभी-कभी भारी तनाव या उत्तेजना से मानसिक सन्तुलन खो सकते हैं। यह आपके आत्म-सम पर निर्भर है कि आप बीमार रहते हैं या स्वस्थ।

'चार', 'आठ' और 'नौ' अंक आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। मैं 'चार' और 'आठ' को चुनने की सलाह नहीं दूंगा। आप सावधानी से उन पर नजर रखिए। आप 'चार' और 'आठ' मूलकों वाली तिथियों की जन्मे व्यक्तियों के प्रति लगाव महसूस करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलकों वाले होंगे।

गहरे रंगों के कपड़ों से बचिए, हालांकि उनकी ओर आपका झुकाव होगा। लाल फलक वाले हलके रंग के कपड़े पहनना बेहतर रहेगा। आपके भाग्य रत्न लाल, लामडा, रक्त मणि और सभी लाल रंग हैं।

9, 18, 27 (मूलांक 9) नवम्बर को जन्मे व्यक्ति

आप दुहरे मंगल के प्रभाव में हैं। लेकिन 27 नवम्बर को जन्मे होने पर आर गुह (ओज) के भाव धनु, राशि के सधि-काल में काफी आगे निकल चुके होंगे जो आपके जीवन तथा वृत्ति पर एकदम भिन्न प्रभाव डालेगा।

मंगल आग का प्रतीक है। आप सोच सकते हैं कि दुहरे मंगल का क्या मतलब हो सकता है। बुशिक में 'नौ' का अंक इयवा मंगल 27 अक्टूबर से प्रारम्भ होता है। अमरीका के राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट का जन्म इसी तिथि को हुआ था। सभी जानते हैं कि यह व्यक्ति मन से कितना लड़ावा था। न्यूमार्क के गवर्नर के रूप में दुराचार और भ्रष्टाचार को दवाने के लिए उसने हर विरोध से टक्कर ली बाद में स्पनिश-अमरीकी युद्ध में उसने 'रूजवेल्टम राफ राइडर्स' का गठन किया। अमरीका के राष्ट्रपति के रूप में वह अपने काल का लौह पुरुष था। जैसे महत्वपूर्ण पदों पर पहुँचने वाले सभी मंगली व्यक्ति ज्ञान पर हमने के शिकार होते हैं, वह भी अपवाद नहीं रहा। 14 अक्टूबर, 1912 को एक अराजकतावादी द्वारा हत्या के प्रयास में वह घायल हुआ।

‘दुहस मान’ में राशि में भी आता है और 27 मार्च, 9 तथा 18 अप्रैल को जन्मे लोगों को प्रभावित करता है।

यदि आप 27 अक्तूबर, 9 नवम्बर या 18 नवम्बर को पैदा हुए हैं तो आप में भारी कार्यकारी शक्ति और सगठन क्षमता होगी। आप ओजस्वी, दृढ़ सन्ध्या वाले और सरकारी कार्य तथा प्रशासन में उत्तम होंगे। निजी जीवन में आप शान्त-चिन्तितक के रूप में, या ऐसे घाघो में श्रेष्ठता प्राप्त करेंगे जिनमें काटने वाले औजारों को काम में लिया जाता है। इन्जीनियरिंग या निर्माण-कार्य अथवा व्यापारी उद्यमों में अधिकारी पदों पर भी।

अपने आजाद स्वभाव, दृढ़ इच्छा-शक्ति और दबंगपन ने आप अनेक लोगों को अपना दुश्मन बना लेंगे, लेकिन जो भी काम करेंगे उसमें बड़बड़ कर सफलता प्राप्त करेंगे। 27 नवम्बर भी, जो शुक्र के प्रभाव में होता है, इतना ही बलवान है।

आर्थिक दशा

प्रारम्भिक वर्षों में कठोर सघर्षों के बाद आप हर काम में सफल होंगे। आप सभी बाधाओं और कठिनाइयों से पार पाने तथा धन और पद प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं। 27 नवम्बर को पैदा होने पर आप प्रारम्भिक वर्षों में अधिक भाग्य-शाली रहेंगे। बुढ़ापे के लिए सावधानी से पैसा बचाने का प्रयास कीजिए।

स्वास्थ्य

सभी प्रकार के बुढ़ारों, उच्च रक्तचाप और दिल पर अधिक तनाव की शिकायतें हो सकती हैं। अनेक दुर्घटनाओं से पाला पड़ेगा, मुख्यतः मशीनों से तथा आग्नेयास्त्रों से भी। आप पर प्राणघातक हमला हो सकता है। दिल के दौरे से या दिमाग में रक्त का दबाव बढ़ जाने से आकस्मिक मृत्यु भी हो सकती है।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अङ्क ‘नौ’ है। इसी मूलतक वाली तिथियाँ को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इसी मूलतक वाले रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए तान रस का प्रयोग कीजिए। आपने भाग्य रत्न हैं : साल, तामड़ा और सभी लाल नय।

27 नवम्बर को जन्मे व्यक्तियों के लिए ‘तीन’ और ‘नौ’ के अङ्क अधिक धूम रहेगे। रंगों में फालसर्द, बैंगनी तथा जामुनी भी शुभ है। आप ‘तीन’ और ‘नौ’ मूलतक वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे।

दिसम्बर

धनु राशि 21 नवम्बर से प्रारम्भ होती है। सात दिन तक पूर्व राशि 'वृश्चिक' के साथ इसका संधिकाल चलना है जिससे यह 28 नवम्बर को ही पूर्ण प्रभाव में आ पाती है। इसके बाद 20 दिसम्बर तक इसका पूरा प्रभाव रहता है। उसके बाद आगामी राशि मकर के साथ संधि-काल प्रारम्भ हो जाने से सात दिन तक इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है।

इस अवधि में, अर्थात् 21 नवम्बर से 20-27 दिसम्बर तक, पैदा होने वाले व्यक्तियों में इस राशि के प्रतीक धनुर्धारी के गुण मिलते हैं। वे अपने काम में सीधा सत्यबोध करते हैं। वे स्पष्ट बोलने वाले और मुह फट होन हैं जिससे प्रायः जानी दुश्मन पाल लेते हैं। वे अपना सारा ध्यान उस क्षण कर रहे काम पर केंद्रित रखते हैं और जब तक पूरे प्रयास कर सक नहीं जाते, किसी दूसरी आर निगाह भी नहीं करते हैं।

उनके मस्तिष्क में इतनी शीघ्रता से विचार कौण्ठे हैं कि वे प्रायः दूसरों के बार्तालाप में बीच में टपक पड़ते हैं और धीरे-धीरे रुककर बोलने वालों के प्रति अधीरता प्रकट करते हैं।

एकदम सत्यवादी होने से वे दूसरों को छलने के प्रयासों का भडाफोड़ कर देते हैं, भले ही उनका यह कार्य अपने हितों के विरुद्ध हो। वे अपने काम में तब तक विश्राम नहीं लेते जब तक पक्कर चूरचूर नहीं हो जाने अथवा काम करते हुए मृत्यु को प्राप्त नहीं हो जाते।

व्यापार या अन्य किसी कार्य में वे भारी उद्यमी होते हैं लेकिन अपने को कभी एक दिन के काम में बड़ा महसूस नहीं करते। अतः वे तेजी से अपने विचार बदलते रहते हैं। राजनीतिज्ञ के रूप में अपनी नीतियों में अनेक बार परिवर्तन करेंगे। धर्म-प्रचारक के रूप में वे धर्म के बारे में अपने विचार बदल सकते हैं। वैज्ञानिक प्रायः अपना ध्यौ छोड़कर किसी उद्योग को अपना सकते हैं।

उनमें अति तर्राने की प्रवृत्ति होती है। तत्काल निर्णय ले लेते हैं जिसके लिए बाद में पछता भी सकते हैं, लेकिन अभिमान से इनते होते हैं कि अपनी गलतियों को स्वीकार नहीं करते।

अधिकार से प्रेम उनका प्रमुख गुण होता है। यदि वे महसूस करें कि अपना सत्य प्राप्त नहीं कर सकने तो बीच में ही रुक जाते हैं। अपनी महत्वाकांक्षा

को तिलाजति दे एक्दम नया काम शुरू कर देते हैं अथवा फिर जीवन भर कुछ नहीं करते।

इस राशि के नर-नारी प्रायः भावुकता के क्षण में विवाह करते हैं और फिर बाद में पछताते हैं। लेकिन अभिमान के कारण अपनी गलती स्वीकार नहीं करते और लोग प्रायः उनके वैवाहिक सुख को आदर्श समझ बैठते हैं।

वे बानून् और व्यवस्था के पक्ष के समर्थक होते हैं। पूजा-स्वलो पर नियमित रूप से आते हैं, दूसरों के साथ वे लिए अपना उदाहरण प्रस्तुत करने के विचार में अधिक, स्वयं धार्मिक वृत्ति के होने के कारण कम। वे प्रायः भारी लोभनिधना प्राण करते हैं, 'जन आदर्श' बन जाते हैं और उन पर यश तथा पद थोप दिए जाते हैं।

इस राशि में महिलाएँ पुरुषों से अधिक उदात्त होती हैं। अपने पति और बच्चों की सफलता के लिए जितना कर सकती है, करती है और आत्म-त्याग को तैयार रहती हैं। घर से उन्हें गहरा प्रेम होता है तथा विवाह सुखी न होने पर भी वे इस घाटे के सोदे से अधिक-से-अधिक लाभ प्राप्त करने का प्रयास करती हैं। उनमें सम्मान और कर्तव्य के प्रति ऊँची समझ होती है, लेकिन जीवन के प्रति उनका दृष्टि कोण बहुत स्वतन्त्र होता है।

इस अवधि में जन्मे लोग स्नायुओं के तीव्र रोंगे से पीड़ित हो सकते हैं। आयु बढ़ने पर वे टांगों के दर्द से परेशान हो सकते हैं। यदि महीने के उत्तरार्द्ध में पैदा हुए हो तो पावों के किसी पक्षाघात के भी शिकार हो सकते हैं। नाक का रोग भी हो सकता है।

जन्म-काल पर धनु में सूर्य की स्थिति से स्वभाव पर गुरु का जो प्रभाव पड़ता है, वह प्रवृत्ति को कुछ दुरंगो बनाता है। वे लोग एक पल में संवेदनशील, दूसरों के बहकावे में आने वाले और शान्त हो सकते हैं, दूसरे हो क्षण में पूर्ण, आवेशी और दुस्माहसी हो सकते हैं।

मत्स्य, शांति और न्याय के पक्षधर होने के कारण उनकी सच्चा घघा पीड़ितों की सेवा है। मत्ताये हुए और दबाए हुए लोगों के साथ उनकी प्रयत्न महानुभूति होती है। कभी-न कभी वे किसी मानवीय या सुधार काय में अपना झण्डा गाड़ते हैं। उनमें परिहास की गहरी समझ होती है और तर्क करना पसंद करते हैं। वस्तुतः वे मित्रों में वाद-विवाद की असाधारण कुशलता के लिए जाने जाते हैं।

धुली हवा और घर से बाहर आमोद-प्रमोद के शीशील होने के कारण वे जगती, ऊबड़-धुबड़ पर्वतीय प्रदेश की खोज करते या यहाँ विचरण करने अपने स्वाभाविक रूप में होते हैं। वे स्पष्ट, खुले दिलवाले और बहुत उदार होते हैं। उनका व्यवहार आम तौर पर विनम्र होता है लेकिन अब अपनी पर उतर आए तो रुने और उग्र हो जाते हैं। उनमें उच्छ्वकोटि का पूर्वज्ञान रहता है और गुप्त ज्ञान तथा मन-विषयक मामलों में अमिश्रित प्रदर्शित करते हैं।

उनकी उदारता का 'लोग प्राप्ति' अनुचित लाभ उठाते हैं। उन्हें धोखा देने और मनगढ़ान कहानियों से उनकी सहानुभूति पाने का प्रयत्न करते हैं। वे संगीत और साहित्य के प्रेमी होने हैं तथा इनमें दक्षता भी रखते हैं। उनका स्वभाव मूलतः आशावादी होता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य को एकमात्र स्तरा मन और शरीर से सीमा से अधिक काम लेने से है। उनके हाथ में इतनी योजनाएँ—परियोजनाएँ रहती हैं कि सभी पर ठीक से ध्यान दे पाना सम्भव नहीं होता। फलस्वरूप शक्ति के अपव्यय से जीवनी शक्ति का निर-धर ह्रास होता रहता है।

वे गर्मी-सर्दी के बारे में भी सापरवाह रहते हैं जिसमें तीव्र वाकाइडिम के शिकार हो जाते हैं, लेकिन फिर जल्दी ठीक भी हो जाते हैं। आम तौर से रक्त और जिगर की बीमारियाँ होंगी। रक्त शुद्ध रखना चाहिए, मादक द्रव्यों से बचना चाहिए और सफाई में रहना चाहिए। दिमाग को अधिक आराम देना चाहिए और शरीर को अधिक-से-अधिक दीर्घ छोटने का अभ्यास करना चाहिए।

आर्थिक दशा

दिमागी काम से धन कमाने की सम्भावना सबसे अधिक है। उनमें बिचारों की काफी मौलिकता होती है। अपने पूर्व ज्ञान से काम लेना चाहिए। साझेदारी और सहयोगियों से मिलकर शायद ही ठीक से काम कर पाएँ। फिर भी कर्मचारियों, नौकरों और अधीनस्थों का काफी प्रेम मिलना है।

उन्हें प्राप्ति विरासत और उपहारों में लाभ होता है लेकिन आम तौर से अधिक सम्पत्ति नहीं जोड़ पाते। यदि जोड़ लें तो बुढ़ापे में किसी रहस्यमय कारण से हड़पी जा सकती है या कम-से-कम उसमें काफी कमी आ सकती है।

विवाह, सम्बन्ध, माझेदारी आदि

इस अवधि में ज में लोगो के सबसे अधिक हार्दिक सम्बन्ध अपनी निजी राशि धनु (21 नवम्बर से 19 दिसम्बर), अग्नि-त्रिकोण की अन्य दो राशियों सिंह (21 जुलाई से 20 अगस्त) तथा मेष (21 मार्च से 19 अप्रैल), तथा इनके पीछे के सात दिनों के संधि-काल में जन्मे व्यक्तियों के साथ रहेंगे। मानवी राशि म्रियुन (21 मई से 20-27 जून) के दौरान जन्मे लोगो का भी उन पर काफी प्रभाव पड़ेगा।

1, 10, 19, 28 (मूलार्क 1) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपने बारक ग्रह सूर्य, यूरेनस और शुक्र हैं। 28 नवम्बर को भी दिसम्बर

के क्षेत्र में शामिल किया जाना चाहिए, क्योंकि तब तब धनु राशि प्रारंभ हो चुकी होती है। वास्तव में 28 नवम्बर इन राशि की प्रथम अङ्क-1 तिथि है। इसी प्रकार 28 दिसम्बर की तिथि धनु राशि के क्षेत्र से निवृत्त कर आगामी राशि मकर के क्षेत्र में प्रवेश कर गई होती है।

इन तिथियों में जन्मे व्यक्ति हसमुख और आकांक्षायुक्त स्वभाव के होते हैं। कोई बड़बुद उनसे उल्लाह को निमित्त नहीं कर सकती। दूसरों के प्रति वे विचार में भी उदार होते हैं, यद्यपि बात करने में मुहुरत और खुले दिन बातें रहते हैं। वे अत्यन्त उद्यमी और साहसी होते हैं। एक दिना में विघ्न होने पर दूसरी दिना में और फिर तीसरी दिना में प्रयत्न करेंगे और अन्त में सफलता प्राप्त करेंगे ही रहें।

वे अपना सर्वस्व देने के लिए तैयार रहते हैं। कम भाग्यशाली लोगों की सहायता को इच्छा से स्वयं गरीबी ओढ़ने के लिए भी उद्यत रहते हैं। माप ही वे शायद ही धोखा खाते हैं। जो उन्हें क्षमा देना चाहते हैं, उन्हें वे अपने अन्यायों से पहचान लेते हैं। लेकिन उनके प्रति भी दुर्भावना नहीं दिखाते और उनकी सहायता के लिए तैयार रहते हैं।

उनमें अत्यधिक ऊँची होती है। काम करते समय अपने को बचाने नहीं। वे किसी की अधीनता में काम करना पसन्द नहीं करते, इसीलिए काम तीर से अपने बल पर ही आगे बढ़ते हैं। उनमें भारी महत्वाकांक्षा होती है लेकिन उन पर पूरी तरह बाध रहते हैं। कभी असन्मद की मांग नहीं करते अपना बोले की भाँति चन्द्रमा को छूने का प्रयास नहीं करते।

वे अत्यन्त सम्मानप्रिय होते हैं और ऐसा कोई बर्तन नहीं लेते जिसे अदा न कर सकें। दिल से वे कानून और व्यवस्था का भारी सम्मान करते हैं। उन पर बतुल्य-पातन में बंध सत्ता की सहायता के लिए भारोक्षा किया जा सकता है।

वे मँडानी खेलों को पसन्द करते हैं और आम तीर से उनमें महारत हासिल करने हैं। इस राशि का शरीर आधा थोड़ा आधा मानव है, अतः उनमें प्रबल पार्श्व दिश भावनाएँ होती हैं, लेकिन वे अच्छी तरह से मन के बल में रहते हैं।

विज्ञान, दर्शन और धर्म के लिए उनके मन में गहरा आदर होता है, और वे प्राप्त उत्तम धर्म प्रचारक या पादरी बनते हैं लेकिन शब्दाट्मक तथा पाण्डित्य से दूर रहते हैं। वे अच्छे वक्ताओं को सुनना पसन्द करते हैं, अपने किसी विचार भी प्रकट करना चाहते हैं लेकिन अति सबेदनशील होने के कारण उनकी भावप्रकृति का जोहर तभी देखने की मिलता है जब वे कोई सन्देश देना चाहते हैं। उनका कहा हुआ वाक्य तीर की भाँति अपने लक्ष्य पर चोट करना है।

आर्थिक दशा

वे हर काम में पैसा देना कर सकते हैं लेकिन उनका मुकाब आंशिक उठाने

की ओर होता है और कभी-कभी वे सट्टे में भारी रकम गवा बैठते हैं। हानि होने पर भी वे निराश नहीं होते और न उसने लिए दूसरों को दोष देते हैं। शांति से अपने काम में जुट जाते हैं और पुनः रकम जोड़ना शुरू कर देते हैं।

स्वास्थ्य

उन्हे उत्तम स्वास्थ्य का वरदान मिला होता है। एकमात्र छतरा अधिक परिश्रम से स्नायविक टूटन का है।

आपने सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक' और 'तीन' है। इन्ही मूलांशों वाली तिथियों पर अपनी योजनाएँ और कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिए। इन्ही मूलांशों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप सगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्ही मूलांशों वाले रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) और बुध (फालसई, जामुनी, बैंगनी) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं हीरा, पुष्कराज, अम्बर और कटेरा।

2, 11, 20, 29 (मूलांक 2) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक ग्रह बुध, नेप्चून और गुरु हैं। 29 नवम्बर को इन्ही तिथियों के साथ शामिल कर लेना चाहिए, जब कि 29 दिसम्बर धनु राशि के क्षेत्र से निकल कर मकर राशि में प्रवेश कर चुका होता है। उसके गुण भिन्न होते हैं।

इस मास की दो मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों में एक मूलांक वाले व्यक्तियों जैसा दबगपन नहीं मिलता। वे अधिक विनम्र, कम आशावादी और कम आत्म-विश्वासी होते हैं। वे भौतिक से अधिक विचारों के आध्यात्मिक घरातल पर रहते हैं। साथ ही उन्हें बहुत उच्च स्तर का मानसिक वरदान मिला होता है। उनमें दर्शन, धर्म, रहस्यवाद और गुप्त विद्याओं के अध्ययन के लिए रम्यान रहेगा। वे स्वप्नदर्शी और भविष्यवक्ता होते हैं। कम से कम घटनाओं के मोड़ के बारे में उन्हें पूर्वभास हो जाता है। आम तौर से वे इतने सवेदनशील होते हैं कि अपनी प्रतिभा का तब तक अधिक उपयोग नहीं कर पाते जब तक उनके दृष्टिकोण से पूरी सहानुभूति रखने वाले लोग न मिलें।

वे स्वाभाविक गुरु दिखाई देते हैं और इस रूप में अपना दुर्बोध वैज्ञानिक विषयों के अध्ययन में सफलता प्राप्त करते हैं। वे भारी प्रकृति प्रेमी होते हैं और यात्रा करने तथा दूर देशों में जाकर वहाँ के प्राकृतिक आश्चर्यों को देखने के लिए उनका मन सदा लालायित रहता है। उनकी रचि परिष्कृत होती है।

अत्यन्त सवेदनशील और कलाप्रिय होने से स्वभावतः सुन्दर वस्तुएँ उन्हें आकर्षित करती हैं जैसे कलाकृतियाँ, संगीत, चित्रकला, काव्य, उच्च स्तर का

साहित्य और भाषण-कला । उन्हें इस बात की बहुत कम परवाह होती है कि वे अमीर हैं या गरीब । उनकी सम्पत्ति उनके अपने मन में रहती है और साधारणतः वे अपनी दशा से प्रसन्न और सन्तुष्ट रहते हैं । ११ तथा 20 दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति अपने कार्यों तथा विचारों में अधिक ओजस्वी तथा सकल्पवान होते हैं ।

यदि आप 29 दिसम्बर को पैदा हुए हैं तो आप शनि (ओज) के भाव मकर में दो अक्ष वाले व्यक्तियों के वर्ग में आते हैं । यह ठोस परिस्थिती स्वभाव प्रदान करता है और आप दूसरों के लिए भारी जिम्मेदारियाँ ओढ़ने के लिए तैयार रहने हैं ।

आर्थिक दशा

वे लोग पैसा कमाने के मामले में बहुत कुछ उदासीन होते हैं, लेकिन प्रायः ऊँचे पदों पर पहुँच जाते हैं । जीवन में किसी ध्येय के लिए या दूसरों की सहायता के लिए वे पैसा कमाने का काम कर सकते हैं, लेकिन व्यक्तिगत काम के लिए शायद ही ऐसा करें ।

स्वास्थ्य

बड़ा चौपटा होते हुए भी ये लोग शायद ही दुर्दाम होते हों । भोजन से उनको पूरा पोषण नहीं मिलता । यदि ऊँचे और शुष्क स्थानों में नहीं रहेंगे तो फफड़ों की परेशानी, स्वास कलिका की समस्याएँ, गले में परेशानी और जोड़ों के दर्द की शिकायतें हो सकती हैं ।

आपके महत्वपूर्ण अक्ष 'दो' 'तीन' और 'सात' हैं । इन्हीं मूलांशों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति लगाव महसूस करेंगे । आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांशों वाले ही रहेंगे ।

- कपड़ों में हरे, सफ़ेद, नील, कजूतरी, फाल्सई, बैंगनी तथा जामुनी रंगों का प्रयोग कीजिए । आपके भाग्य रत्न हैं मोती, छद्मकाँच मणि, हरा या सिलेंटी जेड, कटिला और सभी जामुनी नग ।

3, 12, 21, 30 (मूलांक 3) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके चारक पहल गुरु और सूर्य हैं । 30 दिसम्बर की तिथि इस वर्ग में नहीं आती । वह आगामी राशि मकर के अंतर्गत आती है । 3, 12 या 21 दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति गुरु (ओज) के भाव में 'तीन' अक्ष वाले होने के कारण दुहरे गुरु के प्रभाव में होते हैं । 30 दिसम्बर की तिथि को भी इन्हीं के साथ शामिल किया जाना चाहिए ।

यह एक अत्यन्त बलवान् ग्रहयोग है । इन तिथियों को जन्मे लोग कोई वृत्ति अपनाएँ, उसी में पर्याप्त में सफलता की आशा कर सकते हैं । वे अपने समाज के नेता के

रूप में जीवन आरम्भ करते हैं। वे बढ़िया सगठनकर्ता होते हैं, विशेषकर राजनीतिक आन्दोलनों में। आम तौर से सम्मान, पुरस्कार और जिम्मेदारों के ऊँचे पद प्राप्त करते हैं। वे रेलों, परिवहन, जहाजरानी के उत्तम ठेकेदार, निर्माता और डिजाइनर बनते हैं अथवा औद्योगिक संस्थानों के प्रमुख बनते हैं। यदि सरकारी क्षेत्र में जाए तो वहाँ भी प्रतिष्ठा के पद प्राप्त करते हैं।

उन तिरियों को पैदा हुए कुछ लोग अध्यात्मिक और धार्मिक रुझान वाले भी होते हैं, अथवा इसके एकदम उल्टे, सभी धर्मों के प्रति अनास्थावादी हो जाते हैं।

कलम की शक्ति में उनका गहरा विश्वास होता है और प्रायः उच्च स्तर के पत्र-पत्रिकाओं की स्थापना करते हैं, अथवा अपने विशेष विचारों के प्रचार के लिए प्रचार सामग्री का प्रकाशन करते हैं।

अपनी शानदार प्रतिभाओं के बावजूद बुढ़ापे में वे अपने धन को अपनी आँखों के सामने ही लोप होते देखते हैं और इसे रोकने के लिए कुछ नहीं कर पाते।

आर्थिक दशा

ऐसे लोगों की मेरी चेतावनी है कि सम्पन्नता के दिनों में कुछ पैसा भविष्य के लिए बचाकर अवश्य रखें। पचास वर्ष की आयु के बाद दुर्दिनों से उनके प्रभावित होने की सम्भावना है।

स्वास्थ्य

ये लोग शानदार काम करते हैं और साठ वर्ष की आयु तक बहुत कम बीमारियाँ उन्हें परेशान कर पाती हैं। इस समय परिवर्तन दिखाई पड़ने लगता है। यदि अपनी जिम्मेदारियाँ कम नहीं करेंगे तो स्नायविक प्रणाली टूटनी शुरू हो जाएगी। कुछ मामलों में रीढ़, हाथ और दिमाग का पतापात्र हो सकता है।

आपका महत्वपूर्ण अंक 'तीन' है जिसकी 'छ' और 'नौ' से भी बदला-बदली हो सकती है। इन तीनों मूलाकों वाली तिरियों को जन्मे व्यक्ति आपको आकर्षित करेंगे, लेकिन 30 दिसम्बर वाली को 'तीन' और 'आठ' वाले सबसे अधिक आकर्षित करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'तीन' के मूलाक वाले रहेंगे।

आपके भाग्य रत्न कटँला और बैंगनी नग हैं। इसके बाद फीरोजा, लाल, तामड़ा और लाल नगीरों का नम्बर है। 30 दिसम्बर वाली को लाल नग न पहनना उनकी जगह नीलम पहनना चाहिए।

4, 13, 22, 31 (मूलांक 4) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह यूरेनस, सूर्य और बुध हैं। 31 दिसम्बर का अंक 'चार' है

किन्तु यह तिथि मकर राशि में होने से इस वय में नहीं जाती ।

4, 13 या 22 दिसम्बर को पैदा हुए व्यक्तियों के जीवन में भाग्य के अप्रत्याशित मोड़ आने रहते हैं । उन पर मूरेगास का प्रबल प्रभाव रहता है जो 'शनि का जुटवा भाई' कहलाता है । शनि के प्रभाव में पैदा हुए व्यक्तियों की भाति वे भी बहुत कुछ 'भाग्य की मन्तान' होते हैं ।

वे कुशल, अत्यन्त बुद्धिमान अपनी विशेषता लिए हुए अद्भुत मानसिक गुणों वाले होते हैं । उन्हें आश्चर्यजनक कल्पना का और प्रायः शोधपरकता का बरदान होता है । वे दूसरों से भिन्न जीवन जीने लगते हैं और आप लोग उन्हें बहुत गलत समझते हैं । आम तौर से वे क्रूरतम बदनामी के शिकार होते हैं और अपनी सफाई देने में असह्यम लगते हैं ।

उनके मन का शूराव दिवास्वप्नों, विचित्र सपनों और पूर्वज्ञान की ओर होता है । दश-नवें उनमें गुप्त विज्ञानों के अध्ययन के लिए प्रेरण जाग उठता है ।

उनका स्वभाव अत्यन्त स्वतन्त्र होता है और वे विचार तथा कार्य की स्वतन्त्रता के लिए लड़ते हैं । उनका जीवन कम अधिक सौक से अलग होता है और वे किसी प्रकार का प्रयत्न या अनुशासन नहीं कर सकते । शायद इसीलिए उनका विवाहित जीवन बर्बाद हो सकता है । अपने जीवन साथी से उनका मनमुटाव होता जाता है ।

वे शायद ही जोखिम, आग और धनरों में मुक्त रह पाते हों और आग, बार, मगाम सड़क, भागे पादों आदि से अनेक दुर्घटनाओं के शिकार हो जाते हैं । उन्हें विमान से भी सावधानी नहीं करनी चाहिए । बरसे ता देर-सबेर घटाधार होगा ।

वे धार्मिक मन्त्रप्रदायी या गुप्त सत्सत्ता के विरोध और आकाश के निवार होते हैं । ऐसी मन्त्रप्रदायी से जुटना उनके हित में नहीं होगा । भौतिक दृष्टि से वे दिमागी कामों में या किसी असाधारण साहित्यिक कार्य से तथा संगीत और चित्रकला में भी धन कमा सकते हैं लेकिन बर्बाद हो जायेंगे या खराब हो जायेंगे । युक्त दिमाग के और अत्यन्त उदार होने पर भी कवि-अर्थ में दूढ़ होते हैं, जिन पर अनुशासन उनसे लिए बर्बाद होता है ।

आर्थिक दशा

उन लोगों के लिए यह बहुत अनिश्चित प्रश्न है । पैसा उनका या विचित्र ढंग में आ सकता है । वे बर्बाद हो जायेंगे या अनेक लाभ के रूप में । लेकिन जीवन की वे दाग-दिग्गह सब देखते हैं—बोर्ड व-बाई उनको महापत्नी की भाग आगगा हो । और आश्चर्य की बात है कि आम तौर से ऐसा होता भी है ।

स्वास्थ्य

उन लोगों में दो वर्ग होते हैं। एक वर्ग जरा भी आभास के बिना सभी प्रकार की विचित्र या रहस्यमय बीमारियों का शिकार होता है जैसे पेट में मरोड़, तीव्र सर्दी, बुखार, फेफड़े, गले और नाक की परेशानी। दूसरा वर्ग दुर्दकाय न होते हुए भी किसी गम्भीर बीमारी के बिना जीवन काट देता है, केवल दुर्घटनाओं का शिकार होता है।

आपके महत्वपूर्ण चार 'चार' और 'आठ' हैं। लेकिन मैं इन्हें स्वयं चुनने की सलाह नहीं दूँगा। आप 'एक' और 'तीन' के अंक चुनिए : 'एक', 'तीन', 'चार' तथा 'आठ' सूत्रों को ध्यान से लिखिए तो जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। आपके मन्त्र में घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' सूत्रों वाले रहेंगे।

आपके फेफड़े के लिए सबसे शुभ रंग मुनहरा, पीला, गारमी, भूरा, फालतई, जामुनी, बैंगनी हैं। आपके भाग्य रत्न हैं नीलम, हीरा, पुखराज, अम्बर, हरा या रीता जेड।

5, 14, 23 (सूत्रांक 5) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह बुध और गुरु हैं। आपके जीवन में बुध का प्रभाव बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। आप मन में अज्ञानाय रूप से चंचल, बुरात तथा हाजिर जवाब होंगे। आपको दिमाग या हाथों में किसी न-किसी काम में लगे रहना आवश्यक है।

आप महत्वाकांक्षी, आजाद तबीयत और विचारा म ओजस्वी हैं। अपनी रचि-अर्चि में भी आप जल्दबाज तथा आवेशी हैं। माय हो आपको दिमागी शक्ति का शानदार आजार मिला हुआ है। अपनी चंचलता को बान् में रखें तो अपने सभी कामों में सफल होंगे।

आम तौर में आप सेतो के बेहद शौकीन होंगे, विशेषकर धुँदोड़ या पशुओं से सम्बन्धित सेतों के। आप पर शक्ति का भूत सवार होगा। परिस्थितिमा ऐसी हुई तो तेज कारों या विमानों में जीवन का या क्षय पैरो को जोखिम में डालेंगे। आप गायद हो किनी भयंकर दुर्घटना को टाल पाएँ। नहीं भी मरे तो अपम तो हा ही जाएंगे।

जमकर बैठने पर आप साहित्य-मेवा, विमान, चिकित्सा, कानून या गरट कालीन नेता के रूप में सफल होंगे। आप तर्क या वाद-विवाद के बेहद शौकीन होंगे। कटु व्यंग्यात्मक भी कर सकते हैं, लेकिन जहाँ बहस समाप्त हुई, आप विगमों के प्रति कोई शत्रुता या मनमुटाव नहीं रखेंगे।

विपरीत दिगियों की ओर आपका काफी आकर्षण होगा। आम तौर में विवाद

ठीक रहता, लेकिन जितनी देर से विवाह-बंधन में बंधें उतनी ही सुखी रहने की अधिक सम्भावना होगी।

आर्थिक दशा

ये व्यक्ति प्रायः धन बचाने वाले होते हैं, लेकिन किसी विचित्र ढंग से। अपने पूर्व ज्ञान के विनिर्योग में प्रायः भाग्यशासी रहते हैं, लेकिन धन की अधिक महत्व नहीं देते।

स्वास्थ्य

ये लोग बहुत कम किसी गम्भीर बीमारी के शिकार होते हैं। होते हैं तो अपनी असावधानी और धीयपूर्वक भोजन न करने से। आँखों या चेहरे में पड़कन और घोलने में हकलाहट सुननाहट की शिकायत भी हो सकती है।

'तेल' और 'पाच' के अंक आपके जीवन में बार-बार आएंगे। आप भी इन्हें अधिक-से-अधिक काम में लीजिए। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों को जाने व्यक्तिगत रूप से प्रति आप आकर्षित होंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पाच' मूलक वाले रहेंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रंग फालसई या जामुनी पत्थर लिए हलके रंग रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हैं—बटैता, होरा और चमकौले नग।

6, 15, 24 (मूलक 6) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके चारों ग्रह शुक्र और गुरु हैं। गुरु (भोज) के माघ में शुक्र की स्थिति अत्यन्त शुभ है। ये दोनों ग्रह एक-दूसरे के भिन्न बड़े जाते हैं।

6, 15, या 24 दिसम्बर को पैदा हुए व्यक्ति प्रसन्नचित्त और हृममुख स्वभाव के होते हैं। वे प्रकृति के वैभव और सभी प्रकार की सुन्दरता के प्रेमी होते हैं। उनके बारे में कोई ओछी बात नहीं होगी। अपने मित्रों को छिलाने पिलाने में प्रसन्नता का अनुभव करते हैं। मैदानी मैदों और पशुओं में विशेषकर कुत्तों और घोड़ों से प्रेम करते हैं। फुटबॉल पसन्द करते हैं और आम तौर से छोटे पालते भी हैं। ऐसे उद्यमों में उन्हें भारी सफलता और धन की प्राप्ति होगी है। वे अपने आसपास सौहार्दपूर्ण वातावरण पमद करते हैं। सबसे अधिक पीडा उन्हें ऐसे लोगों के सम्पर्क में आने से होती है जो कंधे पर अडगा लिए जीते हैं।

धनु राशि में पैदा होने से उनकी आय के दो साधन होंगे हैं। उनके लिए हर बात दुहरे और लाभदायक रहनी है। महिला होने पर उनके दो पति और दो बच्चे होने प्रायः निश्चित हैं। इन तिथियों को पैदा हुए व्यक्ति प्रायः विदेशियों से या अपने जन्मस्थान से दूर पैदा हुए व्यक्तियों से विवाह करते हैं। सभी विपरीत तिथियों के प्रति तीव्रता से आकर्षित होते हैं—प्रेमी नहीं होते तो अश्वे सापी जरूर बन जाते हैं।

और अपने सभी सम्बन्धों में आम तौर से बहुत सम्मानजनक तथा यफ़ादार रहने हैं।

वे कुछ दम्भी होते हैं और उच्च सामाजिक पद या प्रभाव वाले व्यक्तियों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं, जैसे सरकारी अधिकारी, अलंकारधारी या धार्मिक नेता।

वे यात्रा के बेहद शौकीन होते हैं, और यात्रा के दौरान आजीवन मित्र बना लेते हैं। नर-नारी दोनों बड़े-बड़े विचारक होते हैं और अपनी योजनाओं को पूरा करने के लिए प्रायः आवश्यक धन खींच लेते हैं।

वे विद्वानों का भारी आदर करते हैं। साहित्य, चित्र-कला, संगीत आदि में नाम कमाने वालों को अपने घर बुलाते हैं। भले ही स्वयं कोई बौद्धिक कार्य न करें लेकिन उसमें काफी रुचि लेते हैं। उनका घर कलाकृतियों और सुन्दर वस्तुओं से भरा रहता है।

आर्थिक दशा

धन कमाने का प्रयास करें या न करें वे प्रारम्भिक वर्षों में आम तौर से भाग्य-शाली रहने हैं। उनको विवाह, विरासत और उपहारों से लाभ होता है। लेकिन भाग्य जीवन भर साथ नहीं देता। अच्छा हो, वे बुझाए के लिए धन बचाकर रखें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के मामले में भी वे इतने ही भाग्यशाली होते हैं। केवल जब बहुत अधिक शान से रहने के चक्कर में पड़ते हैं जो आम तौर से उनकी कमजोरी होती है तो उनका स्वास्थ्य बिगड़ता है। जीवन के अन्तिम दिनों में प्रायः आँखें और छाती में कैंसर तथा ट्यूमर की प्रवृत्ति रहती है।

आपके महत्वपूर्ण अंक 'तीन', 'छः' और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलकों वाली तिथियों का अपनी योजनाएँ, या कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिए। इन्हीं तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप आकर्षित होंगे। कभी 'पाँच' अंकवालों के प्रति भी लगाव होगा लेकिन वे आपके जीवन में अधिक काल तक नहीं रहेंगे और न आपके लिए इनने भाग्यशाली होंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'तीन' और 'छ' मूलकों वाले रहेंगे।

आपके कपड़ों के लिए सबसे शुभ रंग फावसई, बैंगनी, जामुनी, नीले और लाल रंग की शकल लिए हुए होंगे। आपके भाग्य रत्न हैं बर्टला, फीरोजा, सात, तामड़ा और लाल नख।

7, 16 25 (मूलांक 7) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके वारक ग्रह नेप्चून, चन्द्र और गुरु हैं। 25 दिसम्बर आगमना राशि

मकर के अधि-वात में काफी आगे निकल जाने के कारण उस दिन जन्मे लोगों पर काफी भिन्न प्रभाव डालेगी।

गुरु (ओज) के भाव में नेप्चून और चन्द्र की स्थिति कुछ बहुत महत्वपूर्ण संकेत देती है। एक प्रकार से वे परस्पर-विरोधी हैं। नेप्चून और चन्द्र विनम्र और झुकने वाले हैं जबकि गुरु अपने निजी भाव धनु में दबग, महत्वाकांक्षी और तानाशाही स्वभाव वाला है।

नेप्चून का शरीर से अधिक मन पर प्रभाव है। विविन्न सपनों, दिवास्वप्नों, प्रेरणा और रहस्यमय अनुभवों से यह व्यक्ति को प्रभावित करता है। यह जाग्रत अवस्था में अवचेतन मन पर प्रभाव डालता है। चन्द्र के साथ नेप्चून रहस्यवादी कवि, चित्रकार, संगीतज्ञ या अध्यात्मवादी लेखक बनाता है। यदि गुरु की महत्वाकांक्षी प्रकृति सजिय न हो तो ऐसे गुण सम्भवतः सपनों की दुनिया में घोंप रहते हैं।

यही विरोधाभास महसूस होता है। नेप्चून और चन्द्र के स्वप्नदर्शों अपने अपने स्वभाव के विपरीत कर्म में डेल दिए जाते हैं। वे पदार्थ पर मन की शक्ति का एहसास कराने की पुकार सुनते हैं। यदि वे इसी बात से सन्तुष्ट रहें तो ठीक है। लेकिन इस प्रयोग में जन्मे व्यक्तियों का एक बर्ग ऐसा भी होता है जो अपनी अधि-कार-भावना को दूसरी सभी बातों पर हावी हो जाने देते हैं। देर-मदेर इससे वे अपनी मौन बुला लेते हैं।

दूसरा बर्ग, जो अध्यात्म की भीतिवृत्ता पर हावी होने देता है, कवि, चित्रकार, संगीतज्ञ, लेखक या नेता के रूप में यश कमाकर प्रायः दुनिया में अपना नाम छोड़ जाता है।

आर्थिक दशा

इन लोगों के आर्थिक मामले विविन्न रहते हैं। यदि धन कमाते हैं तो बेशर्चित ही किसी आम व्यपसाय से। बुढ़ापे में विनिपयोगों से भारी हानि उठाने की सम्भावना है। वे बेईमान कम्पनी प्रोमोटरी के शिकार हो जाते हैं या अपनी योजनाओं में सीमा का अतिक्रमण कर बैठते हैं। 25 दिसम्बर को जन्मे व्यक्तियों की अधिक निराशाओं का सामना करना पड़ता है।

स्वास्थ्य

इन लोगों का पाचन बहुत अच्छा नहीं होता। उनमें मध्य-वे-मध्य धाने की प्रवृत्ति होती है और वे अपने शरीर का पर्याप्त खयाल नहीं रखते। अत्यधिक संवेदन-शील होने से वे अपने को, पूर्ण स्वस्थ महसूस नहीं करते। मन से अपने को बहुत अधिक पका लेते हैं और शायद ही कभी ठीक से सो और विश्राम कर पाते हैं।

आपके सबसे अधिक महत्वपूर्ण अंक 'दो' और 'सात' हैं। अपनी योजनाएँ और कार्यक्रम इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पूरे करने का प्रयास कीजिए। इन्हीं तिथियों और कभी-कभी 'तीन' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी 'दो' और 'सात' मूलांकों वाले हो रहेंगे।

आपको हरे ज़ीम, सफ़ेद, कबूतरी और हलके रंगों के कपड़े पहनने चाहिए। आपके भाग्य रत्न हैं हरा जेड, मोती, चांदकान्त मणि, बटैला तथा जामुनी मग।

8, 17, 26 (मूलांक 8) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके फारक ग्रह शनि और शुक्र हैं। 26 दिसम्बर आगामी राशि मकर के मध्य-काल में बहुत जागे है, अतः उस पर शनि का प्रभाव अधिक है। वस्तुतः यह मकर राशि की पहली 'भाठ' अंकवाली तिथि है।

शुक्र के भाव में शनि भारी शक्ति और सक्षम बल-प्रदान करता है। जीवन के प्रारम्भ में प्रायः सदा कठिनाई रहती है और महत्वाकांक्षा की पूर्ति में भारी बाधा आती है। 8, 17 या 26 दिसम्बर को पैदा हुए लोगों में प्रबल सहन शक्ति होती है। उनका कोई काम आसानी से नहीं होता, लेकिन अपने धैर्य और अध्यवसाय से वे अपने लिए ठोस स्थिति का निर्माण कर लेते हैं।

वे उत्तम न्यायाधीश, बकील या व्यापारी बनते हैं। दूसरे लोगों के हित में काम करत हुए वे विशेषकर बहुत सतर्क रहते हैं। वे अपने काम में बहुत ईमानदार होते हैं लेकिन यदि अधिक पहल और आत्मविश्वास से काम लें तो भौतिक दृष्टि से अपना ज्यादा भला कर सकते हैं।

वे आत्म-केन्द्रित और अपने रहस्य छिपा लेने वाले होते हैं तथा निन्दा या आलोचना से शीघ्र आहत हो जाते हैं। जब अन्याय के विरुद्ध उठ खड़े होते हैं तो निष्ठा से उसका प्रतिरोध करते हैं और अपने स्पष्ट रवैये से अनेक लोगों को कटु दुःखित बना लेते हैं।

वे बहुमं में तीव्र कटूस्त्रियों को सदा हथियारों की भांति काम में लेते हैं।

26 दिसम्बर को जन्मे लोग प्रायः बहुत उच्च पदों पर पहुँचते हैं और सम्मान प्राप्त करते हैं। लेकिन कोई असावधानी कर बैठने से या अति-उदारता दिखाने से दुःखित जनता का अपने विरुद्ध कर लेते हैं और अपना पद छो देते हैं। स्पेनिश-अमरीकी युद्ध का हीरो एडमिरल रूडोल्फ़ इमका उदाहरण है। राष्ट्र ने उसे सम्मानों से नवा दिया और वार्निगटन में एक बख्ता भी दिया। लेकिन उसने यह बगला जब अपनी पत्नी को दे दिया तो नुकान उठ खड़ा हुआ और उसकी लोकप्रियता उसी को भारी पड़ गई।

व्यापक दशा

ये लोग धीरे-धीरे लेकिन लगातार घन संचय कर लेते हैं। आम तौर से कम मजदूरी सम्बन्धी या पारिवारिक बन्धनों से उनके साधनों का ह्रास होता है। वे प्रायः जुए और शोष घन पाने वाली योजनाओं से बचते हैं तथा सरकारी सिक्कुरिटिमें वे या ठोस उद्यमों में अपना धन लगाते हैं, लेकिन सतत रूप से बचत जीवन के अन्तिम दिनों में वे प्रायः भारी हानि उठाते हैं।

स्वास्थ्य

इन लोगों की ब्यापक मुदयत अच्छी और मात्तन हानो है। लेकिन वे आनरिक रोगो के काफी शिकार होते है और प्रायः गम्भीर शल्य-चिकित्सा कपानी हातो है।

आपके जीवन पर 'चार' और 'आठ' अक्षों का और इनमें सम्बद्ध व्यक्तिओं का भारी प्रभाव पड़ेगा। इन लोगों से प्रति आप गहरा सदाय महसूस करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'आठ' मूलतः बाले रहेंगे।

आपको गहरे रंग के कपड़े पहनन चाहिए और बाला मोती, बाला हीरा तथा कलई नंग धारण करने चाहिए।

9, 18, 27, (मूलंक 9) दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति

आपके कारक ग्रह मंगल और शुक्र हैं। 27 दिसम्बर की तिथि मकर राशि की 'नौ' अंक वाली तिथि होने के कारण 9 या 18 दिसम्बर से प्रभाव में भिन्न है। वह मंगल और शनि के प्रभाव में है।

9, 18 और 27 दिसम्बर की तिथियाँ शुक्र, मंगल और शनि जैसे धनवान ग्रहों के प्रभाव से भारी महत्वाकांक्षा तथा सफल करने व्यक्ति को जन्म देती है। ये लोग अपने विचारों में ओजस्वी और काम में तानाशाही प्रवृत्ति वाले होते हैं।

वे आपातकाल में विशेष रूप से सफल रहने हैं। उनमें नैतिक और शारीरिक साहस होता है तथा डर नाम की विडिधा को जानते भी नहीं। समय मिलन पर वे घर से बाहर का परिधमी जीवा पसन्द करते हैं। छोटी और आम पशुओं पर उनका भारी अधिकार होता है। विपरीत तिथियों के लिए उनके मन में गहरा आवेग रहता है और आम तौर से विवाह के मामले में भाग्यशाली रहते हैं। लेकिन एक या अधिक सम्बन्धों की सम्भावना की जा सकती है।

वे हर प्रकार के दुस्ताहत के असाधारण रूप से शक्तिशाली होते हैं और उनमें वायव्यता बन सकते हैं। उनका मन खल होता है और उन्में यात्रा की, विदेशी मुद्रा या अनजान क्षेत्रों की, तीव्र उत्पत्ति रहती है। वे हर समय निनी भी आश्रित के निगरान रहने हैं और अपने इच्छे की पूर्ति में प्रायः भारी खर्च उठाते हैं।

रपए-यैसे के प्रति वे एक प्रकार से उदासीन होते हैं। परेशानी में पड़े लोग के लिए बहुत उपर होतें हैं। पैसा पास हो तो धर्मार्थ सत्थाओं को विपुल दान देते हैं। पैसा पास न हो तो अपना समय या दिमाग लगते हैं।

मशीनों के बारे में उनमें काफी जानकारी रहती है विशेषकर गतिशील मशीनों के बारे में।

आर्थिक दशा

ये लोग आर्थिक मामलों में आम तौर से भाग्यशाली रहते हैं। उन्हें अप्रत्याशित विरासत, विवाह या सट्टे से लाभ होता है। कुछ मामलों में वे काफी पैसा जमा कर लेते हैं, लेकिन ऐसा होने पर दानशील बन जाते हैं।

कुछ मामलों में, उद्यम में हिम्मत से काम लेकर, या शीघ्र आमदनी वाला व्यवसाय खड़ा कर वे अर्थ प्राप्ति में सफल होते हैं। व्यवसायों की अपेक्षा वे आम तौर से कुछ व्यक्तिगत ढंग के दिमागी काम में अधिक सफल होते हैं। 27 दिसम्बर को जन्मे लोग इनमें सबसे अधिक बुद्धिमान होते हैं। शनि का प्रभाव मंगल के स्वभाव पर अक्रूर लगाकर पारी बोल और जिम्मेदारी सौंपता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य में मामले में अपने दुश्मन के स्वयं होते हैं। वे शायद ही कभी अपने स्वास्थ्य की परवाह करते हों अन्विेश कहा कुछ करते रहने की भावना से उन्में जोखिम में डालते हैं। अठारह वर्ष की आयु के बाद वे तपड़े हो जाते हैं, लेकिन चौदह वर्ष से स्नायविक तनाव अपना प्रभाव दिखाने लगता है। वे शायद ही गम्भीर दुर्घटनाओं से बच पाते हों। आम तौर से ये दुर्घटनाएं बटूक, आग, विस्फोट से अथवा कार, विमान या पशुओं से होती हैं।

आपका सबसे घटनापूर्ण अंक 'नौ' है। इसी मूलक वाली तिथिया को अपनी योजनाएं या कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिए। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इसी मूलक वाले रहेंगे। 'तीन', 'छ' और 'नौ' मूलकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

आपके दस्तों के लिए सबसे शुभ रंग लाल है। आपके भाग्य रत्न हैं - लाल, ताम्र और सभी लाल जंग।

अंक 13 का आतंक

अंको में जितना आतंक 13 के अंक का है, उतना किसी अन्य अंक का नहीं। पश्चिम में बहुत-से लोग उरते वैसे ही भय पाते हैं जैसे किसी भूतहा मंगल में या सदियों से वीरान पड़े खण्डहर से। किसी समय बुरा के निवासियों का विश्वास था कि यदि 13 व्यक्ति किसी स्थान पर एक साथ भोजन करें तो वष भर के अन्दर ही उनमें से किसी एक व्यक्ति की मृत्यु हो जाना निश्चित है। आज भी अनेक हादसों में 13 नम्बर का कमरा नहीं होता। 12 के बाद 12-ए क्रम का कमरा होना है और फिर 14 नम्बर का। इसी प्रकार अनेक नगरों की गलियाँ में 13 नम्बर के कमरे नहीं मिलते।

हमारे देश में भी 13 का अंक शुभ नहीं समझा जाता। यहाँ के बहुसंख्यक सम्प्रदाय में किसी परिवार में मृत्यु होने पर 13 दिन तक शाक मनाने की प्रथा रही है। मृतक भोज में भी तेरह बह्माण ही निमन्त्रित किए जाते हैं।

हमारी भाषा में महावत है तीन-तेरह कर देना, अर्थात् किसी काम को बनते-बनते बिगाड़ देना। यदि तिथि-शुभ के कारण कोई काम पक्ष केवल 13 दिन का रह जाए तो भविष्यवक्ता उसे अशुभ सूचक और भारी बिसर्त माना माना समझते हैं।

'महाभारत' के युद्ध में एक प्रकार से 13वाँ दिन ही निर्णायक सिद्ध हुआ। कौरव सेनापति गुरुद्रोणाचार्य वज्रसूह की रचना कर इस दिन पांडवों के युवराज अभिमन्यु का घट कराने में सफल हुए, किन्तु कौरव सेना की दृष्टि अधिक दानि हुई कि फिर उसके लिए अर्जुन, भीम, सात्विक, धृष्टद्युम्न, पटोवृष जैसे धीरो का वेग सम्हालना असम्भव हो गया। 13 दिन तक युद्ध का पतला बहुत-कुछ कौरवों के पक्ष में था। किन्तु 14वें दिन से ही वह उत्तरोत्तर पांडवों के पक्ष में झुकता गया।

गेलों में, विशेषकर क्रिकेट के खेल में भी 13 अंक का अच्छा नहीं समझा जाता। अनेक घाटी के खिलाड़ी 13 रन पर आउट हुए हैं। उनमें सर्वाधिक शतक बनाने वाले सुनील गावस्कर भी हैं। 13 के अतिरिक्त 49 ($4+9=13$) और 94 ($9+4=13$) रन बनाकर आउट होने वाले खिलाड़ियों की भी एक बड़ी संख्या है। इस प्रकार के अर्थशतक या शतक बनाने के कौरव से बचते रह गए हैं।

अब यह प्रश्न पैदा होना स्वाभाविक है कि 13 अंक क्या वास्तव में अशुभ है? और उसे आतंकपूर्ण मनाने के मूल में क्या आधार है?

यह प्रश्न इसलिए भी काफी महत्वपूर्ण है कि अंक विद्या का ज्ञान न रखने वाले व्यक्तियों में भी यह धारणा काफी व्यापक है।

धीरो ने ऐसे दो प्रमुख व्यक्तियों का उल्लेख किया है जिनकी धारणा थी

कि 13 तारीख को जन्म लेने के कारण उन्हें अपने जीवन में अनेक दुर्भाग्यों का सामना करना पड़ा। उनमें एक वे ब्रिटिश राजनीतिज्ञ लार्ड रेडोल्फ चर्चिस (जन्म 13 फरवरी) और दूसरी थी सुप्रसिद्ध अमरीकी आपेय-अभिनेत्री एम्मा हम्स (जन्म-तिथि 13 अगस्त)। कीरो ने उन्हें ममझाया कि 13 तारीख जन्म तिथि होने का विशेष महत्व नहीं है। महत्वपूर्ण बात यह है कि 13 अंक मूलांक 4 की ही अगली कड़ी है और मूलांक 4 यूरेनस तथा सूर्य के प्रभाव में एक भाग्यवादी अंक है। मूलांक 4 वाले प्रायः सभी व्यक्ति व्यवहार में सद्बोची और प्रदर्शन से दूर रहने वाले होते हैं।

मूलांक 4 से प्रभावित व्यक्ति दूसरों को सरसता से अपना मित्र नहीं बनाते। उनका अपना निराशा स्वभाव होता है। किसी बात को देखते वा उनका ढंग प्रायः दूसरे लोगों से उलटा या विपरीत होता है। फलस्वरूप वे अनेक शत्रु और विरोधी बना सते हैं। वे शीघ्र आवेश में आ जाते हैं और दूसरों की बात का बुरा मान बैठते हैं।

ऐसे लोग परम्पराओं के विरोधी होते हैं और उनका बस चले तो वे सब कुछ ढलट-पलट देते हैं। वे वैधानिक सत्ता का विरोध करते हैं, सामाजिक सुधारों में दिलचस्पी लेते हैं और अपने निजी नियमों की रचना तथा पालन करते हैं। सफलता न मिलने पर वे बहुत जल्द निराश भी हो जाते हैं।

ये लोग व्यावहारिक मामलों में अधिक सफल नहीं होते। धन एकत्र करने में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं होती। कर भी ले तो अस्मान्मय रूप से उसे खर्च कर देते हैं। आय से अधिक व्यय करने के कारण वे प्रायः आर्थिक कठिनाइयों से परेशान रहते हैं।

कीरो का अनुकरण करने हुए अनेक भारतीय अकविदों की भी यह धारणा है कि 13 का आतंक अनावश्यक है और इसे अत्यन्त अशुभ समझने का कोई कारण नहीं है। किन्तु यह अंक आकस्मिक परिवर्तनों का चोटक अवसर है और इसका कोई वैज्ञानिक कारण नहीं बताया जा सकता। इस मूलांक वाले व्यक्तियों का व्यवहार भी प्रायः अस्थिर होता है। उनके प्रेम-सम्बन्धों और सासारिक प्रगति में स्थायित्व नहीं होता। शायद इसीलिए लोग इस अंक से इतने भयभीत हैं।

कुछ-कुछ ऐसा ही व्यवहार 49 ($4+9=13$) अंक से प्रभावित लोगों का होता है।

यह कह पाना कठिन है कि इस अंक का आतंक कब से प्रारम्भ हुआ, किन्तु मध्य युग में उसका अस्तित्व था, यह विवादपूर्वक कहा जा सकता है। इसका एक कारण इस अंक का संकेत चित्र द्वारा समझा जा सकता है, जो इस प्रकार है—“एक ककान हसिये से एक घास के भैंदान में उन व्यक्तियों की गर्दन काटता जा रहा है, जो घास के ऊपर अपना सिर उठाते हैं।”

कुछ प्राचीन लेखकों का कहना है कि 'जो बच्चा 13 के प्रभाव को समझता है वह अधिकार और प्रभुत्व प्राप्त करता है।' हमने यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि यह बच्चा उदय-पुदय का सूचक है। यह योजनाओं तथा कार्यक्रमों में, स्थान में भी, परिवर्तन का द्योतक है। यह अधिकार और प्रभुत्व तो प्रदान करता है किन्तु उचित रूप से उनका उपयोग न किया जाए तो ध्वंसकारी भी हो सकता है। यदि यह बच्चा मनना में आए तो उसे अज्ञात तथा अप्रत्याशित घटनाओं की चेतावनी समझना चाहिए।

नेलादी (मुमाथचन्द्र बोस) का जीवन इस बच्चे के प्रभाव का जनन उदाहरण है। उनके पूरे नाम का संकुच बच्चा 13 ही बनता है। उसका प्रभाव उनके जीवन पर स्पष्ट है।

एक अन्य उदाहरण भूतपूर्व ब्रिटिश प्रधान मंत्री नेविल चैम्बरलेन का है। उनका जन्म 13 जनवरी को हुआ था। हिटलर के उदय-काल (म्यूनख बत्तार) से द्वितीय महायुद्ध के आरम्भकाल तक बड़ी ब्रिटेन के प्रधान मंत्री रहे थे। उनके जीवनकाल की राजनीतिक घटनाओं और उनके उनकी भूमिका में इतिहास का हर विद्यार्थी परिचित है। म्यूनख बत्तार पर हस्ताक्षर कर और हिटलर की महावाक्ता को बड़ाका देकर द्वितीय महायुद्ध शुरू बनाने का दोष उन्हीं के लिए रखा जाता है। बाद में उनके कार्यकाल के बीच ही उन्हें इस पद से हटाकर सर विलियम पिट्स को नया प्रधान मंत्री बनाया गया।

वास्तव में 13 एक अरुण कायवादी बच्चा है। वह जहाँ अनेक व्यक्तियों के जीवन में और साथ ही राष्ट्र के जीवन में भारी उदय-पुदय लाता है, वहाँ कुछ व्यक्तियों के लिए सौभाग्य का सूचक बनकर भी आता है। स्वयं बोरो के कुछ उदाहरणों से यह बात स्पष्ट हो जाती है।

डेनवर (कोलोरेडो) में एच० सी० शरमन नामक एक व्यक्ति ने 13 तारीख को मिस टीम्स के सम्मुख विवाह का प्रस्ताव रखा। उनका विवाह 13 जून 1913 को दस दशहरा 13 मिनट पर सम्पन्न हुआ। पति-पत्नी दोनों का जन्म 13 तारीख को हुआ था। विवाह-ममारोह में 11 व्यक्ति उपस्थित थे और वधू के हाथ में गुदाब के 13 फूलों का गुलदस्ता था।

डोवर (ब्रिटेन) का दुलिन सार्जेंट जॉन जॉन 13 अंग्रेजों के परिवार में से एक था। उसने 13 वर्ष की आयु में काम करना आरम्भ किया और पहली नौकरी पर 13 वर्ष तक रहा। 13 अप्रैल को डोवर दुलिन में भर्ती हुआ। उनके परिवार में पति, पत्नी और बच्चों सहित 13 सदस्य थे।

नार्थ बर्टन, दार्म के पुवाह रव दिन के दोरे में 13 तारीख को मृत्यु को प्राप्त हुए। स्थानीय बन्द से वह 13 सप्ताह में आर्थिक महापत्रा में रहे थे। मृत्यु के

समस्त उनके पत्र केवल 13 विविध प्रकार के। यद्यपि उनके दिन उनके करने छोटे हुए
 का 13वाँ वत्स मिलता था। हर के परिवार के 13 सदस्यों ने हर का नाम देकर
 दिया। छोटे हुए का माँ-बापों के नाम 13 दम्बर था। यह उनका 13वाँ वत्स
 पर बन कर रहा था।

लेखक लोहो नामक एक व्यक्ति का वत्स 13 जराये को हुआ था। 13
 वर्ष की आयु में वह पला बनने लगा। 26 वर्ष (13 × 2) की आयु में वह एक राज-
 नीतिक मन्त्रि बना। सत्तरवें वत्स पर उसके 13 वर्ष एक सत्स करने के बाद
 कनक नाम का नामक निवास हुआ। उसकी पत्नी 13 वर्ष एक बेटा रही।
 उनके पुत्र 26 (13 × 2) वारोय को हुई। पुत्रा विवाह 1895 (1 + 8 + 9 +
 8) = 26 = (13 × 2) में 55 (5 + 8 = 13) वर्ष की आयु में हुआ। वत्स और
 पुत्र दोनों 13 वारोय को हुए। निवास दोनों के 39 (13 × 3) वर्ष एक सत्स
 रहे और 1903 (1 + 9 + 0 + 3 = 13) में लोहो मिला।

13 अरु से प्रभावित लोग केवल राजनीति में ही नहीं निपते बल्कि अनेक
 प्रमुख छोटी-बड़ी व्यवसाय, धर्मोपदेश, सेवाएँ आदि भी 13 वारोय को पैदा हुए हैं। कुछ
 अन्य प्रमुख नाम हैं—प्रातः कोकिला करोविनी नाम्नी (13 जुलाई), अमरीका के
 दुर्गम पर्वतों पर पानक पंचकन (13 अप्रैल), पोर पानक वर्ष (13 मई), गुरुसिंह
 कालकवि तथा सेवाक वत्स ० बी० मोहन (13 जून), उत्पत्तिकार राजेंद्र सिंह
 म्हीरान (13 नवम्बर), मेरु में कालोती सेना का सम्पन्न करने वाले फील्ड मार्शल
 बख्श (13 फरवरी), प्रथम महापुरुष के फील्ड मार्शल सर विन वर्युड
 (13 दिसम्बर), महापुरुष में अमरीकी सेना के प्रधान जवान जॉन पैरिल
 (13 नवम्बर) आदि।

परिशिष्ट

कीरो की भविष्यवाणियां

कीरो की गणना अपने समय के विश्व के प्रमुखतम ज्योतिषियों में होती है। अपने जीवनकाल में उन्होंने अनेक आश्चर्यजनक भविष्यवाणियां कीं। ब्रिटेन के राजा एडवर्ड अष्टम के प्रेम-प्रसंग और तिहासतन्त्राण की भविष्यवाणी भी उनमें एक थी, जिस पर सारा सनार चकित रह गया था।

कीरो हमारे सामने तो प्रकाश पड़ित थे ही, अरु विज्ञान में भी उनकी पूर्ण गति थी। वह सगमग चालीस वर्षों तक इन गुप्त विद्याओं के शोध और प्रचार में लिप्त रह। अपने शोध और अनुभव के आधार पर वह अनेक महत्वपूर्ण पुस्तकें लिख कर हमारे लिए छोड़ गए हैं, जो आज भी इन विद्याओं के अध्ययन करने का आधार बनी हुई हैं। अरु विज्ञान का तो एक प्रकार से उन्हें जनक कहना अधिक उचित होगा। चान्चियन काल में अपने समय तक उनतक इस विषय की सम्पूर्ण जानकारी का गहन अध्ययन कर उन्होंने अपने कुछ नियम प्रतिपादित किए। इससे अरु विज्ञान पर शोध को एक नई दिशा मिली।

प्रस्तुत पुस्तक, 'आप और आपने ग्रह' अरु विज्ञान पर कीरो की सबसे महत्वपूर्ण पुस्तक है। इसमें उन्होंने अनेकों अन्य विषयों के आधार पर व्यक्ति के चरित्र और स्वभाव का निरूपण करने तथा उसकी आर्थिक दशा और स्वास्थ्य की सम्भावनाओं को बताने का प्रमाण दिया है। अपना भविष्य बताने या बिखारने में इनकी जानकारी निश्चय ही महत्वपूर्ण और लाभकारी रहेगी।

कीरो का वास्तविक नाम वाडट सुई हेमन था। उनका जन्म 1866 में एक नामन परिवार में हुआ था। बाद में वह इंग्लैंड जाकर बस गए जहां 1936 में उनकी मृत्यु हुई। अपने जीवनकाल में उन्होंने अनेक देशों की यात्राएं कीं जिनमें भारत भी था। विभिन्न देशों में कार्यरत विद्वानों के, विशेषकर पश्चिमी देशों के, अनेक प्रमुख व्यक्तियों से वह मिले और उनमें अपनी विद्या का सोहा बनवाया।

यहां हम उनकी भविष्यवाणियों से सम्बंधित कुछ रोचक प्रसंग दे रहे हैं।

इसूब ओक ओर्निगन्स और फ्रांस की गरी के दावेदार सुई कितिन का जन्म 6 फरवरी 1869 को हुआ था। उनके जीवन में 'छ' के अरु का भारी महत्व रहा। वह 1887 (मूलान 6) में फ्रांस में निर्वासित किए गए। उन्होंने 1896 (मूलान 6) में आस्ट्रिया की आर्बंडबैस मारिया से विवाह किया। उनकी निमृक्ति इंग्लिश रेडी-मेड की 60 (6) की राष्ट्रपति में हुई।

अमाधारण महिला जानूस मानाहामी से मैं पहली बार पेरिस में 1900 में

मिला। मैंने उसके हाथ का छारा लिया और अक्टूबर 1917 में हिमक मृत्यु की भविष्यवाणी की। महापुरुष में जर्मन जागृत करने पर भी वह इसे भूली नहीं। उसे फाँसी दी जाये पहले जब अगस्त में अचानक हमारी पुनः मेंट हो गई तो उसके अंतिम शब्द थे 'अंतविदा—अक्टूबर में मुझे भूलिए नहीं।'

मेरी दुःखद भविष्यवाणी के अनुसार उसी मास और वर्ष में उसकी मृत्यु हुई। अंतिम क्षण तक वह अभिनेत्री माय्य की मिपाही रही। उसने आँख पर पट्टी बंधवाने में इनकार कर दिया, अपने हाथ भी चूमा और मुमकराने हुए विदा हो गई।

(माताहारी का जन्म 31 (मूलतः 4) मार्च को हुआ था।)

फरवरी 1904 में रूस यात्रा के दौरान विदेशमंत्री अलेक्जेंडर इजवोत्स्की सेंट पीटर्सबर्ग (अब लेनिनग्राद) में मेरे हॉटेल में मुझसे मिलने आए। उन्होंने मुझसे अपनी जर्मनी बनाने की कृपा की। उसे तैयार कर मैं विदेश मंत्रालय में उच्च दैनिक भत्ता में भर्ती करवा दूँ। क्योंकि मैंने जितनी जर्मन पत्रिका बनाई, उनमें यह सबसे अधिक जगह सन्तुष्टि वाली जर्मन पत्रिका में से थी।

लेकिन मंत्री महोदय मेरी भविष्यवाणियों पर जी छालकर हँसे। 'वीरो' मेरा परिचित और स्वभाव बखानने में आप सही हो सकते हैं, लेकिन भविष्य के बारे में आपके पूर्वानुमान एकदम बेहूदा हैं। आप रूस को नहीं जानते, नहीं तो आप यह शक्य नहीं देखें कि ऐसा देश जापान से (रूस-जापान युद्ध तभी शुरू हुआ था) हार सकता है, या मेरी सारी सम्पत्ति छिन जाएगी और मैं विदेश में शरणार्थी की हालत में मरूँगा। आपने 1914 में शुरू हो रहे रूस के अग्रिम ग्रहों के बारे में जो कुछ अनुमान व्यक्त किया है, वह सब बकवास है। और आपने 1917-18 में उसके टूटने की बात कही है, वह पागल के प्रसार जैसी है। रूस कभी नहीं टूट सकता, वह हर वर्ष आगे ही बढ़ता जाएगा।'।

मेरी निराशाजनक भविष्यवाणी ही अंत में सही सिद्ध हुई। पूरे महापुरुष के दौरान इजवोत्स्की फ्रांस में रूस के राजदूत रहे। भौतिक जाल में उसका सब-कुछ नष्ट हो गया और 16 अगस्त, 1919 को पेरिस में एक दुष्टता में उनका निधन हुआ।

(अलेक्जेंडर इजवोत्स्की का जन्म 17 (मूलतः 8) मार्च को हुआ था।)

मार्च के नाविक और दिसम्बर 1911 में दक्षिणी ध्रुव की खोज करने वाले रोमान्ड एमडमन एक अद्भुत व्यक्ति थे। 1927 में हॉलीवुड, कैलिफोर्निया में वह मुझसे मिलने आए। साहम और महान सफलता के बावजूद वह अत्यंत विनम्र थे। उन्होंने मुझे अपने हाथ का छाप दिया, किन्तु साथ ही यह मनोभावना व्यक्त की कि उनकी मृत्यु अधिक दूर नहीं है। एक वर्ष बाद समाचार मिला कि जनरल मोवाइल का इटाली उत्तरी ध्रुव अभियान-पीन टूट गया है और जनरल का कोई पता नहीं

है। एमडसन ने तत्काल उनकी धोखे के लिए अपने को देश दिया। उनका अंतिम समाचार 19 जून, 1928 को मिला।

(रोआल्ड एमडसन का जन्म 16 (मूलतः 7) जुलाई को हुआ था।)

आयरिश एथीरल्वरल सोसाइटी के सरमापक सर होरेस प्लवेट ने दक्षिण आयरलैंड में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए किसी भी देशभक्त से अधिक कार्य किया। स्वतंत्र आयरिश राज्य की स्थापना के बाद बिद्रोहियों ने डबलिन के निवृत्त म्पित उनके गुदर घर, उनकी बचावतियों और बटुमूल्य पुस्तकों को जलाकर राख कर दिया। दिल टूट जाने पर वह इंग्लैंड लौट आए और कुछ वर्षों बाद वही उनकी मृत्यु हो गई।

उनका जन्म-अंक अक्टूबर में 'चार' था। इस तिथि वालों को आग, विस्फोट और सम्पत्ति नाश का खतरा रहता है। मैंने उन्हें अपने गुदर घर का बीमा करा देने को कहा था। 1918 की अन्तःक्रिया में इस घेरावों को फिर दुरासा। लेकिन अब बहुत देर हो चुकी थी क्योंकि आयरलैंड में तत्कालीन उपद्रवों को देखते हुए कोई बीमा कम्पनी इसके लिए संसार नहीं होती।

किसी अज्ञान कारण से, स्वतंत्र राज्य की स्थापना और अंग्रेजी धोखे के फट जाने के बाद कुछ स्वतंत्रता सेनानियों ने सर होरेस के घर को घेर लिया और आग से लपट कर दिया। मालिक की जान भूमिगत से ही बच पाई।

(जन्म 4 अक्टूबर को)

अमरीकी तेल मालिकों और पहले गगनचुम्बी भवनो के नक्काशावीस एल्फ्रेड बामप की पत्नी थीमती एमिली बाउप को मरे हस्तरेखा और अन्वेषण में गहरी दिल-चस्पी थी। बैलिफोर्निया से मेरे खाना होन के बाद उन्होंने लिखा 'आपके द्वारा विमानों से पतरे की चेतावनी दिए जाने के बावजूद वायु विमानों के दूसरे भाव, 'तुला की सतान' होने में मैंने विमानों में उड़ना फिर शुरू कर दिया है। मैं इसे रोक नहीं सकती। अंत में यदि कुछ हुआ तो कम-से-कम आपको तो पता चल ही जाएगा—भाग्य में ऐसा ही बदा था।'

उनकी मृत्यु 27 जुलाई 1932 को विमान दुर्घटना में हो गई। यह विमान से फाम जा रही थी। विमान उनका अन्तःक्रिया पुन ही चला रहा था। फार्महाम इंग्लैंड के ऊपर आकाश में ही उसने विस्फोट हो गया। उनका शव टुकड़े-टुकड़े हो गया। उनके छाट छाट भाग ही मिल सके।

(जन्म 22 (मूलतः 4) अक्टूबर)

द्वो रिचर्ड हाप्टमैन 'चार' और 'आठ' अंकों की दुरभिसंधि का विविध उदाहरण है

जन्म 26 नवम्बर

2+6=8

भाट हम्पलेख विरोधता की प्रतिबुद्ध गवाही

8

बर्नस चार्ल्स लिडवर्ग की जन्म तिथि	फरवरी 4
प्राणदंड की तिथि	मार्च 31 = 4
छूट की घोषणा 31 मार्च को रात्रि 8 बजे	4 और 8
छूट मजूर हुई 48 घंटों के लिए	4 और 8
प्राणदंड अप्रैल 4 को	4
इलेक्ट्रिक चेयर पर बैठाया गया 8 40 बजे	8 और 4
मृत घोषित किया गया 8 44 बजे	8 और 8
क्षमादान के सदस्यों की संख्या	8
सरकारी गवाहा की संख्या 88	8

हाउसमैन ने अपना अपराध स्वीकार नहीं किया। उसको प्राणदंड मिलने पर भी यह रहस्य ही बना रहा कि बेबी लिडवर्ग की हत्या किसने की।

4 और 8 के योग पर 'बीरोज बुक ऑफ नम्बर्स' में लिखते हुए मैन कहा है ये अरु ऐसे व्यक्ति के द्योतक हैं जो भयकर रूप से भाग्य के अधीन हैं। मैंने इन मूल अंकों बाते अनेक व्यक्तिओं के प्राय पर नजर रखी है। देर सवेर 8 से उनका टकराव होना है जो 'मानव न्याय' का प्रतीक है। आम तौर से आम सामाजिक जीवन में भी परिस्थितियों प्रमाण विहीन होने से उन्हें मृत्यु दंड मिलता है, और वे प्राय अपना रहस्य अपने मन में छिपाए हो इस संसार से विदा हो जाते हैं, इसी दुनिया में मानव न्याय के विरुद्ध ईश्वरीय न्याय से अपील करते हुए।'

कुछ प्रमुख व्यक्तियों की जन्म तिथियां (जिनका मृत पुस्तक में उल्लेख है)

सांडे बर्जेन (मृतपूर्व वायसराय)	जनवरी	11
डेविड लायड जार्ज (प्रथम महापुरुष के दौरान ग्रीन के प्रभाव मंत्री)	,	17
सोमर मेट मॉम (प्रमुख लेखक)	,	25
बैमर विल्हेमिन (प्रथम महापुरुष के दौरान जर्मनी का राजा)	„	27
चान्स डिक्लेन (उपन्यासकार)	फरवरी	7
जॉन रॉकिन (लेखक)	,	8
अब्राहम लिस्न (अमरीकी राष्ट्रपति जिनकी हत्या हुई)	,	12
जॉर्ज वाशिंगटन (प्रथम अमरीकी राष्ट्रपति)	„	22
विक्टर ह्यूगो (उपन्यासकार)	,	26
एन्ड्रयू आर्जन्टीन (प्रमुख वैज्ञानिक)	मार्च	14
डेविड रिचमण्डन (अमरीकी गणतन्त्र)	,	19
मैक्सिम गोर्की (साहित्य लेखक)	,	26
राउट राइटिंग (वायसराय जिनका मृत पुस्तक में उल्लेख है)	„	30
माताजार्ज (जर्मन वायसर)	,	31

विस्माहें (आधुनिक जर्मनी का निर्माता)	अप्रैल	1
विलियम वड् मवर्थ (कवि)	"	7
चार्लो चैपलिन (हास्य अभिनेता)	"	16
एडोल्फ हिटलर (साम्राज्याह)	"	20
रानी एलिजाबेथ	"	21
नेनिन	"	23
शेक्सपियर	"	23

(मृत्यु 23 अप्रैल)

ड्यूक ऑफ वेनिगटन (वाटरलू विजेता)	मई	1
बार्न मायस (साम्प्रदाय के जनक)	"	5
फारनहीट (परमामीटर निर्माता)	"	14
फ्लोरेन्स नाईटिंगेल (नर्स)	"	15
निकोलस 11 (रूस का अंतिम जार जिनको मृत्यु दंड दिया गया)	"	18
बट्टांड रमस (दार्शनिक)	"	18
सर आर्थर कानन डायल ('गरलब होम्स' के लेखक)	"	22
रानी विक्टोरिया	"	24
जार्ज तृतीय (जिनके शासन काल में अमरीका आजाद हुआ)	जून	4
बैंग्ला स्नाट (दक्षिणी ध्रुव अन्वेषक)	"	7
जार्ज म्टीफेमन (दैन इन्डिन आबिष्ककर्ता)	"	9
एडवर्ड अष्टम (सिंहामन त्पायी)	"	23
रोआल्ड एमडमन (दक्षिणी ध्रुव अन्वेषक)	अक्टोबर	16
मुसोलिनी (इटालवी साम्राज्याह)	"	20
जार्ज बर्नाड शा (नाटककार)	"	26
शैली (कवि, दूबने से मृत्यु)	अगस्त	4
मार्यामा (कॉमोसी लेखक)	"	5
लाइ टैनीसन (कवि)	"	6
नपोलियन बोनापार्ट	अगस्त	15
लुई 16 (फ्रांसीसी नरेश जिन्हें मार दिया गया)	"	23
ग्रेट (जर्मन कवि-लेखक)	"	28
नियो टाग्नटाय (रूसी लेखक)	नवम्बर	9
एब० जो० वेन्स (वैज्ञानिक लेखक)	"	12
छेडा गायी (अभिनेत्री)	"	18
डा० एनी बेसेंट	अक्तूबर	1
महारमा गांधी	"	2

फील्ड मार्शल फोर्ब (प्रथम महायुद्ध में मित्र राष्ट्रीय सेनापति)	अक्तूबर	2
फील्ड मार्शल हिटलर (प्रथम महायुद्ध में जर्मन सेनापति)	"	2
एमन डी बेत्तख (आयर नेता)	"	11
नीत्शे (कवि-दार्शनिक)	"	15
एल्फ्रेड नोबेल (जिनके नाम पर नोबेल पुरस्कार दिया जाता है)	"	21
दाते (फ्रांसीसी क्रांतिकारी)	"	26
बैन्टेन ब्रुक (महान अन्वेषक)	"	28
जान कीट्स (कवि)	"	29
कोरो (प्रमुख ज्योतिषी)	नवम्बर	1
मेरी एलिज़ाबेथ (फ्रांस की रानी जिसे गिलोटिन किया गया)	"	2
स्त्रियो पाना	"	2
ओलिवर गोल्डस्मिथ (कवि-लेखक)	"	10
आर० एल० स्टोवेंशन (उपन्यासकार)	"	13
बान्स प्रथम (जिसका सिर काटा गया)	"	19
जार्ज हिलियट (कवि)	"	22
जोनाथन स्विफ्ट (व्यंग्य लेखक)	"	30
विन्स्टन चर्चिल (द्वितीय महायुद्ध के दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री)	"	30
वाल्ड डिस्ने (व्यंग्य फिल्मकार)	दिसम्बर	5
मैक्समुलर (जर्मन भारतविद्)	"	6
जान मिच्टन (कवि)	"	9
स्टालिन (सोवियत नेता)	"	21
सर आइज़क न्यूटन (वैज्ञानिक)	"	25
सुई पास्चर (चिकित्सक)	"	27
हडयाई रिपलिंग (लेखक-ग़ज़लकार)	"	30
(जिनका मूल पुस्तक में उल्लेख नहीं है)		
जॉन ऑफ आर्क (फ्रांसीसी वीरानना)	जनवरी	6
स्वामी विवेकानन्द	"	12
कूदन सात सहगल (संगीतज्ञ)	"	18
मुभायबद्द बोस (नेताजी)	"	23

1.1 रामरूष्ण परमहंस

स्वाधी-धेदानंद

मोरांरजे देसाई

रवीन्द्रनाथ ठाकुर

गोपाल कृष्ण गोखले

विनायक दामोदर सावरकर

सिद्धार्थ

मिनीराम गावस्कर (क्रिकेट खिलाड़ी)

डा. विन (जीव-वैज्ञानिक)

मरोजिनी नायडू (कवयित्री-राजनीतिज्ञ)

शिवाजी

प्रेमचंद

बाल गंगाधर तिलक

योगिराज अरविंद

राजीव गांधी

गोविंद बल्लभ पंत

आचार्य विनोबा भावे

शरच्चन्द्र चट्टोपाध्याय

लाल बहादुर शास्त्री

अमिताभ बच्चन

सरदार बल्लभ भाई पटेल

जवाहरलाल नेहरू

इंदिरा गांधी

हरिद्वाराय बच्चन

टिप्पण बापा

जगदीशचंद्र बसु (वैज्ञानिक)

टीनू गुजराज

डा० राजेंद्र प्रसाद

जयराज कैरो

महात्मा गांधी

विजया गांधी

बा० रामरूष्ण

प० गणेशदास सावरकर

गणेशदास सावरकर

फरवरी	5
"	9
"	29
मई	7
"	9
"	28
जुलाई	1
"	10
"	12
"	13
"	19
"	31
अगस्त	1
"	15
"	20
सितम्बर	10
"	11
"	15
अक्टूबर	2
"	11
"	31
नवम्बर	14
"	19
"	27
"	29
"	30
दिसम्बर	1
"	3
"	4
"	14
"	19
"	23
"	25
"	25